3 | राजधानी
रक्षाबंधन पर महिलाओं को दो दिन मुफ्त बस सेवा का तोहफा

6 | अभिमत
संकट बना राज्यों का बेलगाम कर्ज

9 | राष्ट्रीय
झारखंड के 18 स्कूलों में हो रही शुक्रवार को छुट्टी

10 | विदेश
सुनक ने टीवी बहस में समर्थन हासिल किया

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 285
लखनऊ, शनिवार, 6 अगस्त, 2022
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

शृंखला जीतने उतरेगा भारत अय्यर पर नजर
स्पोर्ट्स-12

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का काले कपड़ों में उग्र प्रदर्शन

- दिल्ली में सोनिया गांधी के साथ सभी सांसद और राज्यों में नेता और कार्यकर्ता सड़क पर उतरे
- राहुल व प्रियंका गांधी ने केंद्र पर हमला बोला- लोकतंत्र और सांप्रदायिक सौहार्द की पैरवी करने के लिए गांधी परिवार पर हो रहे हमले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी और कई खाद्य वस्तुओं को जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) के दायरे में लाए जाने के खिलाफ शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया। आम आदमी से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को लेकर नई दिल्ली में सुबह राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस के बाद काले कपड़े पहनकर सड़कों पर उतरे कांग्रेस नेताओं ने नेशनल हेराल्ड केस में गांधी परिवार के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत दोनों सदनों के लगभग 60 सांसद एवं सैकड़ों नेताओं को हिरासत में ले लिया गया।

मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन का केंद्र हालांकि दिल्ली रही, जहां राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस सांसदों ने संसद भवन से राष्ट्रपति भवन के लिए मार्च निकाला, वहीं इसे देशव्यापी बनाने की रणनीति के तहत विभिन्न राज्यों की राजधानियों और प्रमुख शहरों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध मार्च निकाले और प्रदर्शन किया। काले कपड़े पहने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने संसद में विरोध-प्रदर्शन की अगुवाई की, जहां मल्लिकार्जुन खड़गे समेत अन्य सांसद भी काले कपड़ों में नजर आए। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते हालांकि सोनिया गांधी सड़क पर नहीं उतरीं। उनकी जगह प्रियंका गांधी ने मोर्चा संभला। (शेष पेज 4)

शाह ने तुष्टिकरण तो योगी ने बताया रामभक्तों का अपमान

- दोनों नेताओं ने कहा- राम जन्मभूमि शिलान्यास दिवस पर काले कपड़े पहनने से पता चली कांग्रेस की नीयत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महंगाई व जीएसटी को लेकर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को नाटक करार देते हुए जहां भाजपा ने इसे नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार की जांच से गांधी परिवार को बचाने की चाल बताया, वहीं गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2020 में राम जन्मभूमि की नींव रखने वाले दिन पर कांग्रेस प्रदर्शनकारियों द्वारा काले कपड़ों में आंदोलन करने को विपक्षी दल की तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप जड़ा है। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने विरोध के लिए इस दिन को चुना और काले कपड़े पहने, क्योंकि वे अपनी तुष्टिकरण की राजनीति को और बढ़ावा देने के लिए अपने समर्थकों को एक सूक्ष्म संदेश देना चाहते थे। आज ही के दिन प्रधानमंत्री मोदी ने राम जन्मभूमि की नींव रखी थी। शाह ने संवाददाताओं से कहा कि सभी ने नियमित कपड़ों में कांग्रेस नेताओं के विरोध को देखा है, (शेष पेज 4)

रिजर्व बैंक ने रेपो दर आधा प्रतिशत बढ़ाई

- महंगाई पर काबू के लिए नरम रुख छोड़ने की तैयारी

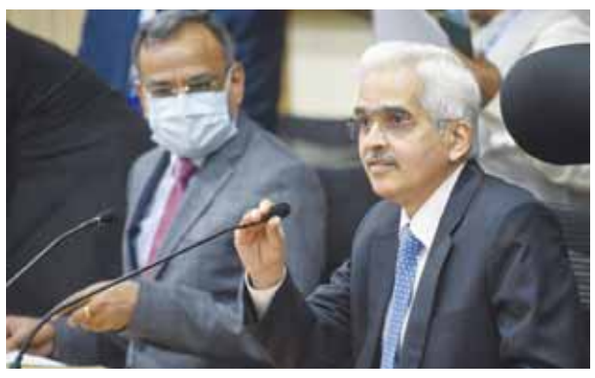

भाषा। मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को खुदरा महंगाई को काबू में लाने के लिए नीतिगत दर रेपो को 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 5.4 प्रतिशत कर दिया। इससे मौजूदा कर्ज की मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ने के साथ आवास, वाहन और अन्य कर्ज लेना महंगा होगा। चालू वित्त वर्ष की चौथी मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार तीसरी बार नीतिगत दर बढ़ाई गई है। कुल मिलाकर 2022-23 में अबतक रेपो दर में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि की जा चुकी है। इसके साथ ही प्रमुख नीतिगत दर महामारी-पूर्व के स्तर से ऊपर पहुंच गई है।

फरवरी, 2020 में रेपो दर 5.15 प्रतिशत थी। साथ ही मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने नरम नीतिगत रुख को वापस लेने पर ध्यान देने का भी निर्णय किया है। मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन अगस्त से शुरू तीन दिन की बैठक में किए गए निर्णय की जानकारी देते हुए रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने टेलीविजन पर प्रसारित बयान में कहा, एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 5.4 प्रतिशत करने का फैसला किया। उन्होंने संकेत दिया कि रेपो दर में लगातार दूसरी बार 0.5 प्रतिशत की वृद्धि नीतिगत दर को कड़ा किए जाने को लेकर कोई अंतिम कदम नहीं है। महंगाई को नियंत्रण में लाने के लिए और कदम उठाए जा सकते हैं। मुद्रास्फीति लगातार छह महीने से रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। इस साल जून में खुदरा मुद्रास्फीति 7.01 प्रतिशत रही। (शेष पेज 4)

दिल्ली-एनसीआर में पीएनजी के दाम बढ़े

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली और एनसीआर में पाइप के जरिए आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) शुक्रवार से 2.63 रुपये प्रति इकाई महंगी हो गई है। दो सप्ताह से भी कम समय में पीएनजी के दाम दूसरी बार बढ़ाए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में पीएनजी और सीएनजी की आपूर्ति करने वाली इंद्रप्रस्थ गैस लि. ने कहा कि दिल्ली में पीएनजी का दाम अब 50.59 रुपये प्रति घनमीटर होगा। अभी तक यह 47.96 रुपये प्रति इकाई था। आईजीएल ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि इस बढ़ोतरी से गैस की उत्पादन लागत में बढ़ोतरी की आंशिक भरपाई हो पाएगी। इससे पहले 26 जुलाई को पीएनजी के दाम 2.1 रुपये प्रति इकाई बढ़ाए गए थे। पिछले कई माह से पीएनजी के दाम बढ़ रहे हैं। एक साल में पीएनजी 70 फीसदी महंगी हुई है। जुलाई, 2021 में दिल्ली में पीएनजी का दाम 29.66 रुपए प्रति घनमीटर है।

ईडी ने वीजा घोटाला मामले में तमिलनाडु में की छापेमारी

भाषा। नई दिल्ली

- कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम का नाम भी सामने आया था

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने में कथित अनियमितता से जुड़े धन शोधन मामले में शुक्रवार को तमिलनाडु में आधा दर्जन स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वीजा घोटाला मामले में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम का नाम भी सामने आया था। अधिकारियों ने बताया कि चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में कुछ कंपनी और उनके प्रवर्तकों के परिसरों में छापेमारी की जा रही है।

ईडी ने इसी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी का संज्ञान लेने के बाद मई में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के मुताबिक, यह मामला कार्ति और उनके करीबी एस. भास्कर रमण को वेदांता समूह की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) के एक शीर्ष अधिकारी द्वारा रिश्वत के रूप में 50 लाख रुपए दिए जाने के आरोपों से संबंधित है। यह कंपनी पंजाब में बिजली संयंत्र स्थापित कर रही थी। पूर्व में सीबीआई ने चिदंबरम परिवार के परिसरों पर छापा मारा था और भास्कर रमण को गिरफ्तार किया था, जबकि कार्ति चिदंबरम से पूछताछ की गई थी।

तमिलनाडु में शिवगंगा सीट से सांसद कार्ति चिदंबरम (50) ने आरोपों से इंकार किया है। उन्होंने एक बयान में कहा, अगर ए उत्पीड़न नहीं, तो और क्या है? सीबीआई के मुताबिक, बिजली परियोजना का काम चीन की एक कंपनी द्वारा किया जा रहा था, जो निर्धारित समयसीमा से पीछे चल रहा था। सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार, टीएसपीएल के एक अधिकारी ने 263 चीनी कामगारों के लिए परियोजना वीजा फिर से जारी करने की मांग की थी, जिसके लिए कथित तौर पर 50 लाख रुपए की रिश्वत दी गई थी।

चीन ने पेलोसी पर प्रतिबंध लगाया

बीजिंग (भाषा)। चीन ने इस सप्ताह की शुरुआत में ताइवान की यात्रा को लेकर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी और उनके परिवार पर शुक्रवार को प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। चीन ने इसी के साथ रक्षा और जलवायु परिवर्तन सहित कई अन्य क्षेत्रों में वाशिंगटन के साथ अपनी वार्ता भी रद्द कर दी। 82 वर्षीय पेलोसी पिछले 25 वर्षों में ताइवान की यात्रा करने वाली अमेरिका की सबसे शीर्ष अधिकारी हैं। वह मंगलवार को स्व-शासित द्वीप पहुंची थीं, जिससे चीन भड़क गया था। दरअसल, चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है और विदेशी सरकारों के साथ उसके संबंधों का विरोध करता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने पेलोसी के दौरे की आलोचना करते हुए बीजिंग में अमेरिकी राजदूत क्रिस बर्न्स को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया था और ताइवान जलडमरूमध्य क्षेत्र में चार दिन के व्यापक सैन्य अभ्यास की घोषणा की थी। शुक्रवार को मंत्रालय ने एक बयान जारी कर पेलोसी और उनके परिवार पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। बयान के मुताबिक, पेलोसी ने स्व-शासित द्वीप की अपनी यात्रा को लेकर चीन की चिंताओं और विरोध की अवहेलना की है।

उपराष्ट्रपति चुनाव: आज होगा मतदान आंकड़े राजग प्रत्याशी धनखड़ के पक्ष में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- विपक्ष की संयुक्त उम्मीदवार मार्गरिट अल्वा से है टक्कर

देश के नए उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए शनिवार को मतदान होगा। इसमें मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार जगदीप धनखड़ और विपक्ष की संयुक्त उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा के बीच है। आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल धनखड़ की जीत सुनिश्चित लग रही है। विपक्षी दलों में उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर मतभेद भी सामने आए हैं, क्योंकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने अल्वा के नाम की घोषणा से पहले सहमति नहीं बनाने की कोशिशों का हवाला देते हुए मतदान प्रक्रिया से दूर रहने की घोषणा की है।

अस्सी वर्षीय अल्वा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता हैं और वह राजस्थान के राज्यपाल के रूप में भी काम कर चुकी हैं। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस), आम आदमी पार्टी (आप) और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अल्वा के समर्थन की घोषणा की है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने भी अल्वा का समर्थन किया है। धनखड़ 71 वर्ष के हैं और वह राजस्थान के प्रभावशाली जाट समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। उनकी पृष्ठभूमि समाजवादी रही है। जनता दल (यूनाईटेड), वाईएसआर कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, अन्नाद्रमुक और शिवसेना ने धनखड़ का समर्थन करने की घोषणा की है और इनके समर्थन से राजग उम्मीदवार को 515 के करीब मत मिलने का अनुमान जताया जा रहा है। अल्वा को अब तक मिले पार्टियों के समर्थन को देखते हुए अनुमान जताया जा रहा है कि उन्हें 200 के करीब मत मिल सकते हैं। मतदान से एक दिन पहले अल्वा ने एक वीडियो संदेश में कहा, संसद के कामकाज को अगर प्रभावी बनाना है तो सांसदों को एक दूसरे के बीच विश्वास बहाली और टूट चुके संवाद को कायम करने के लिए रास्ते निकालने होंगे। अंतत: वह सांसद ही हैं, जो हमारी संसद का चरित्र निर्धारित करते हैं। उन्होंने कहा, समय आ चुका है कि एक दूसरे के बीच विश्वास बहाली और संसद की गरिमा को बहाल करने के लिए सभी दल साथ आएं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बृहस्पतिवार को अल्वा का समर्थन करने वाले सभी दलों के सांसदों के लिए रात्रि भोज का आयोजन किया था।

धनखड़ ने शुक्रवार को अपने आवास पर भाजपा के सांसदों से मुलाकात की। इनमें सुशील कुमार मोदी, गौतम गंभीर, राज्यवर्धन राठौड़, राजेंद्र अग्रवाल भी शामिल थे। संसद भवन में मतदान सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक होगा। इसके तुरंत बाद मतों की गिनती की जाएगी और देर शाम तक निर्वाचन अधिकारी द्वारा देश के नए उपराष्ट्रपति के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। उपराष्ट्रपति के रूप में एम वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है और नए उपराष्ट्रपति 11 अगस्त को शपथ लेंगे। लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्य उपराष्ट्रपति चुनाव के निर्वाचक मंडल में शामिल होते हैं। (शेष पेज 4)

मोदी से मिलीं दीदी, समय से कोष जारी करने का अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल से संबंधित कई मुद्दों को पीएम के समक्ष उठाया

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और अपने राज्य से संबंधित कई मुद्दों को उठाया, जिसमें जीएसटी बकाया और केंद्र द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत समय पर धन जारी करना शामिल है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने करीब एक घंटे तक हुई बैठक की एक तस्वीर साझा की है। प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन में बनर्जी ने कहा कि ग्रामीण रोजगार योजना-मनरेगा, पीएम-आवास योजना और पीएम-ग्रामीण सड़क योजना के क्रियान्वयन के कारण राज्य के लिए धन को तत्काल जारी करने के संबंध में वह कई बार हस्तक्षेप का आग्रह कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के तहत राज्य को देय राशि अब लगभग 17,996.32 करोड़ रुपए है। अपने ज्ञापन में बनर्जी ने विभिन्न योजनाओं और लाभों के तहत राज्य को देय कुल राशि का ब्योरा प्रस्तुत किया है। (शेष पेज 4)

बाजार

सेंसेक्स	58,388	↑ 89	
निफ्टी	17,397	↑ 15	
सोना	52,144	↓ 21	/10g
चांदी	58,042	↑ 60	/kg

क्विक न्यूज

बिहार में जहरीली शराब से सात लोगों की मौत

छपरा (बिहार)। बिहार मे जहरीली शराब पीने के कारण कम से कम सात लोगो की मौत हो गई है, जबकि 15 अन्य बीमार हो गए। अधिकारियो ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियो के मुताबिक, जहरीली शराब पीने वाले कुछ लोगो की आंखो की रोशनी चली गई है। सारन के जिलाधिकारी राजेश मीणा के मुताबिक, सभी मामले मकेर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवो से आए है। जिलाधिकारी राजेश मीणा ने कहा, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि ग्रामीणो ने जहरीली शराब का सेवन किया था। यहां पांच लोगो की मौत हो गई, जबकि पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल मे दो लोगो की मौत हो गई, जहां गंभीर रुप से बीमार लोगो को बृहस्पतिवार को स्थानांतरित किया गया था।

कुश्ती में भारत का स्वर्णिम अभियान, बजरंग, साक्षी और दीपक को स्वर्ण

कॉमनवेल्थ गेम्स

- अंशु मलिक ने जीता रजत पदक और दिव्या काकरान को मिला कांस्य

भाषा। बर्मिंघम

भारत के स्टार पहलवान और ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक ने राष्ट्रमंडल खेलों की कुश्ती स्पर्धा में शुक्रवार को भारत को स्वर्णिम शुरूआत दिलाई जबकि अंशु मलिक को पदार्पण करते हुए रजत पदक मिला। टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग का 65 किलो वर्ग में इतना दबदबा रहा कि पहले दौर में ही उन्होंने चार में से तीन मुकाबले जीते। उन्होंने फाइनल में कनाडा के लाचलान मैकनील को 9-2 से हराया। इससे पहले इंग्लैंड के जॉर्ज रैम पर तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) से जीत दर्ज कर आसानी से फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं दीपक पूनिया ने राष्ट्रमंडल खेलों की कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। पुरूषों के 86 किलो फ्रीस्टाइल वर्ग के फाइनल में पाकिस्तान के मोहम्मद इनाम को हराया। वहीं दिव्या काकरान ने राष्ट्रमंडल खेलों की महिला फ्रीस्टाइल 68 किग्रा कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

वहीं साक्षी मलिक ने 62 किग्रा के फाइनल में कनाडा की एना गोंडिनेज गोंजालेस को चित करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह साक्षी का राष्ट्रमंडल खेलों में पहला स्वर्ण पदक है। इससे पहले वह राष्ट्रमंडल खेलों में रजत और कांस्य पदक जीत चुकी हैं। वहीं अंशु मलिक ने 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश का कुश्ती में खाता खोला। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक अंतिम चार मुकाबले में कैमरून की बर्थे इमिलिएने इटाने एनगोले पर तकनीकी श्रेष्ठता से 10-0 की जीत से फाइनल में पहुंच गईं। साक्षी ने क्वार्टरफाइनल में भी तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की। उन्होंने इस शुरूआती मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड की केलसे बार्नेस को मात दी। गत चैम्पियन बजरंग मौरिशस के जीन गुलियाने जोरिस बांडोऊ को महज एक मिनट में पटखनी देकर 6-0 की जीत से सेमीफाइनल में पहुंचे। उन्हें क्वार्टरफाइनल में पहुंचने में दो मिनट से भी कम समय लगा जिसके लिए उन्होंने शुरूआती दौर में नौरू के लोवे बिंघम को गिराकर 4-0 से आसान जीत दर्ज की। बजरंग ने एक मिनट अपने प्रतिद्वंद्वी को समझने में लिया और फिर जकड़ने की स्थिति से अचानक बिघंम को पटक कर मुकाबला खत्म कर दिया। बिंघम को इस अचानक से हुए दांव का पता नहीं चला और भारतीय पहलवान आसानी से जीत गया। अंशु को फाइनल में नाईजीरिया की ओडुनायो फोलासाडे एडुकुरोए से 3-7 से हार का सामना करना पड़ा। अंशु ने इससे पहले हर मुकाबले में दबदबा बनाया।

उन्होंने क्वार्टरफाइनल में आस्ट्रेलिया की इरेन सिमियोनिडिस और सेमीफाइनल में श्रीलंका की नेथमी पोरूथोटागे पर तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) से जीत दर्ज की। पहलवान दीपक पूनिया ने फ्रीस्टाइल 86 किग्रा में कनाडा के एलेक्जेंडर मूर को 3-। से पराजित करके फाइनल में स्थान पक्का किया। वह स्वर्ण पदक के मुकाबले में पाकिस्तान के मोहम्मद इनाम के सामने होंगे। दिव्या काकरान हालांकि फ्रीस्टाइल 68 किग्रा क्वार्टरफाइनल में नाईजीरिया की ब्लेसिंग ओबोरूडुडू से तकनीकी श्रेष्ठता (0-11) से हार गईं जिससे वह रेपेशाज में चुनौती पेश करेंगी।

संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा में प्रयागराज की रागिनी यादव को पहला स्थान

बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की संयुक्त बीएड (बैचलर ऑफ एजुकेशन) प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित किया जिसमें प्रयागराज की रागिनी यादव पहले स्थान पर रही हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कृष्ण पाल सिंह ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। कुलपति के अनुसार, प्रवेश परीक्षा में प्रयागराज की रागिनी यादव ने सर्वाधिक अंक पाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। रागिनी यादव को 359.66 अंक मिले हैं। वहीं, नीतू यादव 358 अंक के साथ दूसरे और अभय कुमार गुप्ता 349.33 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। तीनों अभ्यर्थी प्रयागराज जिले के निवासी हैं। राज्य स्तर पर छह जुलाई को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। यह दूसरी बार है जब रोहिलखंड विश्वविद्यालय ने संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा आयोजित की है। परीक्षा में कुल 6,67,463 उम्मीदवार शामिल हुए थे।

रामभक्तों के अपमान पर माफी मांगे कांग्रेस

सीएम बोले 5 अगस्त हर भारतीय के लिए गर्व का दिन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

काले कपड़े पहनकर कांग्रेस के प्रदर्शन पर नाराजगी जताते कर हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पांच अगस्त दिन हर भारतीय के लिए गर्व का दिन है, क्योंकि इसी दिन ही श्रीराम जन्मभूमि के मंदिर निर्माण का शुभारंभ हुआ था।

सीएम योगी ने कहा कि यह सोचने वाली बात है कि कांग्रेस ने काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन करने का दिन आज का ही क्यों चुना जबकि रोजाना प्रदर्शन सामान्य कपड़ों में होता था। यह सभी राम भक्त और राम मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन में बलिदान देने वालों का अपमान है। इसके साथ ही यह सुप्रीम कोर्ट का अपमान है और कांग्रेस को इसके लिए देश से माफी मांगना चाहिये।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज अयोध्या दिवस है सैकड़ों वर्षों से हर भारतीय जन मानस को इस दिवस का इंतजार था। श्रीराम जन्म भूमि मंदिर निर्माण के कार्य के शुभारंभ का दिन भारत के लोकतंत्र को सम्मान देने वाला दिवस है। भारत की न्यायपालिका की ताकत को दुनिया के सामने अहसास कराने वाला दिवस है। भारत के उच्चतम न्यायालय के सम्मान का दिवस है। सैकड़ों वर्षों से हर भारतीय को इस दिन की तमन्ना थी। हर आस्थावान भारतीय इस दिवस का इंतजार कर रहा था। उन सबके मन में एक ही भाव था कि भारत की आस्था का सम्मान हो उच्चतम न्यायालय के फैसले से एक समान अनुमति मिली, जिसके बाद पांच अगस्त 2020 को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्म भूमि पर मंदिर निर्माण कार्य का शुभारंभ हुआ। प्रातकाल से ही अयोध्या में लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन आकर अपनी आस्था वहां व्यक्त कर रहे हैं। इस दिवस पर भारत की आस्था को अपमानित करने वाले कांग्रेस के नेताओं का आचरण अत्यन्त निंदनीय है।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कई दिनों से प्रदर्शन अपने सामान्य कपड़ों में कर रही थी,लेकिन पांच अगस्त को श्रीराम जन्म भूमि मंदिर निर्माण कार्य के शुभारंभ दिवस के दिन उसने काले कपडों में प्रदर्शन किया। काले कपड़े पहनकर जो प्रदर्शन किया है यह श्रीरामजन्म भूमि के मंदिर निर्माण की तिथि के दिन यह रामभक्तों का अपमान है। अयोध्या दिवस का अपमान है, भारत के लोकतंत्र का अपमान है और भारत की न्यायपालिका के सम्मान का अपमान है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इस कृत्य की हम निंदा करते हैं और कांग्रेस पार्टी जिस तरह का आचरण कर रही है मुझे लगता है कि कोई भी भारत का आस्थावान व्यक्ति कांग्रेस के इस आचरण का समर्थन नहीं कर सकता है। यह राम भक्तों का अपमान है। कांग्रेस पार्टी को अपने इस कृत्य के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिये।

पांच साल में हासिल करेंगे वन ट्रिलियन अर्थव्यवस्थाः योगी

● अर्थव्यवस्था को मानक बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने तय किया रोडमैप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य की अर्थ व्यवस्था को वन ट्रिलियन का बनाने के लिये सीएम योगी आदित्यनाथ ने रोडमैप तय कर दिया है। इस रोडमैप में अगले 5 वर्षो में प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को 1 ट्रिलियन का आंकड़ा पार करने का प्रावधान किया गया है। रोडमैप को आकार देने के लिये विश्व प्रसिद्ध कंसल्टेंट एजेंसी डेलॉयट इंडिया और सरकार के बीच आज अनुबंध हुआ।

प्रदेश को 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी फ़ॉर यूप, यूपी फ़ॉर इंडिया, यूपी फ़ॉर ग्लोबल की परिकल्पना की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यूपी अपने पोटेंशियल का पूरा लाभ उठाते हुए देश के बहुआयामी विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वर्ष 5 वर्ष की समय-सीमा निर्धारित की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश को .1ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के साथ सबका साथ-सबका विकास की नीति का मानक बनेगा।

सीएम ने कहा कि रउत्तर प्रदेश की समृद्धि के लिए सरकार ने डेलॉयट इंडिया को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। राज्य सरकार के सभी विभागों की ओर से कंसल्टेंट एजेंसी को पूरा सहयोग प्राप्त होगा। सीएम ने कहा कि अगले 90 दिनों के भीतर डेलॉयट इंडिया संस्था सेक्टरवार अध्ययन करते हुए गहन विवेचना के साथ भावी कार्ययोजना प्रस्तुत करे। कार्ययोजना का परीक्षण मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। मंत्री समूह द्वारा इसकी समीक्षा भी की जाएगी। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश संभावनाओं वाला प्रदेश है। इसके पोटेंशियल को आगे बढ़ाने के लिए कभी सही प्रयास नहीं हुए। कोरोना काल में प्रदेश की क्षमता और संकल्प को सबने देखा और सराहा है। लॉकडाउन की अल्प अवधि को छोड़ दें तो कोविड काल में प्रदेश कभी रुका नहीं। हमारी औद्योगिक इकाइयां लगातार चलती रहीं। सीएम ने कहा कि प्रदेश में कनेक्टिविटी के लिहाज से बीते 5 वर्ष में बड़ा सुधार हुआ है। आज यहां 5 एक्सप्रेसवे बन रहे हैं तथा 9 एयरपोर्ट शुरू हो चुके हैं। पहला इन लैंड वाटर-वे वाराणसी से हल्दिया तक संचालित हो रहा है। प्रदेश के हर जनपद में कुछ न कुछ खास है। इसकी पहचान और प्रोत्साहन आवश्यक है। विकास में क्षेत्रीय असंतुलन न हो। हर क्षेत्र में हर वर्ग को प्रदेश की तरक्की का सीधा लाभ मिलना चाहिए। ऐसे में रीजन आधारित आर्थिक रणनीति तैयार किया जाना आवश्यक है। सीएम ने कहा कि समग्र विकास के लिए हमने 10 सेक्टर बनाये हैं। प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी अपर मुख्य सचिव स्तर के अनुभवी अधिकारी को दी गई है। हर सेक्टर के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्ययोजना तय की गई है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री ने समग्र विकास के लिए हमें रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्मश का मंत्र दिया है। इस मंत्र को अपनी कार्ययोजना में उतारने का ही परिणाम है कि बीते 5 साल में अर्थव्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है। देश-विदेश के निवेशकों के लिए सर्वश्रेठ गंतव्य के रूप में उत्तर प्रदेश की पहचान है। उन्होने कहा कि अगले वर्ष जनवरी माह में उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर समिटश् का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। यह हमारी कार्ययोजना का हिस्सा है। इस बार हमारा लक्ष्य 10 लाख करोड़ के निवेश का है। यह ग्लोबल इन्वेस्टर समिट वर्ष 2027 तक प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की पूर्ति में सहायक होगा।

कॉमनवेल्थ गेम में पदक जीतने पर राज्यपाल ने दी बधाई

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कॉमन वेल्थ गेम्स 2022 में मुरली श्री शंकर को 8.08 एम लूप जम्प प्रतिस्पर्धा में रजत पदक जीतने पद हार्दिक बधाई व उज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं राज्यपाल ने सुधीर को पावर लिफ्टिंग प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पद हार्दिक बधाई व उज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है और उनकी यह जीत हमारे देश के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी साबित होगी।

बाईपास रिंग रोड व फ्लाई ओवर के लिए 98 करोड़ 78 लाख की धनराशित अवमुक्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शहरों के बाईपास रिंग रोड व फ्लाई ओवर व्यवस्था योजना के चालू कार्यों के लिए 98 करोड़ 78 लाख 48 हजार रुपए की धनराशि का आवंटन किया है। इस संबंध में लोक निर्माण विभग की ओर से शासनादेश जारी कर दिया गया है। जारी शासनादेश के अनुसार इन 9 गतिशील कार्यों में जनपद अयोध्या में 2, बांदा, गोरखपुर, सहारनपुर, बिजनौर, रामपुर, कुशीनगर तथा सम्भल में एक-एक कार्य शामिल हैं। जारी शासनादेश में निर्देशित किया गया है कि आवंटित धनराशि का उपयोग अंकित परियोजनाओं पर ही मानक विशिष्टियों के अनुरूप एवं वित्त विभाग द्वारा निर्गत आदेशों-ज्ञापों तथा बजट मैनूअल और वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों-स्थाई आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए व्यय की जाए तथा जारी शासनादेशों में उल्लिखित किया गया है की वित्तीय-भौतिक प्रगति का सक्षम स्तर पर सम्यक निरीक्षण-सत्यापन कर प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक माह शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाने के लिए 3.75 करोड़ आवंटित

● प्रत्येक जिलाधिकारी को आवंटित की गई पांच लाख रुपए की धनराशि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम को पूरे प्रदेश में भव्य रूप से मनाये जाने के लिए प्रदेश के समस्त जिलाधिकारियों को 3.75 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की गई है। इसमें से 5 लाख रुपए की धनराशि प्रत्येक जिले में जिलाधिकारियों द्वारा अयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों पर खर्च की जाएगी।

प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम को शानदार ढंग से आयोजित किए जाने के लिए प्रमुख सचिव संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम की ओर से 3 अगस्त 2022 को 3.75 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित करते हुए सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव के परिप्रेक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। इसलिए इसमें व्यापक जनसहभागिता के लिए विभिन्न कार्यक्रम कराए जाएंगे। इस कार्यक्रम की व्यापक सफ लता के लिए जनपद स्तर पर विश्व विद्यालय, शिक्षण संस्थानों को उपयोग में लिया जाएगा। जहां पर ध्वनि-प्रकाश से युक्त सभागार-प्रेक्षागृह उपलब्ध होंगे, वहां पर ये कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पर्यटन मंत्री ने बताया कि जिला स्तरीय आयोजन समिति द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों का अपने स्तर से निर्धारण किया जा सकता है, जिनमें तिरंगा जल यात्रा, कठपुतली एवं जादू शो, आदि का भी कार्यक्रम रखा जा सकता है।

स्वतंत्रता दिवस पर 5 करोड़ पौधों का रोपण व अमृत वन की होगी स्थापना

● 8 अगस्त से 15 अगस्त तक मनाया जाएगा हरिशंकरी सप्ताहः अरुण सक्सेना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के वन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि आगामी 8 अगस्त से 15 अगस्त तक हरिशंकरी सप्ताह मनाया जाएगा। साथ ही 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 5 करोड़ पौधों का रोपण व अमृत वन की स्थापना करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि अमृत वन की स्थापना के लिए 43003 स्थल चयनित किए जा चुके हैं। इन स्थलों पर 34 लाख 23 हजार 911 पौधों का रोपण किया जाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि पौधरोपण के साथ ही पौधों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दी जाए।

सक्सेना ने शुक्रवार को वन मुख्यालय पर हरिशंकरी सप्ताह एवं अमृत वन की स्थापना की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को झण्डारोहण और राष्ट्रगान के पश्चात समस्त ग्राम पंचायतों में आजादी के अमृत महोत्सव के लिए चयनित स्थलों पर पौधरोपण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम सभा व शहरी निकाय में अमृत वन की स्थापना करायी जानी है। अमृत वन में 75 स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जायेगा। जिसमें पीपल, पाकड़, नीम, बेल, आंवला, आम, कटहल एवं सहजन के पौधों के रोपण को वरीयता दी जाए। वन मंत्री ने निर्देश दिए कि अमृत वन के स्थापना के लिए स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं-सेनानियों से संबंधित स्थलों एवं अमृत सरोवर के आस पास पौधरोपण को विशेष प्रमुखता दी जाए। प्रत्येक विधानसभा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन कराया जाए। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि स्कूली बच्चों एवं स्काउट गाइड के विद्यार्थियों को खासतौर से आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के समस्त चिड़ियाघरों में स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान पेंटिंग, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन, प्रभात फे रियों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए।

कारागारों में भी आजादी का अमृत महोत्सव यादगार ढंग से मनाने की तैयारी

● बंदियों को दिया जा रहा राष्ट्रगान गाने का प्रशिक्षण, सभी जेलों की बैरकों पर भी होगा झंडारोहण, 15 अगस्त तक बंदी तैयार कर लेंगे 2 लाख झंडे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की कारागारों में भी आजादी के अमृत महोत्सवका जश्न कुछ खास और यादगार तरीके से मनाए जाने की तैयारियां हैं। सभी कारागारों में विशेष साफ सफ ाई अभियान चल रहा है। कारागार मुख्यालय, संपूर्णानंद कारागार प्रशिक्षण संस्थान, सभी रेंज डीआईजी कार्यालयों में तैनात अधिकारी कर्मचारी स्वच्छता कार्यक्रमों में श्रमदान करेंगे।

कारागार मुख्यालय के प्रवक्ता संतोष कुमार वर्मा ने बताया कि कारागार विभाग के सभी सरकारी भवनों एवं अधिकारियों कर्मचारियों के आवासों पर झंडारोहण किए जाने की व्यवस्था की जा रही है। प्रदेश की सभी कारागारों की बैरकों पर भी झंडारोहण कार्यक्रम कराया जाएगा।

बंदियों को राष्ट्रगान गाए जाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है प्रदेश में सभी कारागार भवनों पर लाइटिंग द्वारा सजावट की व्यवस्था किया जा रहा है सभी आवासीय भवनों पर 30 इंच गुणा 20 इंच आकार का राष्ट्र ध्वज लगाया जाएगा। मुख्यालय तथा कारागारों में निर्मित शहीद स्मारकों तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्मारकों पर एक सप्ताह तक सांयकाल राष्ट्रीय धुन बजाने की व्यवस्था की जा रही है।

जिन कारागारों में टेलरिंग में प्रशिक्षित बंदी व टेलरिंग यूनिट हैं वहां के बंदियों को झंडा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कारागार के अधिकारी बंदियों को स्वतंत्रता तथा झंडारोहण के बारे में जानकारी दे रहे हैं और उन्हें भक्ति भाव जागृत करने का प्रयास कर रहे हैं। कारागारों में खेलकूद कार्यक्रम जैसे बैडमिंटन कैरम वालीबाल आदि आयोजित कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करने वाले जेलकर्मियों को चिन्हित करके उन्हें प्रशस्ति पत्र देने की व्यवस्था की जा रही है। कारागारों मे देशभक्ति से संबंधित पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित किए जाने तथाआजादी के अमृत महोत्सव सप्ताह में शहीद कार्मिकों के परिवार को बुलाकर सम्मानित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। कारागारों में बाहर से आने वाले मुलाकातियों में आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में जागरूकता अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि जिला जेल आगरा, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, शाहजहांपुर, लखनऊ, बरेली, उरई व बहराइच में बन्दीगण झंडे बना रहे हैं। अनुमान है कि 15 अगस्त के दिन तक बंदीगण लगभग दो लाख झंडे बनाकर तैयार कर लेंगे। ये झंडे स्वयंसेवी संस्थाओं व जिला प्रशासन के माध्यम से आमजन को दिए जाएंगे।

तिरंगा यात्रा के साथ दंगा भी करा सकती है भाजपा

जनेश्वर मिश्र की 89वीं जयंती पर सपा अध्यक्ष ने उनकी प्रतिमा पर माल्यर्पण कर अर्पित की श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आशंका जतायी है कि भाजपा तिरंगा यात्रा के साथ दंगा भी करवा सकती है। उन्होंने कहा कि कासंगंज में पिछले समय तिरंगा यात्रा में दंगा हुआ था। यह दंगा हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर भाजपा ने ही कराया था। भाजपा ने हमेशा पिछड़ों, दलितों और खासकर मुसलमान भाइयश को धोखा देने का काम किया है। भाजपा बांटने की राजनीति करती है। समाजवादी सरकार बनने के बाद जातीय जनगणना कराई जाएगी।

अखिलेश शुक्रवार को समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की जयंती पर गोमती नगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर अखिलेश ने कहा कि 15 हजार करोड़ की लागत से बने जिस बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे का प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया था वह पहली बारिश में ही ढह गया। इसकी जांच ईडी या सीबीआई से कब होगी? उन्होंने कहा कि पूरे देश को समझना चाहि कि आरएसएस और भाजपा एक ही है। नागपुर में आरएसएस के मुख्यालय पर पांच दशक तक राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया गया। समाजवादियों ने जनेश्वर मिश्र पार्क में सबसे ऊंचा तिरंगा झंडा सम्मान के साथ लगवाया था। जनेश्वर मिश्र की 89 वीं जयंती पर जनेश्वर मिश्र पार्क में स्थापित उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही अखिलेश यादव ने जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट में उनकी प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। यादव ने कहा कि श्री मिश्र आजीवन गरीबोंए किसानों और नौजवानों के लिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने सभी के साथ समानता का व्यवहार किया। संसद में उनको सभी शांति से सुनते थे। समाजवादी पार्टी उनके ही आदर्शो पर चल रही है।

सपा प्रवक्ता ने बताया कि जनेश्वर मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात अखिलेश यादव ने लगभग 4 सौ एकड़ में फैले जनेश्वर मिश्र पार्क का भ्रमण किया।

महाराष्ट्र से हत्या कर फरार हुए दो अभियुक्तों को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी एसटीएफ और महाराष्ट्र पुलिस की टीम ने रायगढ़ में हुई हत्या की एक घटना में शामिल और फरार चल रहे दो अभियुक्तों अमन सिंह व दिलीप शुक्ला को आजमगढ़ से गिरफ्तार किया। दोनों आजमगढ़ जिले के ही रहने वाले हैं।

एसटीएफ के अनुसार बीती 28 जुलाई 2022 को जनपद रायगढ़, महाराष्ट्र के थाना नवीन पनवेल क्षेत्रान्तर्गत जंगल में बुरी तरह से जला हुआ एक शव मिला था। इस संबंध में थाना नवीन पनवेल पर हत्या का मुकदमा हुआ था। स्थानीय पुलिस की विवेचना से शव की शिनाख्त प्रवीण शान्ताराम सेलार पुत्र शान्ताराम निवासी उषावली गांव थाना नवीन पनवेल जनपद रायगढ़ के रूप में हुई। हत्याकाण्ड में नरेश के साथ-साथ अमन सिंह एवं दिलीप शुक्ला निवासी खेमीपुर थाना पवई जनपद आजमगढ के शामिल होने की बात प्रकाश में आई। जो घटना के बाद से ही फ रार चल रहे थे। दोनों अभियुक्तों के जनपद आजमगढ़ में छिपे होने की सूचना प्राप्त होने पर रायगढ़ पुलिस द्वारा अभिसूचना को साझा करते हुए यूपी एसटीएफ से सहयोग मांगा गया। एसटीएफ की वाराणसी इकाई ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ मिलकर सटीक सूचना के आधार पर आजमगढ़ क्का पवई थाना क्षेत्र से दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी की। पुलिस विवेचना एवं पूछताछ से पाया गया कि प्रवीण शान्ताराम सेलार की शादी नही हुई थी। प्रवीण शान्ताराम के परिचित नरेश ने शादी कराने के नाम पर 40 हजार लिए थे लेकिन पैसा लेने के उपरान्त भी शादी न कराने पर प्रवीण शान्ता राम अपने 40 हजार वापस मांगने लगा।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Animika Devi D/O Late Sh.Sudhakar Prasad Trivedi R/O Village Behati Post Bhurkuri , Bhudkuri, Sitapur Uttar Pradesh-261141, have changed my name to Animika Trivedi

PD(90144)A

सूचना

सूच्य हो मैंने अपने पुत्र सोमेश सिंह को उसका चाल-चलन ठीक न होने के चलते अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब से उसके किसी भी कृत्य व लेन-देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा। विजय कुमार सिंह पुत्र बिन्द्रा बक्श सिंह निवासी-मोहल्ला शास्त्री नगर, लोनियनपुरवा, थाना-कोतवाली सीतापुर, तहसील व जिला- सीतापुर

महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

● राहुल व प्रियंका की गिरफ्तारी के खिलाफ कांग्रेस मुख्यालय में धरने पर बैठे कांग्रेसी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। लखनऊ में प्रदर्शन कर रहे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्यों को पुलिस ने शुक्रवार को राजभवन की ओर जाने से रोक दिया। लखनऊ में पुलिस ने राज्यपाल के आधिकारिक आवास राजभवन की ओर जाने वाले मार्गों पर बैरिकेड लगा दिया है।

कांग्रेस के कार्यकर्ता काली पट्टी बांधकर तिरंगा लहराते हुए सुबह पार्टी मुख्यालय पर एकत्रित हुए और करीब 11.30 बजे जब उन्होंने राजभवन की तरफ कूच करने का प्रयास किया तो पुलिस द्वारा उन्हें रोक दिया गया। सभी को बसों में बिठाकर ईको गार्डेन ले जाकर छोड़ दिया गया। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में महंगाई एवं बेरोजगारी के खिलाफ आन्दोलन और पदमार्च किया गया। पदमार्च में शामिल नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए विधायक चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने पिछले आठ वर्षों में यूपी को पीछे धकेल दिया है। उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार एक तानाशाही सरकार है। जिसने देश की संवैधानिक और विधिक संस्थाओं पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। इन विधिक संस्थाओं के संरक्षण में ही विपक्ष और जनता की आवाज मजबूत होती है, लोकतंत्र मजबूत रहता है। कांग्रेस के नेताओं को ईडी का डर दिखाया जा रहा है और जनता के मुद्दों पर आंदोलन करने से रोका जा रहा है। मगर कांग्रेस डरने वाली नहीं है।

आबकारी विभाग में नहीं बर्दाश्त किया जाएगा किसी प्रकार का भ्रष्टाचारः नितिन अग्रवाल

आबकारी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ने छह माह की कार्ययोजना के संबंध में की समीक्षा बैठक

● जुलाई 2022 तक आबकारी विभाग को हुई 12974.32 करोड़ रुपए राजस्व की प्राप्ति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के आबकारी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल ने कहा है कि आबकारी विभाग द्वारा छह माह में वार्षिक राजस्व लक्ष्य 42500 करोड़ रुपए के सापेक्ष 20500 करोड़ रुपए राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उनहोंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य से अधिक राजस्व प्राप्त करना हमारी प्राथमिकता है। विभाग में किसी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि किसी अधिकारी के खिलाफ वित्तीय अनियमितता, भ्रष्टाचार या कार्यो में लापरवाही की शिकायत प्राप्त होती है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। अग्रवाल शुक्रवार को गन्ना संस्थान में आयोजित आबकारी विभाग की छह माह की कार्ययोजना के संबंध में समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। आबकारी मंत्री ने कहा कि 100 दिवस की कार्ययोजना के अन्तर्गत जो राजस्व की प्राप्ति हुई है वह अत्यंत सराहनीय है। मुख्यमंत्री को विभाग से बहुत अपेक्षाएं हैं। राजस्व अर्जन में आबकारी विभाग का प्रमुख स्थान है और सरकार की प्रंभावी नीतियों के तहत पिछले पांच वर्षों में आबकारी विभाग द्वारा उल्लेखनीय राजस्व अर्जित किया गया है। अगवाल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पॉश मशीन द्वारा बीयर की सेलिंग 15 अगस्त तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसको पूर्ण कराना सुनिश्चित करें अन्यथा कड़ी कार्यवाही होगी। समीक्षा बैठक के दौरान आबकारी मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन के कार्य को और कारगर बनाया जाऐ तथा अवैध मदिरा के उत्पादन पर पूरी तरह से अंकुश लगाते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने दूसरे पड़ोसी राज्यों से बिना सीमा शुल्क दिये आ रही मदिरा के व्यापार पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही दुकानों की नियमित चेकिंग सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर. भूसरेड्डी ने राजस्व प्राप्तियों की जानकारी देते हुए बताया कि माह जुलाई 2022 तक 12974.32 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है जो गत वर्ष की तुलना में 16.21 प्रतिशत राजस्व की वृद्धि हुई है। उन्होंने 6 माह की कार्ययोजना के संबंध में मंत्री को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सभी विभागीय अधिकारी 6 इकाइयों की आसवनी स्थापित करने, 7 आसवनियों का कन्सट्रक्सन पूर्ण कराकर उत्पादन प्रारम्भ कराया जाना, 1 ब्रेवरी का कन्सट्रक्सन पूर्ण कराकर उत्पादन प्रारम्भ कराया जाना, 1 इकाई को वाइनरी स्थापित करने, बीयर की 6 माइक्रो ब्रेवरी की स्थापना करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य करेंगें। उन्होंने प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप दिये गये लक्ष्य को पूरा करने के लिए मंत्री को आश्वस्त किया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

बेहतर कनेक्टिविटी से तेज होगा विकास: योगी

● लखनऊ से कोलकाता और मुंबई के लिए सितंबर में शुरू हो जाएगी एयर एशिया की फ्लाइट, दिल्ली, गोवा और बंगलुरु के लिए एयर एशिया की सेवा शुरू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि बेहतर एयर कनेक्टिविटी आज समय की आवश्यकता है। उन्होने बेहतर कनेक्टिविटी को विकास की गति तेज करने का सरल माध्यम बताया और कहा कि यूपी को देश का सबसे बेहतर कनेक्टिविटी का राज्य बनाने के अपने संकल्प को दोहराया। राजधानी लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह हवाईअड्डा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली, बंगलुरु और गोवा के लिए एयर एशिया की नई उड़ान सेवा का आज शुभारंभ किया। एयर एशिया की कोलकाता और मुंबई की फ्लाइट अगले माह से शुरू हो जाएगी। इस मौके पर वर्चुवल जुड़े केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हवाई सेवा को बेहतर करने की सीएम योगी की कोशिशों की प्रशंसा करते हुए ने नई हवाई सेवाओं के लिए लखनऊ को बधाई दी है।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई उड़ान योजना का प्रदेश ने अत्यधिक लाभ प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री ने हवाई चप्पल पहनने वाले आम आदमी के हवाई उड़ान का सपना देखा था, उत्तर प्रदेश में बेहतर होती हवाई सेवाएं इस स्वप्न के साकार होने जैसी हैं। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में मुख्यत: लखनऊ और वाराणसी में ही एयरपोर्ट थे। गोरखपुर और आगरा में आंशिक रूप से क्रियाशील एयरपोर्ट थे। तब 4 एयरपोर्ट से मात्र 25 गंतव्यों तक वायुसेवा उपलब्ध थी और आज 9 एयरपोर्ट क्रियाशील हैं। अकेले लखनऊ में 5 साल से पहले जहां 15 शहरों तक उड़ान की सेवा थी वही आज 30 से ज्यादा शहरों के लिए फ्लाइट उपलब्ध है।

सीएम योगी ने कहा कि विकास की गति को तेज करने में कनेक्टिविटी का बड़ा योगदान है। इस लिहाज से प्रदेश में एक्सप्रेसवे का निर्माण और अधिकाधिक शहरों को हवाई सेवाओं से जोड़ा जा रहा है। हवाई सेवाओं को बेहतर करने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए प्रदेश सरकार एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया का सहयोग भी ले रही है। बहुत जल्द अलीगढ़, आज़मगढ़, चित्रकूट, श्रावस्ती और सोनभद्र से हवाई सेवा की शुरूआत हो जाएगी। सीएम ने सकारात्मक सहयोग के लिए केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री के प्रति आभार भी जताया। कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यूपी के अपार पोटेंशियल को बढ़ावा देने के लिए हाल के समय में 63 नए रूट जोड़े गए हैंए जल्द ही इसे बढ़ाकर 108 रूट तक करने की तैयारी है। एयर एशिया के सीईओ और एमडी सुनील भास्करन ने कहा कि लखनऊ से एयर एशिया की 8 फ्लाइट उपलब्ध होंगी। आज 5 फ्लाइट शुरू हो गई हैं जबकि कोलकाता और मुंबई के लिए 3 फ्लाइट सितंबर से शुरू हो जाएगी। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव नागरिक उड्डयन एपी गोयल, लखनऊ की मण्डलायुक्त सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

रक्षाबंधन पर्व पर महिलाएं रोडवेज बसों पर दो दिन कर सकेगी मुफ्त सफर

लखनऊ। आजादी के अमृत महोत्सव और रक्षाबंधन पर सीएम योगी ने दो दिनों की मुफ्त बस यात्रा का महिलाओं को तोहफा दिया है। अमृत महोत्सव पर 10 अगस्त और रक्षा बंधन पर महिलाएं परिवहन निगम की बसों पर फ्री-यात्रा कर सकेगी। रसरकार का कहना है कि भाई-बहन के स्नेह के अनुपम पर्व श्रावण पूर्णिमा रक्षाबंधन के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में प्रदेश की माताओं-बहनों के लिए निःशुल्क आवागमन की सुविधा होगी। ऐसे ही आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में निःशुल्क बस सेवा 48 घंटे के लिए उपलब्ध होगी। इस तरह दस अगस्त की रात्रि 12 बजे से 12 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक माताओं.बहनों द्वारा निःशुल्क बस सेवा का लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

राजधानी में कोरोना के 148 नये मरीज मिले, मेगा ड्राइव कल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मौसम में आये बदलाव के चलते राजधानी में कोरोना मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। शुक्रवार को राजधानी में 148 नये कोराना संक्रमित मरीज पाये गये हैं। इनमें 84 पुरूष एवं 64 महिला रोगी है। वहीं आज कुल 68 व्यक्ति कोविड संक्रमण से स्वस्थ हुए हैं। जबकि जनपद में एक्टिव केसों की संख्या 585 है। वहीं रविवार को जनसामान्य को कोविड वैक्सीन की निशुल्क प्रिकॉसन डोज हेतु मेगा वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर किया गया है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज अग्रवाल ने कहा कि सभी लोग अपना टीकाकरण अवश्य कराये क्योकि कोविड की लडाई में टीकाकरण ही एक कारगर हथियार है। जागरूक बने स्वंय भी कोविड टीका लगवाये तथा दूसरो को कोविड टीका लगवाने हेतु जागरूक करे। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी वैक्सीनेशन डॉ1 एम के सिंह ने बताया कि रविवार को जनसामान्य को कोविड वैक्सीन की निशुल्क प्रिकॉसन डोज हेतु मेगा वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया है। यह कैम्प एसजीपीजीआई, केजीएमयू, डा आरएमएल इस्टीट्यूट, डा एसपीएम चिकित्सालय, बलरामपुर चिकित्सालय, लोकबन्धु राजनारायण सयुंक्त चिकित्सालय, रानी लक्ष्मी बाई संयुक्त चिकित्सालय, बीआरडी चिकित्सालय, आरएसएम चिकित्सालय साढामऊ संयुक्त चिकित्सालय ठाकुरगंज, अवन्ती बाई महिला चिकित्सालय, झलकारी बाई महिला चिकित्सालय सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नगरीय/ग्रामीण पर आयोजित होंगे। साथ ही रविवार को आयोजित होने वाले सभी आरोग्य मेलो में किया जा रहा है। इसी के साथ 69 चिन्हित स्थानों पर कोविड वैक्सीनेशन का भी आयोजन किया जायेगा।

लखनऊ परिक्षेत्र में बीते चार दिनों में किया गया 2814 वाहनों का चालान

लखनऊ। परिवहन विभाग द्वारा अनधिकृत बस संचालन एवं ओवरलोड वाहनों के खिलाफ पहली अगस्त से चार अगस्त तक लखनऊ परिक्षेत्र में कुल 2814 वाहनों का चालान किया गया तथा 330 वाहनों को बंद किया गया और इससे कुल 93.13 लाख रुपए शमन शुल्क वसूल किया गया। परिवहन उपायुक्त निर्मल प्रसाद ने बताया कि अनधिकृत बस संचालन एवं ओवरलोड वाहनों के खिलाफ पहली अगस्त से चार अगस्त तक की गई कार्रवाई में 67 बसों, 593 ट्रकों, तथा 2154 अन्य वाहनों का चालान किया गया। इसी प्रकार 23 बसों, 115 ट्रकों व 192 अन्य वाहनों को इस दौरान बन्द करने की कार्यवाही की गयी।मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री की मंशानुरूप अनधिकृत बसों एवं ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों का परिवहन विभाग सख्ती से अनुपालन कराना सुनिश्चित कर रहा है।

शमन मानचित्रों का निस्तारण अब मौके पर जाकर करना होगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए द्वारा शहर में अवैध निर्माण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए अब शमन की कार्यवाही में तेजी लायी जाएगी। इसके लिए अब जोनल अधिकारी स्वयं स्थल पर जाकर शमन के प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित कराएंगे। प्राधिकरण उपाध्यक्ष द्वारा मौके पर जोनल अधिकारी जाकर शमन मानचित्र का निस्तारण करने के आदेश जारी किये हैं। उनके आदेशों के क्रम में शमन प्रकरणों के निस्तारण के लिए 31 अगस्त तक विशेष अभियान भी चलाया जाएगा।

एलडीए ने शमन मानचित्र को पास करने के लिए अधिकारियों को मेहनत करनी पड़ेगी। शमन मानचित्रों को पूर्व में निस्तारण करने के बाद बड़ी अनियमितता पायी गयी, जिनसे एलडीए की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ा है। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को उपाध्यक्ष द्वारा अधिकारियों के साथ एक बैठक आहूत की गयी। इसमें शमन मानचित्र की कार्यवाही को लेकर समीक्षा की गयी, जिसमें पाया गया कि शमन के काफी प्रकरण लंबित हैं। इस पर उपाध्यक्ष ने निर्देश दिये कि अब जोनल अधिकारी मौके पर जाकर शमन की फाइलों का निस्तारण करेंगे। उन्होंने कहा कि शमन सेल भंग कर दिया गया हैए लेकिन शमन से सम्बंधित प्रार्थना पत्र अभी भी पुराने पटल पर डम्प हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि शमन के सभी नये.पुराने प्रार्थना पत्रों को क्षेत्रवार सम्बंधित जोनल अधिकारियों को प्राप्त कराया जाए। जिसके बाद अधिकारियों को सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए स्थल पर जाकर प्रकरणों का निस्तारण करना होगा। इसमें सिर्फ वहीं प्रार्थना पत्र स्वीकृत किये जाएंगे, जोकि शमन उपविधि के अंतर्गत आते हो। उपाध्यक्ष डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि शमन प्रकरणों के निस्तारण के लिए 31 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

डीएम व ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर के खिलाफ अवमानना की नोटिस जारी

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने डीएम सूर्यपाल गंगवार व ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर ;कानून व्यवस्थाद्ध पियुष मोडिया के विरुद्ध अवमानना का नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। इनसे पूछा है कि क्यों न अदालत के आदेश का जानबूझकर अनुपालन नहीं करने में उनके खिलाफ कार्यवाही शुरु की जाए। पीठ ने इसके साथ ही तीन अन्य अफसरों के खिलाफ भी अवमानना का नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई चार सितंबर को होगी।

जस्टिस जसप्रीत सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश अनिमा रिसाल सिंह की अवमानना याचिका पर दिया है। यह मामला क्रिश्चन कॉलेज को चलाने वाली सोसायटी के विवाद से जुड़ा है। 22 दिसंबरए 2021 को हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने एकल पीठ द्वारा सोसायटी पर प्रशासक नियुक्त करने के आदेश पर रोक लगा दिया था। बावजूद इसके आठ जुलाई को डीएम सूर्यपाल गंगवारए ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर पियुष मोडियाए सहायक शिक्षा निदेशक ;बेसिकद्ध मुकेश कुमार सिंहए संयुक्त निदेशक शिक्षा सुरेंद्र कुमार तिवारी व डीआईओएस राकेश कुमार तमाम पुलिसवालों के साथ लखनऊ क्रिश्चन ;डिग्रीद्ध कॉलेजए लखनऊ क्रिश्चन ;इंटरद्ध कॉलेजए क्रिश्चन ट्रेनिंग कॉलेजए क्रिश्चन कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशनए सेन्टेनियल हायर सेकेंड्री स्कूल व लखनऊ क्रिश्चन कॉलेज स्कूल के परिसर में घुस गए और मैनेजर के कार्यालय का ताला जबरन तोड़ दिया। इसके बाद सुबोध सी मंडल व रवि रॉबर्ट लायल को संस्थान का चार्ज हैंड ओवर कर दिया। एकल पीठ ने उपरोक्त अधिकारियों व सुबोध सी मंडल तथा रवि रॉबर्ट लायल के खिलाफ अवमानना का नोटिस जारी करते का आदेश दिया।

46 साल से जेल में बंद कैदी की रिहाई पर विचार करे सरकार

विधि संवाददाता। लखनऊ। 46 साल से हत्या के एक मामले में निरुद्ध 81 वर्षीय केशव प्रसाद की रिहाई पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राज्य सरकार को विचार करने का आदेश दिया है। बरेली जेल में निरुद्ध इस बुजुर्ग की रिहाई पर अभिलेखों के नहीं मिलने से विचार नहीं हो पा रहा है। पीठ ने इस मसले पर जवाब तलब भी किया है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 अगस्त को होगी। जस्टिस राजन रॉय एवं जस्टिस शेखर कुमार यादव की पीठ ने यह आदेश केशव प्रसाद की याचिका पर दिया है। केशव प्रसाद इस समय बरेली जेल में निरुद्ध है। वर्ष 1974 में सीतापुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में हुए हत्या के एक मामले में केशव प्रसाद आरोपी थे। 18 दिसंबरए 1976 को सत्र अदालत ने उसे दोषसिद्ध करार दिया व आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। दो सितंबरए 1988 को हाईकोर्ट ने उसकी अपील खारिज कर दी व आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा। इसके वकील का कहना था कि वह दोषसिद्धि की तिथि से ही जेल में है। 22 जनवरीए 2001 को इसे सीतापुर जेल से बरेली जेल स्थानांतरित कर दिया गया। बरेली जेल प्रशासन का कहना है कि जेल में हुए एक अग्निकांड में तमाम अभिलेखों के साथ उसका भी अभिलेख नष्ट हो गया है। इधरए हाईकोर्ट में भी उससे संबधित पत्रवालियों का कोई पता नहीं चल सका है। जबकि उसकी समय पूर्व रिहाई के लिए भेजा गया आवेदन भी निर्णय की प्रति के आभाव में वापस भेज दिया गया है।

आरसन्स इन्फास्ट्रक्चर के पार्टनर की जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ। एडीजे महेश कुमार कुशवाहा ने प्लाट देने के नाम पर रकम हड़पने के एक मामले में निरुद्ध आरसन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के पार्टनर अंकुर श्रीवास्तव की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। उन्होंने प्रथम दृष्टया इसके अपराध को गंभीर करार दिया है। 29 जून 2019 को इस मामले की एफआईआर नियाज अहमद ने थाना गोमतीनगर में दर्ज कराई थी। वर्ष 2010 में राजधानी के विभिन्न इलाकों में अपने लोकलुभावन प्रोजेक्ट का हवाला देते हुए कम्पनी और इसके कर्ताधर्ताओं ने प्लाट बेचने का धंधा शुरु किया। इसके लिए भारी.भरकम विज्ञापन दिए गए। इसके जरिए लोगों को रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। लोगों को फर्जी बैनामा दिखाकर कम्पनी की जमीन होने का झांसा दिया। सरकारी वकील अरुण पांडेय के मुताबिक कुछ दिन बाद नियाज के अलावा अन्य लोगों को भी ठगी का एहसास हुआ। इन्हें न तो प्लाट मिला और न रकम ही वापस की गई।

क्विक न्यूज

विद्यांजली कायाकल्प पोर्टल के माध्यम से गोद ले सकेंगे विद्यालय: संदीप सिंह

लखनऊ। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा विद्यांजली कायाकल्प पोर्टल बनाया गया है। यह पोर्टल परिषदीय विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं को संकल्पित किये जाने हेतु प्रतिष्ठित, विशिष्टि एवं सम्पन्न इच्छुक व्यक्तियों, कारपोरेट अथवा विद्यालय के एल्यूमिनाई से आर्थिक सहयोग प्राप्त किये जाने का एक प्लेटफार्म है। संदीप सिंह ने बताया कि विद्यांजली पोर्टल पर दानदाता जाकर स्कूल सेलेक्ट करेंगे उसके बाद संबंधित जनपद के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के पास रिक्वेस्ट जनरेट होगी। बीएसए द्वारा क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति से अनुमति लेकर रिक्वेस्ट एप्रूव की जायेगी। तत्पश्चात अनुमोदनोपरान्त सम्बन्धित व्यक्ति द्वारा अवस्थापना सुविधाओं के समग्र विकास के लिए आगामी 3 वर्षों के लिए प्रतिबद्ध होगें। सिंह ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किसी भी शहरी अथवा ग्रामीण परिषदीय विद्यालयों के विकास हेतु इस पोर्टल के माध्यम से सहयोग प्रदान किया जा सकता है।

कृषि विश्वविद्यालयों के भी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की भी काउंसलिंग कराएगा एकेटीयू

लखनऊ। इस बार डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में संचालित इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की भी काउंसलिंग करायेगा। इस बावत शुक्रवार को सम्पन्न हुई केन्द्रीय प्रवेश समिति की बैठक में निर्णय लिया गया। विवि के कुलपति प्रो. पीके मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों में सत्र 2022-23 में प्रवेश के लिए काउंसलिंग पर चर्चा की गयी। शासन के निर्देश के अनुसार बीटेक में प्रवेश जेईई मेन्स, बीआर्क में नाटा और अन्य सभी पाठ्यक्रमों में सीयूईटी की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। काउंसलिंग प्रक्रिया एवं पंजीकरण की तिथि के लिए समिति बनायी गयी। काउंसलिंग प्रक्रिया विश्वविद्यालय की वेबसाइट और यूपीसीईटी की वेबसाइट पर जल्द ही अपलोड कर दी जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि काउंसलिंग तय समय में करायी जाएगी। बैठक में प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा सुभाष चंद्र शर्मा, विशेष सचिव न्याय समन्वयक डॉ अरूण तिवारी, कुलसचिव सचिन सिंह, प्रति कुलपति प्रो मनीष गौड़, उपकुलसचिव डॉ आरके सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। बता दें कि विश्वविद्यालय से प्रदेश भर में साल सात सौ से ज्यादा कॉलेज संबद्ध हैं।

बिजली निजीकरण बिल के विरोध में कर्मचारी संयुक्त संघर्ष करेगा आन्दोलन

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र ने आज यह निर्णय लिया है कि बिजली के निजीकरण हेतु संसद में रखे जा रहे इलेक्ट्रीसिटी (अमेण्डमेंट) बिल 2022 के विरोध में देश के तमाम बिजली कर्मचारियों के साथ उप्र के सभी ऊर्जा निगमों के तमाम बिजली कर्मचारी व इंजीनियर काम बन्द कर हड़ताल करेंगे। संघर्ष समिति ने हड़ताल की नोटिस केन्द्र व राज्य सरकार को तथा ऊर्जा निगमों के प्रबन्धन को आज प्रेषित कर दी है।संघर्ष समिति के प्रमुख पदाधिकारियों प्रभात सिंह, गिरीश पाण्डेय, सदरूद्दीन राना, सुहेल आबिद, पी के दीक्षित, शशिकान्त श्रीवास्तव, महेन्द्र राय, मो वसीम, सनाउल्ला, डी के मिश्रा, दीपक चक्रवर्ती, प्रेम नाथ राय, मो इलियास, धर्मेन्द्र, सुनील प्रकाश पाल, विशम्भर सिंह, राम सहारे वर्मा, शम्भू रत्न दीक्षित, पी एस बाजपेई तथा जी पी सिंह ने आज यहां बताया कि केन्द्र सरकार इलेक्ट्रीसिटी (अमेण्डमेंट) बिल 2022 संसद के चालू सत्र में रखने जा रही है जिससे पूरे देश के बिजली कर्मचारियों में भारी गुस्सा है।संघर्ष समिति द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार केन्द्र सरकार जिस दिन संसद के किसी भी सत्र में इलेक्ट्रीसिटी (अमेण्डमेंट) बिल 2022 प्रस्तुत करेगी उसी समय सभी ऊर्जा निगमों के तमाम कर्मचारी व अभियन्ता कार्य छोड़कर कार्य स्थल से बाहर आ जायेंगे और दिन भर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसके अतिरिक्त 10 अगस्त को राजधानी लखनऊ सहित सभी जनपदों व परियोजना मुख्यालयों पर अपराह्न 4 बजे से 5 बजे तक विरोध प्रदर्शन किये जायेंगे।

केएमसी के छात्रों को मिलेगी आईबीएम की ट्रेनिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों को आने वाले दिनों में आईबीएम की ट्रेनिंग मिलेगी। इस बावत शुक्रवार को भाषा विश्वविद्यालय एवं ऋचा संस्था के मध्य एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इस मौके पर संस्था की ओर से सीनियर प्रोग्राम मैनेजर विजय प्रकाश उपस्थित रहे। एमओयू के अंतर्गत ऋचा संस्था के माध्यम से विद्यार्थियों को आईबीएम द्वारा संचालित स्किलस बिल्ड कार्यक्रम के अंतर्गत ट्रेनिंग प्राप्त करने का मौका मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय कुलपति प्रो एनबी सिंह ने कहा कि जॉब मार्केट लगातार बदल रही है इसलिए आवश्यक है कि विद्यार्थियों को नए स्किल सिखाए जाएं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार ऐसी कंपनियों से एमओयू स्थापित करने का प्रयास कर रहा है जो विद्यार्थियों की हैन्ड होल्डिंग कर सके एवं उन्हें रोज़गार के नए अवसरों के लिए तैयार कर सके। डॉ तनु डंग नोडल अधिकारी एमओयू ने बताया कि आईबीएम द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी तकनीकी ज्ञान के साथ साथ सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग भी प्राप्त कर सकेंगे। इस एमओयू के माध्यम से विद्यार्थी आईबीएम के 8000 से अधिक आनलाइन पाठ्यक्रमों का लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ साथ वह आईबीएम द्वारा संचालित ट्रेनिंग एवं वर्कशॉप में सम्मिलित होंगे। आईबीएम के माध्यम से उन्हें प्लेसमेंट के अवसर भी मिलेंगे।

बलरामपुर और लोकबंधु में जल्द पैथालॉजी की जांच एक छत के नीचे संभव

लखनऊ। अस्पतालों में डॉक्टरों को दिखाने के बाद जांच के लिए भटक रहे मरीजों की दिक्कतें अब दूर होने वाली है। बलरामपुर और लोकबंधु राजनारायण अस्पताल में मरीजों को पैथोलॉजी जांच के लिए एक से दूसरी जगह नहीं भटकना होगा। एक छत के नीचे सभी तरह की पैथोलॉजी जांचें होगी। इस बावत निर्णय शुक्रवार को स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ लिली सिंह की अध्यक्षता में नेशनल हेल्थ मिशन के अधिकारियों और अस्पताल के सीएमएस के साथ बैठक में लिया गया है।अभी तक बलरामपुर और लोकबंधु अस्पताल में मरीज को जांच के लिए अलग-अलग स्थानों तक दौड़ लगानी पड़ती थी। मसलन खून की जांच के लिए मरीज का नमूना ओपीडी में लिया जाता है। वायरल मार्कर के लिए मरीज को नमूना लेकर रीजनल डायग्नोस्टिक सेंटर तक जाना पड़ रहा है। कोरोना की आरटी.पीसीआर का नमूना देने के लिए अलग काउंटर पर लाइन लगानी पड़ रही है।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली महिला बछेन्द्री पाल का बीबीएयू में हुआ स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को 67 यूपी बटालियन 20 यूपी गर्ल्स बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल विनोद जोशी के दिशा निर्देशन में एनसीसी कैडेट और आजादी का अमृत महोत्सव समिति के सदस्यों प्रो शिल्पी वर्मा डॉ राजश्री एवं डॉ मनोज कुमार डडवाल ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली महिला बछेन्द्री पाल और उनकी 13 सदस्यीय महिला टीम का लखनऊ आगमन पर स्वागत किया। टीम ने सभी को तिरंगा देकर किया सम्मानित किया। टीम में शामिल सभी महिलाएं 50 वर्ष से अधिक आयु की हैं। यह टीम अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शुरू हुए 5 माह के फिटइ50+ महिला ट्रांस हिमालयन पर्वतारोहण अभियान 2022 को पूर्ण करके लौटी हैं। विवि के कुलपति महोदय आचार्य संजय सिंह ने भी पर्वतारोही

महिलाओं को माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई कर सकुशल लौटने पर बधाई दी और कहा कि यह महिलाएं समाज के लिए महिला सशक्तिकरण का उदाहरण हैं। एवरेस्ट की चढ़ाई के लिए न सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य बल्कि दृढ़ निश्चय की भी आवश्यकता होती है। इस मौके पर बछेन्द्री पाल ने नारी सशक्तिकरण का संदेश देते हुए आजादी के अमृत महोत्सव के तहत महिलाओं के उत्थान में किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के दिशा निर्देश में चलाए जा रहे अभियान की सराहना की तथा आजाद भारत के 75वें वर्षगांठ पर किये जा रहे कार्यक्रमों की प्रशंसा की।

होम्योपैथिक के बाद अब आयुष के कालेजों की भी होगी जांच

लखनऊ। प्रदेश में हाम्योपैथिक कालेजों में स्कॉलरशिप घोटाले के बाद आयुष विभाग ने आयुर्वेद एवं यूनानी तिब्बी चिकित्सा बोर्ड और उसके द्वारा संचालित निजी शिक्षण संस्थाओं में दी गई छात्रवृत्ति की भी जांच करायेगा। इस बावत प्रमुख सचिव आयुष प्रशांत त्रिवेदी ने आयुर्वेद निदेशक को निर्देश जारी किए हैं। प्रमुख सचिव के स्तर से जारी पत्र में आयुर्वेद एवं यूनानी तिब्बी चिकित्सा बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी शिक्षण संस्थाओं की स्थिति पाठ्यक्रम का संचालन, पाठ्यक्रमों की मान्यता आदि के बारे में सत्यापन कराने को कहा गया है। इसके साथ ही सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने जिले में ऐसी शिक्षण संस्थाओं का भौतिक सत्यापन करवा लें। भौतिक सत्यापन में शिक्षण संस्थाओं के भवन, कक्षा, शिक्षक, छात्र.छात्राएं, प्रयोगशाला अन्य स्टाफआदि का पूरा सत्यापन करवाने के निर्देश हैं। आयुर्वेद निदेशालय के निदेशक पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन प्रो पीसी सक्सेना ने बताया कि लखनऊ समेत प्रदेश में कुल आठ सरकारी आयुर्वेद कालेज हैं और इनके अलावा करीब 60 निजी शिक्षण संस्थाएं संचालित हैं।

नर्सिंग के क्षेत्र में स्पेशिएलिटी को लेकर केजीएमयू में नया कोर्स शुरू

लखनऊ। शैक्षणिक सत्र 2022-23 के अंतर्गत नर्सिंग के क्षेत्र में स्पेशिएलिटी को लेकर किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी की तरफ से स्पेशिएलिटी का एक अलग कोर्स शुरू किया गया है। इस कोर्स में क्रिटिकल केयर नर्सिंग का प्रमाण-पत्र कोर्स 3 महीने का होगा और इसे एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर विभाग द्वारा संचालित किया जायेगा। संस्थान के मुताबिक इस कोर्स के लिए विभाग में मात्र 30 सीटें ही आवंटित की गई है। कोर्स में वीएससी नर्सिंग या जीएनएम पास अभ्यर्थी ही प्रवेश ले सकेंगे। इसमें प्रवेश को लेकर आवेदन 1 अगस्त 2022 से उपलब्ध हैं। प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी 20 अगस्त तक केजीएमयू की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक प्रवेश परीक्षा की तरह इसमें भी प्रवेश परीक्षा होगी व 1 सितंबर 2022 से कोर्स की कक्षाएं शुरू की जायेंगी। कोर्स की फीस 15000 रुपए निर्धारित की गई है। कोर्स का संचालन प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ जीपी सिंह के नेतृत्व में कोर्स के डायरेक्टर डॉ जिया अरशद द्वारा किया जाएगा।

डिप्टी सीएम ने लौलाई में किया तिरंगा झंडा बनाने के कार्य का अवलोकन

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से केशव मौर्य ने खरीदे 100 झंडे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को लखनऊ के चिनहट ब्लाक के ग्राम लौलाई में स्वयं सहायता समूहो द्वारा तिरंगा झंडा बनाने के कार्य का अवलोकन किया। हर घर तिरंगा कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए ग्राम लौलाई पहुंचे डिप्टी सीएम ने इण्डियन प्रेरणा महिला ग्राम संगठन के कार्यों का निरीक्षण किया और समूहों की महिलाओं से वार्ता कर उन्हें तिरंगा झण्डे के महत्व और महत्ता को समझाया।

मौर्य ने ग्राम लौलाई मे 100 तिरंगे झंडे भी खरीदे। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा राष्ट्रीय ध्वज बनाने का कार्य सराहनीय है। डिप्टी सीएम ने स्वयं सहायता समूहों को राष्ट्रीय ध्वज बनाए जाने के लक्ष्यों व उसके सापेक्ष अब हुए कार्यों की जानकारी हासिल की।

यहां समूहों की अन्य गतिविधियों का भी जायजा लिया और कहा कि समूहों द्वारा निर्मित सामग्री के बिक्री के लिए फ्लिप कार्ट व एचसीएल फ़उंडेशन जैसी संस्थाओं से समन्वय कर निर्मित सामग्री की ब्रान्डिग करायी जाए। उन्होंने कहा कि काम की क्वालिटी बनाए रखी जाए।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के मद्देनजर प्रदेश में राज्य ग्रामीणआजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भी तिरंगा झंडा तैयार करने व वितरित किए जाने की जिम्मेदारी दी गई है। डिप्टी सीएम ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह स्वयं सहायता समूहों को झंडा बनाने व वितरण के लिए जो टारगेट दिया गया है उसे पूरी तत्परता के साथ पूरा कराने के प्रयास किए जाएं। इससे हर घर तिरंगा कार्यक्रम पूरी तरह सफल और सार्थक होगा, पूरी गरिमा और गौरव के साथ तो मनाया ही जाएगाए साथ ही स्वयं सहायता समूहों की आमदनी झंडा निर्माण से भी बढ़ेगी और उनके आत्म निर्भर व स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त होगा ।

डिप्टी सीएम ने राष्ट्रीय महत्व, राष्ट्रीय गौरव व राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक इस कार्यक्रम में लोगों से बढ़ चढ़ कर भाग लेने की अपील की है ताकि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के माध्यम से देश के अमर वीर शहीदों के त्याग, बलिदान, साहस और शौर्य की प्रेरक स्मृतियां तो ताजा होंगी ही, साथ ही भावी पीढ़ी को प्रेरणादायक संदेश भी मिलेगा।

सचिवालय प्रशासन ने तैयार किया इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम ऐप्लीकेशन

ई-गवर्नेंसः योगी सरकार के इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम ऐप्लीकेशन से शासन के कामों में आएगी तेजी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ई गवर्नेंस के सपने को योगी सरकार उत्तर प्रदेश में तेजी के साथ अमली जामा पहनाने में जुटी हुई है। पुलिस महकमे से लेकर सभी विभागों को ऑनलाइन प्रणाली से पहले ही जोड़ा जा चुका है। अब इसके बाद शासकीय कामों में इस्तेमाल होने वाले कन्ज्यूमेबल आइटम की खरीद को भी पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में कर दिया गया है। संयुक्त सचिव अजय कुमार पांडेय की ओर से बताया गया कि सचिवालय प्रशासन ने 'इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम एप्लीकेशन' को तैयार किया है। इससे प्रदेश सचिवालय के सभी विभागों, अनुभागों, अधिकारियों, मंत्रीगण व उनके स्टाफ द्वारा शासकीय कार्यों में उपयोग किये जाने वाले कन्ज्यूमेबल आइटम स्टेशनरी आदि की मांग की व्यवस्था को ऑनलाइन कर दिया गया है। पहले ये मांग भौतिक रूप से की जाती थीए जिसे 1 अगस्त से हमने ऑनलाइन व्यवस्था के जरिये संचालित करना शुरू कर दिया है।

इस सुविधा के बाद अब अधिकारियों की ओर से इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम एप्लीकेशन की वेबसाइट पर शासकीय कार्य के लिए उपभोग की जाने वाली सामग्री की मांग की जा सकती है। इसके लिए अधिकारी अपने सरकारी यूजर आईडी से लॉगिन कर सकेंगे। लॉगिन के बाद उन्हें अपना डिपार्टमेंट और पद चुनना होगा। इसके बाद आइटम सेलेक्ट करके उनकी संख्या दर्ज करते हुए कार्ट में ऐड करना है और सेंड बटन दबा देना है। सेंड बटन क्लिक करने पर रिक्वेस्ट सम्बंधित आवंटनकर्ता के पास पहुंच जाएगी। उनके एप्रुव करने पर आवेदनकर्ता के लॉगिन पर रिक्वेस्ट का स्टेटस शो होने लगेगा। इसके बाद लॉगिन पर दिख रहे ऑनलाइन आवंटन स्लिप का प्रिंट निकालकर संबंधित स्थान से सामग्री की प्राप्ति की जा सकेगी। ई-गवर्नेंस की दिशा में नित नये कदम उठा रही योगी सरकार की इस पहल से सचिवालय के शासकीय कार्यों में काफी सहूलियत मिलने की उम्मीद है। शासकीय कार्यों में उपयोग होने वाले सामानों की खरीद की प्रक्रिया जहां पहले से ज्यादा पारदर्शी होगीए वहीं दूसरी ओर कागज के उपयोग में भी कमी आएगी।

जनेश्वर की सीख भूल चुकी है सपाः दीपक मिश्र

● रघुनन्दन काका, परमानंद, संगीता, प्रो. अल्पना को जनेश्वर सम्मान से किया गया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया ने छोटे लोहिया के नाम से प्रसिद्ध प्रख्यात समाजवादी चिंतक कई बार केंद्रीय मंत्री रहे जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई। इस अवसर पर जनेश्वर मिश्र के सहयोगी रहे वरिष्ठ समाजवादी नेता रघुनंदन सिंह काका, परमानंद तिवारी, पूर्व मंत्री संगीता यादव व प्रोफ़ेसर अल्पना बाजपेई को जनेश्वर मिश्र 2022 सम्मान से विभूषित किया गया। प्रसपा कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए छोटे लोहिया के शिष्य व मुख्य प्रवक्ता दीपक मिश्र ने कहा कि जनेश्वर समतामूलक समाजवादी समाज के प्रबल पैरोकार थे। उन्होंने राम मनोहर लोहिया द्वारा प्रतिपादित विचारों को आगे बढ़ाया और लोहिया के सिद्धांतों को मूर्त रूप देने के लिए सदैव प्रयासरत रहे। जनेश्वर रामराज को आदर्श समाजवादी व्यवस्था व वस्तुतः जन-राज मानते थे, इसीलिए वे लोहिया द्वारा परिकल्पित रामायण मेला में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे । रामराज व समाजवाद दोनों विषमता के खिलाफ हैं। तुलसी ने लिखा है ग्रामप्रताप विषमता खोई। उन्होंने कहा कि आज जिस तरीके से आर्थिक विषमता और सामाजिक असंतोष बढ़ रहा है जनेश्वर की याद आना स्वभाविक है। छोटे लोहिया के शिष्य श्री मिश्र ने कहा कि वे सामूहिक नेतृत्व व विकेंद्रीकरण के प्रबल पक्षधर थे । वर्तमान सपा जनेश्वर की सीख व समाजवाद को भूल चुकी है। जनेश्वर द्वारा बताए गए रास्ते पर शिवपाल सिंह के नेतृत्व में प्रसपा पूरी प्रतिबद्धता व प्रगतिशीलता के साथ चलेगी और जनतांत्रिक समाजवाद को मजबूत करेगी ।

जनेश्वर के सहयोगी रवि प्रकाश वर्मा ने कहा कि जनेश्वर ने कमजोरों के सवाल पर लड़ना सिखाया। कई बार केंद्रीय मंत्री रहने के बावजूद वे सत्ता और संपत्ति के मोह से परे रहे। सिद्धान्त व सरकार में उन्होंने हमेशा सिद्धान्त का वरण किया। संगोष्ठी को सोशलिस्ट फाउंडेशन के अध्यक्ष ओंकार सिंह, प्रसपा महासचिव बीनू शुक्ला, हरिशंकर यादव, ब्रजेश मिश्र, गयासुल हक, शांति यादव, मोनू पाठक, सुधीर मिश्र, कमलेश सिंह समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

ट्रेन की चपेट में आने से मां सहित दो बच्चों की मौत

लखनऊ। राजधानी में शुक्रवार को रहस्यमई परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला और उसके दो नाबालिग बेटों की मौत हो गई। घटना की पुष्टि करते हुए लखनऊ के महानगर पुलिस थाना के एसएचओ केके तिवारी ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे मधु भूषण गुप्ता (35) और उसके दो बेटे- अनय भूषण गुप्ता (8) और अभीश भूषण गुप्ता (2) की ट्रेन की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि जहां मधु और उसके छोटे बेटे की मौके पर ही मृत्यु हो गई, वहीं अनय को अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला के पति शशि भूषण ने पुलिस को बताया कि मधु बेटे अनय को स्कूल छोड़ने के लिए सुबह करीब सात बजे घर से निकली थी। पूर्वोत्तर रेलवे के जन संपर्क अधिकारी ने बताया कि तीन लोगों की ओएमएस ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि ट्रेन निरीक्षण के लिए गोरखपुर जा रही थी। यह घटना महानगर में रेलवे फाटक से करीब 100 मीटर दूरी पर हुई। एसएचओ ने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और इस मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा, इस मृत्यु को दुर्घटना या आत्महत्या कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि परिस्थितियों में तीनों की मृत्यु हुई है, वह स्पष्ट नहीं है।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया ने रवाना किया सेंट क्रांति प्रचार वाहन

लखनऊ। देश के प्रथम संपूर्ण स्वदेशी बैंक सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ द्वारा 75वें आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर बैंक की विभिन्न ऋण और जमा योजनाओं की सेन्ट क्रांति प्रचार प्रसार वाहन को अंचल प्रमुख श्री एस.के.गुप्ता, उप अंचल प्रमुख श्री अजीत सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजय कुमार खन्ना एवं आंचलिक और क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्यों ने तिरंगा दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री एस.के.गुप्ता ने कहा कि सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, आपने स्थापना के समय से ही समाज के हर वर्ग के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रयासरत रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे बैंक की विभिन्न ऋण उत्पादों की ब्याज दर तुलनात्मक रूप से बहुत सस्ती है।

यूको बैंक ने की तिमाही वित्तीय परिणामों की घोषणा

लखनऊ। बैंक ने जून 2021 को समाप्त तिमाही में रु.101.81 करोड़ के निवल लाभ में 21.41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए जून 2022 को समाप्त तिमाही के दौरान रु.123.61 करोड़ का निवल लाभ कमाया है। बैंक का परिचालन लाभ जून 2021 को समाप्त तिमाही के रु. 1173.41 करोड़ (एमटीएम हानि रु.1286.29 करोड़ को छोड़कर परिचालन लाभ) की तुलना में जून 2022 की तिमाही में रु.439.94 करोड़ (एमटीएम हानि रु.1093.43 करोड़ को छोड़कर परिचालन लाभ) रहा। बैंक की निवल ब्याज आय जून 2021 को समाप्त तिमाही के रु. 1460.24 करोड़ में 12.96प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए जून 2022 को समाप्त तिमाही में बढ़कर रु. 1649.54 करोड़ हो गई है। बैंक की अन्य आय जून 2021 को समाप्त तिमाही के रु.856.64 करोड़ (एमटीएम हानि रु.969.52 करोड़ को छोड़कर अन्य आय) की तुलना में जून 2022 को समाप्त तिमाही को रु.-54.47 करोड़ (एमटीएम हानि रु. 599.02 करोड़ को छोड़कर अन्य आय) है।

मौके पर जाकर करना होगा शमन मानचित्रों का निस्तारण

लखनऊ। एलडीए द्वारा शहर में अवैध निर्माण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए अब शमन की कार्यवाही में तेजी लायी जाएगी। इसके लिए अब जोनल अधिकारी स्वयं स्थल पर जाकर शमन के प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित कराएंगे। प्राधिकरण उपाध्यक्ष द्वारा मौके पर जोनल अधिकारी जाकर शमन मानचित्र का निस्तारण करने के आदेश जारी किये हैं। उनके आदेशों के क्रम में शमन प्रकरणों के निस्तारण के लिए 31 अगस्त तक विशेष अभियान भी चलाया जाएगा।

लविवि में सात दिवसीय कार्यशाला आज से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में सात दिवसीय कार्यशाला की शनिवार से शुरुआत होगी। कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर अपर्णा श्रीवास्तव ने बताया कि मैटेरियल साइंस, नैनोटेक्नोलॉजी एंड क्वांटम ऑप्टिक्स विषय पर आयोजित कार्यशाला 12 अगस्त को खत्म होगी। उन्होंने बताया कि सुबह साढ़े नौ बजे कार्यशाला का शुभारम्भ होगा।

ट्रक से 55 पेटी बियर उड़ा ले गए चोर

मोहनलालगंज। बियर की पेटियां लेकर अमेठी जा रहे ट्रक से गौरा में बेखौफचोर 55 पेटियां उड़ा ले गए। सीसीटीवी कैमरे में चोरों की करतूत कैद हो गई। ट्रक ड्राइवर की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज चोरों की तलाश शुरु कर दी है। गाजियाबाद से किंगफिशर बियर की 600 पेटी ट्रक में लोड कर हापुड़ निवासी ट्रक ड्राइवर मिन्टू अमेठी ले जा रहा था। शुक्रवार की सुबह करीब 2 बजे रायबरेली हाईवे पर निजी इंस्टीट्यूट के निकट ट्रक खड़ा कर ड्राइवर मिन्टू सो गया। नींद टूटने पर ट्रक से 55 पेटी बियर गायब मिली। पास ही दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में आयशर गाड़ी सवार दो लोग बियर की पेटियां चोरी कर लखनऊ की ओर भागते दिख गए। ट्रक ड्राइवर मिन्टू की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर कुलदीप दूबे ने बताया सीसीटीवी फुटेज से मिले सुरागों की मदद से चोरों की तलाश की जा रही है।

सपा प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिला

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल समाजवादी व्यापार सभा से जुड़े व्यापारी पारस गुप्ता के हरवंश मोहाल, कानपुर स्थित घर पहुंचा और पारस की पत्नी मनीषा, बेटी एंजिल, बेटे आरुष, भाई पंकज आदि से मिलकर सांत्वना दिया और न्याय दिलवाने का आश्वासन दिया। पारस की पत्नी ने अखिलेश यादव के नाम संबोधित पत्र प्रतिनिधिमंडल को सौंपा। मनीषा गुप्ता ने बताया की 25 मई को पारस की हत्या हुई जबकि 7 दिन पहले 18 मई को ही पारस ने मुख्यमंत्री पोर्टल में शिकायत कर दी थी, पर हरवंश मोहाल पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। पुलिस हत्या के दो महीने बाद तक पारस को गुमशुदा ही बताती रही जबकि 26 मई को ही पारस का शव मिल गया था और 29 मई को ही पारस की अंत्येष्टि लावारिस में कर दी गई थी। पुलिस की लापरवाही, अमानवीयता व संवेदनहीनता की वजह से पारस का शव तक परिजनों को नहीं दिया। मनीषा व बच्चों ने कहा की अखिलेश यादव से न्याय की उम्मीद है और वो ही परिवार का सहारा हैं। पारस के भाई पंकज ने कहा की सत्तापक्ष से जुड़े लोग अभियुक्तों को गिरफ्तारी नहीं होने दे रहे। विधायक व पूर्व मंत्री मनोज पांडे ने कहा की यूपी में जंगलराज है। पारस गुप्ता के परिवार को न्याय दिलवाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में विधायक मनोज पांडे, विधायक राहुल लोधी, विधायक श्याम सुंदर, विधायक इरफान सोलंकी, विधायक अमिताभ बाजपई, पूर्व प्रत्याशी व व्यापारी नेता अभिमन्यु गुप्ता व पूर्व नगर अध्यक्ष डॉ. इमरान शामिल रहे।

पॉलिथीन चेकिंग अभियान के दौरान सागरिका स्वीट्स का चालान काटते नगर निगम के अधिकारी

संस्कृत शिक्षा परिषद की कार्यकारिणी सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की कार्यकारणी की अति महत्वपूर्ण बैठक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय कैम्प कार्यालय के सभागार मे सम्पन्न हुई। सरिता तिवारी निदेशक ने सभा की अध्यक्षता की व जे पी सिंह मुख्य अतिथि एवं वाचस्पति ने विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप मे सहभागिता करते हुए कार्यकारिणी बैठक मे वर्ष 2022.23 के शैक्षिक पंचांग व नई शिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यक्रम रिव्यू विद्यालयों को यू-डायस कोड का आवंटनए त्रैमासिक, छमाही, वार्षिक परिक्षाओं को कराने के लिए दिशा निर्देश, छात्र/छात्राओं के अग्रिम पंजीकरण की तिथियों के निर्धारण, संस्कृत शिक्षा को रोजगारपरक बनाने हेतु पौरोहित्य, फलित वास्तु शास्त्र, फलित ज्योतिषीय, योग विज्ञान मे डिप्लोमा पाठ्यक्रम, संस्कृत माध्यमिक विद्यालय मे विकल्पों के आधार पर विषय निर्धारण पर विचार विमर्श कर निर्णय व नीति निर्धारण किया गया। आगामी संस्कृत सप्ताह 8 से 14 अगस्त 2022 तक के कार्यक्रम से भी सभा को आलोकित कर उल्लास पूर्ण ढंग से मनाने तथा विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित कराने का निर्णय सर्वसम्मत से लिया गया।

हेपेटाइटिस से बचने के लिए सुई और ब्लेड का न करें दोबारा इस्तेमाल

लखनऊ। यदि सही समय पर हेपेटाइटिस का इलाज शुरू कर दिया जाये तो लीवर खराब होने की संभावना को काफी कम किया जा सकता है और इलाज न लेने की स्थिति में लीवर खराब हो सकता है। इसके पीछे स्वास्थ्य कारणों की अनदेखी के साथ स्वच्छता प्रमुख है। गैस्ट्रोएंटरोलॉजी डॉ प्रवीण झा ने बताया कि लोग रेजर ब्लेड और सुइयों का पुर्न उपयोग भी करते हैं जिससे उनके हेपेटाइटिस बी और सी से संक्रमित होने की संभावना बढ़ जाती है। यहां तक कि मधुमेह रोगियों को भी अपने ग्लूकोमीटर साझा नहीं करने चाहिए। इस तरह के व्यक्तिगत स्वच्छता उत्पादों को साझा करना भारत में एक बहुत ही सामान्य प्रथा है, इसलिए सभी के लिए वर्ष में कम से कम एक बार हेपेटाइटिस का परीक्षण करवाना बहुत महत्वपूर्ण है। हम कभी-कभी हेपेटाइटिस बी संक्रमण के लिए कुछ स्वस्थ लोगों को भी सुझाव देते हैं क्योंकि वायरस संकेत और लक्षण पैदा करने से पहले जिगर को नुकसान पहुंचा सकता है।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नवयुग कन्या महाविद्यालय में मिशन शक्ति समिति व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान से विश्व स्तनपान सप्ताह 1 अगस्त से सात 7 अगस्त 2022 के अवसर पर महाविद्यालय में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ की प्रोफेसर डॉ अंजू अग्रवाल एप्रसूति स्त्री रोग विशेषज्ञ रही। डॉ अंजू अग्रवाल ने अपने व्याख्यान में पीपीटी के माध्यम से शिशु के जन्म के बाद 1000 दिनों में न्यूट्रीशन के महत्व को समझाया। महिलाओं व नवजात शिशुओं के लिए स्तनपान के शॉर्ट टर्म व लोंग टर्म फायदे बताएं। बताया कि शॉर्ट टर्म में शिशुओं के लिए बिना किसी कॉस्ट के प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिएए शिशु का वजन बढ़ाने पोषक तत्व हेतु इसका महत्व है। दीर्घकाल में महिलाओं के लिए ब्रेस्ट कैंसर, ओवरी कैंसर एमोटापा से बचाव के लिएअत्यधिक फायदेमंद है। इसके लिए मासिक रुप से तैयार होनाए आपका डाइट और आपका लाइफस्टाइल अच्छा होना चाहिए। साथी साथ उन्होंने के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ मे बनाई गये ब्रेस्ट्ट मिल्क बैंक के बारे में भी बताया। स्तनपान करवाना महिला का अधिकार भी है प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने बताया कि सरकार सरकार द्वारा चलाई जा रही मुहिम में अलग-अलग संस्थाएं जो महिलाओं को सहयोग कर सकती हैं मातृत्व अवकाश, चाइल्ड केयर लीव, द्वारा महिलाओं को सपोर्ट हेतु, उनके बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की नेहा अग्रवाल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन मिशन शक्ति समिति की संयोजिका डॉ नीतू सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ सीमा पांडेयए डॉ वंदना द्विवेदीए डॉ विमला बिंद, डॉ ऋचा शुक्ला, डॉ प्रतिमा घोष शामिल हुईं।

शिक्षकों बगैर पढ़ाई कर रही कस्तूरबा की छात्राएं

मोहनलालगंज। विज्ञान और गणित के शिक्षकों के बगैर ही मोहनलालगंज में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राएं पढ़ाई कर रही हैं। ऐसे में छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बीडीओ निशान्त राय विद्यालय का जायजा लेने पहुंचे तो उन्होंने खुद क्लास लेकर बच्चियों को विज्ञान और गणित पढ़ाई। इस दौरान आठवीं की छात्राएं जोड़ और घटाने के सवालों में कमजोर मिलीं। जिस पर बीडीओ ने चाक लेकर ब्लैक बोर्ड पर बारी-बारी से छात्राओं को बुलाकर जोड़ और घटाने के सवाल हल करने सिखाए। बीडीओ ने छात्राओं को होमवर्क दिया और अगले सप्ताह खुद आकर चेक करने की बात कही। चीफ वार्डेन सुधा ने बताया विद्यालय में 100 छात्राएं पंजीकृत हैं। उन्होंने कहा विज्ञान व गणित और अंग्रेजी के शिक्षकों की चयन प्रक्रिया अन्तिम दौर में है जल्द ही शिक्षक आ जाएंगे। फिलहाल मौजूद सभी शिक्षक मिलकर बच्चों की पढ़ाई करा रहे हैं।

डीएम से मिले जयपुरिया स्कूल के बच्चे

● जिलाधिकारी की कार्यप्रणाली से भी अवगत हुए छात्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विनीत खण्ड गोमती नगर स्थित सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल के बच्चों ने अलग-अलग समूहों में जिलाधिकारी कार्यालय समेत कई प्रतिष्ठानों में जाकर वहां की कार्य प्रणाली के विषय में जानकारी हासिल की। इस दौरान बच्चों ने प्रतिष्ठानों में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों से बात-चीत भी की।

मुलाकात के दौरान जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने बच्चों से यूट्यूब सरीखे इलेक्ट्रानिक गैजट पर समय न नष्ट करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि आप लोग की उम्र पढ़ने व सीखने की है, अतः पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी श्री गंगवार से मिलने वालों बच्चों में सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल के कक्षा पांच जी के विनायक सिंह, अनमोल लालवानी, सिद्धार्थ मोहन त्रिपाठी, वैभवी सिंह, समयक दीक्षित, श्रीराम गुप्ता, तनमय कलहन, सिद्धार्थ राज, अथर्व गुप्ता, कृपि अग्रवाल, अर्नव नाथ पाल एवं अध्यापिका पूनम दुबे शामिल थीं। इस दौरान बच्चों ने अपर जिलाधिकारी विपिन कुमार मिश्रा से भी वार्ता की। इस दौरान बच्चों ने जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार एवं अपर जिलाधिकारी विपिन कुमार मिश्रा से उनके कार्य करने के तरीकों व उनके पद की शक्तियों के बार में पूछा। बच्चों के प्रश्नों को दोनों ही अधिकारियों ने विस्तार से जवाब भी दिया। इस दौरान कक्षा पांच के छात्र विनायक सिंह ने अपर जिलाधिकारी विपिन कुमार मिश्रा से उनके छात्र जीवन से लेकर आईएएस बनने तक के सफर के बार में भी प्रश्न किया। इस पर एडीएम विपिन कुमार मिश्रा ने विस्तार से अपनी पढ़ाई व पीसीएस से आईएएस बनने तक के सफर के बारे में बताया, साथ ही बच्चों को शुभकामनांए भी दी। मुलाकात के उपरान्त जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने बच्चों के साथ फोटो खिचवाने के साथ ही सभी को चाकलेट भी दी।

सरसवां अहमामऊ क्षेत्र में अनियोजित कालोनी पर एलडीए ने चलाया बुलडोजर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरसवां में एलडीए द्वारा अवैध निर्माण पर कड़ी कार्रवाई की गयी। विकास कर्ता द्वारा 25 बीघे पर प्लाटिंग कर प्लाटों को बेचा जा रहा था, जिसे एलडीए द्वारा कड़ी कार्रवाई की गयी। वहीं सुशांत गोल्फ सिल्टी में एलडीए द्वारा दो अवैध निर्माण सील किया गया।

शुक्रवार को एलडीए सरसवां अहमामऊ क्षेत्र में अनियोजित कालोनी के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी अमित राठौर ने बताया कि विनोद यादव, आलोक यादव व अन्य, निदेशक.शकुन्तला इन्फ्राटेक प्रालि द्वारा साईदाता धाम के पीछे, आरएम सी प्लान्ट के सामने, सरसवां, अहमामऊ, थाना-सुशान्त गोल्फसिटी, लखनऊ पर लगभग 25 बीघा क्षेत्रफ्ल में पृथक.पृथक भूखण्ड सृजित करते हुए पक्की-कच्ची सड़के बनाने व सीवर डालने का कार्य किया गया था। विपक्षी द्वारा तालाब झील की भूमि पर अनाधिकृत कब्जा करके मिट्टी भरकर अनाधिकृत कालोनी विकसित किये जाने पर अवर अभियन्ता बिजेन्द्र सिंह, उसमान अली एवं संजय मिश्रा द्वारा थाना-सुशान्त गोल्फसिटी की पुलिस बल व प्राधिकरण पुलिस बल की सहयोग से प्रश्नगत स्थल पर अवैध रूप से विकसित की जा रही कालोनी के इस विकास कार्यो को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया गया। वहीं जोनल अधिकारी अरूण कुमार सिंह ने बताया कि गोमतीनगर विस्तार में सेक्टर-1 स्थित लक्ष्मी मार्केट के पास कुछ लोगों द्वारा प्राधिकरण की अर्जित भूमि व सड़क के कुछ हिस्से को घेर कर अवैध रूप से स्थायी अस्थायी निर्माण करते हुए मीट की दुकानें खोली गई थी जिससे कि वहां टैफिक जाम की समस्या बनी रहती थी। पूर्व में उपाध्यक्ष द्वारा किये गये निरीक्षण में इन अवैध दुकानों के खिलाफ कार्यवाही के आदेश दिये गये थे। आदेश पर प्राधिकरण व नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा अभियान चलाकर अस्थायी दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया।

सुशान्त गोल्फसिटी में अवैध निर्माण सील किया गयाः इसके आलावा प्रवर्तन जोन.2 के अंतर्गत विशाल शुक्ला द्वारा सरसवां क्षेत्र के साईदाता रोड पर लगभग 300.00 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड में बिना मानचित्र स्वीकृत कराये पूर्व निर्मित बेसमेन्ट के ऊपर भूतल पर निर्माण कार्य किये जाने पर पुनः सील किया गया। जोनल अधिकारी अमित राठौर ने बताया कि उक्त अवैध निर्माण को खिलाफ विहित न्यायालय में वाद संख्या-191/2021 योजित करते हुए वर्ष 2021 में उक्त परिसर को सील किया गया था।

पेज एक का शेष

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस...

इससे पहले राहुल गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भारत लोकतंत्री मृत्यु होते हुए देख रहा है और जो कोई भी तानाशाही के खिलाफ बोलता है, उस पर चौतरफा हमले किए जाते हैं। देश में लोकतंत्र और सांप्रदायिक सौहार्द की पैरवी करने के लिए गांधी परिवार पर हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और कहा कि जो डरता है वही धमकाता है तथा गांधी परिवार विचारधारा के लिए लड़ता है, इसलिए उस पर हमला किया जा रहा है। नेशनल हेराल्ड मामले में उन्होंने कहा कि इस केस में कुछ नहीं है, यह सब जानते हैं। हम ऐसे साजिशों के सामने झुकने वाले नहीं हैं। राहुल गांधी ने संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि मौजूदा समय में देश की हर संस्था पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी का कब्जा है और संस्थाओं के स्वतंत्र नहीं होने से विपक्ष के संघर्ष का वह असर नहीं दिख रहा जो दिखना चाहिए। पार्टी के महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में लोकतंत्र की मौत हो रही है। जो इस देश ने 70 साल में ईंट-ईंट जोड़कर बनाया, उसे आठ साल में खत्म कर दिया गया। आज देश में लोकतंत्र नहीं है। आज चार लोगों की तानाशाही है। इसे पूरा देश जानता है। यह पूछे जाने पर कि विपक्ष की आवाज का असर क्यों नहीं हो रहा है, राहुल गांधी ने कहा कि जो विपक्ष में लड़ता है, वह संस्थाओं के बल पर लड़ता है। देश का न्यायिक ढांचा होता है, निर्वाचन का ढांचा होता है और मीडिया होता है, उसके बल पर विपक्ष खड़ा रहता है। आज देश की कोई संस्था स्वतंत्र नहीं है। वह आरएसएस-भाजपा के कब्जे में है। हर संस्था में आरएसएस का एक व्यक्ति बैठा हुआ है। उन्होंने कहा कि विपक्ष खड़ा हो रहा है, लेकिन संस्थाओं के स्वतंत्र नहीं होने के कारण जो असर दिखना चाहिए, वह नहीं दिख रहा है। सत्तापक्ष की ओर से महंगाई होने की बात को खारिज किए जाने को लेकर भी राहुल गांधी ने निशाना साधा और आरोप लगाया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस बारे में कुछ नहीं पता कि देश की अर्थव्यवस्था में क्या चल रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी और महंगाई भारत में है। आज किसी कस्बे और गांव में चले जाइए, लोग बता देंगे कि महंगाई की हालत क्या है। संसद भवन से पार्टी सांसदों का मार्च शुरू होने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी भी इसमें थोड़ी देर के लिए शामिल हुईं। संसद के गेट नंबर एक पर महिला सांसदों के साथ काले कपड़े पहने और हाथ में बैनर लिए खड़ीं सोनिया गांधी ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और जरूरी सामान पर बढ़ाई गई जीएसटी वापस लेने की मांग की। संसद भवन से राष्ट्रपति भवन की ओर मार्च कर रहे राहुल गांधी को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद काले रंग की सलवार-कमीज ओर दुपट्टा पहने प्रियंका गांधी ने मोर्चा संभाला। वह पार्टी मुख्यालय के सामने पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधक को लांघकर दूसरी तरफ पहुंचीं और सड़क पर धरने पर बैठ गईं। कुछ देर बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि पिछले तीन महीनों से जब से कांग्रेस अध्यक्ष ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की घोषणा की है, धमकी-जीवी ने कांग्रेस पार्टी एवं हमारे नेताओं के खिलाफ प्रतिशोध और डर की जहरीली राजनीति तेज कर दी है। यह सिर्फ संयोग नहीं है। कांग्रेस ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा का ऐलान किया है।

शाह ने तुष्टिकरण तो योगी ने...

लेकिन उन्होंने शुक्रवार के आंदोलन के लिए विशेष रूप से काले कपड़े को क्यों चुना, क्योंकि मोदी ने 550 साल से अधिक के समय से चल रहे राम मंदिर विवाद को शांतिपूर्वक सुलझा लिया, जो करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस मंदिर निर्माण पर अपना विरोध व्यक्त कर रही है, जबकि ईडी की कार्रवाई और मूल्य वृद्धि के मुद्दे केवल बहाने हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि विपक्षी दल खुले तौर पर मंदिर का विरोध नहीं कर सकता था, इसलिए उसने इसे छुपाने की कोशिश की है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कांग्रेस के विरोध को राम भक्तों का अपमान करार दिया। उन्होंने कहा कि अब तक, कांग्रेस सामान्य पोशाक में विरोध कर रही थी, लेकिन आज उन्होंने काले कपड़े पहनकर विरोध किया। यह राम भक्तों का अपमान है। उन्होंने इस दिन को आज के अयोध्या दिवस के रूप में चुना जो राम जन्मभूमि के निर्माण की शुरुआत का प्रतीक है। योगी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के इस तरह के कृत्यों ने भारत के विश्वास का अपमान किया है। कांग्रेस के रवैये ने भारत के लोकतंत्र और न्यायपालिका का अपमान करने के साथ-साथ अयोध्या दिवस का अपमान किया है। हम पार्टी के ऐसे कृत्यों की निंदा करते हैं। इससे पहले, भाजपा ने कांग्रेस नेतृत्व द्वारा किए गए विरोध की निंदा करते हुए कहा कि मूल्य वृद्धि, जीएसटी और बेरोजगारी के मुद्दे सिर्फ एक दिखावा थे और आंदोलन के पीछे असली कारण गांधी परिवार को नेशनल हेराल्ड मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों से बचाना था। लोकतंत्र की मृत्यु कहकर राहुल गांधी द्वारा मोदी-सरकार पर हमला करने के बाद कांग्रेस पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी दल को उसके इतिहास की याद दिलाई।

रिजर्व बैंक ने रेपो दर...

केंद्रीय बैंक ने हालांकि वैश्विक स्तर पर नरमी के संकेत के बावजूद आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमान में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दास ने कहा, मुद्रास्फीति दबाव चौतरफा है और मुख्य मुद्रास्फीति ऊंची बनी हुई है। मुद्रास्फीति 2022-23 की पहली तीन तिमाहियों में छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी रहने का अनुमान है। आरबीआई ने कहा कि वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव से आयातित मुद्रास्फीति का जोखिम है। दास ने कहा, मौद्रिक नीति समिति ने आने वाले समय में मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुरूप काबू में लाने के साथ आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के इरादे से नरम नीतिगत रुख को वापस लेने पर ध्यान देने का भी फैसला किया है।

उपराष्ट्रपति चुनावः आंकड़े राजग...

इसमें मनोनीत सदस्य भी मतदान करने के पात्र होते हैं। संसद में सदस्यों की मौजूदा संख्या 788 है, जिनमें से केवल भाजपा के 394 सांसद हैं। जीत के लिए 390 से अधिक मतों की आवश्यकता होती है। धनखड़ यदि उपराष्ट्रपति निर्वाचित होते हैं, तो यह एक इत्तेफाक ही होगा कि लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति एक ही राज्य के होंगे। वर्तमान में ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष हैं और वह राजस्थान के कोटा संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति भी होते हैं। चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से होगा और चुनाव गुप्त मतदान के द्वारा होगा। इस प्रणाली में, निर्वाचक को उम्मीदवारों के नामों के सामने वरीयताएं अंकित करनी होती हैं। इस चुनाव में खुले मतदान की कोई अवधारणा नहीं है और राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के चुनाव में किसी भी परिस्थिति में किसी को भी मतपत्र दिखाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। वर्ष 1974 के नियमों में निर्धारित मतदान प्रक्रिया में यह प्रावधान है कि मतदान कक्ष में वोट पर निशान लगाने के बाद मतदाता को मतपत्र को मोड़कर मतपेटी में डालना होता है।

मोदी से मिलीं दीदी...

केंद्र सरकार की ओर से राज्य को 31 जुलाई, 2022 तक जो राशि बकाया है, वह लगभग 1,00,968.44 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। बनर्जी ने कई दफा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राज्यों, विशेषकर विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों को माल और सेवा कर (जीएसटी) के भुगतान में देरी करने का आरोप लगाया है। बैठक के बाद बनर्जी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने गईं। चार दिवसीय दौरे पर बृहस्पतिवार को यहां पहुंचीं बनर्जी के सात अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग संचालन परिषद की बैठक में शामिल होने की संभावना है। पिछले साल वह बैठक में शामिल नहीं हुई थीं। बनर्जी की प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात ऐसे वक्त हुई है जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को गिरफ्तार किया और कथित स्कूल नौकरी घोटाले के सिलसिले में भारी नकदी और आभूषण बरामद किए। गिरफ्तारी के बाद चटर्जी को मंत्री पद से हटा दिया गया था। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि बैठक में इस मुद्दे पर बात हुई या नहीं। बनर्जी की मोदी से मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि छह अगस्त को उप राष्ट्रपति चुनाव होगा, जिससे उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने दूर रहने का फैसला किया है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है, जबकि विपक्षी दलों ने मार्गरेट अल्वा को उम्मीदवार बनाया है।

सीएम ने परखी विकास कार्यों की हकीकत, दिए निर्देश

- निर्माणाधीन परियोजनाओं पर कार्य शुरू है, उन्हें युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर प्राथमिकता पर पूरा कराएं: मुख्यमंत्री
- जनपदों में बाढ़ एवं सूखा से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखी जाए
- मुख्यमंत्री ने हर घर तिरंगा अभियान का औपचारिक शुरुआत की

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर गुरुवार को वाराणसी पहुंचे तथा कमिश्नरी सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को कड़े आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन परियोजनाओं पर कार्य शुरू है, उन्हें युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर प्राथमिकता पर पूरा कराएं। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंडल के जनपदों के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कोविड-19 के दृष्टिगत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सबको प्रिकॉशनरी डोज लगवाए जाने हेतु आह्वान किया है। इसलिए इसका व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर मिशन मोड में पात्रता की श्रेणी में आने वाले शत-प्रतिशत लोगों को निशुल्क बूस्टर डोज लगवाया जाए। जनपदों के जिलाधिकारी संभावित बाढ़ एवं सूखा के दृष्टिगत समुचित तैयारी रखें। 10 करोड़ की लागत से अधिक एवं उससे कम लागत की भी निर्माणाधीन परियोजनाओं का नियमित रूप से मानिटरिंग सुनिश्चित किया जाए। कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। किसी भी स्तर पर सफ्लता एवं लापरवाही पाए जाने पर कार्यदायी संस्थाओं के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए। मनरेगा के अंतर्गत 100 फ़ीसदी बायोमेट्रिक कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न हो और किसी को भी असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आमजन से लोगों को जुड़ना होगा। जल जीवन मिशन के अंतर्गत गुणवत्ता युक्त कार्य संपन्न किया जाए। इसके अंतर्गत पेयजल आपूर्ति शुद्धता के साथ सुनिश्चित होनी चाहिए। इसके लिए नोडल अधिकारियों की भी तैनाती सुनिश्चित किया जाए।

वही अपराध नियंत्रण में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि धर्म स्थलों से ध्वनि विस्तारक यंत्रों को उतरवाने अथवा उनकी आवाज को नियंत्रित किए जाने के संबंध में सरकार द्वारा चलाए गए अभियान को इतिश्री न समझा जाए। यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। पुलिस अधिकारी इस पर पैनी नजर रखें और निरंतर कार्यवाही सुनिश्चित करते रहे। अवैध बस एवं ऑटो स्टैंड किसी भी दशा में संचालित नहीं होने चाहिए। कहीं भी अवैध तरीके से संचालित है, तो इसे कड़ाई से बंद कराया जाए। मुख्यमंत्री ने अवैध वसूली पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि अवैध वसूली किसी भी दशा में नहीं होनी चाहिए। पुलिस थाना, सीओ एवं एसडीएम स्तर से इस पर पूरी तरह निगरानी रखी जाए और ऐसे लोगों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए। जनप्रतिनिधि क्षेत्र भ्रमण के दौरान जनता की समस्याओं को अवश्य सुने और उसका निस्तारण सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ उनका नियमित संवाद होना चाहिए। जनप्रतिनिधियों के टेलीफ़ोन अवश्य रिसीव किए जाए। मुख्यमंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सही विद्युत बिलों का प्रेषण सही ढंग से नहीं हो रहा है। प्राय: अधिक धनराशि के बिल की शिकायतें मिल रही है। यह गंभीर विषय है। पावर कारपोरेशन स्तर पर इसका गंभीरता से नियमित रूप से समीक्षा किया जाए और यह सुनिश्चित कराई जाय कि सही मूल्य के ही विद्युत बीजक जन सामान्य को उपलब्ध कराए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान बड़े एवं शातिर अपराधियों के विरुद्ध कोई कोर कसर न छोड़े जाने की पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ऐसे लोगों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए। विगत 5 वर्षों में निश्चित रूप से पुलिस की छवि सुधरी है, फिर भी अभी इसमें और सुधार की गुंजाइश है। पुलिस की छवि आम जनमानस में अच्छी रहे, इसके लिए छोटी से छोटी सूचनाओं को पूरी गंभीरता से लिया जाए तथा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत जनपदों के शहीद स्मारकों पर पुलिस एवं पीएसी के बैंड बजाए जाए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जनप्रतिनिधियों से उनकी समस्याएं पूछे जाने पर मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने सामूहिक विवाह में दिए जाने वाले धनराशि का मुद्दा उठाया। वाराणसी पिंडरा विधानसभा के विधायक डॉ अवधेश सिंह ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कतिपय अधिकारियों की लापरवाही का जिक्र करते हुए कहा बार-बार कहे जाने के बावजूद अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने रामनगर नगर पालिका क्षेत्र के वे क्षेत्र जो नगर निगम क्षेत्र में आ चुके हैं, उन क्षेत्रों में साफ-सफ़ाई के साथ बुनियादी आवश्यकताओं की समुचित व्यवस्था न होने की बात उठाते हुए इसे तत्काल कराए जाने की मांग की। माटी के लाल पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्म एवं पैतृक स्थल रामनगर के विकास का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने इसे प्राथमिकता पर कराए जाने की मांग की। उन्होंने क्षेत्र में नियमित रूप से साफ-सफ़ाई न होने का भी जिक्र किया। जिस पर मुख्यमंत्री ने नगर आयुक्त से साफ सफ़ाई के बाबत पूछते हुए कहा कि इस संबंध में पूर्व की बैठक में भी शिकायतें हुई थी। उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए समुचित साफ-सफ़ाई सुनिश्चित कराए जाने का निर्देश दिया।इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर घर तिरंगा अभियान का औपचारिक शुरुआत की।

इस अवसर पर उन्होंने काशी विद्यापीठ विकासखंड के पंचायती राज विभाग के सचिव सतीश मौर्य, ग्राम प्रधान श्वेता राय, नगर निगम के सफ़ाई व खंड निरीक्षक नृपेंद्र सिंह, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सचिव राजेश्वर नारायण व इंडियन डेंटल एसोसिएशन के सचिव मनोज श्रीवास्तव एवं डॉ अमर अनुपम सहित पांच लोगों को राष्ट्रीय ध्वज देकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। बैठक में मंत्री अनिल राजभर, मंत्री रविंद्र जायसवाल, मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, महापौर मृदुला जायसवाल, एमएलसी लक्ष्मण आचार्य, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक डॉ अवधेश सिंह, विधायक सुनील पटेल, प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद, कमिश्नर दीपक अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहें।

इंडियन बैंक का स्थापना दिवस

अंचल प्रबंधक ने बांटी स्टेशनरी व पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

आजादी का अमृत महोत्सव तथा इंडियन बैंक के 116वें स्थापना दिवस के अवसर पर इंडियन बैंक, अखिल भारतीय स्तर पर कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत अगस्त 2022 माह में विविध गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इंडियन बैंक, आंचलिक कार्यालय वाराणसी द्वारा शुक्रवार को चोलापुर स्थित प्राइमरी पाठशाला धरसौना में छात्रों को स्टेशनरी का वितरण किया गया तथा पाठशाला के पास स्थित सार्वजनिक स्थल पर वृहद वृक्षारोपण किया गया एवं उपस्थित ग्रामीणों में वृक्षारोपण हेतु पौधे वितरित किए गये।

इस अवसर पर इंडियन बैंक, वाराणसी के अंचल प्रबंधक राजेश एवं उप अंचल प्रबंधक एस के सिंह ने छात्रों से बातचीत करके उनका मनोबल बढ़ाया और पढ़ाई का महत्व बताया। बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। इसके साथ ही इंडियन बैंक ग्राहक सेवा केन्द्र भवानीपुर में स्वास्थ्य जांच कैंप का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 125 लोगों का स्वास्थ्य जाँच किया गया। इस अवसर पर इंडियन बैंक के मुख्य प्रबंधक राजीव तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक उमेश सिंह, चोलापुर शाखा प्रबंधक अभिषेक त्रिपाठी तथा अन्य स्थानीय बैंककर्मी उपस्थित थे।

प्रदेश उपाध्यक्ष का हुआ रेलवे स्टेशन पर स्वागत

सकलडीहा चन्दौली। सकलडीहा रेलवे स्टेशन पर कुर्मि क्षत्रिय सभा के नवनियुक्त युवा प्रदेश उपाध्यक्ष चन्द्रजीत पटेल के जनपद में आगमन परजोरदार स्वागत किया गया। दर्जनों की संख्या में विभन्नि संगठनों ने स्वागत करते हुए माल्यार्पण किया। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कस्बा स्थित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद कहा कि देश के संविधान निर्माता की देन है कि हर किसी को अपने समाज का दायत्वि दिया जाता है। कूर्मि क्षत्रिय सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डीएम कटियार ने बरठी गांव के चन्द्रजीत कुमार पटेल को युवा प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। शुक्रवार को सकलडीहा रेलवे स्टेशन पर प्रदेश उपाध्यक्ष के प्रथम आगमन पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें विभन्नि राजनीतिक दलों ने अपनी भागीदारी किया। नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष ने कस्बा स्थित बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि संविधान निर्माता की देन है।

आबकारी विभाग ने शराब दुकानों का किया औचक निरीक्षण

सकलडीहा चन्दौली। जिलाधिकारी संजीव सिंह के निर्देश पर सावन माह को देखते हुए आबकारी विभाग विशेष अलर्ट है। गुरूवार को प्रभारी निरीक्षक शरद कुमार सकलडीहा क्षेत्र के चतुर्भुजपुर और तुलसी आश्रम में शराब दुकानों की औचक जांच पड़ताल किया। इस दौरान शराब की बार कोडिंग और स्टॉक सहित अन्य अभिलेख का मिलान किया। विभागीय जांच पड़ताल से खलबली मचा हुआ है। सावन माह को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से सावधानी बरती जा रही है। अवैध शराब की बिक्री और ईट भट्टा सहित अन्य स्थानों पर बनने वाले शराब को लेकर पैनी निगाह आबकारी विभाग द्वारा रखी जा रही है। आबकारी विभाग की टीम ने सकलडीहा क्षेत्र के चतुर्भुजपुर और तुलसी आश्रम देशी और अंग्रेजी शराब दुकान की औचक जांच पड़ताल किया। इस दौरान शराब की बार कोडिंग एलेबलए गुणवत्ता की जांच किया। इसके अलावा स्टॉक का मिलान किया।

महंगाई और जीएसटी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

संवाददाता। मऊ

महंगाई, बेरोजगारीए जीएसटी एवं प्रियंका गांधी के चोट की खबर से राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत आक्रोशित कांग्रेसजनों का आक्रोश गुरुवार को सड़क पर फूट पड़ा। जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने राष्ट्रपति को सम्बोधित पांच सूत्री ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन सौंपने के उपरांत कांग्रेसजनों ने कलेक्ट्रेट के पास स्थित वाराणसी.गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम करते हुए केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकार का पुतला फूंकने का प्रयास किया। उधर राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करने एवं पुतला फूंकने के प्रयास की सूचना पाते ही क्षेत्राधिकारी भारी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पुतला फूंकने को लेकर कांग्रेसजनों एवं पुलिस के बीच जमकर नोंकझोंक हुआ। पुलिस कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करके कांग्रेसियों से पुतला छिन लिया। इस दौरान पुलिस टीम ने सड़क जाम करने एवं पुतला फूंकने के प्रयास करने वाले 22 कांग्रेसियों को गिरफ्तार कर लिया।

देश में लगातार बढ़ रही बेतहाशा महंगाईए बेरोजगारीए जीएसटी के खिलाफकांग्रेस के राष्ट्रव्यापारी आह्वान पर गुरुवार को आंदोलन प्रस्तावित था। राष्ट्रव्यापारी आंदोलन के तहत गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंतेखाब आलमए शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विष्णु कुशवाहा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों का प्रतिनिधिमंडल कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति को सम्बोधित पांच सूत्री ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन सौंपने के बाद कांग्रेसजनों ने कलेक्ट्रेट के पास स्थित वाराणसी.गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया। सड़क जाम करते हुए कांग्रेसियों ने केन्द्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी एवं प्रदर्शन किया। साथ ही साथ कांग्रेसजन केन्द्र सरकार का पुतला फूंकने का भी प्रयास किए। इस बीच कांग्रेसियों के सड़क जाम एवं पुतला फूंकने की सूचना पाते ही क्षेत्राधिकारी धनंजय मिश्रा भारी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। इस बीच कांग्रेसजनों एवं पुलिस के बीच जमकर तीखी नोंकझोंक एवं पुतले को लेकर छिना झपटी हुआ। कड़ी मशक्कत करते हुए पुलिस कर्मियों ने कांग्रेसजनों के हाथों से केन्द्र सरकार का पुतला छिन लिया। क्षेत्राधिकारी धनंजय मिश्रा ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करते हुए सड़क जाम करने एवं सरकार का पुतला फूंकने के प्रयास में 22 कांग्रेसजनों को धारा 151 के तहत कार्रवाई करते हुए मौके से गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेसजनों एवं पुलिस के बीच हुई जमकर नोंकझोंक एवं हाथापाई के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास काफी अफरा.तफरी मचा रहा। जबकि सुरक्षा के मद्देनजर कलेक्ट्रेट परिसर से लेकर बुनकर कालोनी तक भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती किया गया था। पल.पल की गतिविधि पर उच्चाधिकारी अपनी पैनी नजर रखे हुए थे। आंदोलन के दौरान मुख्य रुप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंतखाब आलमए शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विष्णु कुशवाहाए उमाशंकर सिंह दाढ़ीए राना खातूनए अकरम प्रीमियमए मनसा राजभरए मीना भारतीयए रमन पाण्डेयए रामचंद्र रायए सर्वेश कुमारए रामकरण यादवए वीरेंद्र कुशवाहाए आफ्ताब आलम आदि मौजूद रहे।

बुखार में भी मां करा सकती है स्तनपान

संवाददाता। सोनभद्र

मां अगर बीमार हो तब भी वह अपने बच्चे को स्तनपान करा सकती है बशर्ते उसे कोई स्टेरॉयड नहीं दी जा रही हो। यह जानकारी दी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आर एस ठाकुर ने ।उन्होंने बताया कि 7 अगस्त तक चलने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान महिलाओं को स्तनपान के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जन्म से लेकर 6 माह तक मां का दूध बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है। जन्म के 1 घंटे के अंदर बच्चों को मां का गाढ़ा पीला दूध अवश्य पिलाएं तथा उसे प्रसव पंजिका में अंकित करें ।स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विभा ने बताया कि स्तनपान से बच्चे को ही नहीं बल्कि उसकी मां को भी फायदा होता है। बच्चे को उचित मात्रा में पोषक आहार मिलता है तथा उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। लगातार 6 माह तक बच्चे को मां का दूध पिलाने से उसे निमोनिया और रिकेटस जैसे रोग होते ही नहीं है। बच्चे का जैसे जैसे विकास होता है उसी तरह से उसको पोषक पदार्थों की जरूरत होती है। यह सारे पोषक पदार्थ बच्चे को मां के दूध से मिल जाते हैं। दूध में मौजूद प्रतिरोधी तत्व शिशु को संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करते हैं तथा उसके अंदर प्रतिरोधी क्षमता का विकास करते हैं। मां अगर बीमार हो तब भी वह अपने बच्चे को स्तनपान करा सकती है बशर्ते उसे कोई सेटेराइट दवा नहीं दी जा रही हो। प्रसव के दौरान 1 घंटे के अंदर मां के गाढ़े पीले दूध को बच्चे को पिलाया जाता है। आशा संगिनी सीमा देवी बताती हैं कि आशा कार्यकर्ताओं को निरंतर यह बताया जाता है कि वह अपने क्षेत्र की प्रसूता महिलाओं को स्तनपान के प्रति जागरूक करें। 6 महीने तक उन्हें केवल अपना दूध ही पिलाएं ।वह दूध अमृत के समान होता है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विभा बताती है कि अस्थमा या किसी अन्य गंभीर संक्रमण के दौरान महिलाएं बार-बार अपने हाथ साबुन और गर्म पानी से धोए या फिर सेनेटाइजर का इस्तेमाल करें। शिशु को उसकी चूसनी देने से पहले इसके किसी भी हिस्से को अपने मुंह में न लें। बीमार होने पर अपने शिशु के चेहरे पर चुंबन न करें ।जब महिला ठीक हो जाएगी तो ऐसा करने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। जब महिला को बुखार हो तो खूब सारा पानी पिए और पौष्टिक भोजन खाएं ।

कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

कांग्रेस पार्टी द्वारा महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के क्रम में शुक्रवार को जिला-महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में वाराणसी के जिला मुख्यालय घेराव हुआ ।मंदी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महँगाई, अग्निपथ योजना के खिलाफ कांग्रेसजनों ने हल्ला बोल किया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा की ये है मोदी सरकार के 'नए भारत- का 'अमृतकाल' है ।जिसमें बेरोजगारी 'घरों के चिराग' बुझा रही है और बेतहाशा मंहगाई 'घरों के चूल्हे' को ।कांग्रेस पार्टी तानाशाह भाजपा सरकार व महंगाई के खिलाफ खड़ी है ।एक तरफ देश मंदी के दौर से देश गुजर रहा है और उस महंगाई की मार से जिंदगी जीना मुश्किल हो गया है ।जनता त्राहि त्राहि कर रही है ।सूक्ष्म लघु मध्यम उद्योग ठप पड़े है ।लेकिन जनहित में भाजपा के पास कोई योजना नही है ।प्रतिशोध की राजनीति में नरेंद्र मोदी व अमित शाह परेशान है ।परंतु तानाशाहों के प्रतिशोध से हम डरेंगे नही ।प्रजातंत्र का प्रहरी बनकर सोनिया गाँधी, राहुल गाँधी के नेतृत्व में सच की लड़ाई लड़ते रहेंगे।

पूर्व सांसद डॉ0 राजेश मिश्रा ने कहा कि देश बेरोजगारी की महामारी से जूझ रहा है, करोड़ों परिवारों के पास स्थिर आय का कोई साधन नहीं बचा है ।भाजपा सरकार ने विकास की दिशा में एक भी कदम नहीं उठाया है। भाजपा विकास की चर्चा से परहेज करती है ।महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अन्याय से नौजवानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है ।बेरोजगारी महंगाई के खिलाफकांग्रेस पार्टी मैदान में खड़ी है । कार्यक्रम का अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल व महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने संयुक्त रूप से कियाजिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, प्रजानाथ शर्मा, नेता पार्षद दल सीताराम केशरी, दुर्गाप्रसाद गुप्ता, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुराधा यादव, दिलीप चौबे, फ़साहत हुसैन बाबू, देवेन्द्र सिंह, डॉ राजेश गुप्ता, राजेश त्रिपाठी, चंचल शर्मा, अशोक सिंह, विश्वनाथ कुँवर, रंजीत तिवारी, रोहित दुबे, अनुभव राय, ऋषभ पांडेय, संदीप पाल, वकील अंसारी, किशन यादव, शिवजी सिंह, आशीष सिंह विक्की, दुर्गा साहनी, अशोक पाण्डेय, राजू गुप्ता,रामजी गुप्ता,इम्तियाज, कृष्णा गौड़ समेत सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूचना का अधिकार विभाग ने जुलूस निकालकर किया विरोध प्रदर्शन

वाराणसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर वाराणसी कांग्रेसजनों द्वारा महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ विशाल जुलूस निकाला गया, जिसे सूचना का अधिकार विभाग(आरटीआई)के कार्यकर्ता व पदाधिकारी नदेसर तिराहा स्थित मस्जिद के पास इकट्ठा होकर जिला चेयरमैन राजेश त्रिपाठी के नेतृत्व में हाथों में तख्ती व झंडा लेकर मोदी-योगी मुर्दाबाद, तख्त बदल दो ताज बदल दो, बेईमानों का राज बदल दो, मोदी सरकार होश में आओ आदि नारे के साथ मिंट हाउस जाकर समर्थन दिया, जो मुख्यालय जाकर कलेक्टेऊट स्थित रायफल क्लब परिसर में पूर्व सांसद व पूर्व विधायक के साथ धरना दिया गया। धरना-प्रदर्शन में अरूण सोनी, राजेन्द्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

प्रिकाशन डोज के लिए मेगा कैंप का आयोजन कल

संवाददाता। मिर्जापुर

प्रिकाशन डोज के लिए 07 अगस्त को पूरे जनपद के सभी केन्द्रों पर कोविड से बचाव के लिए मेगा कैंप का आयोजन किया जायेगा। इस आशय की जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने दी। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि देश व प्रदेश सरकार के निर्देश मिलने के बाद अमृत महोत्सव के तहत जिले के 16 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रए 53 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के अलावा 326 उपस्वास्थ्य केन्द्रों पर 30 सितम्बर तक 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को प्रिकाशन डोज लगातार दिया जा रहा है। यह डोज केन्द्रों पर निशुल्क दिया जा रहा है। इस कैंम्प के सम्बन्ध में सभी अपर मुख्य चिकित्साधिकारियोंए प्रभारी चिकित्साधिकारियों व स्वास्थ्य कर्मियों को भी पत्र के माध्यम से अवगत करा दिया गया है। उस दिन सभी की छुट्टी को रद्द कर दिया गया है और स्पष्ट आदेश दे दिया गया कि किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही क्षम्य नही होगा। अपर शोधध्नोडल अधिकारी आर0के0 राय ने बताया कि 27 लाख आबादी वाले जनपद में केवल एक लाख पांच हजार को प्रिकाशन डोज से लाभान्वित किया जा सका है। लेकिन 30 सितम्बर तक जनपद के 26 लाख लोग भी इस प्रिकाशन डोज लेने के अधिकारी हो जायेगे। चूंकि कोरोना की गति तेज होने के बाद अब टीकाकरण की गति को भी तेज करने के उद्देश्य से 07 अगस्त रविवार को प्रिकाशन डोज का मेगा कैंप का आयोजन मण्डलीय चिकित्सालयए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों समेत सभी उपस्वास्थ्य केन्द्रों पर मेगा कैंप का आयोजन किया जायेगा। टीकाकरण प्रबन्धक मायाशंकर मिश्र ने बताया कि इस मेगा कैंप के लिए आशाए एएनएम व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने.अपने क्षेत्रों में जाकर मेगा कैंम्प में जाकर डोज लेने के लिए प्रेरित करने का काम करेगी।

अपने हाथों को बार बार साबुन एवं साफपानी से धोए एहाथों से नाक मुंह व आंख को बारण्बार न छुएए खासते और छींकते समय इस्तेमाल किए टिशु पेपर को कूड़ेदान में फेंके एवं मुंह नाक को अच्छी तरह ढक कर रखेंए बुखार खांसी तथा सांस लेने में परेशानी हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें एखासी बुखार होने पर यात्रा न करें और नियमित रूप से साफ सफाई का ध्यान दें एभीड़ भरी जगहों पर जाने से बचें संक्रमित व्यक्ति से पर्याप्त दूरी बनाएं।

सार्वजनिक स्थलों एवं खुले स्थानों पर न थूके एबेवजह अपनी आंखें नाक या मुंह न छुएए छूने के बाद हमेशा अपने हाथों को अच्छी तरह साबुन और पानी से धोएंए खासी बुखार के लक्षण होने पर या सांस लेने में तकलीफहोने पर तथा लक्षण समाप्त होने तक सार्वजनिक स्थलों पर न जाएं और लोगों से निकट संपर्क न करें। कोरोना संक्रमित व्यक्ति के खासने और छीकने के संपर्क में आने से फैलता है।

राष्ट्र भक्ति के रंग में रंग जाएं, चलो हर घर तिरंगा फहराएं: जिलाधिकारी

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने जनपदवासियों से आत्मीय सम्बोधन में कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगाठ के अवसर पर इस 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की अमृत बेला पर हम सभी अद्भूत पल के गवाह होने जा रहे है। देशव्यापी 13 से 15 अगस्त हर घर तिरंगा अभियान में जनपदवासी शामिल होकर देश की आजादी का अमृत महोत्सव मनाने की अपील करतें हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र ध्वज हर देशवासी के लिए सम्मान का प्रतीक है। हम सभी इस 13 से 15 अगस्त तक अपने घरो पर तिरंगा फ्हराएं और हर घर तिरंगा अभियान में भागीदार बनें। जिलाधिकारी ने जनमानस को भारतीय ध्वज को फ्हराने व प्रयोग करने के विषयक सुझाव निर्देश की कई शार्ट वीडियों क्लिप प्रसारित करते हुए बताया कि छड़ी हो, राड़ हो, या हो पेड़ की किसी डाली, घर पर उपलब्ध चीजों पिन, क्लिप रस्सी आदि चीजों का इस्तेमाल करके अपने घर पर भी फ्हराएं तिरंगा। झण्डा फ्हराते समय ध्यान रखे कि आकाश पर ऊचॉ लहराएं, धरती न छुने पाएं, राष्ट्रीय ध्वज है मान देश का, इसकी छवी धूमिल न होने पाए। उन्होंने बताया कि तिरंगे को घर की बालकनी, दरवाजे, या खिड़की पर, ध्वज को फ्हराएं ऊचॉ। भगवॉ उपर, फिर सफेद, और सबसे नीचे हो हरा। सही क्रम में लहराएं तिरंगा। भारतीय ध्वज को फ्हराने व प्रयोग करने के निर्देश, ध्वज को सम्मानपूर्ण तरीके से ऐसी जगह लगाया जाय जहां से वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे। ध्वज का केसरिया रंग सदैव ऊपर की ओर हो। ध्वज झुका हुआ न हो। फ्टा या मैला ध्वज नहीं फ्हराया जाता। किसी दूसरे ध्वज या पताका को राष्ट्रीय ध्वज से ऊंचा या ऊपर नहीं लगाया जायेगा, न ही बराबर में रखा जायेगा। ध्वज पर कुछ भी लिखा या छपा नहीं होना चाहिए। झण्डे को किसी वस्तु को प्राप्त करने देने पकड़ने अथवा ले जाने के पात्र के रूप में प्रयोग नहीं किया जायेगा। झण्डे को जान बूझकर जमीन अथवा फर्श को छूने अथवा पानी में घसीटने नहीं दिया जायेगा। झण्डे का प्रयोग किसी भवन में परदा लगाने के लिए नहीं किया जायेगा।

राज्य स्तरीय पार्टी बनी अपना दल एस, चुनाव आयोग ने दी मान्यता, जिला संगठन ने मनाई खुशियां

संवाददाता। मिर्जापुर

अपना दल एस के उत्तर प्रदेश में जिला स्तर पर अपना दल ;एसद्ध के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में भारी खुशी देखी जा सकती है। बता दें कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक पार्टी अपना दल ;एसद्ध को चुनाव आयोग ने स्टेट पॉलिटिकल पार्टी का दर्जा दे दिया है। विधानसभा चुनाव 2022 में प्रदर्शन के आधार पर यह दर्जा दिया गया है। यशरूकायी डॉ सोनेलाल पटेल जी के त्याग व संघर्ष से आज अपना दल ;एसद्ध को देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की राज्य स्तरीय पार्टी के तौर पर चुनाव आयोग ने मान्यता दे दी है। आयोग की ओर से कहा गया है कि आम चुनाव की समीक्षा के बाद देखा गया है कि अपना दल ;एसद्ध ने निर्धारित शर्तों को पूरा किया है। प्रदेश सचिव आनंद सिंह पटेल ने कहा कि हम सबके मार्गदर्शक माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री बहन श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी एवं उत्तर प्रदेश सरकार में के कैबिनेट मंत्री माननीय आशीष पटेल जी के अथक परिश्रम से आज देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में हम सब की पार्टी अपना दल ;एसद्ध को राज्यस्तरीय पार्टी चुनाव आयोग द्वारा घोषित किया गया आज हम लोग बहुत उत्साहित एवं प्रफुल्लित हैं। युवा मंच जिला अध्यक्ष उदय पटेल ने जिला पार्टी कार्यालय पर वरिष्ठ एवं पुराने कार्यकर्ताओं के साथ खुशियां मनाईं और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाइयां दी। कार्यक्रम के दौरान कार्यवाहक प्रदेश सचिव छात्र मंच दिलीप पटेलए प्रदेश महासचिव आईटी मंच दुर्गेश पटेलए जिला अध्यक्ष व्यापार मंच अशोक पटेलए जिला अध्यक्ष पार्टी मंच हेमंत बिंदए जिला मीडिया प्रभारी शंकर सिंह चौहानए नगर विधानसभा अध्यक्ष विजय शंकर केसरीए श्रीमती नमिता केसरवानीए श्रीमती अर्चना अग्रहरीए सतीश चंद केसरीए अनुराग सिंहए संतोष विश्वकर्माए अखिलेश बिंद आदि मौजूद रहे।

राजनीतिक बीमारी

खैरात की संस्कृति

खैरात की संस्कृति एक राजनीतिक बीमारी है और इसका राजनीतिक इलाज होना चाहिए। इसमें न्यायपालिका को शामिल करने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के नेता अश्विनी उपाध्याय ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर पार्टियों को चुनावों के पहले 'अतार्किक खैरातों' की घोषणा से रोकने की प्रार्थना की है। क्या उन्होंने यह मुद्दा पार्टी के किसी मंच पर या कहीं और उठाया है? इसके साथ ही राजनीतिक पार्टियां चुनाव अभियानों के पहले या उसके दौरान जो कुछ करती हैं या उनको करना चाहिए, यह मामला उनके बीच का है। इसमें देश की सर्वोच्च अदालत को घसीटने का क्या औचित्य है? बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने सुझाव दिया कि एक समिति का गठन किया जाए जिसमें नीति आयोग, वित्त आयोग, सत्तारूढ़ व विपक्षी दलों, भारतीय रिजर्व बैंक-आरबीआई तथा अन्य पक्षों के लोग शामिल हों। अदालत ने वरिष्ठ वकील, राज्यसभा सदस्य तथा पूर्व विधि मंत्री कपिल सिब्बल की राय भी मांगी है। राजनेता अक्सर मामले हल करने में विफल होते हैं और इसलिए न्यायपालिका से सहायता मांगते हैं। लेकिन वे न्यायिक क्षेत्र के विस्तार या न्यायपालिका की अति-सक्रियता पर भी सवाल उठाते हैं। इससे भी बुरी बात है कि वे राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर भी काम नहीं करते हैं। यह समझने के लिए किसी को अर्थशास्त्री होने की जरूरत नहीं है कि 'खैरातें' न केवल सरकारी खजाने, बल्कि अर्थव्यवस्था और यहां तक कि राजनीति के लिए भी खतरनाक हैं। इसके बावजूद कोई राजनीतिक पार्टी उनके खिलाफ सैद्धान्तिक दृष्टिकोण अपनाने को तैयार या इसमें सक्षम नहीं है। 16 जुलाई को

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'रेवड़ी संस्कृति' के खिलाफ भाषण दिया था। उन्होंने उचित ही संकेत किया था कि यह आर्थिक विकास के लिए 'बहुत खतरनाक' है। राज्यों के स्तर पर यह खतरा चिन्ताजनक आयाम धारण कर रहा है क्योंकि सभी पार्टियों की सरकारें विचारहीन लोकरंजकता में लिप्त होती हैं तथा धड़ल्ले से खैरातें बांटती हैं।

हालांकि, इस परिघटना की ओर ध्यान पहली बार नहीं आकर्षित किया गया है। लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के कुछ सप्ताह पहले आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने राज्यों की राजकोषीय शाहखर्ची पर चिन्ता व्यक्त की थी। नवंबर, 2021 में जारी आरबीआई की रिपोर्ट में इसी तथ्य को रेखांकित किया गया था। उसने कहा था कि हालिया वर्षों में राज्यों के बकाए कर्ज में बढ़ोत्तरी की प्रवृत्ति दिख रही है जिसका कारण उज्जवल डिस्काम एश्योरेंस योजना-उदय, किसानों की कर्ज माफी तथा 2019-20 में आर्थिक सुस्ती है। इन सबके कारण कर्ज-जीएसडीपी अनुपात बढ़ा है। राज्य के लिए जीएसडीपी का वही स्थान है जो देश के लिए जीडीपी का। इस वर्ष अप्रैल में 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन.के. सिंह ने संकेत किया था कि अर्थव्यवस्था तथा खैरातों की राजनीति में गंभीर गड़बड़ियां हैं। यह 'सबसे निचले स्तर तक गिरावट की दौड़' तथा 'राजकोषीय विभीषिका जल्दी लाने' का रास्ता है। दुर्भाग्य से खैरातों की अर्थनीति और राजनीति तथा लोकरंजकता बेलगाम तरीके से जारी हैं। इस पर पैसा लगता है और उसके खराब नतीजे निकलते हैं। इसका एक उदाहरण महंगे पेट्रोलियम उत्पाद हैं। हमेशा एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने से किसी को और निश्चित रूप से देश को कोई लाभ नहीं होता है। इसलिए आसानी से लाभ प्राप्त करने के बजाय सभी राजनीतिक पार्टियों को लोकरंजकता की सीमायें तय करनी चाहिए और प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि वे उनको पार नहीं करेंगी। वे यह काम बिना न्यायपालिका की सहायता के कर सकती हैं। इसके लिए एक ऐसी चीज पुनर्जीवित करनी होगी जो मर चुकी है या मर रही है। सभी पार्टियों को आपस में सार्थक संवाद करना चाहिए और केवल इससे ही 'सबसे निचले स्तर तक गिरावट की दौड़' रोकी जा सकती है।

संकट बना राज्यों का बेलगाम कर्ज

राज्यों के वित्त पर आरबीआई की रिपोर्ट चिन्ताजनक है। कुछ राज्य कर्ज लेने के असंवैधानिक तरीके भी अपनाने लगे हैं।

जी. भट्टाचार्जी
(लेखक, सीएजी कार्यालय के पूर्व महानिदेशक हैं)

भारतीय रिजर्व बैंक-आरबीआई की जून बुलेटिन में शामिल आलेख का शीर्षक 'स्टेट फाइनेंस: अ रिस्क एनालिसिस' है। इसमें भारत के 10 सर्वाधिक कर्ज में डूबे राज्यों के सार्वजनिक वित्त का विश्लेषण कर सामान्य रूप से जोखिम के संकेतकों को परिभाषित किया गया है। इसे 'राज्यों की दीवालिया रिपोर्ट' कहना ज्यादा उचित होगा। इस तथ्य को सभी स्वीकार करते हैं कि वैश्विक महामारी के कारण सभी सरकारों की वित्तीय स्थिति पर भयानक नकारात्मक प्रभाव पड़े हैं, लेकिन राज्यों के वित्त पर इनका प्रभाव अत्यधिक गंभीर है। वैश्विक महामारी शुरू होने के पहले जहां अधिकांश राज्यों ने राजकोषीय दायित्व विधायनों-एफआरबीएम के परिपालन में अपना सकल राजकोषीय घाटा-जीएफडी अपने राज्य के घरेलू उत्पाद-जीएसडीपी की तीन प्रतिशत की सीमा में लाने में सफलता प्राप्त की थी। इसके बावजूद चार राज्य-आंध्र प्रदेश, केरल, पंजाब व राजस्थान इस सीमा से 0.5 प्रतिशत ऊपर थे। वैश्विक महामारी ने लंबे लाकडाउन व अन्य सीमाबंधनों के कारण सभी राज्यों का राजस्व सुखा दिया, जबकि उनका खर्च सब्सिडी के कारण बढ़ गया था जो गरीबों व संकटग्रस्त लोगों के जीवनयापन के लिए जरूरी हो गई थी। इसके परिणामस्वरूप लगभग सभी राज्यों ने एफआरबीएम सीमा तोड़ी। इसके चलते बिहार का जीएफडी- जीएसडीपी अनुपात 11.5 तक पहुंच गया, जबकि यह पंजाब, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में क्रमश: 4.6, 5.2 व 4.3 प्रतिशत पहुंच गया था। इसके कारण राज्यों का कर्ज बढ़ा और उनका कर्ज-जीएसडीपी अनुपात सुरक्षित सीमाओं के बाहर निकल गया।

वैश्विक महामारी के कमजोर पड़ने के बाद तेजी से सुधार की आशा और इसके संकेत भी थे। लेकिन इसके बाद फूटे रूस-यूक्रेन युद्ध ने सुधार प्रक्रिया में बाधा डाली। 2022-23 के बजट अनुमानों के अनुसार कर्ज अनुपात 33.3 प्रतिशत से अधिक निकल गया, जबकि 15वें वित्त आयोग ने अनुमान लगाया था कि बिहार, राजस्थान व पश्चिम बंगाल के लिए यह सीमा तय की थी। केवल पंजाब का कर्ज अनुपात 2021-22 में 52.3 प्रतिशत था। लेकिन इससे वे राज्य हतोत्साहित नहीं हुए जो अपना लोकरंजक खर्च बढ़ा रहे थे। इससे निश्चित रूप से वे नीचे जाकर दीवालियापन के स्तर तक पहुंचेंगे जिसका संक्रामक असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ेगा। अंधाधुंध कर्ज लेने के नतीजे के रूप में श्रीलंका की घटनायें सामने आई हैं। इससे सबक लेने पर स्पष्ट है कि राज्यों का वित्त भी जोखिम में फंस सकता है।

आरबीआई पेपर में चेतावनी दी गई है कि 'इस संकटग्रस्त स्थिति को देखते हुए सामान्य समय में नकद सब्सिडी देने की प्रवृत्ति, प्रयोगकर्ता सेवाओं को मुफ्त करना, कुछ राज्यों द्वारा वृद्धावस्था पेंशन पुनर्जीवित करने की योजनायें तथा भारत में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष गारंटी सिर पर तलवार की तरह लटकी हैं।' उपरोक्त राज्यों के साथ ही इन दस राज्यों में हरियाणा, झारखंड व मध्य प्रदेश भी शामिल हैं जिनका कुल खर्च राज्यों द्वारा खर्च का आधा है। उनके कुल खर्च में राजस्व खर्च 80 से 90 प्रतिशत है जिससे उनके पास वृद्धि हेतु पूंजीगत आबंटन के लिए बहुत कम पैसा बचता है। राजस्व खर्च में भी वेतन, पेंशन व ब्याज भुगतान पर खर्च हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल व पंजाब के लिए 35 प्रतिशत था। इससे विकास, सामाजिक व आर्थिक सेवाओं पर खर्च और सीमित होता है। अधिकांश अत्यधिक कर्ज वाले राज्यों में केवल पेंशन खर्च राजस्व खर्च के 10 प्रतिशत से अधिक है जो डीएसडीपी का लगभग 3 प्रतिशत है। इसके बावजूद राजस्थान व छत्तीसगढ़ ने अपने जोखिम पर पुरानी पेंशन योजना-ओपीएस लागू करने का निर्णय किया है। उन्होंने स्वयं को नई पेंशन योजना-एनपीएस से अलग कर लिया है जिससे सरकार का पेंशन बोझ काफी सीमा तक कम हुआ है। पश्चिम बंगाल भारत का अकेला ऐसा राज्य है जिसने कभी एनपीएस लागू नहीं की थी। कुछ अन्य राज्य भी बिना फंड वाली ओपीएस लागू करने पर विचार कर रहे हैं। इसकी फंडिंग केवल टैक्सों से होगी और यह भावी पीढ़ी पर बोझ होगी। इसके उलट एनपीएस पेंशन के प्रति सरकार का दायित्व कम करती है, जहां वह कर्मचारी के सेवाकाल में उसके बराबर योगदान करती है और इससे उस पर भविष्य में कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ता है।

रक्षा कर्मियों पर एनपीएस लागू नहीं होती है। मुख्यत: इसके कारण बढ़ते पेंशन खर्च को देखते हुए केन्द्र सरकार को अग्निपथ योजना लागू करने पर मजबूर होना पड़ा है। वर्तमान समय में कुल रक्षा बजट का आधा वेतन व पेंशन पर खर्च हो जाता है और इसे प्रकारान्तर से पागलपन ही कहा जा सकता है।

कर्ज में अत्यधिक डूबे राज्य सब्सिडी पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं जिससे उनका कर्ज बोझ और बढ़ता है क्योंकि यह खर्च केवल कर्ज लेकर ही पूरा किया जा सकता है। वैश्विक महामारी के समय में सब्सिडी व खैरात की बात समझ में आती है, पर अब उसे सावधानी से केवल सर्वाधिक जरूरतमंद लोगों पर केन्द्रित किया जाना चाहिए। इसके बावजूद लोकरंजकता के दबाव तथा वोटबैंक तुष्टीकरण की प्रवृत्ति से राज्य अपने कुल राजस्व खर्च का 10 प्रतिशत से अधिक सब्सिडी व खैरातों पर खर्च करने लगे हैं। आंध्र प्रदेश व पंजाब में खैरातें जीएसडीपी के दो प्रतिशत से ऊपर निकल गई हैं, जबकि झारखंड, मध्य प्रदेश व पश्चिम बंगाल में ये जीएसडीपी के एक से दो प्रतिशत के बीच हैं।

केन्द्रशासित क्षेत्र दिल्ली के साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक व ओडिशा जैसे राज्यों ने अपने वित्त का बेहतर प्रबंधन किया है। आरबीआई के पेपर में पंजाब की स्थिति सबसे खराब बताई गई है जहां कर्ज अनुपात 2026-27 में 45 प्रतिशत तक पहुंचने की आशा है। राजस्थान, केरल व पश्चिम बंगाल भी 2026-27 में कर्ज-जीएसडीपी अनुपात 35 प्रतिशत से अधिक पर पहुंच सकते हैं। निश्चित रूप से यह अंधकार व दीवालियेपन तक पहुंचने का रास्ता है, पर खर्च पर नियंत्रण के सुधारात्मक कदम उठाने तथा कर्ज पर लगाम लगाने के बजाय और ज्यादा निराशाजनक खबर सामने आई है। इससे संकेत मिलता है कि खर्च पर नियंत्रण में अक्षम और अनिच्छुक ये राज्य बैंकों से भावी राजस्व को बंधक रख कर कर्ज ले रहे हैं। इसके लिए 'इस्क्रो' खाते खोले जा रहे हैं जो स्पष्ट रूप से असंवैधानिक होने के साथ सरकारी परिसंपत्तियों को बंधक रखना है। इस्क्रो खाता सरकारी खातों के बाहर होता है और दायित्व पूरा होने तक इसका प्रबंधन बैंक करता है। संविधान के अनुसार राजस्व राज्यों की समेकित निधि में जाने के बजाय भावी राजस्व इस खाते में सीधे जाता है। कम से कम पांच राज्यों ने इस प्रकार कर्ज लेने के लिए अपने भावी राजस्व को बंधक बनाया है, जबकि हो सकता है कि इनकी संख्या अधिक हो।

2019-20 व 2021-22 के बीच इस प्रकार आंध्र प्रदेश ने 23,899 करोड़, उत्तर प्रदेश ने 17,750 करोड़, पंजाब ने 2,879 करोड़, मध्य प्रदेश ने 2,698 करोड़ तथा हिमाचल प्रदेश ने 90 करोड़ कर्ज लिया है। ऐसा कर वे संविधान के अनुच्छेद 293 के उल्लंघन का प्रयास कर रहे हैं जिसके अनुसार राज्यों को केन्द्र के कर्जदार होने पर बाजार से कर्ज लेने के लिए केन्द्र की अनुमति लेना जरूरी है। यह सारी धनराशि बजटेत्तर कर्ज है जिसके लिए राज्य भावी राजस्व प्राप्तियों से अदायगी न होने पर संप्रभु परिसंपत्तियों को भी बंधक बना रहे हैं। हालांकि, इसमें कोई वित्तीय समझदारी नहीं है क्योंकि कर्जदाता ऐसी परिसंपत्तियों को बेचने की स्थिति में नहीं होंगे क्योंकि इसका अर्थ किसी सरकारी बैंक द्वारा कर्ज अदा न होने पर सरकारी संपत्ति, जैसे कोई कार्यालय या पार्क बेचना होगा। इनमें से अधिकांश कर्ज एसबीआई समेत सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों द्वारा दिए गए हैं। हालांकि, आरबीआई ने फौरन यह व्यवहार समाप्त करने के निर्देश दिए हैं तथा तीन महीने में आदेश क्रियान्वयन को कहा है। लेकिन केन्द्र ने भी अतीत में अधिकांशत: सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों के माध्यम से बड़े पैमाने पर बजटेत्तर कर्ज लिए हैं, हालांकि पिछले दो साल में यह व्यवहार मोटेतौर से बंद कर दिया गया है।

चूंकि लोकरंजक सरकारों को संवैधानिक प्राविधानों या वित्तीय व्यावहारिकता के बावजूद अंधाधुंध खर्च करने से रोका नहीं जा सकता है, इसलिए संभवत: समय आ गया है कि न्यायपालिका इस मामले में हस्तक्षेप करे।

छात्र केंद्रित कक्षाओं से बेहतर परिणाम

राधिका जाहिदी
(लेखिका, ग्रीन एकर्स अकादमी की निदेशक हैं)

विभिन्न तरीके अपनाने वाले इंटरएक्टिव या दूसरे शब्दों में छात्रों व शिक्षकों के बीच परस्पर सवांद वाले शिक्षण दृष्टिकोण से शिक्षण- परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हो सकते हैं। अधिकांश वयस्कों ने पढ़ाई के दौरान कक्षाओं में सुस्त ढंग से बैठे रहने का अनुभव किया है, क्योंकि शिक्षक ने मोनोलॉग प्रस्तुत किए होते हैं। इसका अर्थ है कि शिक्षक छात्रों से एकपक्षीय संवाद करते हैं जिसमें छात्रों की कोई भूमिका नहीं होती है।

आज हम जानते हैं कि ऐसा अनुभव सर्वोत्तम नहीं है और इसे इंटरैक्टिव, छात्र-केंद्रित शिक्षण वातावरण से बदला जाना चाहिए। पिछले कुछ दशकों में, शिक्षकों ने इंटरैक्टिव शिक्षण दृष्टिकोण के महत्व को पहचाना है। अनुसंधान ने स्थापित किया है कि एकतरफा व्याख्यान में सीखना शायद ही कभी प्रभावी ढंग से होता है। इंटरैक्टिव शिक्षण के माहौल में, छात्र सक्रिय रूप से भागीदारी करते हैं। इसे विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, छात्रों से प्रश्न पूछना, छात्रों को साथियों के साथ और टीमों में काम करना, व्यावहारिक अनुभवों से परिचय कराना, आदि।

इस प्रकार की इंटरएक्टिव शिक्षण -प्रक्रिया के दौरान छात्र सक्रिय रूप से 'बोलने' या 'करने' में भागीदार बनते हैं। छात्र-केंद्रित कक्षाएं गहन शिक्षण के लिए वैयक्तिक छात्र खूबियों का लाभ उठाती हैं। छात्र-केंद्रित शिक्षा, जिसे शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण भी कहा जाता है, एक ऐसा शैक्षणिक दृष्टिकोण है, जो महत्व प्राप्त कर रहा है। छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण स्वीकार करते हैं कि छात्र सीखने के लिए विविध रुचियों, शक्तियों और प्राथमिकताओं वाले अनोखे व्यक्ति होते हैं, जबकि यह पुष्टि करते हुए कि कोई एक तरीका सभी के लिए उपयुक्त नहीं होता है। अच्छे शिक्षण के लिए आवश्यक है कि हम विद्यार्थियों को अच्छी तरह से जानें, और इस ज्ञान का उपयोग निर्देशों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए करें। शिक्षण प्रक्रिया की विभिन्न गति और वरीयताओं के अनुरूप शिक्षण पद्धति में अंतर करते हुए, इसे छात्रों की रुचियों को पाठों में शामिल करके, सामग्री को उनके आसपास के संदर्भों से जोड़कर उन्हें प्रासंगिक बनाने के लिए किया जा सकता है, आदि।

जब छात्र-केंद्रित शिक्षाशास्त्र को शामिल किया जाता है, तो अंत:क्रियात्मक शिक्षण के सकारात्मक प्रभाव को और बढ़ाया जा सकता है। यह काम तीन स्तरों पर किया जा सकता है - भौतिक स्तर पर व्यवहारगत, संवेदी जुड़ाव, मन के स्तर पर संज्ञानात्मक/बौद्धिक जुड़ाव, और दिल के स्तर पर भावनात्मक / प्रेरक जुड़ाव इनमें शामिल हैं।

व्यवहारगत जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए, हमारे पास सीखने का माहौल या रणनीतियां होनी चाहिए जो छात्रों को सीखने की प्रक्रिया के दौरान काम पर बने रहने में सक्षम बनाती हैं। इसे इंटरएक्टिव लर्निंग स्ट्रैटेजी द्वारा प्रचारित किया जाता है जैसे कि छात्रों को कक्षा के दौरान चौकस बने रहने में मदद करने के लिए प्रश्न पूछना और सभी इंद्रियों को शिक्षण के दौरान पूरी तरह से जोड़ने के लिए मल्टी-मोडल इंटरेक्टिव मीडिया का उपयोग करना इनमें शामिल हैं। छात्रों को कक्षा के नियमों का सह-सृजन करने के अवसर दिए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि शिक्षक कक्षा संचालन के नियम बनाने में छात्रों से संवाद कर उनकी राय जानें।

यह सीखने को अधिक छात्र-केंद्रित बनाने में मदद करता है, और शिक्षक अपने छात्रों के साथ नियमों या कक्षा -सहमतियों का सह-सृजन कर सकते हैं। यह छात्रों के बीच कक्षा व स्कूल के प्रति स्वामित्व तथो साझा जिम्मेदारी की भावना पैदा करता है।

छात्रों को संज्ञानात्मक रूप से जोड़ने का मतलब है कि छात्र सक्रियतापूर्वक सोच रहे हैं कि वे क्या सीख रहे हैं। छात्रों को भी गहन शिक्षण की प्रक्रिया में बौद्धिक रूप से शामिल होना चाहिए। पूछताछ और समूह कार्य जैसी संवादात्मक रणनीतियां बौद्धिक जुड़ाव को बढ़ावा दे सकती हैं। छात्रों को अपनी सोच को व्यक्त करने के अवसर दिए जा सकते हैं, क्योंकि इंटरैक्टिव अध्यापन तभी अधिक शक्तिशाली होता है जब यह छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है, उन्हें अपनी राय व्यक्त करने और दूसरों को सुनने के लिए प्रेरित करता है। छात्रों को एक ही समय में अपने विचारों को साझा करने का अवसर देने के लिए समूह कार्य और डिजिटल मतदान उपकरणों का भी उपयोग किया जा सकता है। जब छात्र बौद्धिक रूप से शिक्षक के साथ जुड़ जाते हैं तो उनके साथ यह स्थिति लंबे समय तक बनाए रखने की अधिक संभावना होती है। इससे छात्रों को बेहतर ढंग से सीखने में मदद मिलती है तथा शिक्षक-छात्र संबंध और बेहतर होते हैं। अलग-अलग छात्र अलग-अलग गति से सीखते हैं। एक रूप सबके अनुरूप जैसा तरीका सभी छात्रों को तत्काल प्रक्रिया से पार ले जाता है, जिससे बुनियादी ज्ञान में कमियां रह जाती हैं। निर्देश की गति में अंतर करने से सभी के लिए बेहतर सीखने को बढ़ावा मिल सकता है। प्रौद्योगिकी में प्रगति अब हमें शिक्षण संसाधनों को क्यूरेट करने या उनको सटीक ढंग से निर्धारित करने के विकल्प देती है जिन्हें अलग-अलग ढंग से प्राप्त किया जा सकता है। यह छात्रों को काफी हद तक अपनी गति से सीखने को बढ़ावा दे सकता है।

भावनात्मक स्तर पर भागीदार छात्रों का अर्थ है उन्हें उत्साहित, जिज्ञासु और प्रेरित करना। हम नहीं चाहते कि छात्र सरलता से सीखें, क्योंकि उन्हें केवल रिपोर्ट कार्ड पर ग्रेड के लिए एक शिक्षक द्वारा देखा जा रहा है। शिक्षार्थियों को अपनी जिज्ञासा और जुनून से प्रेरित होना चाहिए। सहयोगी व व्यवहारिक शिक्षण, परियोजना-आधारित शिक्षा जैसी इंटरैक्टिव शिक्षण रणनीतियां इसे बढ़ावा दे सकती हैं।

छात्रों को साथियों के साथ सीखने का अवसर दिया जाना चाहिए, जो उनके बीच बातचीत को बढ़ावा देता है। लेकिन इसके अलावा, हमउम्र शिक्षा, निश्चित रूप से सही कक्षा संस्कृति के साथ, सुरक्षित शिक्षण की जगह बना सकती है जिसमें छात्रों को संदेह व्यक्त करने या स्पष्ट करने के लिए साथियों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हमेशा शिक्षक से पूछने के बजाय सहयोग के लिए किसी सहकर्मी से संपर्क करना बहुत कम डराने वाला होता है।

साथ ही, सीखने की प्रक्रिया के दौरान, छात्रों को रुचि-आधारित विकल्प बनाने के अवसर दिए जाने चाहिए। वे जो सीखते हैं उसमें अपनी बात रखने से सीखना अधिक प्रेरक हो जाता है और स्व-निर्देशित शिक्षण-आदतें बनाने में मदद मिलती है।

परियोजना-आधारित शिक्षा जैसा छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण छात्रों को उनकी परियोजनाओं में 'वॉयस एंड च्वाइस' के साथ-साथ निरंतर पूछताछ व आत्ममंथन प्रदान करता है। छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण अनुपालन या भागीदारी से परे जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए एक-रूप-सबके अनुरूप, इंटरैक्टिव शिक्षण दृष्टिकोणों को बढ़ा सकते हैं। यह संज्ञानात्मक जुड़ाव (मन) तक पहुंचता है जो बौद्धिक स्तर पर जगाता है और भावनात्मक जुड़ाव (हृदय) तक भी, जो प्रेरित करता है। जुड़ाव का यह उच्च स्तर छात्रों को गहन, स्थायी शिक्षण की ओर ले जाता है।

आप की बात

बिखरा विपक्ष

राष्ट्रपति के चुनाव में तो बिखरा ही था विपक्ष, साथ ही क्रास वोटिंग भी हो गई। द्रौपदी मुर्मू ने बेहतर जीत हासिल कर ली थी। अब उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जगदीश धनखड़ के चुनाव के समय भी विपक्ष बिखरने लगा है। बीजद के बाद बसपा ने भी पाला बदल लिया है और एनडीए के उम्मीदवार के पक्ष में वोटिंग करने की बात कह दी है। मोदी सरकार आने के बाद से ही विपक्ष एकजुट होकर सत्ता का विरोध करने में लगा हुआ है और हर समय फिर चाहे राज्यों के विधानसभा के चुनाव हों या लोकसभा के चुनाव अथवा उपचुनाव, हर समय वो एकजुट होने की तैयारी करता है और हर बार कभी कोई, तो कभी कोई, मतदान होने से पहले ही महागठबंधन से हाथ छुड़ाकर नौ दो ग्यारह हो जाता है। इस तरह की स्थिति के चलते आने वाले लोकसभा चुनाव में वे कितना प्रयास कर सकेंगे जिससे उनकी मंशा पूरी हो सके? माना कि कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। परन्तु जब प्रारम्भ में ही बिखराव हो जाए तो परिणाम तो उल्टा आना ही है। एकजुटता और बिखराव सब देख चुके और देख रहे हैं जिससे विपक्ष का भविष्य भी स्पष्ट दिख रहा है।

-शकुंतला महेश, इंदौर

कट्टरपन का रोग

'हर-हर शम्भू' भजन गाने वाली फरमानी नाज़ पर देश को नाज़ है, किन्तु कट्टरपंथी मुल्लाओं ने फतवे जारी कर दिए। वैसे तो अब शिक्षित मुसलमानों पर इन फतवेबाजों के फतवों का कोई प्रभाव नहीं होता, फिर भी कुछ समय के लिए ये गैंग देश का माहौल खराब करने में सफल तो हो ही जाते हैं। जब किसी घटना से देश की एकता, अखण्डता व सद्भाव को चोट पहुंचती है ये फतवेबाज नींद की गोली लेकर कुम्भकर्ण बन जाते हैं। इनके फतवों की एक विशेषता यह भी है कि फ़तवे निर्बल व महिला पर जल्दी निकलते हैं। फिल्मी दुनिया में तमाम ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने न केवल भजन गए हैं बल्कि हिन्दू देवी-देवताओं की अर्चना भी की है। तिलक व यज्ञोपवीत भी धारण किये है। किन्तु उन पर कोई फतवा नहीं आया। दूसरी ओर लाखों हिन्दू मजारों पर चादर चढ़ाते हैं, कभी किसी शंकराचार्य ने फतवा जारी नहीं किया। सैकड़ों राजनेता आए दिन मुस्लिम बनकर वोट मांगने सड़कों पर निकलते हैं, कोई शंकराचार्य नहीं बोले कि फलां नेता हिन्दू नहीं रहा। मुस्लिम भाइयों को सोचना होगा कि कट्टरता उनको कितना नुकसान पहुंचा रही है।

-डॉ नरेन्द्र टोंक, मेरठ

अर्थव्यवस्था की स्थिति

मानसून सत्र में बहुत जद्दोजहद के बाद, सत्तारूढ़ दल, महंगाई पर चर्चा को तैयार तो हुआ। मगर उनके एक भी सदस्य ने माना ही नहीं, कि महंगाई है। बल्कि इसके उलट, वित्तमंत्री महोदया ने भारत की आर्थिक स्थिति को दुनिया में सर्वोत्कृष्ट बताने में तनिक भी देरी नहीं की। कहा कि मंदी की यहां दूर दूर तक कोई संभावना नहीं है। भाजपा जबसे सत्ता में आयी है तबसे उसका ये स्लोगन बन गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। मगर क्या हकीकत में ऐसा है? क्योंकि वित्तीय वर्ष 2022-23 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक के बाद एक विपरीत परिस्थितियां पैदा कर रहा है। पहले उच्च राजकोषीय घाटा, फिर रुपये में गिरावट और अब चालू खाता घाटा, मुद्रा स्फीति, जिसके एक बड़े हिस्से के लिए बढ़ता व्यापार घाटा जिम्मेदार है। जुलाई में भारत का व्यापार घाटा 31 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इससे हमारा विदेशी मुद्रा भण्डार भी कम होता जा रहा है। हम अपनी अर्थव्यवस्था को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकते।

-जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

अगले दस साल में स्कूलों से स्नातक का सफर करने वाली पीढ़ी के लिए गंभीर खतरे वाली स्थिति है।

- रघुराम राजन
पूर्व आरबीआई गवर्नर

भाजपा की कर्नाटक सरकार गुरु बासवन्ना के सिद्धान्तों के विपरीत काम कर रही है, जिनके अनुसार ईमानदारी और काम ही पूजा है।

- राहुल गांधी
कांग्रेस नेता

हम रोमा व सिर्ती समुदायों के साथ है जिनका नाजियों ने घोर दमन किया था।

- जस्टिन ट्रूदो
कनाडा के प्रधानमंत्री

संतों के सभी आदेश का होगा पालनः बृजेश पाठक

● डॉ राघवेश दास को पहनाया चांदी का मुकुट

अयोध्या। हिंदूधाम वशिष्ठपीठाधीश्वर पद पर विराजमान हुए वशिष्ठपीठाधीश्वर ब्रह्मर्षि रामविलास वेदांती के शिष्य डॉ राघवेश दास वेदांती। अयोध्या के संतो महंतों के साथ उप्र के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने राघुवेश दास को कंठी चद्दर एवं तिलक दे कर के हिंदूधाम का महंत बनाया और उपमुख्यमंत्री ने चांदी का मुकुट पहना कर नवनियुक्त महंत राघुवेश दास का राजतिलक किया और कहा कि मैं अयोध्या के सभी संतो के चरणों में दंडवत करते हुए यह आश्वासन देता हूं कि मैं अयोध्या के संतो महंतों और जनता के साथ हूं और उनके आशीर्वाद से सरकार बनी है निरंतर आज्ञा का पालन होगा। डॉ रामविलास वेदांती ने अपना पूरा जीवन रामलला और हिंदू जनमानस के लिए समर्पित कर दिया था मैं आशा करता हूं कि राघुवेश दास भी उन्हीं के पद चिन्हों

डॉ राघवेश दास को चांदी का मुकुट पहनाते उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक

पर चलते हुए हिंदू जनमानस के लिए और सनातन धर्म के लिए निरंतर काम करते रहेंगे। यह वही हिंदू धर्म है जिसका शिलान्यास अशोक सिंघल और गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ ने किया था आज उपमुख्यमंत्री और संतों महंतों के बीच हिंदू धाम वशिष्ठ पीठाधीश्वर राघुवेश दास को बनाया गया। महंत सत्येंद्र दास वेदांती ने सभी संतो महंतों का स्वागत सत्कार किया। महंताई समारोह में मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास रामवल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार दासए श्रीराम जन्मभूमि के पुजारी सत्येंद्र दास जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जनमेजय शरण बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश दास दिलीप दास त्यागी देवीपाटन के महंत विमलेश नाथ, जगतगुरु डॉ राघवाचार्यए मंगल पीठाधीश्वर कृपालु राम भूषण दास, महंतों ने हिंदूधाम पहुंचकर महंताई समारोह में सम्मिलित हुए।

उपमुख्यमंत्री ने विशेश्वर महादेव का अभिषेक कर किया उद्घाटन

अयोध्या। अयोध्या के रामकोर्ट स्थित श्रीराम आश्रम में स्थापित प्रतिलिंगात्मक ज्ञानवापी बाबा विशेश्वर नाथ महादेव की स्थापना मंदिर के पीठाधीश्वर महंत जयराम दास जी महाराज ने किया था जिसका शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अभिषेक का उद्घाटन किया। मिथिला से आए वैदिक कृष्ण चंद्र ठाकुर ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजन कराया। इस दौरान सूचना अधिकारी भाजपा के युवा नेता विशाल मिश्र और विवेक मिश्र के साथ महंत गणेशानंद दास, महंत राममिलन शरण, महंत उद्धव शरण, स्वामी गया शरण, महामंडलेश्वर आशुतोष दास, महंत अवनीश दास अधिकारी छविराम दास पवन पांडे सहित अन्य लोग मौजूद रहे। महंत जयराम दास ने बताया कि वाराणसी के ज्ञानवापी मंदिर में बाबा विशेश्वर महादेव प्रगट हुए लेकिन उनका भोग राग पूजन अर्चन नहीं किया जा रहा है इसलिए अयोध्या में प्रतीकात्मक रूप में लिंग की स्थापना करके प्रतिदिन अभिषेक किया जा रहा है की राम मंदिर की तरह ज्ञानवापी का फैसला जल्द आए और भगवान महादेव की पूजा आराधना भोग राग प्रारंभ हो इसी क्रम में आज उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने अभिषेक कर बाबा का उद्घाटन किया और सभी ने यह कामना की कि बहुत जल्द ज्ञानवापी का फैसला आएगा और विशेश्वर महादेव की पूजा प्रारंभ होगी। जब तक ज्ञानवापी पर फैसला नहीं आता है अयोध्या में प्रतिदिन अभिषेक होता रहेगा।

श्री राम आश्रम में विशेश्वर महादेव का अभिषेक करते बृजेश पाठक व महंत जयराम दास

प्रयागराज का गौरव बढ़ाने के लिए होगा कामः निर्मला पासवान

● नवनिर्वाचित एमएलसी का भाजपाइयों ने किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

भाजपाइयों ने नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के बाद प्रयागराज प्रथम आगमन पर निर्मला पासवान का आज जगह जगह स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने एक समर्पित एवं साधारण कार्यकर्ता को उत्तर प्रदेश के उच्च सदन में भेज कर सम्मान बढ़ाया है। इस अवसर पर एमएलसी निर्मला पासवान ने

निर्मला पासवान का स्वागत करते भाजपाई।

उपस्थित कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आज मैं जो कुछ भी हूं भारतीय जनता पार्टी की वजह से ही हूँ। भाजपा से ही मेरी पहचान है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि मैं भी एक कार्यकर्ता हूं और कार्यकर्ताओं के लिए काम करूंगी और पार्टी ने जिस विश्वास के साथ हमें सम्मान दिया है। उस सम्मान को और प्रयागराज का गौरव बढ़ाने के लिए कार्य करूंगी। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि विधान परिषद सदस्य निर्मला पासवान ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रतिमा पार्क चंद्रशेखर आजाद डा अंबेडकर और सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पहुंचकर उन्हें पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने शांति पुरम चौराहा फाफामऊ तेलियरगंज बालसन चौराहा आजाद पार्क सुभाष चौराहा अंबेडकर पार्क हाईकोर्ट अशोक नगर एवं सर्किट हाउस स्वागत किया। इस दौरान इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता और पूर्व कार्यवाहक महासचिव हाईकोर्ट बार एसोसिएशन राजेश खरे ने बुके देकर एमएलसी निर्मला पासवान का स्वागत किया। स्वागत करने वालों में कुंज बिहारी मिश्रा श्याम चंद्र हेला राजेश केसरवानी श्याम सुंदर दुबे रजत कैथवाश प्रिया कैथवास धीरज गिहारवाल अशोक कुमार सरपंच राजेश खरे कुलदीप पटेल उज्जवल सचदेवा रितेश राय आदि शामिल रहे।

करंट से मजदूर की मौत

मिल्कीपुर अयोध्या। इनायतनगर थाना क्षेत्र के मीठे गांव के पास ट्राली से सरिया उतारते समय सरिया के 11 हजार बोल्ट की विद्युत लाइन से स्पर्श हो जाने के चलते 30 वर्षीय युवक की झुलस कर दर्दनाक मौत हो गई है। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची इनायत नगर पुलिस ने युवक का शव कब्जे में लेकर पंचायत नामा कराने के उपरांत पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक इनायत नगर थाना क्षेत्र के अहिरौली सलोनी गांव निवासी ट्रैक्टर चालक मनजीत कुमार कोरी आईसर ट्रैक्टर ट्राली यूपी 42 बी जे 7810 से सीमेंट लोड कर कुचेरा बाजार के पास आया था। ट्रैक्टर ट्राली कहीं रास्ते में फस गई थीए जिसे निकालने के लिए चालक ने लोहे की सरिया का टोचन मंगाया था। शुक्रवार को करीब 10 बजे मनजीत सीमेंट उतारने के बाद खाली ट्रैक्टर ट्राली लेकर फैजाबाद की ओर निकला था। जब वह मीठे गांव के पास पहुंचा तब उसने ट्राली में रखें टोचन सरिया को उतारने हेतु ट्रैक्टर पर बैठे मजदूर धर्मेंद्र कुमार से कहा। ट्रैक्टर चालक के इशारे पर सीमेंट उतारने आए मजदूर धर्मेंद्र ने ट्रॉली पर रखी टोचन सरिया ट्राली से नीचे उतारने हेतु ऊपर उठाया ही था कि ट्राली के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन विद्युत लाइन से टोचन सरिया स्पर्श कर गई। मजदूर धर्मेंद्र विद्युत करंट की चपेट में आकर मौके पर ही झुलस गया। आसपास मौजूद ग्रामीण जब तक कुछ समझ पाते तब तक युवक धर्मेंद्र की मौत हो गई । घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान मीठे गांव अनिल सिंह ने विद्युत लाइन कटवाया और घटना की जानकारी इनायत नगर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और उन्होंने युवक का शव कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही शुरू की। युवक धर्मेंद्र थाना कैंट अंतर्गत गद्दोपुर के करम अली पुरवा का निवासी थाए जो मजदूरी का काम करता था।

निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण व ससमय पूरा कराएं

● जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निर्माण कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया है कि ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यों को पूर्ण किया जाए। लापरवाही या उदासीनता कत्तई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने लोक निर्माण विभाग को कावंड़ियों की यात्रा मार्गों को दुरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से निर्माण परियोजनाओं में जमीन से सम्बंधित मामलों के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि निर्माण कार्यों हेतु जमीन के चिन्हीकरण व अधिग्रहण और इससे सम्बंधित विवादों का जल्द से जल्द निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। डीएम ने

यूपीपीसीएल यूपीआरएनएसएस यूपी सिडकों आवास विकास परिषद जल निगम सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारियों को अपने अपने विभागों से सम्बंधित निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों में यूसी जारी किए जाने का निर्देश दिया है। बनायी जा रही बिल्डिंगों में सभी उपकरणों की जांच कर सही किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि मैनपॉवर को बढ़ाकर कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा कराएं। उन्होंने निर्माण कार्यों से जुड़े सभी सम्बंधित अधिकारियों को चल रहे प्रोजेक्ट के कार्यों की लगातार मानीटरिंग करते रहने के साथ ही स्थलीय निरीक्षण भी करते रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रोजेक्ट की प्रगति से अवगत भी कराते रहें। मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि कार्यदायी संस्था के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा व स्वास्थ्य को लेकर किन्नर समाज अब गंभीरः गिरि

● किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष ने कहा किन्नरों का भी बने पहचान पत्र

प्रयागराज। किन्नर वेलफेयर बोर्ड उत्तर प्रदेश की वरिष्ठ सदस्य और किन्नर अखाड़ा उत्तर प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्या नंद गिरि ने कहा कि किन्नरों का पहचान पत्र प्राथमिकता के आधार पर जिला प्रशासन को बनवाना चाहिए। जिससे उनको अपनी पहचान बताने के लिए पहचान पत्र मिल सके और वह सरकारी योजनाओं का लाभ भी उठा सकें। यह बातें महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि ने कौशांबी जिला मुख्यालय पर पुलिस प्रशासन सहित सभी विभागीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए गुरुवार को कही हैं। पहचान पत्र पास में होने से बहुत सारी सुविधाएं हो जाती हैं। लोगों को बार बार नहीं बताना पड़ता कि वह कौन हैं कहां से हैं कैसे हैं। पहचान पत्र के बनने से सरकारी योजनाओं का लाभ

बैठक करतीं कौशल्या नन्द गिरि।

भी सुगमता से मिल जाता है। कहा कि किन्नरों को सभी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। वह इसके दायरे में आते हैं। उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराकर उनका दवाइयां दी जाए। शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर किन्नर समाज अब बहुत गंभीर हो गया है। ऐसे में जो पढ़ना चाहते हैं उनके पढ़ने के लिए व्यवस्थाएं की जाये। किन्नरों को सबसे ज्यादा परेशानी कहीं आने जाने के दौरान टॉयलेट की होती है। ऐसे में जहां पुरुष और महिलाओं के टॉयलेट बने हो वहीं पर किन्नरों के लिए भी एक अलग से टॉयलेट बनाया जाए जिससे कोई परेशानी उनको ना होने पाए। किन्नर बोर्ड की सदस्य महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि ने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से बहुत सारी योजनाएं चलाई जा रही हैं लेकिन उसका लाभ किन्नरों को नहीं मिल पा रहा है। अब अफसर यह सुनिश्चित करें कि किन्नरों को भी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उनकी सामाजिक और आर्थिक होने वाली परेशानियां दूर हो सके। वह अभी तक प्रदेश के कई जिलों में बैठकर करके पुलिस प्रशासन सहित अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ वहां की किन्नरों की समस्याएं सुनी और उनका निस्तारण शीघ्र करके मदद करने का निर्देश दिया है।

मुक्त विश्वविद्यालय की बीएड प्रवेश परीक्षा आज

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज की बीएड प्रवेश परीक्षा 6 अगस्त को प्रदेश के दस जिलों के 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। बीएड प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में 8351 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। बीएड प्रवेश परीक्षा सुबह 10 से एक बजे तक आयोजित की जाएगी। प्रयागराज लखनऊ बरेली वाराणसी गोरखपुर मेरठ झांसी आगरा कानपुर एवं अयोध्या में प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। प्रोफेसर ने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी का प्रवेश पत्र डाउनलोड नहीं हो सका है तो परीक्षा केंद्र पर डुप्लीकेट प्रवेश पत्र बनवाकर प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। वैध पहचान पत्र एवं तीन फोटो लाना अनिवार्य है। प्रो पांडेय ने बताया कि इसके लिए सभी केंद्राध्यक्षों को निर्देशित कर दिया गया है। राजकीय इंटर कॉलेज ईश्वर शरण पीजी कॉलेज तथा मुक्त विवि के यमुना परिसर स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

रिश्ते के सिलसिले में आये लोगों ने जहर खिलाकर की लूटपाट

● तीन जिला अस्पताल रिफर, अन्य की हालत में हो रहा सुधार

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

घर में खुशियों का माहौल था। सभी तैयारियों में जुटे थे। घर पर वरीक्षा के लिए लड़की वाले आ रहे थे। लेकिन कुछ ही समय में खुशियां गम में बदल गईं जब वरीक्षा करने आए दो लोगों ने जहरीला पदार्थ खिलाकर वर पक्ष और पड़ोस के घर को लूटपाट कर मौके से फरार हो गए। मामला हंसवर थानाक्षेत्र के जलालपुर साबुकपुर के मजरे उचहुआ का है। ज्ञात हो कि वरीक्षा करने आए दो लोगों ने मध्यस्थ और वर के परिवारजन को जहरीला पदार्थ खिलाकर घर लूट लिया। घटना हंसवर थाना के गांव जल्लापुर साबुकपुर (उचहुआ) में हुई। दोनों परिवार के छह लोगों को बेहोशी की हालत में सीएचसी बसखारी में भर्ती कराया गया है। इसमें से पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। गांव के मिठाईलाल चौहान और उनका बेटा राजू मुंबई में प्राइवेट नौकरी करते हैं। गांव में सिर्फ मिठाईलाल की पत्नी गुलाबा एवं छोटी बेटी ही रहते हैं। राजू की शादी के लिए गांव के पड़ोसी राजितराम की मध्यस्थता पर अयोध्या जिले के थाना गोसाईंगंज से दो लोग लड़की की फोटो लेकर दो दिन पहले यहां आए थे। यह दोनों मध्यस्थ राजितराम के घर पर ही ठहरे थे। बीते गुरुवार की रात राजितराम ने इनके आवभगत में अपने घर पर मीट बनाया था। इसे दोनों परिवारों के छह लोगों ने खाया था। इसके बाद सभी सोने चले गए। रात करीब 12 बजे बरीछा करने आए दोनों लुटेरों ने राजितराम और मिठाईलाल के घर में लूटपाट की। वहीं मौका पाकर रात में ही फरार हो गए।

इस दौरान हुई हलचल को ग्रामीणों ने गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन सुबह दोनों परिवार के लोगों के देर तक न उठने पर ग्रामीणों को अनहोनी की आशंका हुई। लोगों ने हाल जानने के लिए घर का दरवाजा खटखटाया तो दरवाजा नहीं खुला। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घर का दरवाजा खुलवाया। जिसने भी घर की स्थिति व लोगों को देखा वह सन्न रह गया। पूरा घर बिखरा पड़ा था और लोग बेहोश थे। दोनों परिवार के सभी लोगों की बिगड़ी हालत देख पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गंभीरावस्था में राजितराम चौहान, मनीष कुमार, सीमा, गुलाबा, मधुरा और गौरा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी में भर्ती कराया है। डा. राजवंत यादव ने बताया कि इन सबकी हालत जहरीला पदार्थ खाने से बिगड़ी है। हालांकि राजितराम की सेहत में सुधार हो रहा है। टांडा सीओ संतोष कुमार ने हंसवर थानाध्यक्ष जेपी सिंह के साथ घटना स्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों का बयान लिया है। थानाध्यक्ष जेपी सिंह ने बताया कि घटना की छानबीन की जा रही है।

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से विक्रम सवार एक की मौत, कई घायल

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। टाण्डा से सोमवार को शाम के समय मैक्सी विक्रम पर कोतवाली अकबर पुर के पहिती निवासी दिनेश कुमार पुत्र स्व. बैजनाथ गुप्ता का परिवार अपने घर जा रहे थे। शाम 7 बजे कशमिरिया चौराहे के पास पहुचे थे कि विपरीत दिशा से आ रहा तेज रफ्तार से लापरवाही पूर्वक चलाते हुये टेक्टर ने विक्रम मे जोरदार टक्कर मार दिया जिससे विक्रम मे बैठे दिनेश कुमार, रंजना, विकास, विशाल, रीता उर्फ स्वाती गंभीर रूप से घायल हो गये !सभी को सरकारी एम्बुलेस से राजकीय मेडिकल कालेज सद्दरपुर इलाज हेतु लेजाया गया जहा डाक्टरो ने दिनेश कुमार को मृत घोषित कर दिया !शेष लोगो को भर्ती कर इलाज शुरू हुआचोटहिल विशाल की हालत अधिक खराब होने के कारण टामा सेन्टर लखन ऊ रिफर कर दियाहा इलाज हो रहाहै !घटना की तहरीर मृतक केछोटे भाई विनोद कुमार ने कोतवाली टाण्डा मे दिया है।

क्विक न्यूज

विद्यालय अवधि में सरकारी दफ्तरों में जाना, बैठक व धरने में शामिल होना शिक्षकों को पड़ेगा भारी

अम्बेडकरनगर। विद्यालय की अवधि में सरकारी दफ्तरों, बैठक व धरने आदि में सम्मिलित होना शिक्षकों को अब भारी पड़ेगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शासनादेश का सख्ती से पालन कराने के लिए चेतावनी पत्र जारी किया है। नियमों का हवाला देते हुए शिक्षकों को विद्यालय अवधि में प्रत्येक दशा में उपस्थित रहने और शिक्षण करने को निर्देशित किया है। इसकी अवहेलना करने पर अब सीधे वेतन काटा जाएगा। डीएम कार्यालय से लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी समेत अन्य कार्यालयों में शिक्षकों के पहुंचने पर बीएसए ने गहरी आपत्ति जताई है। शासन ने शिक्षण अवधि में शिक्षकों से पढ़ाई के अलावा कोई अतिरिक्त कार्य नहीं लिए जाने का निर्देश दिया है। यहां तक कि शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए भी स्कूल बंद होने के बाद ही बुलाया जा सकता है। आमतौर पर बीएसए कार्यालय समेत अन्य कार्यालयों में शिक्षक स्कूल अवधि में देखे जाते हैं। सरकारी कार्यालयों में लगे सीसी कैमरे की रिकार्डिंग से ऐसे शिक्षकों को चिन्हित किया जाएगा। इसके बाद आनलाइन अवकाश लेने का परीक्षण करने के बाद अवैध तरीके से स्कूल छोड़ने वाले शिक्षकों के एक दिन का वेतन काटने के साथ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। स्कूल अवधि के बाद शिक्षक और कर्मचारी सरकारी कार्यालय आदि स्थान पर पहुंच सकते हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेजा गया है। सभी विद्यालय पर शासन के आदेश का अनुपालन कराए जाने के लिए अवगत कराया जा रहा है। शुक्रवार से शिक्षकों पर नजर रखी जाएगी। शिक्षण अवधि में स्कूल छोड़ने वालों का वेतन काटा जाएगा। विशेष स्थिति में शिक्षक फोन से अपनी समस्या बता सकते हैं।

जिला संकट समूह गठित, 17 अधिकारी नामित

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण अनुभाग के आदेश के क्रम में परिसंकटमय रसायनिक दुर्घटनाओं से उत्पन्न आकस्मिकताओं से निपटने के लिए आपात योजना तैयारी और अनुक्रिया नियमावली 1996 के अन्तर्गत जिला संकट समूह की संरचना का गठन किया है जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एडीएम वित्त एवं राजस्व, सीएमओ, एसडीएम सदर व सोहावल सहित अन्य 17 अधिकारियों को सदस्य नामित किया है। जिला संकट रसायन दुर्घटना समिति या इस निमित्त प्राधिकृत कोई व्यक्ति वृहद औद्योगिक दुर्घटनाओं की शंका की श्रेणी के कारखानों में जायेगा। रासायनिक दुर्घटना से सम्बंधित सूचना चार्ट बनायेगा। कारखानों में से प्रत्येक के साथ सहबद्ध परिसंकटों और खतरों का पता लगायेगा और रासायनिक दुर्घटना से पारित स्थिति से किसी आपात स्थिति से निपटने की योजना तैयारी एवं अनुक्रिया तथा निपटने की दृष्टि से कार्य कलापों का समन्वय करेगी तथा बाह्य आपात योजना भी तैयार करेगी।

मंडलीय समीक्षा बैठक 16 को

अयोध्या। मण्डलायुक्त नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में शासन के महत्वपूर्ण प्राथमिकता कार्यक्रमों की माह जुलाई 2022 प्रगति रिपोर्ट पर मण्डलीय समीक्षा बैठक दिनांक 16 अगस्त 2022 को पूर्वान्ह 10:30 बजे से आहुत की गयी है। मण्डलायुक्त द्वारा 10:30 बजे से 1:30 बजे तक विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की समीक्षा तत्पश्चात 2 बजे से 3:30 बजे तक कानून व्यवस्था एवं 3:30 बजे से 5:30 बजे तक कार्यक्रमों की समीक्षा की जायेगी। उक्त जानकारी संयुक्त विकास आयुक्त अरविन्द चन्द्र जैन ने देते हुये समस्त जनपद को माह जुलाई की सूचना निर्धारित प्रारूप पर 8 अगस्त तक आनलाइन फीड करने एवं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये है और यह भी कहा कि आमंत्रित अधिकारीगण स्वयं बैठक में समय से प्रतिभाग करें।

एडीएम अशोक कुमार ने किया गौशाला का औचक निरीक्षण

अम्बेडकरनगर। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अशोक कुमार कनौजिया द्वारा टाण्डा नगर पालिका में स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 33 गोवंश पाये गए।पर्याप्त भूसा एवं पशु आहार पाया गया।साफ सफाई पायी गयी।मौके पर वेड/प्रभारी उपस्थित रहे। पशु चिकित्सा अधिकारी से नियमित रूप से गोवंशों के स्वास्थ्य परीक्षण के निदेश दिए गए। इसके उपरांत अपर जिलाधिकारी द्वारा नगर पालिका टाण्डा में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। मौके पर प्रभारी एवं अवर अभियंता नगर पालिका टाण्डा उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत सचिवालय के कैमरे खोल ले गए चोर

हैरिंग्टनगंज,अयोध्या। इनायत नगर कोतवाली के ग्राम पंचायत सचिवालय आदिलपुर मे चोरों ने चोरी करने का असफल प्रयास किया। बरामदे का ताला तोड़कर कर अन्दर घुसा चोर कमरे का ताला नहीं खोल पाए तो जाते जाते सचिवालय के बाहर लगे कैमरे को ही खोल ले गए।

एनटीपीसी टांडा के नये परियोजना प्रमुख बने विष्णु चरण पोलाई

अम्बेडकरनगर। बिष्णु चरण पोलाई ने शुक्रवार को एनटीपीसी टांडा सुपर थर्मल पावर स्टेशन के नये परियोजना प्रमुख का कार्यभार ग्रहण किया। पूर्व परियोजना प्रमुख श्री संजय कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक का स्थानान्तरण नए पदभार के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एन.टी.ई.सी.एल., वेल्लूर हुआ है। श्री पोलाई के परियोजना प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर परियोजना के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। ध्यातव्य हो कि श्री पोलाई ने जुलाई, 2021 में महाप्रबंधक (अनुरक्षण) से बतौर महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। उन्होंने एनटीपीसी में अपनी 36 वर्षों की लम्बी सेवा के दौरान कोरबा, तालचर थर्मल एवं रामगुंडम में विविध दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वाह किया है। एनटीपीसी टांडा के परियोजना प्रमुख का कार्यभार ग्रहण करने के अवसर पर श्री पोलाई ने कहा कि श्री सिंह के कुशल मार्गदर्शन में टांडा टीम के हिस्से के रूप में कार्य करना अत्यन्त सुखद रहा है। उन्होंने कहा कि उनका विभिन्न विभागों यथा-अनुरक्षण, प्रचालन एवं अनुरक्षण की कार्य प्रक्रिया में निष्ठापूर्वक शामिल रहने एवं इसी तरह मानव संसाधन विभाग के साथियों के साथ जुड़े रहने के कारण उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है, जिसका बेहतर उपयोग वे एनटीपीसी टांडा की निरंतर प्रगति के लिए कार्य करते रहेंगे।

24 घंटे तीन शिफ्ट में हो रहा है मंदिर निर्माण का कार्य

● मकर संक्रांति 2024 के बाद कभी भी शुभ मुहूर्त में गर्भगृह में विराजमान हो सकते हैं रामलला ● मंदिर निर्माण का 30 प्रतिशत कार्य हुआ पूरा, सवा लाख लोग एक साथ कर सकते हैं दर्शन पूजन

संवाददाता। अयोध्या

अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण भूमिपूजन और शिलान्यास के दो वर्ष पूरे हो गए हैं। 5 अगस्त 2020 को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी थी और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र वह निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की गतिशीलता से 2 वर्षों में लगभग 30 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। नींव भराई के कार्य पूर्ण होने के बाद गर्भगृह का निर्माण तेजी से हो रहा है और ट्रस्ट का लक्ष्य है कि 14 जनवरी 2024 मकर संक्रांति के बाद श्री राम लला अपने गर्भगृह में विराजमान हो जाएं और देश विदेश के के श्रद्धालु रामलला का दर्शन पूजन भव्य नव्य मंदिर में कर सकें। ट्रस्ट ने आधारशिला की द्वितीय वर्षगांठ पर मंदिर निर्माण साइड पर पत्रकारों को बुलाया और निर्माण की वर्तमान स्थिति से परिचय कराया।

श्री राम मंदिर निर्माण की वर्तमान स्थिति की फोटो

मंदिर निर्माण में लगी टाटा कंस्ट्रक्शन के अधिकारी राधेय जोशी ने बताया कि मंदिर के फर्श में 17 हजार पत्थर लगने हैं जिसमें 13 हजार पत्थर लगा दिया गया है। उन्होंने बताया कि गर्भगृह 12 गुणे 12 मीटर का होगा और प्रथम परिक्रमा की चौड़ाई लेकर के गर्भ गृह 20 गुणें 20 मीटर का होगा। कुल 3 परिक्रमा स्थल होंगे। पहला गर्भगृह, दूसरा मध्य में होगा और अंतिम जो परकोटे की परिक्रमा होगी वह 60 गुणें 60 मीटर की होगी जिसमें एक साथ सवा लाख लोग परिक्रमा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि 50 हजार लोग प्रतिदिन दर्शन पूजन करेंगे और त्योहार मेले के समय लाखों लोग भगवान का दर्शन पूजन करेंगे ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है।

मंदिर की प्रथम तल के लिए सवा लाख घनफुट पत्थर तराशे गए हैं और 5 टीम लगभग 300 लोग प्रतिदिन पत्थरों को तराशने का कार्य कर रहे है। राम मंदिर का निर्माण 24 घंटे तीन शिफ्ट में किया जा रहा है जिसमें लगभग 500 मजदूर प्रतिदिन कार्य कर रहे है। निर्माण स्थल के तीन तरफ रिटेनिंग वॉल के प्रथम फेज 6 मीटर ऊंचाई का कार्य 15 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा और उसके बाद द्वितीय फेस का कार्य होगा प्रारंभ। इसके साथ साथ 1 जून से ही गर्भगृह स्थल पर तराशे गए पत्थरों का कार्य भी चल रहा है जो दिसंबर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा।

नदी के उफान से अखरी गांव का अस्तित्व खत्म होने के कगार पर

● नदी के आगोश में आकर 12 घर पानी में समा चुके हैं

संवाददाता। रामपुरमथुरा सीतापुर

अभी तक तो एक ही गांव का अस्तित्व खतरे में था लेकिन अब दो गांव का अस्तित्व खत्म होने को है आपको बता दें कि अखरी गांव का अस्तित्व खत्म होने को है अभी तक वहां पर 12 घर नदी की आगोश में समा चुके हैं जिसमें अखरी निवासी रामनरेश पुत्र राम उदित राम ,राम सुहावन पुत्र राम उदित, ओमप्रकाश पुत्र राम उदित, तीरथ पुत्र जनार्दन ,उषा पत्नी राजेश, धनंजय पुत्र रामनरेश, धर्मपाल पुत्र रामनरेश, राकेश पुत्र ओमप्रकाश, राम गोविंद पुत्र स्वामी दयाल ,शिव कुमार पुत्र सीताराम ,शांति पत्नी मुंनवा, इनके सबके घर नदी की कटान में खत्म हो चुके हैं और अब अखरी गांव में लगभग 11 घर बचे हैं जिसकी आबादी लगभग 100 लोगों की है जिसमें चारों तरफ से पानी फिर गया है आवागमन का रास्ता भी करने की कगार पर है बाबा कुटी के 4 घर नदी के आगोश में समा चुके हैं जिसमें शंभू पुत्र राम जीवन ,वीरेंद्र पुत्र राम जीवन, शिवमंगल पुत्र रामजीवन ,खुली कहार, का घर नदी में कट गया है और इसमें अब लगभग 12 घर बचे हैं जिसकी आबादी 120 लोगों की है आपको बताते चलें कि एक गांव का अस्तित्व खतरे में था लेकिन अब दोनों गांव ही करने की कगार पर हैं बहुत ही प्राचीन स्थल बाबा नन्हे दास की कुटी भी कटान के आगोश में है लेकिन अभी समय पानी पड़ने की वजह से कटान बंद हुआ है लेकिन ग्रामीणों को डर सता रहा है सभी लोग अपना अपना घर छोड़ कर के इधर उधर चले गए हैं शासन प्रशासन द्वारा अभी तक कोई भी जमीन नहीं मुहैया कराई गई है इस बाबत जब राजस्व निरीक्षक रमाकांत अवस्थी से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत रायसेन पुर में सभी कटान वालों को जगह मुहैया कराई जा रही है।

बाघ की दहाड़ से दहशत में पूरा गांव, छत पर काट रहे रात

● ऐलिया के अटरिया कीरतपुर गांव में भयभीत ग्रामीण

संवाददाता। ऐलिया सीतापुर

इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में जंगली जानवर का आतंक अभी कम नहीं हुआ है। 25 जुलाई को क्षेत्र के नौवा अम्बरपुर में देखा गया था। जिसके बाद बुधवार की शाम अटरिया कीरतपुर गांव निवासी वकील मौर्या व दिनेश अपने कुछ साथियों के साथ गांव के बाहर खड़े थे। तभी झाड़ी से कुछ आवाज सुनाई पड़ी इस पर इन लोगों ने पत्थर चला दिया। तभी अचानक झाड़ी से एक जानवर निकलकर इन लोगों को दौड़ा लेता है। वहीं इसी गांव के रामपाल को गांव के उत्तर एक बछड़े के अवशेष पड़े मिले थे। जिसके बाद बृहस्पतिवार को समय करीब 11 बजे देवई गांव निवासी कमरुद्दीन गांव के उत्तर तालाब पर बकरी चरा रहे थे। तभी अचानक गन्ने के खेत से एक जानवर छलांग लगाकर निकला और बकरी के बच्चे को गन्ने में उठा ले गया। जिस पर कमरुद्दीन गांव की तरफ चिल्लाते हुए भागा और ग्रामीणों को लाठी डंडे के साथ लेकर गन्ने में गए। जहां जाकर देखा कि वह जंगली जानवर बच्चे का पेट फाड़कर खा चुका था। जिसके बाद ब्रहस्पतिवार की शाम 9 बजे के करीब धेनापुर गांव में नहर के किनारे सुखदेव, प्रथम सिंह के घर बने हैं वहीं पर एक जानवर दहाड़ लगाता है और ग्रामीण डर जाते हैं। सभी अपनी छतों पर लाठी टार्च लेकर आ जाते हैं तो कुछ खेतों की तरफ व गांव में आग जलाने लगते हैं। ग्रामीणों का कहना था यह बाघ की आवाज है। जिसके बाद वह दहेलिया गांव होकर बख्तावरपुर एक गुड़ बेल के पास दहाड़ लगाता है। जिस घर मे खाना खा रहे प्रमोद गुप्ता डर जाते हैं खाना छोड़कर शोर मचाने लगते हैं। इसी दौरान किसी ने इमलिया पुलिस को सूचना दे दी। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह बिना देर किए बीट दरोगा बाबू खान,आरक्षी अश्वनी त्यागी,राहुल यादव को मौके पर भेजा। जहां पुलिस ने ग्रामीणों के साथ पीपा बजाते हुए लाठी डंडा टार्च लेकर पहले काम्बिंग की। उसके बाद दरोगा ने ग्रामीणों को पीपा बजाने को कहा सभी लोग ऐसे ही पीपा बजाते रहो। तथा एलाउंस करते हुए कहा इमलिया पुलिस आपकी सेवा में 24 घण्टे ततपर है। आप लोग सावधान होकर घरों में रहे। शुक्रवार को धेनापुर, कुसुमा, बख्तावरपुर, ललतूपुरवा आदि गांवों में पहुंचकर वन क्षेत्राधिकारी लहरपुर (अतिरिक्त चार्ज) हरगांव अभय कुमार मलह ने कांबिंग करते हुए मिले पगचिह्न के आधार पर बताया कि यह लकड़बग्घा के पगचिह्न हैं। मेरी टीम लगी हुई है। आसपास के ग्रामीणों को सावधान रहने की जरूरत है।

क्विक न्यूज

माह के द्वितीय व चतुर्थ गुरुवार को की जाएगी सुनवाई: मंडलायुक्त

बरेली। मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे ने बताया कि मंडल में कार्यरत शासकीय एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के संबंध में माह अगस्त, 2022 से प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ गुरुवार को मंडलायुक्त द्वारा कमिश्नरी कार्यालय में मध्यान्ह 12 से 1 बजे तक सुनवाई की जाएगी। उन्होंने मंडलीय अधिकारियों से कहा है कि अपने अधीनस्थ कार्यरत जनपद के समस्त शासकीय एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सूचित करें कि यदि किसी कर्मचारी की कोई समस्या है तो वह निर्धारित दिवस को उनके समक्ष उपस्थित होकर अपनी समस्या से अवगत करा सकते हैं।

इमामबाड़े की हाजरी के वक्त तिरंगा फहराने का पैगाम

बरेली। हर घर तिरंगा फहराने का संदेश,आज मलूकपुर स्थित फ्रोहनशीन पर समाजसेवी अहमद उल्लाह वारसी के नेतृत्व में हजरत इमाम हुसैन के अकीदतमंदों को इमामबाड़े की हाजरी के वक्त तिरंगा फहराने का पैगाम देते हुए मुल्क की सलामती,तरक्की, कामयाबी के लिये खुसूसी दुआ की गई,और सभी लोगों से अपील की गई,देश की आजादी का जश्न मनाते हुए घर घर तिरंगा फहराया जाएं।इस मौके पर मुतावल्ली जाफर नियाजी,समाजसेवी पम्मी खान वारसी,फहीम वारसी,नासिर हुसैन,राजू कुरैशी, आसिफ वारसी, सादिक खान नूरी, कलीम बशीरी,आबिद नियाजी,फरमान साबरी, इमरान वारसी आदि सहित बड़ी तादात में अकीदतमन्द शामिल रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव पर 11 से 17 अगस्त तक प्रत्येक घर फहराया जाए तिरंगा: डीएम

बरेली। पूरे देश में आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर आजादी के अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें महत्वपूर्ण है कि देश के हर नागरिक के घर पर तिरंगा फहराया जाए।इस कार्यक्रम को अमलीजामा पहनाने के लिए बरेली के जिला अधिकारी शिवाकांत द्विवेदी ने आज मीडिया से बात करते हुए बताया कि 11 से 17 अगस्त तक प्रत्येक घर पर तिरंगा फहरा हुआ होना चाहिए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। 13 अगस्त से 15 अगस्त तक विभिन्न प्रतियोगिताएं की जाएंगी जिसमें खेलकूद चित्रकला आदि भी शामिल है। पहले तिरंगा सिर्फखादी वस्त्र का ही बनाया जाता था मगर अब पॉलिस्टर सूती ऊनी वस्त्रों से तिरंगा बनाया जा सकता है। तिरंगे को लेकर जिलाधिकारी ने उसका साइज भी बताया है जो कि 3 ध्2 का अनुपात होना चाहिए। इसके अलावा तिरंगे को लगाने का और उसके उतारने तक सारी प्रक्रिया को बताया गया है ताकि तिरंगे का सम्मान बरकरार रहे। साथ ही उन्होंने बताया कि आज आजादी के अमृत महोत्सव पर लगाया जाने वाला तिरंगा लोग सहेज कर अपने घर पर रख सकते हैं ताकि वह अपनी पीढ़ियों को बता सके कि आजादी के अमृत महोत्सव पर यह तिरंगा फहराया गया था। आम नागरिक 11 से 17 अगस्त तक अपने घरों पर प्रॉपर तिरंगा लगा सकते हैं जबकि सरकारी कार्यालयों पर इसका समय अलग है जहां समय से तिरंगा लगाया और उतारा जाएगा।

डीएम की अध्यक्षता में जिला नियामक समिति की बैठक सम्पन्न

बरेली। जिला अधिकारी श्री शिवाकान्त द्विवेदी ने समिति के सचिव को निर्देश दिए कि उन सभी विद्यालयों की सूची तैयार करें, जिन्होंने इस वर्ष अपने विद्यालय के शुल्क में वृद्धि की हो और जिन विद्यालयों के अभिभावकों द्वारा शिकायत प्राप्त होती हैं या हो रही हैं उनसे स्पष्टीकरण समिति द्वारा मांगा जाए, जिसके उपरांत संबंधित विद्यालय पर उचित कार्रवाई की जाए।जिलाधिकारी को सचिवध्जिला विद्यालय निरीक्षक ने अवगत कराया उत्तर प्रदेश शोभित पोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 के अंतर्गत समस्त उपबंधों को लागू किया जाना है। समिति के सदस्यों द्वारा शुल्क अधिनियम 2018 में अंकित बिंदुओं के आधार पर वर्तमान में विद्यालयों द्वारा यह जाने वाले शुल्क के संबंध में विचार विमर्श किया गया, जिसमें प्रमुखता से अभिभावक संघ अध्यक्ष द्वारा मई के महीने में विद्यालय द्वारा अचानक से फीस वृद्धि का मुद्दा उठाया गया और बताया कि अधिनियम 2018 के अंतर्गत नए सत्र के प्रारंभ होने से 30 दिन पूर्व सभी विद्यालयों को अपना शुल्क विवरण विद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करना होता है। मार्च माह 2022 में सत्र प्रारंभ हो चुका था और शैक्षिक वर्ष के मध्य में फीस वृद्धि पूर्ण रूप से शुल्क विनियमन 2018 का उल्लंघन है और ऐसे विद्यालयों को नोटिस प्रेषित किया जाए, जिन विद्यालयों द्वारा नियामक समिति के अनुमोदन के बिना फीस वृद्धि की है, वृद्धि को अमान्य घोषित कर वापस कराएं साथ ही विद्यालयों के द्वारा जमा की गई बढ़ी हुई फीस अगले माह में मायोजित कराई जाए। चार्टर्ड एकाउंटेंट ने बताया कि विद्यालयों से 3 वर्ष के सभी प्रकार के आय व्यय का ब्यौरा मंगाया जाए, जिससे यह जांच हो सके 5 प्रतिशत वार्षिक शुल्क वृद्धि की अनुमति जिस आधार पर दी गई है उसके सापेक्ष शिक्षकों का वेतन कितना बढ़ा है। इसी आधार पर 5 प्रतिशत तक अधिकतम वृद्धि की जा सकती है।

मंडलीय नोडल अधिकारी ने अस्थाई गौआश्रय स्थल महोली का किया औचक निरीक्षण

कमलापुर सीतापुर। जनपद की गौशालाओं के निरीक्षण के लिए शासन द्वारा नामित मंडलीय नोडल अधिकारी एसके अग्रवाल ने विकासखंड कसमंडा की ग्राम पंचायत महोली में बने नंदिनी अस्थाई को आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया । उन्होंने गौशाला परिसर में गोवंशों की उपस्थिति, चारा, भूसा, पानी व गौशाला की साफसफाई आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी वहां की व्यवस्थाएं देख प्रसन्नता व्यक्त की तथा प्रधान धर्मेंद्र सिंह व सचिव दिनेश वर्मा की सराहना की । इस मौके पर ग्राम पंचायत महोली के रोजगार सेवक पति अरुण कुमार तथा गौ आश्रय स्थल के केयरटेकर मौजूद रहे।

एलपीएस लखीमपुर ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट

लखीमपुर-खीरी। सीआइएससीई नेशनल स्पोर्ट्स एंड गेम्स द्वारा जोनल लेवल पर आयोजित हुए क्रिकेट टूर्नामेंट में लखनऊ पब्लिक स्कूल लखीमपुर की टीम विजयी रही। यह टूर्नामेंट का मैच चिल्ड्रन कैरियर एकेडमी, कन्नौज के मध्य दो दिवसीय सीपी विद्या निकेतन, कायमगंज फर्रुखाबाद में आयोजित किया गया था। मैच बारह ओवर का था। जिसमें सर्वप्रथम एलपीएस टीम ने बल्लेबाजी करके 81 रन का लक्ष्य बनाया । लखनऊ पब्लिक स्कूल टीम के आशुतोष गौरव ने अपनी टीम के लिए 45 रन बनाये एवं नाट आउट रहे। अभिनव सिंह एवं सूरज ने शानदार बैटिंग की। स्वेतार्थ ने अच्छी बॉलिंग करके 2 ओवर में 4 विकेट लेकर टीम को मजबूती प्रदान की। वहीं सीसीए अकेडमी कन्नौज की टीम 67 रन पर सिमट गई। लखनऊ पब्लिक स्कूल की टीम 14 रनों से विजयी घोषित हुई। टीम का चयन आगामी रीजनल लेवल पर हुआ है। प्रधानाचार्य विजय सचदेवा ने क्रिकेट टीम एवं उनके कोच आरएन मिश्रा को बधाई दी एवं आगामी रीजनल लेवल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए भी प्रेरित किया।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता। सीतापुर

● एसडीएम सदर को जिलाध्यक्ष ने सौंपा ज्ञापन

सीतापुर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में एक बैठक जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर आहूत की गई जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षगण, फ्रंटल संगठनों के अध्यक्षगण एवं जिले के कांग्रेसजनों ने शिरकत की। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी ने कहा कि जिस तरीके से हिटलर शाही करके भाजपा सरकार लोकतंत्र की आवाज को दबाने का काम कर रही है वह अलोकतांत्रिक है। हम कांग्रेसजन हमेशा जनता के हक और हुकूक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। उन्होंने आए हुए सभी कांग्रेस जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज महंगाई चरम पर है। अनर्गल टैक्स लगाकर जनता से धन उगाही की जा रही है। लोकतंत्र को खत्म करने का प्रयास भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की विचारधारा के लोग कर रहे हैं एवं जनता के बीच झूठा राष्ट्रवाद दिखाकर भोली-भाली जनता को ठगने का काम केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार कर रही है। उसके पश्चात महंगाई के विरोध में आज कांग्रेस को प्रदर्शन करना था। कांग्रेसजनों को जिला कांग्रेस कमेटी पर पुलिस द्वारा बेरीकेटिंग कर रोकने का प्रयास किया गया परन्तु कांग्रेसजन पुलिस को दांव देते हुए कलेक्ट्रेट धरना स्थल पर जा पहुंचे तथा हंगामी प्रदर्शन कर सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध करते हुए खाद्य पदार्थों की वस्तुओं पर अनर्गल लगाए गए जीएसटी को वापस लेने, महंगाई को कम करने, डीजल पेट्रोल, रसोई गैस के दाम कम करने एवं सरकार की अग्निवीर योजना को वापस लेने की मांग की एवं सरकार विरोधी नारे लगाए। धरना स्थल पर भारी संख्या में पुलिस की मौजूदगी के बीच एसडीएम सदर पहुंचे तथा ज्ञापन लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य सतीश अग्निहोत्री, आमोद मिश्र, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष राज किशोर सिंह, विनीत दीक्षित, चोक्ष विभु, शिशिर बाजपेई, धीरेश कश्यप, शैलेन्द्र सिंह, संजय सनी, कमला रावत, सुभाष राजवंशी, अनुपमा द्विवेदी, सुधीर पांडे, रामाश्रय अवस्थी, श्रेष्ठ तिवारी, कन्हैया मेहरोत्रा, पुनीत शुक्ला, गंगासागर मिश्र, अजय कुमार शुक्ला, रामसहारे पाल, मीना मिश्रा, शकील खान, विनय यादव, दिलेर सिंह, नीलम बहेलिया, आशीष शुक्ला, अमरकांत मिश्रा, पुष्पेंद्र सिंह चौहान, लवकुश मिश्रा, शुभम अवस्थी, कान्हा बाजपेई, रामजी बाजपेई, सचिन राजवंशी, अक्षय श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सवा लाख तिरंगा ध्वज फहराये जाने का महमूदाबाद में लक्ष्यः आशा मौर्या

● तहसील सभागार में बैठक कर विधायक ने अधिकारियों को दिए निर्देश

महमूदाबाद सीतापुर। तहसील क्षेत्र के प्रत्येक घर में लगभग सवा लाख तिरंगा ध्वज फहराए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें हर विभाग सहयोग कर जनजागरण करते हुए हर घर में तिरंगा लगवाने का सफल प्रयास करें। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर शासन पूरी तरह से सक्रिय और सतर्क है और आमजनमानस में भी भरपूर उत्साह देखने को मिल रहा है। यह बात विधायक आशा मौर्या ने तहसील सभागार में अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ हर घर तिरंगा को लेकर बैठक करते हुए कही। उन्होने कहा कि देश की आजादी के 75 वर्ष 15 अगस्त को पूरे हो रहे हैं। लोगो में आजादी के सम्बंध में सम्पूर्ण जानकारी मिल सके और लोग उसका उत्सव मना सकें इसीलिए हर घर तिरंगा कार्यक्रम का लेकर केन्द्र व प्रदेश सरकार काम कर रही है। उपजिलाधिकारी मिथिलेश त्रिपाठी ने बताया कि जिले से विभिन्न विभागों पंचायत, राजस्व, बाल विकास, स्वास्थ्य, नगर निकायों को लगभग एक लाख बारह हजार तिरंगा घर-घर फहराने का लक्ष्य दिया गया है। जिसे हर हाल में एक लाख 25 हजार पहुँचा दिया जायेगा। खण्ड विकास अधिकारी विवेकमणि त्रिपाठी ने बताया कि महमूदाबाद को 27 हजार तथा पहला को 32 हजार ध्वज लगवाने का लक्ष्य मिला है। जिस पर ग्राम विकास विभाग द्वारा कार्य शुरू कर दिया गया है। सभी गांवों में ग्राम विकास से जुड़े कर्मचारियों के माध्यम से ध्वज वितरण कराने का कार्य जारी है। नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी शैलेन्द्र दुबे ने बैठक में बताया कि 6608 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। किन्तु लगभग 10,000 ध्वज नगर क्षेत्र में वितरित किये जाएंगे तथा विभिन्न चौराहों पर तिरंगा लाइटिंग की सजावट भी की जायेगी। इसके अतिरिक्त रामकुण्ड चौराहे स्थित सरदार पटेल प्रतिमा के निकट 15 अगस्त को 100 मीटर ऊंचा तिरंगा लहराया जायेगा। बैठक में तहसीलदार मनीष कुमार ने कर्मचारियों से तन-मन से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। इस अवसर पर पशु चिकित्सक डा. आरसी चौधरी, नगर पंचायत पैंतेपुर ईओ बबलू कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी करूणेश, अम्बुज वर्मा, अनुज उमराव, चंदन सिंह, सुनील वर्मा, अंकुर यादव आदि उपस्थित रहे।

जल लेने कांवड़ियों का जत्था फर्रुखाबाद रवाना

मोहम्मदी-खीरी। चौथे व अंतिम सोमवार से पूर्व कांवड़ियों की गोला कांवड़ चढ़ाने वाले हजारों भक्तों की भीड़ हरदिन लगातार बढ़ती ही जा रही है। क्षेत्र से कांवड़ियों का जत्था फर्रुखाबाद से जल लेकर गोला कांवड चढाने के लिए हर रोज रवाना हो रहा है। वहीं क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुड़िया चूड़ामणि गोना से कांवड़ियों का एक जत्था कांवड़ लेकर फरूखाबाद मां गंगा से जल लेकर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ चढाने के लिए निकला। कांवडियों का जत्था बम बम भोले के जयकारे करता हुआ निकला। जिससे पूरा गांव बम बम भोले के जयकारों से गुंजायमान हो गया। जत्थे को रवाना करने से पूर्व राजपाल सिंह एडवोकेट व उनकी पत्नी पूर्व सभासद पूनम सिंह के द्वारा अंगवस्त्र व तिलक लगाकर सभी भक्तों को शुभकामनाएं देकर विदा किया गया। इस दौरान अनूप सिंह, जिला पंचायत सदस्य बुधपाल सिंह, चक्रपाल सिंह, रणधीर सिंह, जसवीर सिंह, शैलेन्द्र सिंह, सुरजीत सिंह, रामाधार, पुनीत सिंह एड, धीरेन्द्र सिंह, अमतेश शुक्ला, आलोक सिंह, कुन्दन सिंह, अशुतोष सिंह, उरदीप सिंह सहित भारी संख्या में ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

मोईन खान को पीएचडी की उपाधि, मोहम्मदी का नाम किया रोशन

लखीमपुर-खीरी। मोहम्मदी के शोध छात्र डा. मोईन खान ने ग्रामीण आजीविका संवर्धन एवं विविधीकरण जिले में सामाजिक एवं आर्थिक विकास की रणनीति विषय पर पीएचडी थीसिस लिखकर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। डा. मोईन खान ने प्रोफेसर अतीक़ अहमद के निर्देशन में काम करते हुए खीरी जिले के ग्रामीण रोजगार की समस्यायों और उनके विभिन्न आयामों को अति सूक्ष्मता से समझाने का प्रयास किया है। बाढ़, भूमिहीनता, जोत की लघुता, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता, असाक्षरता और ग़रीबी लखीमपुर के लोगों के आजीविका की प्रमुख समस्याएं हैं। इन समस्यायों से निपटने के लिएए शोधार्थी ने कुछ मॉडल्स और रणनीतियां सुझाई हैं। कृषिक और गैर.कृषिक क्षेत्रों में आजीविका विविधीकरण एवं उन्नयन उनमें से एक हैं। बनारस हिन्दू विश्विद्यालय के प्रोफेसर वी के कुमरा ने शोधार्थी की थीसिस का परीक्षण किया।

प्रिकॉशन डोज को लेकर 96 सेंटर पर चलेगा महा अभियान

● रविवार को होगा महा आयोजन

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

शासन के निर्देश पर जनपद में 7 अगस्त को प्रिकॉशन डोज को लेकर महा अभियान चलाया जाना हैए इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। जिले के सभी 96 सेंटर पर महा अभियान चलाया जाएगा।

जानकारी देते हुए जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा आम जनमानस को को कोविड से सुरक्षित करने के लिए यह महा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रिकॉशन डोज को बढ़ावा देने के लिए शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग महा अभियान चलाने जा रहा है। 7 अगस्त दिन रविवार को महा अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान जिला पुरुष अस्पताल, जिला महिला अस्पताल, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप केंद्रों पर यह अभियान चलेगा। कुल मिलाकर जनपद के 96 सेंटर पर प्रिकॉशन डोज लगाई जाएगी। दोनों ही वैक्शीनों की प्रिकॉशन डोज लगवाई जाएगी। जिन लोगों को दूसरी ख़ुराक लिए छह माह पूरे हो गए हैंए वे सभी प्रिकॉशन डोज लगवा सकते हैं। इसके साथ ही सभी सेंटर पर सामान्य कोविड वैक्सीनेशन भी जारी रहेगा।

प्रदर्शन कर कांग्रेसियों ने दी गिरफ्तारी

लखीमपुर-खीरी। कांग्रेस ने महंगाई, बेरोज़गारी व ईडी के दुरूपयोग को लेकर आयोजित राष्ट्रव्यापी आंदोलन को लेकर जिलाध्यक्ष प्रह्लाद पटेल के नेतृत्व में प्रदर्शन कर गिरफ्तारी दी गई। सबसे पहले आम बैठक में नौ से पंद्रह अगस्त तक आठों विधानसभाओं में होने वाली अनवरत पद यात्रा को लेकर चर्चा हुई। अंबेडकर पार्क स्थित डा. अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर प्रदर्शन किया। सदर कोतवाली चौराहे पर पहुंचने पर सदर कोतवाली पुलिस ने सभी को गिरफ्तार करके पुलिस लाइंस भेज दिया। कार्यक्रम में रामकुमार वर्मा, दीपक बाजपेयी, जिला प्रवक्ता अमित गुप्ता, जिला महासचिव प्रेम वर्मा, जिला उपाध्यक्ष सहजेंद्र दीक्षित, संजय गोस्वामी, चंद्र प्रभा अवस्थी, रामकुमार मिश्र, यतीश शुक्ल, रीतू राज, सोनी राज, केके मिश्र, शरीफ अहमद, सचिन शाह, अब्दुल बारी, रवि तिवारी, अमित राठौर, शरीफ अहमद, देवेंद्र पंकज, अजय शुक्ल, राहुल मिश्रा, राजू पंकज, सतीश मिश्र, अनंत राम गौतम, बलराम वरुण, अनिल गुप्ता, नीरज बाजपेयी व रवि गोस्वामी आदि सैकड़ों कांग्रेसजनों ने सहभागिता कर गिरफ्तारी दी।

चोरी व नकबजनी करने वाले छह अपराधी गिरफ्तार

● असलहा, जेवर व नकदी बरामद

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में क्षेत्राधिकारी मितौली के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नीमगांव के नेतृत्व में थाना नीमगांव क्षेत्र में विगत में लगातार हो रही चोरी व नकबजनी की घटनाओं को कारित करने वाले अपराधियों की लगातार पतारसी सुरागरसी करते हुए मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार को समय 1:30 बजे मतीउल्ला उर्फ कल्लू पुत्र अतीउल्ला निवासी ग्राम सरैय्या, मधुराम उर्फ पृथ्वी पुत्र विंद्रा प्रसाद निवासी ग्राम पलिया, रियासत पुत्र बुद्धे खां निवासी ग्राम सरैया, अविनाश पुत्र सुमेर लाल निवासी ग्राम मूलापुरवा, विष्णु पुत्र प्रहलाद निवासी ग्राम पैला व दिलीप कुमार पुत्र शिवराम निवासी ग्राम पैला को मांझा खड़ंजा मोड़ से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो देशी तमंचे 315 बोर व 4 जिंदा कारतूस 315 बोर, एक आला नकब व एक पेंचकस, 7 जोड़ी पायल सफेद धातु, एक कमर बिछुआ सफेद धातु, दो जोड़ी बिछिया सफेद धातु, दो आधार कार्ड एवं 9300 रुपये नकद बरामद किये गये। पकड़े गये अपराधियों से पूछताछ करने पर उनके द्वारा उक्त बरामद सम्पत्ति थाना नीमगांव पर पंजीकृत कर घटना कारित किया जाने के उपरान्त हिस्से में मिले रूपये व जेवर होना स्वीकार करते हुए अन्य जनपदों में भी घटनाकारित करने की बात स्वीकार की गयी। अभियुक्त मतिउल्ला व अभियुक्त मधुराम उर्फ पृथ्वी के कब्जे से बरामद एक-एक अदद तमंचा 315 बोर व चार जिंदा कारतूस 315 बोर के संबंध में अभियोग पंजीकृत कर सभी अभियुक्तगणों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्तगण एक शातिर किस्म के चोर/नकबजन गिरोह हैं। बरामद करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक अवधेश कुमार प्रभारी निरीक्षक थाना नीमगांव, उप निरीक्षक कमरुद्दीन खां, उप निरीक्षक सुनील कुमार सिंह, उप निरीक्षक जय प्रकाश यादव प्रभारी स्वॉट टीम, कांस्टेबल संजय यादव द्वितीय, कांस्टेबल कोशिन्दर कुमार, कांस्टेबल परवीन कुमार बोबी, कांस्टेबल विश्राम सिंह, कांस्टेबल शिवओम मिश्रा, कांस्टेबल अजीत यादव, कांस्टेबल योगेश तोमर, कांस्टेबल देवेन्द्र कुमार व कांस्टेबल विष्णु सिंह शामिल रहे।

विभिन्न स्थानों से 14 बच्चों को किया गया रेस्क्यू

लखीमपुर-खीरी। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में बालश्रम से आजादी अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक/नोडल अधिकारी के निकट पर्यवेक्षण में पांच अगस्त को एएचटीयू टीम प्रभारी, निरीक्षक जैनेंद्र कुमार के नेतृत्व में कांस्टेबल राजेश यादव, महिला कांस्टेबल नीरज गिल, श्रम इंस्पेक्टर खीरी संतोष कुमार पांडे व चाइल्ड लाइन से समन्वयक संतोष राजवंशी, बचपन-बचाओ राजबहादुर इंद्रजीत और रोजी-रोटी, अशोक कुमार द्वारा संयुक्त रुप से टीम बनाकर बालश्रम से आजादी का अभियान चलाया गया। इसके क्रम में जनपद खीरी व थाना मैगलगंज, मितौली में होटल, रेस्टोरेंट, अन्य दुकानों व सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाकर 14 बच्चों को श्रम करते हुए पाया गया। जिसके अंतर्गत श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा विधिक कार्रवाई की गई।

तुलसीदास जयंती पर विशेष समारोह का आयोजन

● अखंड पाठ, मानस अंत्याक्षरी व विचार गोष्ठी आयोजित

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

रामायण-प्रचारिणी सभा और अनुरंजनी संस्था के संयुक्त तत्वाधान में गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह का आयोजन रामायण भवन में किया गया। इसके तहत रामचरितमानस के अखंड पाठ, बच्चों की मानस अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता एवं मानस विचार गोष्ठी हुई। योगेश गुप्ता के निर्देशन में दो दिवसीय समारोह का शुभारंभ रामचरित मानस के अखंड पाठ से हुआ।

पाठ की पूर्णता के बाद रामायण भवन के पुजारी अशोक कुमार मिश्र के निर्देशन में यज्ञ किया गया। मानस अन्त्याक्षरी का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. शशि प्रभा बाजपेई ने गोस्वामी तुलसीदास के चित्र पर पुष्पार्चन से किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के कक्षा नौ से दस तक के 81 बच्चे शामिल हुए। प्रतियोगिता का संचालन रामायण प्रचारिणी सभा के मंत्री महेश चंद्र जायसवाल तथा अनुरंजनी सभा की क्षमा टंडन ने किया। निर्णायक के रूप में राज कुमार मिश्र, पं. कुलदीप मिश्र तथा कौशल किशोर वर्मा ने सरस्वती बालिका विद्या मंदिर की प्रगति वर्मा को प्रथम, पायल देवी को द्वितीय तथा कृषक समाज इंटर कालेज की पलक दिवाकर को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया। अन्य प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किये गये। इसके बाद आयोजित मानस विचार गोष्ठी में क्षमा टंडन, महेश चंद्र जायसवाल तथा शशि प्रभा बाजपेयी ने अपने विचार प्रस्तुत किये। समारोह का समापन प्रसाद वितरण से हुआ। कार्यक्रम के आयोजन में अशोक मिश्रा, अमित रस्तोगी, अजय सिंह, मीना जायसवाल, रज्जन गुप्ता तथा विजय लक्ष्मी गुप्ता ने विशेष सहयोग किया।

झारखंड के 1800 स्कूलों में हो रही शुक्रवार को छुट्टी, एनआईए जांच करेः सांसद

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को लोकसभा में दावा किया कि झारखंड में 1800 स्कूलों में रविवार की बजाय शुक्रवार को छुट्टी हो रही है जो इसका प्रमाण है कि देश इस्लामीकरण की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाते हुए कहा कि इस मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआई) से कराई जाए ताकि कड़ा संदेश दिया जा सके। दुबे ने कहा, मैं झारखंड राज्य में हो रहे इस्लामीकरण की ओर ध्यान दिला रहा हूं। राज्य के कुछ जिलों में जनसंख्या का संतुलन बदल गया है। बांग्लादेश निकट है और इसलिए ऐसा हो रहा है। उनके मुताबिक, अचानक देखने में आया कि झारखंड में 1800 ऐसे स्कूल हैं जिन्होंने अपने नाम में उर्दू शब्द लगा लिया। इन स्कूलों में रविवार को छुट्टी नहीं होती है, बल्कि शुक्रवार को हो रही है। भाजपा सांसद ने कहा, देश इस्लामीकरण की तरफ बढ़ रहा है। झारखंड उसे रास्ता दे रहा है। इसकी एनआईए से जांच कराई जाए। यह कड़ा संदेश जाना चाहिए कि किसी भी कीमत पर इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भाजपा सांसद जयंत सिन्हा ने झारखंड के पिछड़ेपन का विषय उठाया और दावा किया कि विकास के कई मानकों पर राज्य बहुत पिछड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, राज्य अपने लोगों को अनुसंधान, अवसर और कौशल विकास मुहैया कराने में विफल है। झारखंड में सिर्फ सात-आठ नए स्टार्ट-अप पंजीकृत हुए हैं। केंद्र सरकार निर्देश दे कि राज्य सरकार अपनी कार्य प्रणाली में सुधार करे।

बहुजन समाज पार्टी के सांसद दानिश अली ने उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों के बकाए का मुद्दा उठाया और कहा कि केंद्र सरकार सुनिश्चित करे कि किसानों को बकाया मिले और ब्याज भी मिले। एआईएमआईएम के इम्तियाज जलील ने दावा किया कि महाराष्ट्र के एक इलाके में सात महीने में 700 किसानों ने आत्महत्या की है। उन्होंने कहा कि सरकार इसकी जांच कराए और परिवारों की मदद करे। भारतीय जनता पार्टी के सुशील कुमार सिंह, बीजू जनता दल के चंद्रशेखर साहू, तृणमूल कांग्रेस की मिमी चक्रवर्ती और कुछ अन्य सदस्यों ने लोक महत्व के अलग-अलग विषय उठाए।

ईडी ने पार्थ चटर्जी, अर्पिता की न्यायिक हिरासत का अनुरोध किया

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्कूल सेवा आयोग नियुक्ति घोटाले में धन शोधन की जांच के संबंध में शुक्रवार को यहां एक विशेष पीएमएलए अदालत में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी की 14 दिन की न्यायिक हिरासत का अनुरोध किया। ईडी के वकील ने मामले में नए खुलासे को लेकर जेल में दोनों आरोपियों से पूछताछ करने के लिए अदालत की अनुमति के लिए भी आग्रह किया। धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के तहत विशेष अदालत के न्यायाधीश जिबोन कुमार साधु ने मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया।

चटर्जी और मुखर्जी 23 जुलाई को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा प्रायोजित और सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की अवैध नियुक्तियों में शामिल कथित धनशोधन की जांच के संबंध में ईडी की हिरासत में हैं। चटर्जी की जमानत के लिए अनुरोध करते हुए उनके वकील ने कहा कि अब वह एक सामान्य व्यक्ति हैं और फरार नहीं होंगे। चटर्जी के वकील ने कहा, वह अब प्रभावशाली व्यक्ति नहीं हैं और अपनी विधायकी छोड़ने पर भी विचार करने को तैयार हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चटर्जी को मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है। ईडी ने दावा किया कि चटर्जी की हिरासत में 15 दिनों में से कम से कम दो दिन यहां के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती होने के कारण बर्बाद हो गए।चटर्जी को कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर चिकित्सीय जांच के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भुवनेश्वर भेजा गया था और वहां के चिकित्सकों ने कहा था कि उन्हें तत्काल भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है।

नई दिल्ली में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मानसून सत्र में संसद भवन जाते हुए।

सीएए दिसंबर तक लागू होने की संभावना पश्चिम बंगाल के भाजपा विधायक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से भाजपा के विधायक असीम सरकार ने शुक्रवार को दावा किया कि संशोधित नागरिकता कानून दिसंबर तक लागू होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के शरणार्थी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सरकार ने कहा कि लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य में सीएए को लागू करने की जरूरत है। राज्य शरणार्थी प्रकोष्ठ का प्रमुख होने के नाते, मुझे लगता है कि सीएए आखिरकार इस दिसंबर तक लागू हो जाएगा। उस समय तक प्रक्रिया गति पकड़ने लगेगी।

लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए खासकर सीमावर्ती जिलों में हिंदू शरणार्थियों के लिए सीएए को पश्चिम बंगाल में लागू करने की जरूरत है। नदिया जिले के हरिणघाटा के विधायक सरकार ने पूर्व में कहा था कि अगर 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सीएए को लागू नहीं किया गया तो बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों के बीच असंतोष को कभी दूर नहीं किया जा सकेगा। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में सीएए को कभी लागू नहीं होने देंगी। राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक ने कहा, असीम सरकार जैसे लोग इस तरह के झूठे दावे करके पिछड़े मतुआ समुदाय समेत प्रवासियों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पिछले चुनावों में मतदान किया, वे देश के सच्चे नागरिक हैं। मल्लिक ने कहा, केवल पश्चिम बंगाल में ही नहीं, देश में कहीं भी सीएए लागू नहीं किया जा सकता। 300 मामले अदालत में लंबित हैं। असीम सरकार और उनके जैसे नेताओं को महज वोट बैंक के लिए इस तरह के झूठे दावे करने से बचना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने बंगाल विस में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को आश्वासन दिया था कि सीएए के संबंध में नियम कोविड की एहतियाती खुराक देने की कवायद समाप्त होने के बाद तैयार किए जाएंगे।

पिछले साल मोदी से भेंट के बाद ठाकरे मुख्यमंत्री पद छोड़ने की सोच रहे थेः शिवसेना का बागी खेमा

भाषा। मुंबई

शिवसेना के बागी धड़े ने शुक्रवार को दावा किया कि उद्धव ठाकरे पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की सोच रहे थे। शिवसेना के बागी विधायकों के प्रवक्ता दीपक केसरकर ने कहा कि ठाकरे के लिए मोदी के साथ उनके संबंध शीर्ष पद पर बने रहने से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, शिवसेना के ठाकरे खेमे ने केसरकर की टिप्पणियों पर कहा कि वह विरोधाभासी बयान दे रहे हैं और भ्रमित लगते हैं।

केसरकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे द्वारा सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में तत्कालीन मंत्री आदित्य ठाकरे की छवि को खराब करने के प्रयासों से शिवसेना के बहुत से नेता आहत थे। केसरकर ने कहा कि उन्होंने मोदी से संपर्क स्थापित किया और संवाद शुरू हुआ। केसरकर ने दावा किया, उद्धव जी के मोदी जी (पिछले साल जून में) से मिलने के बाद, यह तय किया गया था कि वह अगले 15 दिनों में (मुख्यमंत्री के रूप में) पद छोड़ देंगे क्योंकि उनके लिए (प्रधानमंत्री के साथ) संबंध (पद धारण करने से) अधिक महत्वपूर्ण थे, लेकिन यह महसूस किया गया कि उन्हें अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को समझाने के लिए और समय चाहिए। अतीत में, मोदी ने शिवसेना अध्यक्ष ठाकरे को अपना छोटा भाई कहा था। नई दिल्ली में ठाकरे-प्रधानमंत्री मोदी की बैठक के बाद जुलाई 2021 में महाराष्ट्र विधानसभा से एक दर्जन भाजपा विधायकों को एक साल के लिए निलंबित कर दिया गया था, एक ऐसा कदम जिसने शिवसेना और उस समय विपक्षी दल भाजपा के बीच संबंधों को और तनावपूर्ण बना दिया था। केसरकर ने कहा कि बाद में ठाकरे के कट्टर विरोधी राणे को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के बाद बातचीत रुक गई, जिससे शिवसेना अध्यक्ष नाराज हो गए। केसरकर ने कहा कि अहंकार के कारण वार्ता आगे नहीं बढ़ी।

केसरकर ने कहा कि बातचीत के दौरान वह शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे को तमाम जानकारी देते रहे, जो अब मुख्यमंत्री हैं। केसरकर के दावों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, ठाकरे खेमे की सदस्य और शिवसेना प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने कहा, वह हर दिन कुछ नया खुलासा कर रहे हैं। वह विरोधाभासी बयान दे रहे हैं और भ्रमित लगते हैं।

जम्मू-कश्मीर में कानून व्यवस्था संबंधी घटनाओं में 88 प्रतिशत से अधिक की कमी : पुलिस

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 के निरस्त होने के बाद पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रदेश में कानून व्यवस्था संबंधी घटनाओं में 88 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। प्रदेश पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक घाटी में पांच अगस्त 2016 से चार अगस्त 2019 के दौरान कानून-व्यवस्था संबंधी कुल 3,686 घटनाएं दर्ज की गईं। हालांकि, पांच अगस्त 2019 के बाद से तीन वर्षों के दौरान घाटी में कानून-व्यवस्था संबंधी केवल 438 घटनाएं दर्ज की गईं जो 88 प्रतिशत से अधिक की गिरावट है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा की थी। पुलिस ने कहा कि पांच अगस्त, 2019 से पहले के तीन वर्षों में कश्मीर में कानून-व्यवस्था संबंधी घटनाओं में कुल 124 नागरिक मारे गए थे जबकि उसके बाद से किसी भी नागरिक की मौत नहीं हुई है।

पुलिस की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक इसी प्रकार पांच अगस्त 2016 से चार अगस्त 2019 तक ऐसी घटनाओं में पुलिस और सुरक्षाबलों के छह जवानों की जान चली गई, लेकिन उसके बाद से किसी जवान की मौत नहीं हुई। पुलिस ने कहा कि पांच अगस्त, 2019 से पहले तीन वर्षों के दौरान 930 आतंकी घटनाएं दर्ज की गईं थीं जबकि अगले तीन वर्षों में यह संख्या घटकर 617 हो गई।

जम्मू-कश्मीर पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती मामलाः सीबीआई ने 30 स्थानो पर की छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई ने जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड द्वारा उपनिरीक्षकों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में शुक्रवार को 30 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मामले में जेकेएसएसबी के सदस्य नारायण दत्त, बिचौलियों और उम्मीदवारों सहित 32 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के बाद जम्मू में 28 स्थानों और श्रीनगर तथा बेंगलुरू में एक-एक स्थान पर छापेमारी की गई। सीबीआई ने प्राथमिकी में जम्मू में पदस्थापित एक चिकित्सा अधिकारी करनैल सिंह, अखनूर स्थित एक कोचिंग सेंटर के मालिक अविनाश गुप्ता और बेंगलुरु की एक कंपनी को भी नामजद किया है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने अनियमितताओं की शिकायतों के बाद पिछले महीने जम्मू-कश्मीर पुलिस में उपनिरीक्षकों (एसआई) की भर्ती रद्द कर दी थी और चयन प्रक्रिया की जांच सीबीआई को सौंपी थी।

भाजपा सांसद ने राष्ट्रीय दलों की मान्यता की शर्तों को सख्त बनाने की पैरवी की

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद गोपाल शेट्टी ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता दिए जाने की शर्तों को सख्त बनाया जाना चाहिए। उन्होंने एक गैर सरकारी विधेयक सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा कि सरकार को चुनावी खर्च पर अंकुश लगाने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। शेट्टी ने कहा कि उन्होंने जो लोक प्रतिनिधित्व (संशोधन) विधेयक, 2019 पेश किया है उसमें यह प्रावधान किया गया है कि किसी भी दल को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा देने के लिए शर्तों को सख्त किया जाए। मसलन, उसी दल को राष्ट्रीय पार्टी की मान्यता दी जाए जिसने 25 प्रतिशत राज्यों से लोकसभा की 54 सीटें जीती हों या फिर 25 प्रतिशत प्रदेशों के विधानसभा चुनावों में कम से कम 16 प्रतिशत वोट हासिल किए हों। उन्होंने कहा, राजनीतिक दलों के लिए कोई न कोई बंधन होना चाहिए। हम देखते हैं कि हमारे देश में स्थानीय चुनाव में कई उम्मीदवार होते हैं, खर्च बहुत होता है। इस पर हमें विचार करने की जरूरत है। इस गैर सरकारी विधेयक पर चर्चा अधूरी रही।

हुब्बाली में 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय झण्डे की सिलाई करती हुई वर्कर।

कैबिनेट सचिव राजीव गौबा को एक साल का सेवा विस्तार मिला

भाषा। नई दिल्ली

कैबिनेट सचिव राजीव गौबा को केंद्र सरकार ने शुक्रवार को एक साल का सेवा विस्तार दिया। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में यह जानकारी दी गई। यह इस पद पर उन्हें दिया गया दूसरा सेवा विस्तार है। पूर्व केंद्रीय गृह सचिव गौबा को 2019 में दो साल के लिए देश के शीर्ष नौकरशाही पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें पिछले साल अगस्त में एक साल का सेवा विस्तार दिया गया था। शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने झारखंड कैडर के 1982 बैच के आईएएस अधिकारी गौबा को 30 अगस्त 2022 के बाद एक और साल के लिए कैबिनेट सचिव के पद पर सेवा विस्तार देने की मंजूरी दी है। कहा जाता है कि गौबा की जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 को तैयार करने में अहम भूमिका थी। इस अधिनियम के जरिए तत्कालीन जम्मू कश्मीर राज्य को संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत मिले विशेष दर्जे को रद्द कर राज्य को दो केंद्र शासित क्षेत्रों में बांटा गया था। वह केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय में सचिव, गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव समेत कई अन्य जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पंजाब में जन्मे गौबा पटना विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक हैं। वह 2016 में केंद्र सरकार में सेवा देने के लिए आने से पहले 15 महीनों तक झारखंड के मुख्य सचिव भी रहे। उन्होंने चार वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बोर्ड में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

क्विक न्यूज

अगले सीजेआई की नियुक्ति पर रीजीजू ने कहा : उम्मीद है सब कुछ सहजता से हो सम्पन्न हो जाएगा

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि नए सीजेआई की नियुक्ति से पहले सभी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं और उम्मीद है कि सब कुछ सहज तरीके से सम्पन्न हो जाएगा, क्योंकि सरकार नियमों और परिपाटियों को लेकर हमेशा सतर्क रहती है। नए सीजेआई की नियुक्ति को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में रीजीजू ने संसद के बाहर पत्रकारों से कहा कि उन्हें भारत के प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण का वह पत्र प्राप्त हो गया है, जिसमें उन्होंने नए सीजेआई के नाम की अनुशंसा की है।

बीएसएफ ने एक पाक मछुआरे को पकड़ा, पांच नौकाएं जब्त

अहमदाबाद (गुजरात)। सीमा सुरक्षा बल के कर्मियों ने गुजरात के कच्छ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हरामी नाला इलाके से शुक्रवार को एक पाकिस्तानी मछुआरे को पकड़ा और पांच नौकाएं जब्त कीं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बीएसएफ ने एक दिन पहले ही यहीं से पाकिस्तानी मछुआरों द्वारा छोड़ी गईं दो नौकाएं जब्त की थीं। बीएसएफ की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आज सुबह गश्त के दौरान बीएएफ के कर्मियों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास मछली पकड़ने वाली कुछ नौकाओं को देखा। उच्च ज्वार के कारण पानी की मात्रा बढ़ी होने के बावजूद बीएसएफ कर्मी मौके पर पहुंचे। ।

त्रिपुरा में एनएलएफडी के चार उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया

अगरतला। प्रतिबंधित संगठन नेशनल लिब्रेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (विश्वमोहन देबवर्मा) के चार सदस्यों और उसके दो सहयोगियों ने शुक्रवार को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उग्रवादियों ने एक एके-47 राइफल, दो मैगजीन, दो पिस्तौल और उगाही की जानकारियों वाली एक डायरी के साथ आत्मसमर्पण किया। पिछले एक साल में यह उग्रवादियों के आत्मसमर्पण की सबसे बड़ी संख्या है। उमेश कोलोई (42) के नेतृत्व में उग्रवादी 21 जुलाई को बांग्लादेश से धलाई जिले के गंगानगर होते हुए त्रिपुरा में दाखिल हुए थे। इन उग्रवादियों का इरादा ग्रामीणों का अपहरण करना था और उन्होंने उन्हें जबरन वसूली के नोटिस भेजे थे।

वर्ष 2020-21 से 1.83 लाख करोड़ रुपए के सैन्य साजो-सामान की खरीद को मंजूरी दी गईः सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने 2020-21 से।,83,778 करोड़ रुपए की सैन्य साजो-सामान की खरीद को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) या सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति प्रदान की है। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। भारत के रक्षा खरीद नियमों के तहत किसी भी सैन्य साजो-समान की खरीद के लिए एओएन पहला कदम होता है। 2020-21 से 2022-23 (30 जून तक) के दौरान 1,83,778.34 करोड़ रुपए के एओएन को मंजूरी दी गई और 1,19,045.3 करोड़ रुपए के अनुबंधों को पूरा किया गया।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से छोटे उद्यमियों को लाभ

लखनऊ। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती इं कॉमर्स कंपनी मीशो उत्तरप्रदेश के 1 लाख से अधिक छोटे व्यवसाय अब उसके प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हो चुके हैं। कंपनी ने इंडस्ट्री में सबसे पहले जीरो कमीशन और जीरो पेनल्टी जैसे कदम उठाए और इसके बाद पिछले एक साल में उत्तर प्रदेश प्रांत से बड़ी संख्या में एमएसएमई कंपनी के प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ते चले गए। इस क्षेत्र में आपूर्तिकर्ताओं द्वारा पसंद की जाने वाली टॉप कैटेगरी में परिधान, आभूषणए पर्सनल केयर और वेलनैस, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सजावट की वस्तुएं शामिल हैं। स्थापना के बाद सेए मीशो ने देश भर मेंए खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में एसएमबी को सपोर्ट करने और उन्हें सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्लेटफॉर्म पर विक्रेताओं की कुल संख्या 7 लाख को पार कर गई हैए पंजीकरण पिछले साल की तुलना में दोगुनी तेजी से बढ़ रहे हैं। लक्ष्मीनारायण स्वामीनाथन सीएक्सओए सप्लाई ग्रोथ मीशो ने कहा कि हमारे देश में तेजी से बढ़ते उद्यमशीलता के ट्रेंड को सपोर्ट करने के लिएए मीशो छोटे व्यवसायों को बढ़ने और ऑनलाइन सफल होने में मदद करने के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म का निर्माण कर रहा है।

खुद को कामयाबी की किसी दौड़ में नही मानता क्योंकि मैं कोई घोड़ा नही हूं : अक्षय कुमार

इंदौर (मप्र)। फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने शुक्रवार को कहा कि वह खुद को पेशेवर सफलता की किसी भी प्रतिस्पर्धा से दूर मानते हैं और अदाकारी के मामले में किसी खास छवि में कैद भी नहीं होना चाहते। कुमार ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, मुझे (सफल अभिनेताओं की फेहरिस्त में) कभी नम्बर एक, कभी नम्बर दो, तो कभी नम्बर तीन पर बताया जाता है। मैं खुद को किसी प्रतिस्पर्धा में मानता ही नहीं हूं। अपनी बात में जोड़ा, मैं कोई घोड़ा नहीं हूं जो दौड़ में पहले, दूसरे या तीसरे नम्बर पर आता है। कुमार ने कहा कि बतौर अभिनेता उनकी हमेशा कोशिश रहती है कि वह किसी खास छवि में कैद होकर न रह जाएं। मैं अलग-अलग तासीर के किरदार निभाना चाहता हूं।

54 वर्षीय अभिनेता ने कहा कि उन्होंने कई सितारों वाली फिल्मों में काम करने से कभी गुरेज नहीं किया क्योंकि वह पेशेवर तौर पर खुद को हमेशा सुरक्षित मानते हैं। कुमार अपनी फिल्म रक्षाबंधन के प्रचार के लिए इंदौर आए थे जो 11 अगस्त से सिनेमाघरों में लगने वाली है। इसी तारीख को आमिर खान की मुख्य भूमिका वाली फिल्म लालसिंह चड्ढा भी बड़े परदे पर उतर रही है। उन्होंने एक सवाल पर खान की इस फिल्म का नाम लिए बगैर कहा कि वह दोनों फिल्मों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा महसूस नहीं कर रहे हैं और दिल से चाहते हैं कि दोनों फिल्में टिकट खिड़की पर अच्छा प्रदर्शन करें ताकि फिल्म उद्योग को फायदा हो सके। सोशल मीडिया पर फिल्म रक्षाबंधनै के बहिष्कार का हैशटैग प्रचलित होने के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि उन्हें इस बारे में कुछ भी नहीं पता है। उन्होंने हालांकि कहा, अगर आप जैसे पढ़े-लिखे लोग (प्रश्न करने वाला पत्रकार) इन चीजों पर ध्यान देने लगेंगे, तो हमारे देश में सबकुछ बायकॉट (बहिष्कृत) हो जाएगा। मैं तो यही कहूंगा कि हम अपने दिमाग का इस्तेमाल करें और आपको जो पसंद आता है, वह करें और जो नापसंद है, वह ना करें।

ईडी ने रिश्वत मामले में जेल में बंद आईएएस अधिकारी के राजेश को हिरासत में लिया

अहमदाबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा(आईएएस) के गुजरात कैडर के निलंबित अधिकारी के राजेश को हिरासत में ले लिया, जिन्हें पूर्व में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी ने कोई बयान जारी नहीं किया है। हालांकि, यहां साबरमती केंद्रीय कारागार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राजेश को एक अदालत के निर्देश के अनुसार केंद्रीय एजेंसी के हवाले कर दिया गया। राजेश को इसी जेल में रखा गया था। पिछले महीने, सीबीआई ने अपात्र लोगों को हथियार लाइसेंस जारी करने के लिए रिश्वत लेने, अपात्र लाभार्थियों को सरकारी भूमि आवंटित करने और अन्य अवैध लाभ देने के संबंध में राजेश के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था, जब वह सुरेंद्रनगर के जिलाधिकारी थे। ईडी ने राजेश और उनके साथी मोहम्मद रफीक मेमन के खिलाफ मई में दर्ज सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर कथित धन शोधन की जांच शुरू की। सीबीआई ने 2011 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी राजेश को जुलाई में गिरफ्तार किया था। राजेश उस वक्त गुजरात सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत थे। बाद में राज्य सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया। मई में सीबीआई ने सूरत निवासी मेमन को गिरफ्तार किया था, जो कथित तौर पर बिचौलिए का काम करता था और राजेश की

मप्र सरकार ने भोपाल में नेशनल हेराल्ड को आवंटित भूमि की जांच के आदेश दिए

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने भोपाल के प्रेस कॉम्पलेक्स में नेशनल हेराल्ड अखबार को आवंटित जमीन की जांच के आदेश दिए हैं क्योंकि वहां नियमों का उल्लंघन कर व्यावसायिक भवन बनाए गया है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी से कांग्रेस द्वारा प्रवर्तित कंपनी यंग इंडियन में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर पूछताछ कर चुका है। यंग इंडियन कंपनी नेशनल हेराल्ड अखबार की मालिक है।

मध्य प्रदेश में नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, नेशनल हेराल्ड को प्रेस कॉम्पलेक्स, भोपाल में आवंटित भूखंड में शर्तों का उल्लंघन कर व्यावसायिक निर्माण के मामले में आज मैंने जांच समिति के गठन के आदेश दे दिए हैं। आवंटित भूखंड के प्रयोजन का उल्लंघन किनके द्वारा किया गया, भूखंडों का विक्रय किनके द्वारा किया गया, व्यावसायिक निर्माण किसने किया, न्यायालय में इतने लंबे समय से प्रकरण में ठोस कार्यवाही के लिए कौन जिम्मेदार है, इत्यादि बिन्दुओं पर समिति जांच करेगी और अपना प्रतिवेदन एक माह में प्रस्तुत करेगी।

भोपाल में नेशनल हेराल्ड की जमीन के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने एक समाचार चैनल को कहा, हम इसकी जांच करा रहे हैं। अगर कोई अनियमितता पाई जाती है तो हम कार्वाई करेंगे और उसे सील कर देंगे। भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) द्वारा प्रेस कॉम्पलेक्स में समाचार पत्र घरानों को आवंटित भूमि का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, व्यावसायिक उपयोग नहीं किया जा सकता है। इस तरह (व्यावसायिक) का उपयोग नियमों के तहत नहीं है, यह गलत है, हम कार्वाई करेंगे। नेशनल हेराल्ड की लीज डीड रद्द करने के सवाल पर उन्होंने कहा, पट्टा रद कर दिया गया है। मामला अदालत में है। हमने मामले की स्थिति और इस संबंध में पूरी जानकारी मांगी है। अगर आवश्यक हुआ तो हम अदालत जाएंगे और यदि अदालत में कोई मामला नहीं है तो हम सीधी कार्वाई करेंगे।

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 6 अगस्त, 2022

चीन ने पेलोसी पर प्रतिबंध लगाया

● ताइवान के पास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया

एपी। बीजिंग

चीन ने इस सप्ताह की शुरुआत में ताइवान की यात्रा किए जाने को लेकर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी पर शुक्रवार को प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। उसने यह भी कहा कि पिछले दो दिनों में ताइवान के आसपास 100 से अधिक लड़ाकू विमानों और 10 युद्धपोतों ने बड़े पैमाने पर हुए सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया है।

चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, ताइवान के तट के पास छह क्षेत्रों में चलाए जा रहे संयुक्त अवरोध अभियान में लड़ाकू विमानों से लेकर बमवर्षक विमानों, विध्वंसक जहाजों और युद्धपोतों तक का इस्तेमाल किया गया। चीनी सेना की पूर्वी थिएटर कमान ने कुछ मिसाइलों के नए संस्करण भी दागे। सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि इन मिसाइलों ने ताइवान जलडमरूमध्य क्षेत्र में अज्ञात लक्ष्यों को पूरी सटीकता के साथ निशाना बनाया। इनमें ताइवान के ऊपर से प्रशांत क्षेत्र में दागी गई मिसाइलें भी शामिल हैं। शिन्हुआ के अनुसार, चीन पेलोसी के ताइवान दौरे के जवाब में अभूतपूर्व पैमाने पर सैन्य अभ्यास कर रहा है। पेलोसी पिछले 25 वर्षों में ताइवान की यात्रा करने वाली अमेरिका की सबसे शीर्ष अधिकारी हैं। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है और विदेशी सरकारों के साथ उसके संबंधों का विरोध करता है। चीन ने शुक्रवार को पेलोसी और उनके परिवार पर अनिर्दिष्ट प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। ए प्रतिबंध आमतौर पर मुख्यतः प्रतीकात्मक प्रकृति के होते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि पेलोसी ने स्व-शासित द्वीप की अपनी यात्रा को लेकर चीन की चिंताओं और विरोध की अवहेलना की है। बयान में पेलोसी के ताइवान दौरे को उकसावे वाली कार्रवाई करार दिया गया है। इसमें कहा गया है कि यह कदम चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है। ताइवान जलडमरूमध्य क्षेत्र के पास पिंगटन द्वीप पर शुक्रवार को पर्यटक अभ्यास क्षेत्र की तरफ जाने वाले सैन्य विमानों की एक झलक पाने की कोशिश में इकट्ठे हुए। लड़ाकू विमानों को उड़ान भरते देखा जा सकता था और उनकी तस्वीरें ले रहे पर्यटक चलो, ताइवान को वापस लेते हैं कहते नजर आ रहे थे। चीन का यह दावा कि ताइवान उसका क्षेत्र है और इसे बल प्रयोग के जरिए अपने नियंत्रण में लेने की उसकी धमकी पिछले सात दशक से सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रचार, शिक्षा प्रणाली और पूरी तरह से राज्य-नियंत्रित मीडिया में प्रमुखता से दर्शाई गई है। दोनों पक्ष 1949 में गृहयुद्ध के बीच विभाजित हुए थे। हालांकि, ताइवान के निवासी स्व-शासित द्वीप की यथास्थिति बनाए रखने का जबरदस्त समर्थन करते हैं। वे ताइवान को कम्युनिस्ट शासन के तहत मुख्य भूमि चीन में शामिल करने की बीजिंग की मांग के खिलाफ हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शुक्रवार को चीन ने सैन्य जहाजों और लड़ाकू विमानों को ताइवान जलडमरूमध्य क्षेत्र के बीचोंबीच भेजा। इसी के साथ उसने चीन और ताइवान के बीच वर्षों से मौजूद आधिकारिक बफर जोन को लांघ दिया। उधर, जापान के रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने कहा कि बृहस्पतिवार को सैन्य अभ्यास शुरू होने के बाद चीन द्वारा दागी गई पांच मिसाइलें जापान के सुदूर दक्षिण में स्थित हेतेरुमा के पास विशेष आर्थिक जोन में गिरीं। उन्होंने बताया कि जापान ने इन मिसाइलों को जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा और जापानी नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा करार देते हुए चीन के समक्ष कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। जापान के रक्षा मंत्रालय ने बाद में कहा कि उसका मानना है कि चीन के दक्षिण-पूर्वी तट फुजियान से दागी गई चार अन्य मिसाइलों ने ताइवान के ऊपर से उड़ान भरी थी। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने शुक्रवार को कहा कि ताइवान के लिए लक्षित चीन का सैन्य अभ्यास एक गंभीर समस्या का प्रतीक है, जो क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। वहीं, पेलोसी ने अपने एशिया दौरे के अंतिम पड़ाव तोक्यो में कहा कि चीन अमेरिकी अधिकारियों को ताइवान जाने से नहीं रोक सकता। पेलोसी और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ नाश्ते के बाद संवाददाताओं से मुखातिब किशिदा ने कहा कि मिसाइल प्रक्षेपणों को तुरंत रोका जाना चाहिए। इस बीच, चीन ने कहा कि उसने सात देशों के समूह (जी-7) और यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा ताइवान के आसपास चीनी सैन्य अभ्यास की आलोचना करने वाले बयानों का विरोध करने के लिए बीजिंग में तैनात यूरोपीय राजनयिकों को तलब किया।

जापानी प्रधानमंत्री किशिदा ने पेलोसी से मुलाकात की, चीन के अभ्यास को गंभीर समस्या बताया

एपी। तोक्यो

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने शुक्रवार को कहा कि ताइवान की ओर लक्षित चीन का सैन्य अभ्यास एक गंभीर समस्या को दिखाता है, जिससे क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा को खतरा है। दरअसल, अभ्यास के तौर पर चीन द्वारा दागी गई पांच बैलिस्टिक मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरीं। किशिदा ने अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी और कांग्रेस के उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ सुबह के नाश्ते के बाद कहा कि मिसाइल प्रक्षेपणों को तुरंत रोके जाने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि ताइवान पर अपना दावा जताने वाले चीन ने पेलोसी की यात्रा को उकसावा बताया था और बृहस्पतिवार को ताइवान के आसपास के छह क्षेत्रों में मिसाइल दागने समेत सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया था। उसने धमकी दे रखी है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह ताइवान पर बलपूर्वक कब्जा जमा लेगा। पेलोसी ने बुधवार को ताइपे में कहा था कि स्व-शासित द्वीप तथा दुनिया में कहीं भी लोकतंत्र के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता अटल है। जापान के रक्षा मंत्री नुबुओ किशी ने कहा कि जापान के मुख्य द्वीप के सुदूर दक्षिण में स्थित हातेरुमा में बृहस्पतिवार को पांच मिसाइलें गिरीं। उन्होंने कहा कि जापान ने यह कहते हुए चीन के समक्ष विरोध दर्ज कराया है कि मिसाइलों से जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा और जापानी लोगों की जिंदगियों को खतरा है, जिसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। जापान के विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी ने कहा कि चीन के कदम क्षेत्र तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय में शांति एवं स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं तथा हम सैन्य अभ्यास को तत्काल रोके जाने की मांग करते हैं। हयाशी कंबोडिया में एक क्षेत्रीय बैठक में भाग ले रहे हैं। किशिदा ने कहा कि शुक्रवार को सुबह के नाश्ते पर पेलोसी और कांग्रेस के उनके प्रतिनिधिमंडल ने चीन, उत्तर कोरिया और रूस को लेकर अपनी साझा सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की तथा ताइवान में शांति एवं स्थिरता के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई।

पेलोसी की ताइवान यात्रा की प्रतिक्रिया में चीन ने जलवायु परिवर्तन, सैन्य मुद्दों पर वार्ता रोकी

बीजिंग। अमेरिकी प्रतिनिधिसभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की हालिया ताइवान यात्रा की प्रतिक्रिया में चीन ने जलवायु परिवर्तन, सैन्य मुद्दों, मादक पदार्थ रोधी प्रयासों पर अमेरिका के साथ वार्ता को स्थगित अथवा रद्द करने की घोषणा की। चीन ने पेलोसी की ताइवान यात्रा का विरोध जताते हुए अमेरिका को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी, जिसके बाद बीजिंग का यह कदम शुक्रवार को सामने आया है। चीन, ताइवान के अपना क्षेत्र होने का दावा करता है। पेलोसी की यात्रा के बाद चीन ने ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास तेज कर दिए थे। रक्षा अधिकारियों ने सरकारी मीडिया से कहा कि ताइवान पर मिसाइल भी दागी गई थी। चीन विदेशी सरकारों के साथ ताइवान के किसी भी तरह के संबंधों का विरोध करता है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सैन्य समुद्री सुरक्षा पर बातचीत के साथ-साथ क्षेत्रीय कमांडरों और रक्षा विभाग के प्रमुखों के बीच वार्ता रद्द रहेगी।

अमेरिका ने ताइवान में चीन के उकसावे वाले सैन्य अभ्यास की निंदा की

वाशिंगटन। अमेरिका ने ताइवान के आसपास चीन के उकसावे वाले सैन्य अभ्यास की निंदा की और इसे गैरजिम्मेदाराना कृत्य बताया, जो ताइवान जलडमरूमध्य और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के उसके दीर्घकालिक लक्ष्य के विपरीत है। गौरतलब है कि चीनी सेना ने अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइपे की ऐतिहासिक यात्रा के जवाब में बृहस्पतिवार को चार दिवसीय युद्धाभ्यास शुरू किया और ताइवान जलडमरूमध्य में मिसाइलें दागी। पेलोसी ने चीन के कड़े विरोध के बावजूद ताइवान की यात्रा की थी। सामरिक संचार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के समन्वयक जॉन किर्बी ने बृहस्पतिवार को यहां पत्रकारों से कहा, चीन ने रातभर ताइवान की ओर लगभग 11 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी, जो द्वीप के उत्तरपूर्व, पूर्व और दक्षिणपूर्व क्षेत्र में गिरी।

ब्रिटेन प्रधानमंत्री चुनाव : ऋषि सुनक ने टीवी बहस में मतदाताओं का समर्थन हासिल किया

भाषा। लंदन

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल ऋषि सुनक ने टेलीविजन पर हुई आमने-सामने की बहस में कंजर्वेटिव पार्टी की अपनी प्रतिद्वंद्वी लिज ट्रस को पछाड़ते हुए दर्शकों का समर्थन हासिल कर लिया। स्काई न्यूज पर बृहस्पतिवार रात को बैटल फॉर नंबर 10 बहस में कंजर्वेटिव पार्टी के दोनों उम्मीदवारों ने उन सदस्यों को रिझाने की कोशिश की, जो चुनाव में वोट डालने के योग्य हैं, लेकिन जिन्होंने अभी यह निर्णय नहीं लिया है कि वे किसे वोट देंगे।

पूर्व वित्त मंत्री सुनक और विदेश मंत्री ट्रस ने इस पर अपनी-अपनी दलीलें रखी कि 10 डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटिश प्रधानमंत्री का आवास व कार्यालय) में बोरिस जॉनसन के स्थान पर उन्हें क्यों होना चाहिए। बहस में दर्शकों के तौर पर शामिल हुए कंजर्वेटिव सदस्यों को यह बताने के लिए कहा गया कि कौन बहस जीता तथा उन्होंने हाथ उठाकर सुनक के पक्ष में फैसला दिया। यह जीत भारतीय मूल के पूर्व ब्रिटिश मंत्री के लिए मनोबल बढ़ाने वाली है जो हाल में हुए ज्यादातर जनमत सर्वेक्षणों में ट्रस से पीछे चल रहे थे। एक सदस्य एवं मतदाता ने जब सुनक के समक्ष मतदान के आंकड़ों को रखते हुए पूछा कि क्या वह किसी भी चरण में प्रधानमंत्री पद की दौड़ से बाहर होने की योजना बना रहे हैं, इस पर सुनक ने कहा, त्वरित जवाब है नहीं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं उस चीज के लिए संघर्ष कर रहा हूं जिस पर मुझे भरोसा है और मैं अपने विचार पूरे देश में प्रसारित कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं इस अभियान के अंतिम दिन तक और एक-एक मत के लिए संघर्ष करने जा रहा हूं। दांव वाकई बहुत ऊंचा है। जब उनसे पूछा गया कि आखिर इतने सारे पार्टी के वरिष्ठ सदस्य और आंकड़े लिज ट्रस को तरजीह क्यों दे रहे हैं, सुनक ने कहा, संसदीय प्रक्रिया के प्रत्एक चरण में मुझे व्यापक और सबसे अधिक समर्थन मिला है। उन्होंने कहा, हम सभी एक टीम हैं, हम एक परिवार की तरह हैं, इसके बाद हम एकसाथ होंगे और अगला चुनाव भी जीतेंगे, क्योंकि यही वास्तविक इनाम होगा।

अमेरिका में भारतीय नागरिक ने बुजुर्गों को ठगने का जुर्म किया स्वीकार

वाशिंगटन। यहां रह रहे एक भारतीय नागरिक ने अमेरिकी बुजुर्गों को ठगने का जुर्म स्वीकार कर लिया है। आशीष बजाज (29) को अधिकतम 20 साल तक की सजा हो सकती है। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, अप्रैल 2020 से अगस्त 2021 तक बजाज और उसके कुछ साथियों ने खुद को विभिन्न बैंकों, ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं तथा ऑनलाइन भुगतान कंपनियों का धोखाधड़ी निवारण विशेषज्ञ बताते हुए अमेरिका के बुजुर्ग नागरिकों को निशाना बनाया। दस्तावेजों के अनुसार, बजाज और उसके साथियों ने बुजुर्ग लोगों को अपने बैंक खातों से बजाज और अन्य द्वारा नियंत्रित खातों में पैसे भेजने के लिए कहा और कथित स्टिंग ऑपरेशन के कुछ दिन बाद उनके पैसे वापस करने का झूठा वादा किया। पीड़ितों ने उनकी बातों में आकर पैसे स्थानांतरित किए। ए पैसे भारत, चीन, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात स्थित विभिन्न बैंकों में भेजे गए।

क्विक न्यूज

अमेरिका ने मंकीपॉक्स को लेकर जन स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित की

वाशिंगटन। अमेरिका ने तेजी से फैल रहे मंकीपॉक्स को लेकर बृहस्पतिवार को जन स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दी, ताकि इससे निपटने के प्रयास तेज किए जा सकें। देश में 7,100 से अधिक लोग इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। इस घोषणा से इस संक्रामक रोग से निपटने के लिए संघीय धन एवं संसाधनों को जुटाने में मदद मिलेगी। बुखार, शरीर में दर्द, ठंड लगना, थकान और शरीर पर कई जगह फोड़े होना इस बीमारी के लक्षण है। अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्रालय के प्रमुख जेवियर बेसेरा ने कहा, हम इस वायरस से निपटने की अपनी तैयारियों को अगले स्तर पर ले जाने को तैयार है और हम हर अमेरिकी से मंकीपॉक्स को गंभीरता से लेने का आग्रह करते हैं। मंकीपॉक्स रोधी टीकों की उपलब्धता को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन की आलोचना के बीच यह घोषणा की गई है। न्यूयार्क और सैन फ्रांसिस्को जैसे बड़े शहरों के स्वास्थ्य केंद्रों का कहना है कि उन्हें पर्याप्त संख्या में दो खुराक वाले ए टीके नही मिले है। कुछ को तो पहली खुराक की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दूसरी खुराक देना बंद करना पड़ा।

यूक्रेनी बंदरगाहों से अनाज के साथ तीन और पोत रवाना

इस्तांबुल। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अनाज के साथ तीन और पोत यूक्रेनी बंदरगाहों से रवाना हो गए हैं और ए निरीक्षण के लिए तुर्की पहुंचेंगे। तीनों पोत में कुल 58,000 टन मक्का लदा है। यूक्रेन से युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार इस सप्ताह की शुरुआत में अनाज लदे जहाजों का प्रस्थान हुआ। इन जहाजों ने युद्धकालीन सौदे के तहत काला सागर को पार किया और बुधवार को इस्तांबुल में सफलतापूर्वक निरीक्षण संपन्न होने के बाद लेबनान के लिए रवाना हो गए। यूक्रेन दुनिया के मुख्य ब्रेडबास्केट में से एक है। वहां से अनाज निर्यात रुकने से खाद्य कीमतों में तेज वृद्धि के साथ वैश्विक स्तर पर भुखमरी के संकट की आशंका भी बढ़ रही थी। फिलहाल हजारों टन अनाज पोत के जरिए रवाना किया गया है, लेकिन यह यूक्रेन में अटके दो करोड़ टन अनाज का एक छोटा सा भाग है। यूक्रेन के मुताबिक उसके अनाज भंडारों और बंदरगाहों में अटके अनाज को निकाला जाना चाहिए ताकि नई फसल के लिए जगह बन सके।

मोदी सात अगस्त को नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात अगस्त को नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान फसल विविधीकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होगी। बयान के अनुसार, स्थिर, टिकाऊ और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में नीति आयोग की सातवी प्रशासनिक परिषद की बैठक केंद्र और राज्यों । केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहयोग और सहकार के एक नए युग की दिशा में तालमेल का रास्ता खोलेगी। बयान में कहा गया है कि बैठक में जी-20 मंच पर प्रगति को रेखांकित करने में राज्यों की भूमिका पर भी जोर दिया जाएगा। नीति आयोग के शीर्ष निकाय संचालन परिषद में सभी मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल है। प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन है।

यूको बैंक का जून तिमाही का मुनाफा 22 प्रतिशत बढ़कर 123.61 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत बढ़कर 123.61 करोड़ रुपए हो गया। फंसे कर्ज में कमी से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। बैंक ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि उसने वित्त वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जून तिमाही में 101.81 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। जून तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 3,796.59 करोड़ रह गई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसकी आय 4,539.08 करोड़ रुपए रही थी। कोलकाता मुख्यालय वाले बैंक की इस साल 30 जून तक सकल गैर-निष्पादित अस्तियां (एनपीए) घटकर 7.42 प्रतिशत रह गई। 30 जून, 2021 तक यह 9.37 प्रतिशत पर थी।

कलरबार कर्मचारियों को देगा इंसेंटिव

नोएडा। कलरबार कॉस्मेटिक्स के प्रबन्ध निदेशक और संस्थापक समीर मोदी ने हाल ही में अपने लखनऊ दौरे के दौरान ब्राण्ड की विकास योजनाओं और सौन्दर्य बाज़ार में अपने विस्तार की योजनाओं के बारेमें जानकारी दी। प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारी,उन्मुख ब्राण्ड नेहाल ही में प्रोजेक्ट लगान का लॉन्च किया था, जिसके तहत ब्राण्ड के ब्यूटी अडवाइज़रजो ब्राण्ड के साथ 5 साल से अधिक समय पूरा कर चुके हैं, उन्हें कलरबार की सफलता कीकहानी में योगदान देने के लिए रु 50,000 वैडिंग सगन के रूप में उपहारस्वरूप दिए गए। महामारी की अनिश्चितताओं के बावजूद ब्राण्ड के ब्यूटी अडवाइज़र्स ने पिछले एक साल केदौरान क्षेत्र में 45 फीसदी विकास किया है। कलरबार कॉस्मेटिक्स के प्रबन्ध निदेशक और संस्थापक समीर मोदी ने कहा कि कलरबार अपने प्रोडक्ट्स के साथ देश के सौन्दर्य उद्योग को निरंतर नया आयाम देता रहा है। इस विस्तार के साथए हमज़्यादा से ज़्यादा मेकअप प्रेमियों तक पहुंचना चाहते हैं और लखनऊ शहर में विस्तार जारी रखते हुए ब्राण्ड की सुलभता को बढ़ाना चाहते हैं

न्यायालय का सेबी को निर्देश, शेयर अधिग्रहण मामले में रिलायंस को दस्तावेज मुहैया कराएं

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को शेयर अधिग्रहण मामले से जुड़े दस्तावेज मुहैया कराने का आदेश दिया है। रिलायंस को बड़ी राहत प्रदान करते हुए मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि बाजार नियामक का काम निष्पक्ष रूप से कार्य करने का है। पीठ ने साथ ही बाजार नियामक को रिलायंस को वे दस्तावेजों मुहैया करने के लिए कहा, जो कंपनी के दोषमुक्त होने का दावा करते है। मुख्य न्यायाधीश ने रिलायंस की अपील को मंजूर करते हुए कहा, सेबी एक नियामक है और उसका काम निष्पक्ष रूप से कार्य करने का है। नियामक को निष्पक्षता दिखानी होगी। हम इसकी अनुमति देते है और सेबी को आरआईएल द्वारा मांगे गए दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश देते है।

लुम्बा राखियों का विशेष संग्रह

बंगलुरू। भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा समूह का एक हिस्सा तनिष्क ने आने वाले रक्षाबंधन त्यौहार को सुनहरा बनाने के लिए एक्सक्लूसिव राखी कलेक्शन प्रस्तुत किया है। भाई-बहन और बहन-भाभी के बीच के प्यार और रक्षा की भावना को और भी मज़बूत करने वाले त्यौहार की अहमियत को समझते हुए तनिष्क ने लुम्बा राखियों का एक स्पेशल कलेक्शन पेश किया है। तनिष्क के वर्सटाइल राखी,कम,पेंडेंट्स ननंद और भाभी के खूबसूरत रिश्ते को अनोखा बना देंगी। रक्षाबंधन के लिए खास तौर पर बनाए गए इस नए कलेक्शन की प्रेरणाउन पौराणिक प्रतीकों और चिन्हों से ली गयी हैए जो रक्षाए आशा और शुभ लाभ के सबसे शक्तिशाली प्रतीक माने जाते हैं।

शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 89 अंक चढ़ा

भाषा। मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों के दोनों मानक सूचकांक शुक्रवार को वैश्विक बाजारों के मिले-जुले रुख और नीतिगत ब्याज दर में बढ़ोतरी के फैसले के बीच हल्की बढ़त लेकर बंद हुए। कारोबारियों ने कहा कि पूंजी बाजारों में विदेशी पूंजी की आवक बनी रहने और कच्चे तेल के दाम में नरमी से भी सेंसेक्स और निफ्टी को समर्थन मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 89.13 अंक यानी 0.15 प्रतिशत बढ़कर 58,387.93 अंक पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में एक समय 350.39 अंक की तेजी भी दर्ज की गई थी। हालांकि, अंतिम घंटे में काफी उतार-चढ़ाव रहा लेकिन सेंसेक्स हल्की बढ़त बनाए रखने में सफल रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 15.50 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की हल्की बढ़त के साथ 17,397.50 अंक पर बंद हुआ।

बाजार की गतिविधियों पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से नीतिगत दर में वृद्धि की घोषणा का भी असर पड़ा। आरबीआई ने रेपो दर को 0.50 प्रतिशत बढ़ाकर 5.40 प्रतिशत कर दिया है जो बीते तीन महीनों में की गई तीसरी बढ़ोतरी है। महामारी आने के पहले फरवरी, 2020 में रेपो दर 5.15 प्रतिशत थी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह संकेत भी दिया कि ब्याज दर में बढ़ोतरी का सिलसिला आगे भी जारी रह सकता है। मुद्रास्फीति लगातार छह प्रतिशत के सुविधाजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है और उसपर काबू पाने के लिए आरबीआई तीन महीने में रेपो दर में कुल 1.40 प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स के मुख्य अर्थशास्त्री एवं कार्यकारी निदेशक सुजन हाजरा ने कहा, रिजर्व बैंक की तरफ से रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा मोटे तौर पर मान्य अपेक्षाओं के अनुरूप ही है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से अल्ट्राटेक सीमेंट सर्वाधिक 2.86 प्रतिशत की मजबूती पर रहा। आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, पावरग्रिड, इन्फोसिस, विप्रो और एक्सिस बैंक के भी शेयर बढ़त में रहे। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा को पहली तिमाही के नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं होने से 2.04 प्रतिशत का नुकसान उठाना पड़ा। मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, एसबीआई और टाटा स्टील के शेयर भी घाटे में रहे। सेंसेक्स में इस हफ्ते कुल 817.68 अंक यानी 1.42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं निफ्टी में इस दौरान 239.25 अंक यानी 1.39 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (तकनीकी शोध) अमोल अठावले ने कहा, मौद्रिक नीति का दबाव पीछे होने के बाद अब चीन एवं ताइवान के बीच के तनाव पर ध्यान बना रहेगा। इस इलाके में हालात बिगड़ने पर पूरी दुनिया में घबराहट फैल सकती है। व्यापक बाजार में बीएसई स्मॉलकैप 0.23 प्रतिशत की बढ़त पर रहा जबकि मिडकैप 0.09 प्रतिशत चढ़ा। वैश्विक बाजारों का रुख मिला-जुला रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में दोपहर के सत्र में गिरावट देखी गई। एक दिन पहले बृहस्पतिवार को अमेरिकी बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत चढ़कर 94.29 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

धार्मिक, परमार्थ संस्थान संचालित सरायों के कमरों पर जीएसटी नहीं लगेगा: सीबीआईसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि धार्मिक और परमार्थ संस्थानों द्वारा संचालित सरायों के कमरे के किराए या संपत्तियों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) नहीं लगेगा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी)बृहस्पतिवार को कमरों के किराए पर जीएसटी को लेकर भ्रम दूर करने के लिए यह स्पष्टीकरण जारी किया था। वित्त मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण आप सांसद राघव चड्ढा समेत विभिन्न तबकों की मांग के बाद आया है कि धार्मिक संस्थानों के कमरों के किराए पर जीएसटी को वापस लिया जाए। चड्ढा ने बृहस्पतिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के पास स्थित धार्मिक परिसरों के सरायों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने के फैसले को वापस लेने के संबंध में एक पत्र सौंपा। जीएसटी परिषद ने इस साल जून माह में फैसला किया था कि एक हजार रुपए प्रतिदिन से कम कीमत वाले होटल कमरों पर 12 प्रतिशत का कर लगाया जाएगा। 18 जुलाई, 2022 को एक हजार रुपए से कम किराए वाले कमरे पर जीएसटी प्रस्ताव के लागू होने के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) द्वारा संचालित कुछ सरायों ने एक हजार रुपए से कम किराए वाले कमरों के लिए जीएसटी जुटाना शुरू कर दिया था। जीएसटी परिषद की सिफारिश पर।,000 रुपए किराए वाले होटल कमरों को पहले की छूट श्रेणी से 12 प्रतिशत के जीएसटी स्लैब के तहत लाया गया था। वित्त मंत्रालय के तहत सीबीआईसी ने कई ट्वीट कर कहा कि धार्मिक और परमार्थ संस्थानों द्वारा संचालित सरायों के कमरे के किराए पर जीएसटी लागू नहीं होगा।

अब एनआरआई भारत बिल भुगतान प्रणाली के जरिए कर सकेंगे बिलों का भुगतान

भाषा। मुंबई

प्रवासी भारतीय (एनआरआई) अब भारत में अपने परिवार के सदस्यों की ओर से भारत बिल भुगतान प्रणाली के जरिए बिजली, पानी जैसी सुविधाओं और स्कूल, कॉलेज की फीस का भुगतान कर सकेंगे। भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) से करीब 20,000 बिल भेजने वाली इकाइयां जुड़ी हैं। इस प्रणाली पर मासिक आधार पर आठ करोड़ लेनदेन होते हैं।

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजों की घोषणा करते हुए शुक्रवार को कहा कि बीबीपीएस ने भारत में प्रयोगकर्ताओं के बिल भुगतान के अनुभव को बदला है। अब इसमें सीमापार से बिल भुगतान की प्रणाली को भी शुरू किया जा रहा है। गवर्नर ने कहा, इससे एनआरआई भारत में अपने परिवारों की ओर से बिजली, पानी के बिलों का भुगतान कर सकेंगे। साथ ही इसके जरिए वह शिक्षा से जुड़े शुल्कों का भी भुगतान कर पाएंगे। दास ने कहा कि इससे विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को काफी फायदा होगा। केंद्रीय बैंक ने बयान में कह कि इस फैसले से बीबीपीएस मंच से जुड़े अन्य बिल भेजने वाली इकाइयों के बिलों का भी भुगतान किया जा सकेगा। केंद्रीय बैंक जल्द इस बारे में आवश्यक निर्देश जारी करेगा। दास ने मुंबई इंटरबैंक आउटरेट रेट (मिबोर) आधारित ओवरनाइट इंडेक्स स्वैप (ओआईएस) अनुबंधों के लिए वैकल्पिक मानक दर तय करने की संभावना के अध्ययन को एक समिति के गठन की भी घोषणा की है। इसका विदेशी बाजार में ब्याजदर डेरिवेटिव्स (आईआरडी) के रूप में व्यापक इस्तेमाल होता है। रिजर्व बैंक द्वारा भागीदारों के आधार में विविधता और नए आईआरडी मध्यमों के लिए कदम उठाने से मिबोर आधारित डेरिवेटिव अनुबंध का इस्तेमाल बढ़ा है।

आरईसी का पहली तिमाही का मुनाफा आठ प्रतिशत बढ़ा

भाषा। नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की आरईसी लिमिटेड का 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 2,454.16 करोड़ रुपए रहा है। खर्च घटने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। वित्त वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी को 2,268.66 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय घटकर 9,506.06 करोड़ रुपए रह गई जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 9,555.45 करोड़ रुपए थी। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का कुल खर्च भी कम होकर 6,556.09 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले समान तिमाही में यह 6,769.62 करोड़ रुपए था। कंपनी ने एक अलग बयान में बताया कि 30 जून, 2022 तक उसके द्वारा दिया गया कर्ज बढ़कर 3.88 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

क्रेडिट सूचना देने वाली कंपनियों को ओम्बुड्समैन के दायरे में लाएगा रिजर्व बैंक

भाषा। मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने व्यक्तियों और कंपनियों के कर्ज के बारे में सूचना देने वाली कंपनियों (सीआईसी) में शिकायतों के समाधान की व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए उन्हें आंतरिक ओम्बुड्समैन के दायरे में लाने का निर्णय किया है। रिजर्व बैंक-एकीकृत ओम्बुड्समैन योजना (आरबीआई-आईओएस) से ग्राहक शिकायत निपटान व्यवस्था बेहतर हुई है। आरबीआई ने विकासात्मक और नियामकीय नीतियों के तहत शुक्रवार को बयान में कहा कि आरबी-आईओएस के तहत शिकायत निपटान में लगने वाले समय में काफी कमी आई है। द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, सीआईसी के भीतर शिकायत निपटान व्यवस्था को मजबूत करने को लेकर अब इन कंपनियों को आंतरिक ओम्बुड्समैन के दायरे में लाने का निर्णय किया गया है। रिजर्व बैंक एकीकृत ओम्बुड्समैन योजना (आरबी-आईओएस), 2021 के तहत फिलहाल शहरी सहकारी बैंकों समेत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और 50 करोड़ रुपए और उससे ऊपर के जमा वाले गैर-अनुसूचित प्राथमिक सहकारी बैंक आते हैं। रिजर्व बैंक ने कहा, आरबी-आईओएस को और अधिक व्यापक बनाने के लिए क्रेडिट सूचना कंपनियों को इसके दायरे में लाने का निर्णय लिया गया है। यह इन कंपनियों के ग्राहकों को उसके खिलाफ शिकायतों के समाधान के लिए लागत मुक्त वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान करेगा। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि इसके अलावा आंतरिक स्तर पर शिकायतों के समाधान की व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सीआईसी को आंतरिक ओम्बुड्समैन के दायरे में भी लाने का निर्णय किया गया है। आउटसोर्सिंग के बारे में केंद्रीय बैंक ने कहा कि नियमित इकाइयां (शहरी सहकारी बैंक समेत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां आदि) लागत कम करने और विशेषज्ञ सेवा लेने के लिए आउटसोर्सिंग का सहारा ले रही हैं।

बाजार पर रक्षा बंधन का असर

मुंबई। भारतीय सौंदर्य बाजार ने खासतौर से चुनी हुई राखियां और कॉम्बो ऑफर्स की पेशकश की है। शॉप्सी बाय फ्लिपकार्ट पर तरह-तरह की किफायती फैंसी और मंहगी तथा साधारण किस्म की राखियां सभी के लिए उपलब्ध हैं जिनकी कीमत सिर्फ 39 रु से शुरू हो रही है ब्रेसलैट राखियां पारंपरिक राखी को आधुनिकता और टिकाऊ बनाने वाली ब्रेसलैट राखियां किसी कूल एक्सेसरी की तरह हैं इन राखियों को भाइयों की कलाइयों पर बांधकर आप न सिर्फ स्टाइल कोशेंट बढ़ाते हैं बल्कि यह संदेश भी देते हैं कि भाई-बहन का रिश्ता अटूट और अमर है। राखी एवं चॉकलेट कॉम्बो यह गूरमे च्वॉइस उन भाई,बहनों के लिए अच्छा् विकल्प है जिन्हें इस त्योंहार पर चॉकलेट का स्वाद भी लुभाता है। इसमें ढेरों विकल्प मौजूद हैं और अपनी पसंद की राखियां और चॉकलेट खरीद सकते हैं यहां तक कि आप अपनी पसंद के मुताबिक कॉम्बो को कस्टमाइज़ भी कर सकते हैं डिजाइनर राखियां एलीगेंस से भरपूर ये राखियां आपके उन भाइयों के लिए उपयुक्त हैं जिन्हें काफी चमक.धमक पसंद आती है।

आजादी को बचाने व देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सभी की: डीएम

● हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने किया जन जागरूकता रैली का शुभारम्भ

संवाददाता। बांदा

आदर्श बजरंग इण्टर कालेज बाँदा में देश की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को जन जागरूकता रैली का शुभारम्भ अनुराग पटेल जिलाधिकारी बाँदा द्वारा किया गया। जिलाधिकारी का स्वागत विद्यालय के प्रधानाचार्य मेजर मिथलेश कुमार पाण्डेय ने बैच लगाकर किया।

विद्यालय प्रांगण में हाथों में तिरंगा लेकर देश भक्ति की भावना के साथ उपस्थित लगभग 3500 छात्रों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि हमारे देश की आजादी के लिए अनेक क्रान्तिकारियों ने बलिदान दिया जिनके कारण आज हम आजादी की सांस ले रहे हैं। इस आजादी को बचाने एवं देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। विशेषकर युवाओं को अधिक जागरुक रहने की आवश्यकता है। इस अभियान के तहत सभी नागरिक 11 अगस्त से 17 अगस्त तक अपने घरों में तिरंगा फहरायें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के सभी नागरिकों को राष्ट्र भक्ति की भावना से ओत.प्रोत करना है। हर घर तिरंगा अभियान के तहत जनपद बांदा का 4 लाख 84 हजार तिरंगा फहराने का लक्ष्य निर्धारित है। उन्होंने कहा कि इस रैली में बच्चों के उत्साह को देखकर मुझे आशा ही नहीं अपितु विश्वास है कि हम सभी मिलकर जनपद बांदा में हर घर तिरंगा अभियान के तहत शासकीय भवनों, विद्यालयों, सरकारी/निजी चिकित्सालयों, उन सभी शासकीय/निजी भवनों में 5 लाख से अधिक तिरंगा फहरायेंगे।

तिरंगा रैली में छात्रों को विद्यालय की ओर से राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया गया। ष्झण्डा ऊंचा रहे हमारा विजयी विश्व तिरंगा प्याराष्ष् गीत के साथ झण्डा लहराते हुए छात्रों की रैली आदर्श बजरंग इण्टर कालेज बाँदा से पीली कोठीए स्टेशन रोडए छावनीए रामलीला मैदानए महेश्वरी देवीए कैथी बाजारए बाबू लाल चौराहा होते हुए विद्यालय प्रांगण में समाप्त हुयी।

अमरोहा में मृत गायों की संख्या 60 पहुंची कमेटी करेगी जांच

● आश्रय स्थल के प्रभारी ग्राम विकास अधिकारी को किया गया निलंबित

भाषा। अमरोहा

जिले के हसनपुर क्षेत्र में एक गो आश्रय स्थल में पिछले 24 घंटों में और छह गायों की मौत होने के कारण ही शुक्रवार को मृत गायों की संख्या 60 पहुंच गई। गायों की मृत्यु की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को इस घटना की जांच का आदेश दिया था और पशुपालन मंत्री धरम पाल सिंह को अमरोहा पहुंचने का निर्देश दिया था। मंत्री धरम पाल सिंह और पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और आईवीआरआई से पशु विशेषज्ञ और जिला के वरिष्ठ अधिकारी शुक्रवार को घटनास्थल पर मौजूद थे।

जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि बृहस्पतिवार की शाम को गो आश्रय स्थल पर चारा खाने के बाद गाएं बीमार पड़ गई और शुक्रवार सुबह तक 60 गायों की मौत हो चुकी है। इस आश्रय स्थल में 180 से अधिक गाएं हैं। मंत्री धरम पाल सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री के निर्देश के मुताबिक पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और मुरादाबाद क्षेत्र सहित एक तीन सदस्ईय कमेटी को इस मामले की जांच सौंपी गई है। इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। जिलाधिकारी के मुताबिक, गो आश्रय स्थल ने ताहिर नाम के व्यक्ति से चारा खरीदा था। ताहिर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। आश्रय स्थल के प्रभारी ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। अमरोहा के पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगेह ने कहा कि इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए चार टीमें बनाई गई हैं और पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

क्विक न्यूज

फेसबुक पर 70 लाख की रंगदारी मांगने वाला गिरफ्तार

गोंडा। पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर के निर्देश पर अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना तरबगंज व सर्विलांस/साइबर सेल की संयुक्त टीम ने फेसबुक के माध्यम से रंगदारी मांगने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस दौरान उसके पास से एक लैपटॉप, दो मोबाइल व बारह सौ रुपए बरामद नगद बरामद किया है। यह जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक श्री तोमर ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति कुलदीप सिंह पुत्र मनोज कुमार सिंह निवासी महाराजा अग्रसेन नगर, सीतापुर रोड, लखनऊ द्वारा जिले के थाना तरबगंज क्षेत्र के निवासी रामू सिंह से फेसबुक के माध्यम से उसके लड़के की सलामती हेतु 70 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई थी। जिसकी जानकारी होने पर मामले के अनावारण हेतु थाना तरबगंज, सर्विलांस सेल व साइबर सेल की टीम को लगाया गया था। पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में अभियुक्त को गिरफ्तार कर थाना तरबगंज में अभियोग दर्ज कर उसे न्यायालय रवाना कर दिया गया है। गिरफ्तारकर्ता टीम में उ0नि0 कामेश्वर मय पुलिस टीम, क्राइम ब्रांच के हृदय नारायण दीक्षित एवं साइबर सेल के हरिओम टंडन शामिल हैं।

विद्युत की चपेट में आकर मजदूर की मौत

करनैलगंज-गोंडा। मैजापुर चीनी मिल में ट्रैक्टर ट्रॉली से ईंट गिराने गए मजदूर की विद्युत करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। घटना कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत परसा गोंड़री के मजरा मंगलपुरवा से जुड़ा है। यहां के निवासी राहुल शुक्ला 22 की मैजापुर चीनी मिल में करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के परिवार वालों के अनुसार राहुल शुक्ला परसा गोंड़री स्थित भट्ठे पर श्रमिक रूप में कार्य कर रहा था। गुरुवार को मैजापुर मिल में वह ट्रेक्टर ट्राली के साथ ईंट उतारने गया था। मिल के अन्दर ट्राली धंस गयी। जिसे वह निकालने का प्रयास करने के लिये नीचे उतर रहा था, विद्युत तार की चपेट में आकर गम्भीर रूप से जख्मी हो गया। मिल के सिक्योरिटी गार्ड ने तत्काल उसे सीएचसी कटरा बाजार पहुँचाया। जहां चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौके पर पहुंचे विधायक बावन सिंह ने पीड़ित परिजनों को सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

विरवा बभनी गौशाला का डीएम ने किया निरीक्षण

गोंडा। शुक्रवार को जिलाधिकारी डॉ0 उज्ज्वल कुमार ने विकासखंड झंझरी के अंतर्गत विरवा बभनी के गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में संरक्षित सभी गायों को मिलने वाली व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही गौशाला के भूसा बैंक, रोटी बैंक, चारा मैदान, पेयजल, विद्युत व्यवस्था तथा संक्षिप्त गायों के रहने के स्थानों का भी निरीक्षण किया, तथा वहां पर उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी झंझरी एवं मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि गौशाला में संरक्षित गायों के हरे चारे की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था एवं टैगिंग आदि सभी व्यवस्थायें ठीक होनी चाहिए तथा गायों को गुड़ खिलाया और कहा कि सभी गायों का विशेष ध्यान रखा जाय। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, उप जिलाधिकारी सदर विनोद कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी रविंद्र सिंह राठौर, खंड विकास अधिकारी झंझरी, ग्राम पंचायत अधिकारी, संबंधित गांव के लेखपाल, ग्राम प्रधान सहित अन्य सभी लोग उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन परियोजना निर्धारित समयावधि में कराएं पूर्णः आयुक्त

गोंडा। आयुक्त देवीपाटन मंडल एमपी अग्रवाल ने जल जीवन मिशन योजना की मंडलीय समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था पी.एन.सी.-एस.पी.एम.एल. (जेवी) आगरा व लारसन एंड टुब्रो, चेन्नई के सदस्यों को भी निर्देश दिया कि वे सभी कार्य व परियोजनाओं की वास्तविक प्रगति की आख्या अपने स्तर से उपलब्ध कराएं। आयुक्त ने कार्यदायी संस्थाओं को आवंटित लक्ष्य को न पूर्ण किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कार्य परियोजनाओं को गुणवत्ता व समयबद्धता के साथ पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं सहित समस्त अवर अभियंताओं को निर्देश दिया कि एक-एक कार्य बिंदुओं की समस्या के मूल में जाएं जिससे अपेक्षित कार्य प्रगति क्यों नहीं है, उसकी जानकारी हो सके व समाधान भी सुनिश्चित करें। कहा कि यह सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है जो आमजन की सुविधाओं से जुड़ी है। इस योजना के तहत पाइप लाइन से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। अतः इसमें किसी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही कदापि नहीं होनी चाहिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोंडा गौरव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बलरामपुर संजीव कुमार मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी श्रावस्ती, जिला विकास अधिकारी बहराइच महेंद्र कुमार पांडेय, अधीक्षण अभियंता सौरभ सुमन तथा समस्त अधिशासी अभियंता, कार्यदायी संस्था व सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दहेज हत्या के दोषी दंपति को आजीवन कारावास

बलिया। बलिया जिले की स्थानीय अदालत ने एक विवाहिता की दहेज हत्या के 11 साल पुराने मामले में दंपति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन विभाग के संयुक्त निदेशक सुरेश पाठक ने बृहस्पतिवार को बताया कि जिले के सुखपुरा थाना क्षेत्र के चंदुकी गांव के राम जी वर्मा ने 23 जून 2006 को अपनी 26 वर्षीय पुत्री संगीता का विवाह बलिया कोतवाली क्षेत्र के सत्यनारायण के साथ किया था। उन्होंने बताया कि शादी के बाद से ही संगीता को दहेज में मोटरसाइकिल लाने के लिए प्रताड़ित किया जाता था। संगीता की 17 मई 2011 को आग में झुलसकर मौत हो गई थी। घटना के समय संगीता का पति मजदूरी करने गया था। इस मामले में संगीता के पिता की शिकायत पर बलिया शहर कोतवाली में संगीता के जेठ राज नारायण और जेठानी कमली देवी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच के बाद दोनों आरोपियों के विरुद्ध अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। अपर जिला न्यायाधीश प्रशांत बिलगैयो की अदालत ने बृहस्पतिवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जेठ और जेठानी को दोषी करार देते हुए दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 35 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

बिजनौर में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु

बिजनौर। बिजनौर जिले में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार की रात थाना चांदपुर के सेधवार में जलीलपुर मार्ग पर आधारशिला स्कूल के पास एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई, जिससे कार में सवार जितेन्द्र (41), मिश्री (40) और विपिन (38) की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में घायल विजयपाल और समरपाल को सीएचसी चांदपुर में भर्ती कराया गया है।

विचाराधीन कैदी की मृत्यु के मामले में जेलर और वार्डर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

अंबेडकरनगर। जिला जेल में विचाराधीन कैदी रामसागर (40) की मृत्यु के संबंध में जेल के जेलर और वार्डर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। रामसागर लूट और हत्या के प्रयास के मामले में पांच जुलाई से इस जेल में बंद था और एक अगस्त को जेल में उसकी मृत्यु हो गई थी। उसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह पुष्टि हुई है कि उसकी मौत सिर में चोट लगने की वजह से हुई थी। रामसागर की पत्नी ने आरोप लगाया है कि उसके पति की तेज धारदार हथियार से हत्या की गई है। अंबेडकर नगर के पुलिस अधीक्षक अजित सिन्हा ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की है और कहा है कि विचाराधीन कैदी की पत्नी की शिकायत पर जेलर और वार्डर के खिलाफ हत्या का मामला बुधवार को दर्ज किया कर लिया। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है और कानून के मुताबिक न्यायिक जांच भी कराई जाएगी।

प्रेम-प्रसंग के चलते युवक ने जहर खाकर की आत्महत्या

चित्रकूट। कामदगिरि मुखारबिन्द आश्रम में रहकर पढाई करने वाले गोलू द्विवेदी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। आश्रम के महंत मदन गोपाल दास युवक को तत्काल अस्पताल ले गये। इलाज दौरान उसकी मृत्यु होने पर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को मर्चरी भेजा है। शुक्रवार को कामदगिरि मुखारबिन्द के महंत मदनगोपाल दास ने बताया कि पहाडी थाना क्षेत्र के नांदी गांव के गोलू द्विवेदी व उसका भाई रामदयाल आश्रम में रहकर पढाई करते थे। इनके बाबा पहले मन्दिर में पूजा-पाठ करते थे। उन्ही के समय से यह दोनों भाई भी यहां रहते थे। गुरुवार को दोपहर गोलू अपने कमरे में प्रेम प्रसंग के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। पता चलते ही जानकीकुण्ड अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने गम्भीर हालत देखकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में एक घंटे इलाज के बाद हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने प्रयागराज रेफर किया। देर रात प्रयागराज ले जाते समय यमुना पुल के पास गोलू की मृत्यु हो गई। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि युवक ने प्रेम प्रसंग के चलते आत्महत्या की है।

ब्लाक क्षेत्र के अन्ना मवेशियों को गौशाला में बंद कराएं: बीडीओ

कदौरा (उरई)। अन्ना मवेशियों से किसानों को निजात दिलाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाना शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को ब्लॉक सभागार में ग्राम प्रधानों, सचिवों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बीडीओ बृजकिशोर कुशवाहा ने कहा की गांव व सड़कों में घूम रहे अन्ना पशुओं को गौशाला में संरक्षित कराए। ताकि किसानों की फसलो को कोई नुकसान न हो। उन्होंने कहा की गौशाला में प्रकाश व्यवस्था, चारा पानी, भूसे का स्टॉक, चरही, केयर टेकर, चौकीदारों की व्यवस्था को दुरुस्त रखें। पशुओं का नियमित स्वास्थ परीक्षण हो, नर मादा व छोटे बछड़ा आदि को रखने के लिए अलग से व्यवस्था की जाए।

अस्थाई धार्मिक गेट हटाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे कुंवर उदय प्रताप सिंह नजरबंद

भाषा। प्रतापगढ़

कुंडा तहसील में मोहर्म पर शेखपुर आशिक गांव में निर्मित अस्थाई धार्मिक गेट को हटाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे कुंवर उदय प्रताप सिंह को जिला प्रशासन ने शुक्रवार की सुबह उनके भदरी स्थित किले में नजरबंद कर दिया और वहां पुलिस बल तैनात कर दिया।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) सतपाल अंतिल ने बताया कि मोहर्म के त्योहार को देखते हुए जिले में धारा 144 लागू है। कानून व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए कुंडा तहसील परिसर में शेखपुर आशिक गांव में मोहर्म पर निर्मित गेट को हटाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे बाहुबली विधायक राजा भैया के पिता कुंवर उदय प्रताप सिंह को उनके भदरी गांव स्थित आवास में नजरबंद कर दिया गया है और पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। कुंवर उदय प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री को ट्वीट कर इस अस्थाई धार्मिक गेट को हटाने कि मांग की थी, लेकिन कोई कार्वाई नहीं होने पर वह दो दिन से कुंडा तहसील परिसर में अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठे थे।

जिलाधिकारी नितिन बंसल और पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने धरना स्थल पर पहुंच कर सिंह से धरना समाप्त करने की अपील की थी, लेकिन वह गेट हटाने की मांग पर अड़े रहे और उन्होंने शुक्रवार को इसके समर्थन में कुंडा बंद करने कि अपील की थी।

ताजिया निकालने को लेकर दो थाना क्षेत्रों में तनाव, भारी पुलिस बल तैनात

भाषा। पीलीभीत

पीलीभीत जिले के बरखेड़ा और पीलीभीत कोतवाली थाना क्षेत्रों में दो अलग-अलग स्थानों पर ताजिया को लेकर तनाव की स्थिति पैदा हो गई है और प्रशासन ने यहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर कड़ी चौकसी बरत रही है। बरखेड़ा थाना प्रभारी उदय वीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि थाना क्षेत्र के अमखेड़ा गांव में बृहस्पतिवार रात उस समय विवाद खड़ा हो गया जब एक समुदाय के लोगों ने गांव में नई परंपरा का हवाला देकर ताजिया निकालने का विरोध किया और हंगामा किया। उन्होंने कहा, लेकिन मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि वे पिछले सात साल से ताजिया स्थापित कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, ताजियादार मोहम्मद हुसैन ने अपना पक्ष रखा कि 2015 से लगातार ताजिया बन रहा है लेकिन पिछले दो साल से कोविड लॉकडाउन के कारण उन्हें गांव से बाहर नहीं निकाला गया। पुलिस ने कहा कि इसी वजह से दूसरे समुदाय के लोग इसे एक नई परंपरा बता रहे हैं। मोहम्मद हुसैन ने पुलिस के समक्ष यह भी तर्क दिया है कि इलाके के मुस्लिम समुदाय के लोगों की फेसबुक आईडी पर ताजिया की फोटो भी डाली है, जिसकी तारीख 12 दिसंबर 2019 है। यह तस्वीर अब वायरल हो गई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) बिलासपुर प्रशांत सिंह ने पत्रकारों से कहा कि दोनों पक्षों के लोगों से समस्या का समाधान होने तक शांति बनाए रखने की अपील की गई है। उन्होंने बताया कि तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने कहा कि दोनों पक्षों की बैठक सुबह तक चली लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। एक अन्य घटना में पीलीभीत सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मदीना शाह लाल रोड में तैयारी के दौरान स्थानीय लोग पुलिस से भिड़ गए। कोतवाली पुलिस को सड़क पर ताजिया रखने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर जाकर सड़क पर ताजिया रखने से मना कर दिया। छह अगस्त को ताजिया इमामबाड़े के बाहर रखा जाना था। आक्रोशित लोगों की पुलिस से नोकझोंक हो गई। बृहस्पतिवार की रात सड़क पर ताजिया रखने के आरोप में पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही मस्जिद ईदगाह से संबंधित एक विवाद में अगली सुनवाई 26 अगस्त को

मथुरा। शाही मस्जिद ईदगाह की इंतेजामिया कमेटी ने शुक्रवार को यहां एक स्थानीय अदालत में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही मस्जिद ईदगाह विवाद से संबंधित एक मुकदमे की सुनवाई पर सवाल उठाया। जिला शासकीय अधिवक्ता (सिविल) संजय गौड़ ने बताया, सिविल जज सीनियर डिवीजन मथुरा द्वारा मुकदमे में अगली सुनवाई 26 अगस्त को तय की गई है क्योंकि मुकदमे के याचिकाकर्ता प्रतिवादियों द्वारा उठाई गई आपत्तियों का जवाब देने के लिए कुछ समय चाहते थे। इंतजामिया कमेटी ने सीपीसी के नियम 7।11 के तहत एक आवेदन दायर कर मुकदमे की पोषणीयता (मामला सुनवाई योग्य है या नहीं) का मुद्दा उठाया है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता नीरज शर्मा ने बताया कि यह मुकदमा स्वीकार किए जाने योग्य नहीं है क्योंकि इसे पूजा स्थल अधिनियम द्वारा प्रतिबंधित किया गया है। हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील दीपक शर्मा ने प्रतिवादियों द्वारा प्रस्तुत आवेदन की एक प्रति ले ली थी और जवाब पेश करने के लिए कुछ समय मांगा था।

लापरवाह थानाध्यक्षों की जाएगी कुर्सीः आकाश तोमर

● थानों पर ही हो जनशिकायतों का निस्तारणः एसपी

संवाददाता। गोंडा

पुलिस कार्यालय में जनशिकायतों का निस्तारण करते एसपी आकाश तोमर

फरियादियों की शिकायतों का निस्तारण यदि थाने पर नही हुआ और शिकायतकर्ता अपनी शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उनके पास पहुंच गया तो संबंधित थानाध्यक्ष की लापरवाही मानते हुए उन पर कार्यवाही जरूर होगी। साथ ही थाने पर आने वाले फरियादियों के साथ पुलिस का व्यवहार सरल व मानवीय हो। यह बात पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपने कार्यालय में जनशिकायतों के सुनवाई के दौरान पुलिस अफसरों व थानाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कही।

एसपी ने सख्त लहजे में कहा कि कोई भी शिकायत/समस्या हो उसे थाने के रजिस्टर में अवश्य दर्ज करया जाये। साथ ही बीट दरोगा या सिपाही को इसकी जानकारी देकर पूरी पारदर्शिता के साथ समस्या का निस्तारण कराया जाए। वहीं गंभीर मामलों में थानाध्यक्ष खुद मौके पर जाएं और निष्पक्षता से समस्या का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अन्यथा की दशा में कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। साथ ही उन्होंने त्यौहारों के मद्देनजर सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी तेज करते हुए रात्रि गश्त बढ़ावें, अपराधियों के धरपकड़ के लिए अभियान चलाएं, औचक वाहन चेकिंग अभियान चलाना सुनिश्चित करें। साथ ही साइबर अपराधों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने हेतु क्षेत्र के प्रमुख चौक-चौराहों, स्कूल-कॉलेजों एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस चौपाल लगाकर साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करें। एसपी ने कहा कि हर छोटी से छोटी समस्या को गंभीरता से लिया जाए। किसी भी दशा में हीला-हवाली या लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जो मानकों पर खरा नहीं उतरेगा उनकी कुर्सी चली जाएगी।

एक सप्ताह में रूर्बन ऑडिटोरियम प्रपोज कांप्लेक्स का कार्य पूर्ण न होने पर डीएम ने दी कार्रवाई की चेतावनी

संवाददाता। चित्रकूट

निरीक्षण करते डीएम

जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने आज राजकीय निर्माण निगम द्वारा बनाए जा रहे रूर्बन ऑडिटोरियम प्रपोज कांप्लेक्स एवं रूर्बन आजीविका मिशन प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान डीएम ने कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान ऑडिटोरियम में पानी भरे होने पर डीएम ने कहा कि बरसात का मौसम है आपको पाइलिंग पहले करा लेना चाहिए, कार्य की प्रगति बहुत धीमी है इसमें तेजी लाई जाए। तत्पश्चात उन्होंने विकास भवन में बन रहे रूर्बन आजीविका मिशन प्रशिक्षण केंद्र सोनेपुर का निरीक्षण किया। प्रशिक्षण केंद्र के कार्य अधूरे रहने पर उन्होंने कहा कि आप लोगों को बारिश से पहले अप्रोच रोड बना लेना चाहिए। जिससे कि रोड चलने के लिए हो जाए। प्रोजेक्ट मैनेजर ने कहा कि अगस्त माह तक प्लिंथ लेवल तक कार्य हो जाएगा। जिलाधिकारी ने परियोजना प्रबंधक से कहा कि जो निर्माण कार्यों में मटेरियल लग रहा है उसकी गुणवत्तापूर्ण की जांच करा लें। उन्होंने कहा कि दोनों जगह कार्य निराशाजनक की स्थिति है एक सप्ताह के अंदर मैन पावर बढ़ाकर कार्य करें नहीं तो मैं आप लोगों के खिलाफकार्रवाई करूंगा। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि समीक्षा प्रतिदिन करते रहें ताकि कार्य में प्रगति हो सके।

इस अवसर पर परियोजना निदेशक ऋषि मुनि उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी राज कुमार त्रिपाठी, प्रोजेक्ट मैनेजर राजकीय निर्माण निगम रामफल, अवर अभियंता विजय कुमार गौतम आदि संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

लोकतंत्र की हत्या कर रही मोदी सरकारः कुशल पटेल

● महंगाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता। चित्रकूट

विरोध प्रदर्शन करते कांग्रेसी

कांग्रेस के आह्वान पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अगुवाई में महंगाई के खिलाफ जुलूस निकालकर प्रदर्शन कर तानाशाह मोदी सरकार के दिल्ली में कांग्रेसियों की गिरफ्तारी पर लोकतंत्र की हत्या करार दिया है। शुक्रवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अगुवाई में कांग्रेसियों ने जिला कार्यालय से महंगाई के खिलाफ जुलूस निकालते हुए प्रदर्शन कर तहसील मुख्यालय पहुंचे। यहां जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनता के हितों के लिए कांग्रेस ने हमेशा संघर्ष किया है, आगे भी संघर्ष जारी रहेगा। खाद्य पदार्थों में जीएसटी लगाकर सभी वस्तुयें महंगी कर दी हैं। नौजवान रोजगार के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है। कांग्रेस की पूर्व प्रत्याशी रंजना बरातीलाल पाण्डेय ने पूरे जुलूस दौरान सिर में गैस सिलेंडर लेकर विरोध दर्ज कराया। कहा कि जिस तरह से गैस के दाम बढे हैं, वह किसी से छिपा नहीं है। महंगाई पर चर्चा की बजाय सदन में हिटलरशाही मोदी सरकार विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। दिल्ली मुख्यालय में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी को बर्बर ढंग से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसे कांग्रेसी बर्दाश्त नहीं करेंगे। मोदी सरकार लोकतंत्र का गला घोंट रही है।

शिक्षक संघ के रामनगर अध्यक्ष बने शिवभूषण त्रिपाठी

मऊ(चित्रकूट)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने प्रान्तीय निर्देश पर ब्लाक रामनगर इकाई के त्रिवार्षिक चुनाव बीआरसी रामनगर में सम्पन्न कराये। तीन सौ शिक्षकों की मौजूदगी में हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर से दिनेश सिंह के नामांकन वापस लेने पर शिवभूषण त्रिपाठी निर्विरोध ब्लाक अध्यक्ष चुने गये। शुक्रवार को हुए चुनाव में मंत्री पद पर अखिलेश सिंह के महिलाओं के सम्मान में नामांकन वापस लेने पर श्रीमती उमा देवी को ब्लाक मंत्री पद पर चुना गया। कोषाध्यक्ष पद पर रमाशंकर के नामांकन लौटाने पर अरुण कुमार वर्मा निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुने गये। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर छोटा प्रसाद चुने गये। निर्वाचन अधिकारी देव कुमार यादव व पर्यवेक्षक श्रीमती अराधना सिंह की देखरेख में चुनाव

हुए। चुनाव कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक राजनारायण पाण्डेय ने की। बतौर मुख्य अतिथि उप्र प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश कुमार पाण्डेय व विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक गर्ग, संरक्षक शिवकृपाल सिंह, बृजेश शुक्ला, लवलेश सिंह, हरिशंकर तिवारी, डॉ अखिलेश मिश्रा, विजय शुक्ला, शहनाज बानो, रामभूषण पाण्डेय, ज्ञान सिंह, अमित पाण्डेय, कमलेश मिश्रा, संतोष सिंह समेत सैकडों शिक्षक मौजूद रहे।

नवविवाहिता ने जेठ पर लगाया मारपीट कर घर से भगाने का आरोप

जालौन (उरई)। दो माह पूर्व हुई शादी में विवाहिता ने जेठ व जेठानी पर गाली, गलौज व मारपीट कर घर से निकाल देने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गोकलपुरा निवासी प्रियंका पुत्री तुलसीराम ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने 2 माह पूर्व उसकी शादी हिंदू रीति रिवाज के साथ आशीष के साथ की थी। शादी के बाद से ही जेठ व जेठानी उसे परेशान करने लगे। किसी न किसी बात को लेकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। बीती 3 जुलाई की सुबह जब वह घर के काम कर रही थी। तभी जेठ वहां आए और अकारण ही गाली, गलौज करने लगे। मना करने पर मारपीट करते हुए उसे घर से निकाल दिया। किसी तरह वह पिता के घर पहुंची और उन्हें जानकारी दी।

पहलवानों ने दिखाया दम, पदक पर लगाए विजयी दांव

बजरंग,अंशु, साक्षी, दीपक व दिव्या का जलवा

भाषा। बर्मिंघम

भारत के स्टार पहलवान और ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक व दीपक पूनिया ने राष्ट्रमंडल खेलों की कुश्ती स्पर्धा में शुक्रवार को भारत को स्वर्णिम शुरूआत दिलाई जबकि अंशु मलिक को पदार्पण करते हुए रजत पदक मिला वहीं दिव्या काकरान ने कांसा जीता। तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग का 65 किलो वर्ग में इतना दबदबा रहा कि पहले दौर में ही उन्होंने चार में से तीन मुकाबले जीते। उन्होंने फाइनल में कनाडा के लाचलान मैकनील को 9-2 से हराया। वहीं दीपक पूनिया ने राष्ट्रमंडल खेलों की कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। पुरूषों के 86 किलो फ्रीस्टाइल वर्ग के फाइनल में पाकिस्तान के मोहम्मद इनाम को हराया। उधर दिव्या काकरान ने राष्ट्रमंडल खेलों की महिला फ्रीस्टाइल 68 किग्रा कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इससे पहले इंग्लैंड के जॉर्ज रैम पर तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) से जीत दर्ज कर आसानी से फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं साक्षी मलिक ने 62 किग्रा के फाइनल में कनाडा की एना गोंडिनेज गोंजालेस को चित करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह साक्षी का राष्ट्रमंडल खेलों में पहला स्वर्ण पदक है। इससे पहले वह राष्ट्रमंडल खेलों में रजत और कांस्य पदक जीत चुकी हैं। वहीं अंशु मलिक ने 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश का कुश्ती में खाता खोला। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक अंतिम चार मुकाबले में कैमरून की बर्थे इमिलिएने इटाने एनगोले पर तकनीकी श्रेष्ठता से 10-0 की जीत से फाइनल में पहुंच गईं। साक्षी ने क्वार्टरफाइनल में भी तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की। उन्होंने इस शुरूआती मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड की केलसे बार्नेस को मात दी। गत चैम्पियन बजरंग मौरिशस के जीन गुलियाने जोरिस बांडोऊको महज एक मिनट में पटखनी देकर 6-0 की जीत से सेमीफाइनल में पहुंचे। उन्हें क्वार्टरफाइनल में पहुंचने में दो मिनट से भी कम समय लगा जिसके लिए उन्होंने शुरूआती दौर में नौरू के लोवे बिंघम को गिराकर 4-0 से आसान जीत दर्ज की। बजरंग ने एक मिनट अपने प्रतिद्वंद्वी को समझने में लिया और फिर जकड़ने की स्थिति से अचानक बिघंम को पटक कर मुकाबला खत्म कर दिया। बिंघम को इस अचानक से हुए दांव का पता नहीं चला और भारतीय पहलवान आसानी से जीत गया। अंशु को फाइनल में नाईजीरिया की ओडुनायो फोलासाडे एडुकुरोए से 3-7 से हार का सामना करना पड़ा। अंशु ने इससे पहले हर मुकाबले में दबदबा बनाया। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में आस्ट्रेलिया की इरेन सिमियोनिडिस और सेमीफाइनल में श्रीलंका की नेथमी पोरूथोटागे पर तकनीकी श्रेष्ठता (10-0) से जीत दर्ज की। पहलवान दीपक पूनिया ने फ्रीस्टाइल 86 किग्रा में कनाडा के एलेक्जेंडर मूर को 3-। से पराजित करके फाइनल में स्थान पक्का किया।

पदक तालिका

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	आस्ट्रेलिया	50	42	43	135
2.	इंग्लैंड	44	44	34	122
3.	कनाडा	17	22	24	63
4	न्यूजीलैंड	16	11	10	37
5.	स्काटलैंड	8	8	19	35
6.	भारत	8	8	8	24

भारतीय पुरूष रिले टीम फाइनल में

● ज्योति 100 मीटर बाधा दौड़ से बाहर

बर्मिंघम। भारतीय पुरूष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में पहुंच गई। भारत के मुहम्मद अनस याहिया, नोह निर्मन टॉम, मोहम्मद अजमल और अमोज जैकब ने 3 : 06. 97 सेकंड का समय निकालकर स्वत: क्वालीफाई किया।

भारतीय टीम कीनिया के बाद दूसरे स्थान पर रही। आखिरी चरण में भारतीय टीम चौथे स्थान पर थी लेकिन अमोज ने आखिर में दो धावकों को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों हीट मिलाकर भारत छठे स्थान पर रहा। फाइनल रविवार को होगा। महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी ज्योति याराजी पहले दौर की हीट से बाहर हो गई। उसने 13 . 18 का समय निकालकर दूसरी हीट में चौथा स्थान हासिल किया। महिलाओं की लंबी कूद फाइनल में एंसी सोजन फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 6 . 25 मीटर का रहा और वह 13वें स्थान पर रही। क्वालीफिकेशन मानक 6 . 75 मीटर था या सर्वश्रेष्ठ 12 खिलाड़ियों को फाइनल में जगह मिली।

सिंधू और श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में

बर्मिंघम। भारत के दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और किदांबी श्रीकांत राष्ट्रमंडल खेलों में बैडमिंटन स्पर्धा के क्रमश: महिला और पुरुष एकल मुकाबले में आसान जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। गोल्ड कोस्ट (2018) राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता सिंधू को युगांडा की हुसीना कोबुगाबे को अंतिम 16 मुकाबले में 21-10 21-9 से हराने में कोई परेशानी नहीं हुई। श्रीकांत ने भी पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। उन्होंने श्रीलंका के डुमिंडू अबेविक्रमा को एकतरफा मुकाबले में 21-9 21-12 से हराया। इससे पहले गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की भारतीय महिला जोड़ी ने मॉरीशस की जेमिमा लेउंग फोर सांग और गणेशा मुंगरा को युगल जोड़ी को 21-2, 21-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अगले दौर में मलेशिया की गोह जिन वेई की चुनौती से पार पाना होगा। सिंधु ने इन खेलों के मिश्रित टीम फाइनल के कड़े मुकाबले में गोह को हराया था। इस मैच के बाद वह 2015 और 2018 में विश्व जूनियर चैंपियनशिप की स्वर्ण विजेता 22 वर्षीय मलेशिया की खिलाड़ी को हलके में नहीं लेंगी। विश्व रैंकिंग के पूर्व शीर्ष खिलाड़ी श्रीकांत के सामने अंतिम आठ में विश्व रैंकिंग में 54 वें स्थान पर काबिज इंग्लैंड के टोबी पेंटी की चुनौती होगी। गायत्री और त्रिसा की जोड़ी को टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए जमैका की ताहलिया रिचर्डसन और कैथरीन विंटर से भिड़ना होगा।

ऑडियो उपकरण कुश्ती एरीना में गिरा, दो घंटे का विलंब

बर्मिंघम। राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजकों के लिए एक शर्मसार होने वाली घटना मे एक ऑडियो उपकरण के छत से गिरने के कारण पहला सत्र शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद कुश्ती मुकाबले रोक दिए गए और दर्शकों को हॉल से निकलने के लिए कह दिया गया। प्रशंसकों और अधिकारियों को सुरक्षा जांच के लिए परिसर खाली करने को कह दिया गया जिससे कुश्ती प्रतिस्पर्धा के शुरुआती दिन अव्यवस्था का मंजर दिख रहा था। सुबह का सत्र दो से ज्यादा घंटे तक रोक दिया गया। एक सुरक्षा अधिकारी तथा एक भारतीय, स्कॉटिश और पाकिस्तानी टीम के अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि एक स्पीकर हॉल की छत से गिर गया जो लंबे विलंब का कारण बना। स्थानीय समयानुसार सत्र 11.22 मिनट पर रोका गया और फिर घोषणा की गई थी कि मुकाबले 12.15 मिनट पर शुरू होंगे। खबर लिखने तक सत्र दोबारा शुरू करने का समय तीन बार बदल दिया गया। स्थल के एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा, हम सुन रहे है कि एक स्पीकर गिर गया था और सुरक्षा जांच के लिए हर किसी को हॉल खाली करने के लिए कह दिया गया। एक भारतीय अधिकारी ने कहा, हम वॉर्म-अप क्षेत्र में है। हमने सुना कि एक स्पीकर मैट (खेल क्षेत्र) के करीब गिर गया था।

भारतीय महिला जोड़ी लॉन बॉल क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर

बर्मिंघम। लवली चौबे और नयनमोनी सेकिया की भारतीय महिला जोड़ी (पेयर्स) शुक्रवार को यहां क्वार्टरफाइनल में हारकर राष्ट्रमंडल खेलो से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को इंग्लैड की सोफी टोलचार्ड और एमी फरोहा ने 18-14 से पराजित किया। चौबे और सेकिया ने दो मौकों पर बढ़त बनाई हुई थी। पहले चार दौर के बाद 5-2 से और फिर नौ दौर के बाद 8-6 से, लेकिन उन्होंने इंग्लैड की जोड़ी को वापसी का मौका दे दिया। दसवें दौर के बाद इंग्लैड ने बढ़त बनाई और इसे बढ़ाना जारी रखा और अंत में विजेता बनी। इंग्लैड का सामना सेमीफाइनल में न्यूजीलैड से होगा जबकि आस्ट्रेलिया की भिड़ंत अंतिम चार में मलेशिया से होगी।

मनिका-साथियान की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हारी

● टेबल टेनिस

बर्मिंघम। भारत की मनिका बत्रा और जी साथियान की मिश्रित युगल जोड़ी को राष्ट्रमंडल खेलों की टेबल टेनिस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को यहां हार का सामना करना पड़ा। पदक की दावेदार भारतीय जोड़ी को मलेशिया की जावेन चोंग और करेन लिन की जोड़ी से 10-12, 11-9, 11-8, 7-11, 7-11 से शिकस्त मिली। दिग्गज शरत कमल और श्रीजा अकुला की मिश्रित जोड़ी क्वार्टर फाइनल की बाधा पार करने में सफल रही। शरत और 24 साल की अकुला की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में लियाम पिचफोर्ड और टिन-टिन हो की स्थानीय जोड़ी को कड़े मुकाबले में 11-7, 8-11, 11-8, 11-13, 11-9 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। इस जोड़ी ने इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करके मलेशिया के लियोन ची फेंग और हो यिंग को 5-11, 11-2, 11-6, 11-5 से पराजित किया। पुरुष युगल में साथियान और शरत की जोड़ी भी अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रही। भारतीय जोड़ी ने बांग्लादेश के बावम रामिमलियान और रिदॉय मोहुतसिन अहमद की जोड़ी को आसानी से 11-6, 11-।, 11-4 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उनके सामने टॉम जार्विस और सैम वॉकर की इंग्लैंड की जोड़ी होगी। हरमीत देसाई और सानिल शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के चेम्बर्स डिलन और यान शिन को 11-3, 9-11, 9-11, 7-11 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की। क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत सिंगापुर के क्लेरेंस चेउ और शाओ फेंग एथन पोहो की जोड़ी से होगी। मनिका हालांकि महिला एकल में पदक की दौड़ में बनी हुई है। वह और अकुला अपने - अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए है। मनिका ने ऑस्ट्रेलिया की जी मिनह्युंग को 11-4 11-8 11-6 12-10 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

पैरा एथलीट भाविना पटेल टेबल टेनिस के फाइनल में, पदक पक्का किया

बर्मिंघम। भारत की भाविना पटेल ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की महिला एकल क्लास 3-5 पैरा टेबल टेनिस स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर पदक पक्का किया। तोक्यो पैरालंपिक की रजत पदक विजेता पटेल ने इंग्लैड की सू बेली को 11-6 11-6 11-6 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। गुजरात की 35 साल की खिलाड़ी का सामना शनिवार को फाइनल में नाईजीरिया की क्रिस्टियाना इक्पेयोई से होगा। सोनलबेन पटेल को हालांकि इक्पेयोई से 11-8 6-11 4-11 7-11 से हार का सामना करना पड़ा। इससे अब वह कांस्य पदक के मैच में बेली के सामने होगी। राज अरविंदन अलागर भी पुरूषों के 3-5 क्लास सेमीफाइनल में नाईजीरिया के नासिरू सुले से 11-7 8-11 4-11 7-11 से हार गए। वह रविवार को कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में नाईजीरिया के इसाऊओगुंकुनले से भिड़ेंगे।

भारत के पास पदक जीतने का सुनहरा मौका

● सेमीफाइनल में टक्कर दक्षिण अफ्रीका से

बर्मिंघम। भारतीय पुरूष हॉकी टीम राष्ट्रमंडल खेलों में पदक की ओर अगला कदम रखने की कवायद में सेमीफाइनल में शनिवार को निचली रैंकिंग वाली दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी तो उसका पलड़ा भारी रहेगा। दक्षिण अफ्रीका ने गत चैम्पियन न्यूजीलैंड पर अप्रत्याशित जीत दर्ज करके पूल ए से सेमीफाइनल में जगह बनाई। वह आस्ट्रेलिया के बाद पूल ए में दूसरे स्थान पर रही।

दूसरी ओर भारत पूल बी में शीर्ष पर रहा जिससे सेमीफाइनल में सामना आस्ट्रेलिया से नहीं होगा। आस्ट्रेलियाई टीम अब इंग्लैंड से खेलेगी। भारत टूर्नामेंट में अब तक अपराजेय रहा है और तीन जीत दर्ज करने के अलावा एक ड्रॉ खेला। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैच जीते, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। मौजूदा फॉर्म और विश्व रैंकिंग को देखते हुए दुनिया की पांचवें नंबर की टीम भारत का पलड़ा 13वीं रैंकिंग वाली दक्षिण अफ्रीका पर भारी है। उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह शानदार फॉर्म में हैं और अब तक नौ गोल कर चुके हैं। उन्होंने आठ गोल पेनल्टी कॉर्नर पर और एक पेनल्टी स्ट्रोक पर दागा। उनके अलावा वरूण कुमार, जुगराज सिंह और अमित रोहिदास के रूप में भारत के पास पेनल्टी कॉर्नर के लिए कई विकल्प हैं।

नडाल पेट की चोट के कारण मांट्रियल से हटे

मांट्रियल। स्पेनिश स्टार रफेल नडाल ने पेट की चोट के कारण शुक्रवार को मांट्रियल में होने वाले आगामी हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। इसी पेट की चोट के कारण उन्हें विम्बलडन में सेमीफाइनल से पहले ही हटने का फैसला करना पड़ा था। नडाल मांट्रियल में पांच बार के चैम्पियन है।

गॉफ ने ओसाका को सीधे सेटों में हराया

सैन जोस। अमेरिका की किशोर टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका को 6-4, 6-4 से हराकर गुरुवार को मुबाडाला सिलिकॉन वैली क्लासिक के क्वार्टर फाइनल मे प्रवेश किया। छठी वरीयता प्राप्त गॉफ ने शुरुआती सेट में अपने सभी सर्विस पर अंक जुटाए और 45 मिनट के सत्र को तीन ऐश लगाकर खत्म किया।

अन्तर विद्यालयी टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट7से

लखनऊ। टेनिस बॉल क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ एसोसिएशन की मीटिंग में द्वितीय अन्तर विद्यालयी टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 7 से 10 अगस्त तक कराने की घोषणा की गई। जिसका आयोजन मोंटफोर्ट इण्टर कॉलेज महानगर में किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए मोंटफोर्ट के प्रधानाचार्य एवं टूर्नामेंट के अध्यक्ष जीनु अब्राहम ने बताया इस टूर्नामेंट में विभिन्न विद्यालयों की 16 टीमें भाग ले रही है। इसके साथ साथ इस टूर्नामेंट में से 17 वर्ष से कम व 19 वर्ष से कम की आयु खिलाड़ियों का चयन चैन्नई में होने वाली राष्ट्रीय टेनिस बॉल प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु किया जाएगा। इस अवसर पर टेनिस बाल क्रिकेट के चेयरमैन एहसान ज़ैदी, वाईस चेयरमैन डॉ वहाब, अध्यक्ष आज़म खान, उपाध्यक्ष पीआर पाण्डे व रेणु मनचंदा उपस्थित थे।

शतरंज ओलंपियाडः भारत ए व बी टीम की ओपन वर्ग में जीत

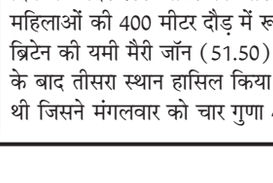

भाषा। मामल्लापुरम

भारत ए और बी टीमों ने शुक्रवार को यहां 44वें शतरंज ओलंपियाड के ओपन वर्ग में सातवें दौर में आसान जीत दर्ज की। ग्रैंडमास्टर अर्जुन इरिगैसी और एसएल नारायणन ने क्रमश: अभिजीत गुप्ता और अभिमन्यु पुराणिक पर जीत हासिल की, जिससे दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ए ने भारत सी को 3-। से हराया। किशोर ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने शानदार लय को जारी रखते हुए, इस आयोजन में लगातार सातवीं जीत दर्ज की। उन्होंने क्यूबा के ग्रैंडमास्टर कार्लोस अल्बोर्नोज कैबरेरा को हराकर भारत बी को 3.5-0.5 के बड़े अंतर से जीत दिलाने में मदद की। इस टीम की यह सात दौर में छठी जीत है। गुकेश के अलावा टीम में आर. प्रज्ञानानंदा, निहाल सरीन और बी. अधिबान जैसे ग्रैंडमास्टर हैं। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष पर काबिज भारत ए की टीम ने पिछड़ने के बाद अजरबैजान को 2.5-1.5 से पराजित किया। टीम की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग की खिलाड़ी कोनेरू हंपी को गुनाय मम्मदजा के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि डी हारिका को खनीम बालजयिवा ने ड्रॉ पर रोका। इसके बाद तानिया सचदेव और आर वैशाली ने क्रमश: उल्विया फातलियावा और गौवहर बेदुल्लैएवा को शिकस्त देकर टीम को जीत दिलाई। सात दौर में यह टीम की सातवीं जीत है।

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी रुपल

कैली (कोलंबिया)। उत्तर प्रदेश के एक किसान की बेटी रूपल चौधरी विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। रूपल ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। इससे पहले उन्होंने चार गुणा 400 मीटर रिले में रजत पदक हासिल किया था। रूपल उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के शाहपुर जैनपुर गांव की रहने वाली है। उनके पिता किसान हैं। यह 17 वर्षीय एथलीट बेहतरीन फॉर्म में है। उन्होंने तीन दिन के अंदर 400 मीटर की चार दौड़ में हिस्सा लिया। गुरुवार की रात को महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में रूपल ने 51.85 सेकेंड के समय के साथ ग्रेट ब्रिटेन की यमी मैरी जॉन (51.50) और कीनिया की दमारिस मुटुंगा (51.71) के बाद तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले वह उस रिले टीम का हिस्सा थी जिसने मंगलवार को चार गुणा 400 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता था।

श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत अय्यर के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

● वेस्टइंडीज से चौथा वनडे मुकबाला आज

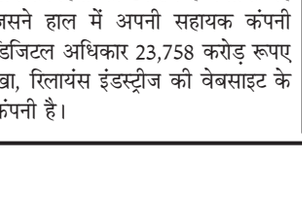

भाषा। फोर्ट लॉडरहिल (फ्लोरिडा)

भारत यहां लगातार दिन होने वाले चौथे और पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को हराकर पांच मैचों की श्रृंखला जीतने और इस साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा। शनिवार और रविवार को होने वाले इन मैचों में श्रेयस अय्यर के प्रदर्शन पर भी नजर होगी जिनके लिए टी20 विश्व कप की टीम में जगह बनाना मुश्किल बनता जा रहा है। भारत अभी पांच मैचों की श्रृंखला में 2-। से आगे है और वह अमेरिकी दर्शकों के सामने आखिरी दो मैच जीतकर इसे अपने नाम करना चाहेगा। भारत की वर्तमान टीम में जिस एक खिलाड़ी पर सभी की नजर टिकी रहेगी वह श्रेयस अय्यर है। दीपक हुड्डा ने मौकों का अच्छा फायदा उठाया है और ऐसे में मध्यक्रम में अय्यर के लिए जगह बनाना मुश्किल होता जा रहा है। एशिया कप के लिए केएल राहुल और विराट कोहली की टीम में वापसी तय है और ऐसे में अय्यर को बाहर बैठना पड़ सकता है। उन्होंने अब तक तीन मैचों में शून्य, 11 और 24 रन बनाए हैं और वह तेज गेंदबाजों की उठती गेंदों के सामने असहज नजर आते हैं। जब से राहुल द्रविड़ कोच बने हैं तब से किसी भी खिलाड़ी को पर्याप्त मौके मिले हैं लेकिन अय्यर के मामले में वह वनडे की तरह टी20 में अच्छी फॉर्म बनाकर नहीं रख पाए। द्रविड़ ने पिछले ढाई महीनों में अय्यर को नौ टी20 मैचों में मौका दिया लेकिन पहले 10 ओवरों में खेलने का मौका मिलने के बावजूद वह अर्धशतक नहीं बना पाए।

बीसीसीआई के आचरण अधिकारी ने नीता अंबानी से कहा, हितों के टकराव के आरोपों पर जवाब दें

नई दिल्ली। बीसीसीआई के आचरण अधिकारी विनीत सरन ने शुक्रवार को मुंबई इंडियंस टीम की मालिक नीता अंबानी को उनके खिलाफ लगे हितों के टकराव के आरोपों का दो सितंबर तक लिखित जवाब देने को कहा। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति सरन ने बीसीसीआई के आचरण अधिकारी और लोकपाल के रूप में डी के जैन की जगह ली है। उन्होंने मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ के सदस्य संजीव गुप्ता से शिकायत मिलने के बाद नीता अंबानी को नोटिस जारी किया। गुप्ता ने आरोप लगाया कि मुंबई इंडियंस की मालिक के पद को लेककर हितों का टकराव है क्योंकि वह रिलायंस इंडस्ट्रीज की निदेशक हैं जिसने हाल में अपनी सहायक कंपनी वायकॉम 18 के जरिए आईपीएल के डिजिटल अधिकार 23,758 करोड़ रूपए में खरीदे थे। गुप्ता ने शिकायत में लिखा, रिलायंस इंडस्ट्रीज की वेबसाइट के अनुसार वायकॉम 18 उसकी सहायक कंपनी है।

भारतीय महिला टीम कोच पोवार ने कहा, हम उभरती हुई टीम हैं

बर्मिंघम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रमेश पोवार ने हम एक उभरती हुई टीम हैं कहते हुए संकेत दिया कि राष्ट्रमंडल खेलों में आगामी मैचों में विभिन्न संयोजन देखने को मिल सकते हैं। पोवार ने इंग्लैंड के खिलाफ भारत के सेमीफाइनल की पूर्व संध्या पर कहा, हम उभरती हुई टीम हैं जिससे प्रक्रियाएं और योजनाएं बदलेंगी। हम टीम से सर्वश्रेष्ठ कराने की कोशिश कर रहे हैं। हमें लगा कि जेमी इसके लिए तैयार है क्योंकि वह इंग्लैंड में कुछ समय से खेल रही है।

श्रीलंका को हराकर भारत सैफ अंडर-20 चैम्पियन बना

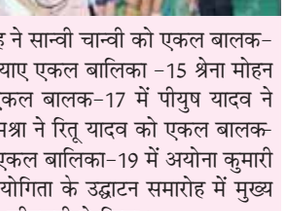

भुवनेश्वर। गुरकीरत सिंह के चार गोल की मदद से भारत ने अतिरिक्त समय तक चले सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप ट्रॉफी के फाइनल में शुक्रवार को यहां बांग्लादेश को 5-2 से शिकस्त दी। दोनों टीमें मध्यांतर तक।-। और नियमित समय तक 2-2 की बराबरी पर थी। इसके बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंच गया जिसमें भारतीय खिलाडि़यों ने तीन गोल दागे। गुरकीरत मैच के पहले , 60वें, 94वें और 99वें मिनट में गोल किया। टीम के लिए एक अन्य गोल हिमांशु जांगड़ा ने किया। बांग्लादेश के लिए राजोन हवलदार और साहिन मियां ने 44वें और 48वें मिनट में गोल किए।

पुलिस ब्वायज व चौक स्पोर्टिंग ने मुकाबले जीते

लखनऊ। जिला फुटबॉल लीग में पुलिस ब्वायज व चौक स्पोर्टिंग ने अपने-अपने मुकाबले जीते। पहले मैच में पुलिस न्यू ब्वॉयज क्लब ने न्यू यंग ब्वॉयज क्लब को 2-0 से हराया। पुलिस न्यू ब्वॉयज की ओर से ज्ञान 17 वे मिनट, कमल 41 वे मिनट में गोल किया। दूसरे मैच में चौक स्पोर्टिंग क्लब ने आर बी आई को 3-0 से हराया। चौक स्पोर्टिंग की ओर से आदिल की हैट्रिक 18,42,54 वे मिनट में गोल किया। कल पहला मैच स्पोर्ट्स कॉलेज और आर ए ब्वॉयज क्लब के बीच होगा। दूसरा मैच सहारा फुटबॉल क्लब और चौक स्पोर्टिंग क्लब के बीच होगा।

जिला बैडमिंटन चैम्पियनशिप का आगाज

लखनऊ। जिला बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2022 गोमती नगर स्थित बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आज शुरू हो गई। प्रतियोगिता के पहले दिन एकल बालक में वंश सिंह ने सात्विक कुमार को ,एकल बालिका में साची सिंह ने सान्वी चान्वी को एकल बालक-15 में कार्तिक बबलेश ने पवन कौनदिन्याए एकल बालिका -15 श्रेना मोहन ने आद्या तिवारी को मात दी। वहीं एकल बालक-17 में पीयुष यादव ने यशवर्धन को, बालिका-17 में विदुशी मिश्रा ने रितू यादव को एकल बालक-19 में युवराज सिंह ने अर्पित सिंह को, एकल बालिका-19 में अयोना कुमारी ने अरूनिमा मिश्रा को हराया। इस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि अवधेश कुमार सिंह, उच्चायुक्त जीएसटी ने किया।

टाप टेन अपराधी के कहर से थर्राया बनीपारा

● गुरुवार की रात्रि अज्ञात साथियों के साथ पीड़ित की दुकान पर बोला धावा

● पीड़ित ने एसपी से लगायी न्याय की गुहार

संवाददाता। कानपुर देहात

एसपी आफिस में शिकायत करने के बाद अपनी आप बीती बताता पीड़ित राजेश

अपराध की दृष्टि से बेहद सॅवेदनशील रूरा थाना क्षेत्र के बनीपारा महाराज गॉव में टाप टेन अपराधी का कहर थमता नजर नहीं आ रहा है। दो महीने के भीतर दो संगीन घटनाओं को अंजाम दे चुका है। संगीन धाराओं में दर्ज मुकदमों के बाद भी पुलिस द्वारा कार्यवाही न करने से अपराधी व उसके साथियों के हौंसले बुलन्द है गुरूवार की शाम को टापटेन संगीन अपराधों के आरोपी रोहित सिंह पुत्र सत्वीर सिंह से सीधे सादे हार्डवेयर दुकान के संचालक राजेश की दुकान पर अपने अज्ञात बदमाश साथियों के साथ धावा बोल हमला कर दिया। पीडित ने उपरोक्त शातिर अपराधी से अपने जान माल का खतरा बता एसपी के यहां शिकायत कर न्याय की गुहार लगायी है।

बनीपारा गांव अपराध एवॅ अपराधियों के लिये कुख्यात रहा है, पिछले कुछ वर्षो से तो गांव में शान्ति है परन्तु अब शान्ति भॅग होती नजर आ रही है प्रतिशोध के लिये हत्याओं का दौर चलना इस गॉव में आम बात थी। वर्तमान समय में रूरा थाना क्षेत्र के बनीपारा गॉव में शातिर टाप टेन अपराधी रोहित सिंह व उसके संगीन मुकदमों के हिस्ट्रीशीटर बदमाशों का आतॅक व्याप्त है पिछले दो महीनों रोहित व उसके साथियों की वारदातों के चलते हत्या, बलवा, छेडखानी सहित एससीएसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज हो चुका है, संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिसिया कार्यवाही न होने से बुलन्द हौंसलों के साथ गुरूवार की शाम को एक बार टापटेन अपराधी ने दुकान के अन्दर घुसकर मारपीट का प्रयास किया तथा दहशत फैलाने के लिये जान से मार देने की धमकी दी। पीडित ने रूरा पुलिस से शातिर टापटेन अपराधी से मिलीभगत का आरोप लगा पुलिस अधीक्षक सुश्री सुनीति से न्याय की गुहार लगायी है। एसपी ने रूरा थाना प्रभारी को शातिर अपराधी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

रोहित सिंह व उसके साथियों का पुराना है आपराधिक इतिहास

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र में इसी 4 मई को रोहित व नीरज सिंह ने गॉव की ही एक महिला के घर के अन्दर घुसकर गाली गलौज, मारपीट, जान से मार देने की धमकी देते हुये छेडखानी की घटना को अॅजाम दिया था। 24 मई के एक बार रोहित, नीरज आदि ने कुलभूषण पुत्र बादल सिंह निवासी बनीपारा के खिलाफ अवैध हथियारों से लैस होकर हमलका किया था जिस पर थाने में मुकदमा संख्या 186/22 धारा 307,452,354,147,148, 149,504,506 आईपीसी में दर्ज करवाया था। रोहित के खिलाफरूरा थाने में मुकदमा संख्या 238/11 110 गुण्डा एक्ट,280/11 धारा 147,323,504 आईपीसी, 284/11 धारा 364, 147, 148, 149, 452, 323, 506 आईपीसी, 1/13 गुण्डा एक्ट, 289/13 गुण्डा एक्ट, 434/13 10 गुण्डा एक्ट, मुकदमा संख्या 70/17 120 बी आईपीसी, 304/17 गैंगस्टर एक्ट तथा दूसरे प्रमुख आरोपी नीरज सिंह के खिलाफ भी हत्या, बलवा जैसे डेढ दर्जन से अधिक संगीन गैरजमानती धाराओं में मुकदमा दर्ज हैं।

पुलिस ने चोरी की बाइक समेत दो शातिर दबोचे

घाटमपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के अमौर चौराहे के पास वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे दो शातिर चोरों को चोरी की बाइक के साथ पुलिस ने दबोच लिया। तलाशी लेने पर उनसे दो देसी कट्टेए जिंदा कारतूस व गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होंने चोरी की कई वारदात कबूल की हैं। एक शातिर पर चोरी व एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में आधा दर्जन मुकदर्म दर्ज हैं। पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश कियाए जहां से जेल भेज दिया गया। साढ़ थाना इंस्पेक्टर जगदीश पाण्डेय ने बताया कि गुरुवार रात पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर ने वारदात की फिराक में बरईगढ़ के अमौर चौराहे पर बाइक सवार दो शातिर बदमाशों के घूमने की सूचना दी। अमौर चौराहा पर पुलिस को देखते ही बाइक सवार दो युवक भागने लगे। पुलिस में दौड़ाकर दोनों को दबोच लिया। शातिरों की पहचान साढ़ थाना क्षेत्र के गणेशीपुर गांव निवासी नारेन्द्र उर्फलाल बत्ती व शानू राजपूत के रूप में हुई है।

क्विक न्यूज

दबंगों ने गौशाला में धावा बोल गौवंश भगाये

रूरा, कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के लमहरा गॉव में अस्थाई गौशाला में दबॅगों ने धावा बोल गौवॅशों को भगा दिया, गौवॅशों के चारा खाने के लिये प्रयुक्त होने वाले प्लास्टिक के 11 इम भी पार कर दिये। लमहरा प्रधान श्रीदेवी ने रूरा थाने में दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि गुरूवार की रात्रि को गॉव के ही गोले, महेश व सोनू गॉव में स्थित अस्थाई गौशाला में घुस आये और गौशाला के भीतर बॅधी गायों की रस्सी काटकर उन्हे हॉक कर भगा दिया। गायों के चारा खाने के लिये प्लास्टिक के इमनुमा 11 लुडौरी को भी अपने साथ ले गये। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि मामले की जॉच की जा रही है।

रक्षाबंधन पर्व पर चिलौली में विशाल दंगल का आयोजन

रूरा कानपुर देहात। पूर्व परंपरा के आधार पर उक्त गांव में विगत लगभग 10 दशक से खेलकूद को बढ़ावा देने के आधार पर कुश्ती प्रतियोगिता दंगल का आयोजन होता आ रहा है। इसी परिपेक्ष में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आगामी 11 अगस्त गुरुवार को रक्षाबंधन के पुनीत पर्व पर पुनः कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम को भव्य और दर्शनीय बनाने के लिए जिला स्तरीय पुलिस अधिकारी के कर कमलों से शुभारंभ कराए जाने के लिए युवाओं ने एक बैठक संपन्न कर सहमति प्रदान की। यह जानकारी दंगल संयोजक राम औतार दीक्षित पूर्व सदस्य क्षेत्र पंचायत ने दी।

चन्द्र किशोर बने सेनपुर प्रधान, हुसैनगंज से ममता हुई बीडीसी

हुसैनगंज (फतेहपुर)। भिटौरा ब्लॉक में हुए पंचायत उपचुनाव की मतगणना में सेनपुर ग्राम पंचायत के प्रधान पद में चन्द्र किशोर पाल ने विजय हासिल की है। चन्द्र किशोर को 443 तथा इनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी अब्दुल सलाम को 389 वोट मिले। 248 मत पाकर इरफान तीसरे नम्बर पर रहे। इस प्रकार 54 वोटों से चन्द्रकिशोर को निर्वाचित घोषित किया गया। सेनपुर ग्राम पंचायत वार्ड 3 के सदस्य पद पर 69 मत पाकर संजय ने राधे को 53 वोटों से शिकस्त दी। छेउका हुसैनगंज में बीडीसी पद पर हुए चुनाव में ममता देवी को 242 मत मिले। इनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी सुशीला को 119 मत से ही संतोष करना पड़ा। इस प्रकार ममता को 123 वोट से छेउका हुसैनगंज वार्ड 39 का बीडीसी निर्वाचित घोषित किया गया।

गोकशी का फरार आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर। गोकशी के मामले में फरार चक रहे एक आरोपी को कल्याणपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। चौडगरा चौकी इंचार्ज धीरेंद्र पांडेय ने गोकशी के आरोपी हैदर अली निवासी खल्लाबाद भरवारी कौशाम्बी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ 2021 में गोवध अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ था। आरोपी तब से फरार चल रहा था।

सपा ने मनायी जनेश्वर मिश्र की जयंती

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई गई। जिलाध्यक्ष विपिन यादव के नेतृत्व में सपा नेता व पूर्व डीआईजी रामतीर्थ परमहंस और सदर विधायक चंद्र प्रकाश लोधी सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। साथ ही रामतीर्थ ने कहा कि श्री मिश्र ने ताउम्र लोहिया के सिद्धांतों पर चलकर पार्टी और समाज को सही दिशा में ले जाने का कार्य किया। उनके दिखाएं मार्ग पर चलकर ही हम पार्टी और समाज को मजबूत कर सकते हैं। इस मौके पर तमाम पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली गिरने से चाचा-भतीजा घायल

खागा (फतेहपुर)। खखडेरू थाना क्षेत्र के नसीरपुर गांव में बीती रात आकाशी बिजली गिरने से चाचा-भतीजे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें ग्रामीणों की मदद से आनन-फानन में उपचार हेतु एंबुलेंस सेवा से सीएचसी धाता ले गए। जहां पर डाक्टरों ने गंभीर हालत देखकर मंझनपुर जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया गया। जिसके घटना कि जानकारी ग्राम प्रधान ने उप जिलाधिकारी मनीष कुमार को मोबाइल द्वारा सूचित कर दिया। खागा तहसील क्षेत्र के खखडेरू थाना अंतर्गत नसीरपुर गांव निवासी रामप्रसाद पुत्र रामलाल उम्र लगभग 24 वर्ष व कमलेश पुत्र राजकिशोर उम्र लगभग 10 वर्ष की रात्रि 10 बजे आकाशीय बिजली गिरने से झुलस गये। बताया जाता है कि चाचा-भतीजे दोनों लोग घर के बाहर छप्पर के नीचे मोबाइल देख रहे थे तभी आकाशीय बिजली गरज के साथ गिर गई। जिसे दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए घायल की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को जानकारी हुई तो लोग एकत्रित हो गए और आनन-फानन में 108 एंबुलेंस सेवा से उपचार हेतु धाता सीएचसी ले गये। जहां पर डाक्टरों ने गंभीर हालत देखकर दोनों लोगों को मंझनपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां पर दोनों लोगों को उपचार किया जा रहा है। वही ग्राम प्रधान ने बताया कि उक्त घटना की जानकारी उप जिलाधिकारी मनीष कुमार को फोन द्वारा सूचित कर दिया गया है।

इलाज के दौरान युवक की मौत

फतेहपुर। मलवा थाना क्षेत्र के ग्राम कांधी में दोपहर 45 वर्षीय युवक को जहरीले सर्प ने डस लिया था। जिसे उपचार के लिये सदर अस्पताल लाया गया। जहॉ उसकी हालत गंभीर देख कानपुर के लिये रेफर कर दिया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। जनकारी के अनुसार मलवा थाने के कांधी गांव निवासी शम्भू दयाल का पुत्र उदय कुमार शुक्ला दोपहर गांव के बाहर जानवरों के लिये चारा काट रहा था। इसी बची उसे जहरीले सर्प ने डस लिया। परिजनों ने उसे सरकारी एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिये जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहॉ इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने उसकी हालत चिंताजनक देखते हुये कानपुर मेडिकल कॉलेज के लिये रेफर कर दिया। जहा इलाज दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। जिस पर परिजन शव को लेकर वापस अपने गांव आ गये और पुलिस को सूचना दे दिया। घटना स्थल पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

संदिग्ध अवस्था में युवक की मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर निवासी स्व0 प्यारे लाल का 45 वर्षीय पुत्र ओमशंकर जिसे अचेतावस्था में परिजनों ने उपचार के लिये जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहॉ चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया था। जिस पर घर वाले शव को लेकर वापस अपने गांव चले गये। तभी सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। वही पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के परिजनों का कहना है कि अधिक शराब पी लेने के कारण उसकी जान चली गई है। जबकि सूत्रों से जानकारी मिली है कि युवक ने शराब के साथ जहर मिलाकर पिया था। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रतिक्षा कर रही है।

ड्यूटी के दौरान महिला कांस्टेबल की मौत

फतेहपुर। महिला थाने में तैनात महिला सिपाही बेबी पाल आज सुबह मोर्हरम ड्यूटी में जाते समय रास्ते मे रुककर एक प्राइवेट कंप्यूटर सेंटर में परीक्षा की जानकारी लेने के लिए गयी थी। जहाँ पर कुर्सी में बैठे बैठे अचानक चक्कर आ जाने से महिला कांस्टेबल बेहोश हो गयी। तत्काल पुलिस टीम द्वारा महिला कांस्टेबल को जिला अस्पताल लाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने महिला कांस्टेबल को मृत घोषित कर दिया। महिला कान्स्टेबल की आकस्मिक मृत्यु की खबर सुनते ही पूरे पुलिस प्रशासन में शोक की लहर दौड़ पड़ी। मौके पर पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ सिटी, सदर कोतवाली प्रभारी, महिला थाना प्रभारी व अन्य पुलिस बल मौजूद रहा। मृतका कॉस्टेबल के परिजनों को सूचना विभाग द्वारा दी गई है। मृतका महिला कॉस्टेबल अलीगढ़ जिले की रहने वाली थी।

बिंदकी पुलिस और आबकारी टीम ने पकड़ी 1500 लीटर अपमिश्रित शराब

फतेहपुर। नकली शराब बनाने वाले गिरोह के दो सदस्यों को बिंदकी पुलिस और आबकारी टीम ने गिरफ्तार किया है। वहीं एक आरोपी फरार है। आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में अपमिश्रित शराब, खाली बोतलें, क्यू आर कोड, ढक्कन बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि भोर पहर कोतवाल रवींद्र श्रीवास्तव, खजुहा चौकी इंचार्ज राजेन्द्र त्रिपाठी, आबकारी निरीक्षक राजीव माथुर ने अपनी टीम के साथ अमौली तिराहा के पास से दो युवक हजरत अली निवासी खानपुर जाफरगंज, दिव्यांश पाल निवासी नरैनी जहानाबाद को एक पेटी नकली अंग्रेजी शराब व क्यू आर कोड के साथ गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस टीम ने पारादान कोठी के पास से 25 इम में 1500 लीटर अपमिश्रित शराब, 96 पौवा तैयार अंग्रेजी शराब, 404 ढक्कन, 647 क्यू आर कोड, 9 पेटी अलग अलग ब्रांड की खाली सीसी, 05 किलो यूरिया, बरामद किया गया। एएसपी ने बताया कि आरोपी नकली शराब बनाकर अलग अलग स्थानों पर उसकी बिक्री करते थे। इनका एक साथी फरार हो गया है। जिसकी तलाश में पुलिस टीमें लगी है।

25 हजार का इनामी चढ़ा पुलिस के हत्थे

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह के दिशा निर्देशन पर चलाये जा रहे अभियान के तहत असोथर पुलिस ने गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर 25 हजार का इनामिया बदमाश को तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार असोथर थाना प्रभारी नीरज कुमार यादव अपने हमराह सिपाहियों के साथ क्षेत्र में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त करने के उद्देश्य से गस्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सटीक सूचना पर 25 हजार का इनामी बदमाश जिसके ऊपर गैंगेस्टर एवं वांछित तौसीफपुत्र तौफीक निवासी पारहसनपुर थाना करारी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार करते हुये उसके कब्जे से एक 315 बोर का तमंचा व एक जिन्दा कारतूस बरामद कर उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करते हुये न्यायालय भेजा है।

अमृत सरोवर का मानक के तहत पूरा किया जाए कार्यः डीएम

संवाददाता। फतेहपुर

डीएम श्रीमती श्रुति ने निर्माणाधीन अमृत सरोवर (पक्का तालाब), अमृत उपवन में हो रहे कार्यो का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अमृत उपवन में बनाये गए मानचित्र के अनुसार मानकों के तहत गुणवत्तापूर्ण चरणबद्ध तरीके से कार्य को पूरा कराया जाए। उपवन में बनाये जा जा रहे ओपन जिम में स्टीमेट के अनुसार ही सामग्री लगायी जाए। अमृत सरोवर में रोपित किये गए पौधों की निरंतर देखभाल कर संरक्षित किया जाए। अमृत उपवन में सजावटी घास, फलदार व छायादार पौधे लगाकर आकर्षक रूप में तैयार किया जाए ताकि नागरिकों को शुद्ध हवा के साथ-साथ अच्छा वातावरण मिल सके और शरीरिक व्यायाम भी कर सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप, उपजिलाधिकारी सदर नन्द प्रकाश मौर्य, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरा सिंह आदि उपस्थित रहीं।

श्री आदर्श रामलीला मंडल मानस मंच के कलाकारों ने तुलसी जयंती मनाई

संवाददाता। फर्रुखाबाद

श्री आदर्श रामलीला मंडल मानस मंच के कलाकारों ने तुलसी जयंती पर गोस्वामी तुलसीदास के चित्र पर पुष्पांजलि कर एवं राम धुन के साथ गोस्वामी तुलसीदास को याद किया एवं सुरेंद्र पाण्डेय ने गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा सम्पूर्ण भारतवर्ष में महान ग्रंथ रामचतिमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास के स्मरण में तुलसी जयंती मनाई जाती है। श्रावण मास की अमावस्या के सातवें दिन तुलसीदास की जयंती मनाई जाती है।

गोस्वामी तुलसीदास ने कुल 12 पुस्तकों की रचना की हैए लेकिन सबसे अधिक ख्याति उनके द्वारा रचित रामचरितमानस को मिली। दरअसल इस महान ग्रंथ की रचना तुलसी ने अवधीभाषा में की है और यह भाषा उत्तर भारत के जन.साधारण की भाषा है। इसीलिए तुलसीदास को जन.जन का कवि माना जाता है।

वही रामलीला के कलाकारों ने रामलीला की रिहर्सल की कलाकारों ने रामलीला के पात्रों का प्रदर्शन किया व्यास नवीन चंद्र मिश्रा नब्बू ने रामायण की चौपाइयां गाकर सभी का मन मोह लिया।

सूर्य प्रकाश भारद्वाज,अखिलेश वाजपई, नारद गुप्ता, दीपक मिश्रा, नवीन मिश्रा, आदेश मिश्रा, सुरेन्द्र पाण्डेय, अनुज दीक्षित, देवाशीष मिश्रा, नरेन्द्र मिश्रा, पंकज पाण्डेय, मोहित मिश्रा, विदित दीक्षित, शरद मिश्रा,सोनू,अरविन्द दीक्षित,सुमित दीक्षित,अनुपम पाण्डेय, आदेश दीक्षित, राजेश कश्यप,नमन पांडेय, आदि लोग उपस्थित रहे।

उपचुनाव में अधिक वोट निकलने पर विवाद निकाले गए प्रधान व पूर्व प्रधान व समर्थक

संवाददाता। राजेपुर, फर्रुखाबाद

मतगणना के दौरान अधिक वोट निकलने पर विवाद हो गया पुलिस ने कार्यालय में छिपे प्रधान व पूर्व प्रधान को बाहर निकाल दिया। विकासखंड राजेपुर की ग्राम पंचायत रतनपुर पमारान के ग्राम पंचायत सदस्य के नंबर 2 की मतगणना आज 8 बजे होनी थी किसी कारणवश 9ण्10 पर मत पेटी खोली गई। जिसमें 97 डाले गये मत पत्र के स्थान पर 112 मतपत्र निकले। जिससे विवाद की स्थिति बन गई प्रत्याशी संदीप सक्सेना ने पत्रकारों को जानकारी दी। आरओ देवेश कुमार ने पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर युक्त पत्रों का मिलान शुरू किया तो 97 वे मतपत्र ही निकले। अधिक निकले मतपत्रों को गिनती से बाहर रखा गया है मतगणना में 60 वोट मिलने पर संदीप सक्सेना को विजयश्री घोषित किया गया। पराजित प्रत्याशी कमला देवी को 35 मतों पर संतोष करना पड़। 2 मत खराब निकले अवैध रूप से निकले मत प्रधान पक्ष के समर्थक प्रत्याशी चुनाव चिन्ह आम के निकले। पूर्व प्रधान व प्रधान पति आधा दर्जन समर्थकों के साथ पहले ही पुलिस की नजर बचाकर ब्लॉक के अंदर बैठे थे। जब यह जानकारी प्रत्याशी संदीप सक्सेना ने थानाध्यक्ष को जानकारी दी तो थानाध्यक्ष ने तत्काल पुलिस बल से समर्थकों सहित प्रधान पति को बाहर निकाल दिया। इस दौरान उप जिलाधिकारी गौरव शुक्ला तहसीलदार संतोष कुमार कुशवाहा एडीओ पंचायत अजीत पाठक खंड विकास अधिकारी कौशल गुप्ता राजेपुर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम अनिल कुमार चौबे भारी पुलिस बल के साथ मतगणना स्थल पर डटे रहे।

28 अगस्त को होगा वैश्य समाज के मेधावियों का सम्मान समारोह

● वैश्य समाज के हर घर में लगाया जाएगा तिरंगा बैठक में बनी रणनीति

फतेहपुर। वैश्य मेधावी छात्र छात्रा अलंकरण समारोह 28 अगस्त को होगा। बैठक में अंक पत्रों की छाया प्रति संकलित करने के स्थान चिन्हित किए गए। समारोह में हाईस्कूल व उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद की मासिक बैठक कैंप कार्यालय पीलू तले चौराहा पर जिलाध्यक्ष अरुण जायसवाल की अध्यक्षता में, संचालन परिषद के महामंत्री चंद्र प्रकाश गुप्ता जनसेवक ने किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए परिषद के जिलाध्यक्ष ने कहा कि 28 अगस्त को मेधावी छात्र-छात्रा अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जनपद के सभी मेधावी प्रतिभाग करेंगे। जिन मेधावियों ने इस वर्ष हाई स्कूल इंटरमीडिएट या उच्च शिक्षा में स्थान प्राप्त किया है। उन मेधावियों को अलंकरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा। परिषद के राष्ट्रीय महासचिव विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि मेधावी अलंकरण समारोह के लिए अंक पत्रों की छाया प्रति जहानाबाद में सतीश गुप्ता नामित सभासद, बिंदकी में अरविंद गुप्ता व मोना गुप्ता, किशोर गुप्ता, खागा तहसील में शोभा अग्रवाल, माया शिवहरे, हीरालाल गुप्ता, ममता जयसवाल, हथगांव में अमरनाथ चौरसिया, हुसैनगंज में श्रवण कुमार गुप्ता,रमेश चंद्र गुप्ता छिवलहा में रंजन गुप्त कपड़ा वाले, बहुआ में अरुण अग्रहरी नामित सभासद, संजय गुप्ता भट्टा वाले, चुन्नू गुप्ता तथा नगर क्षेत्र में राधा नगर में टीटू स्वीट हाउस, कलेक्टरगंज वेद प्रकाश गुप्ता लाज हीरा, राधेश्याम हयारण कटरा अब्दुल गनी, कैंप कार्यालय विनोद गुप्ता के यहां जमा कर दें।

दस हजार रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

कनपुर देहात। शातिर अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना अकबरपुर पुलिस व स्वाट टीम द्वारा शुक्रवार को शातिर वांछित 10,000/ रुपये इनामी अभियुक्त नीरज उर्फ छोटू बन्जारा पुत्र शिवराम सिंह उर्फ टैटू बन्जारा निवासी ग्राम अकोडिया थाना मंगलपुर कानपुर देहात को मुखबिर खास की सूचना पर गिरफ्तार किया गया । विदित हो कि दिनाँक. 26 मार्च को श्याम नरेश पुत्र रामलखन निवासी माती किशनपुर थाना अकबरपुर द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर मु0अ0स0. 228ध्2022 धारा. 394/325/411 भा0द0वि0 बनाम 03 व्यक्ति नाम पता अज्ञात पंजीकृत था। विवेचना के क्रम में अभियुक्त नीरज उर्फ छोटू बन्जारा उपरोक्त प्रकाश में आया जो कि फरार चल रहा था अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात द्वारा रुपये 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था । जिसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय नियमानुसार प्रस्तुत किया जायेगा।

अमृत महोत्सव के उपलक्ष में छात्रों द्वारा धूमधाम से निकाली गई तिरंगा झंडा यात्रा

संवाददाता। फर्रुखाबाद

श्री विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा संचालित एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट की राजपुर अमृतपुर स्थित शाखा द्वारा आजादी के 75 वर्ष के उपलक्ष में आयोजित अमृत महोत्सव कार्यक्रम के दौरान तिरंगा यात्रा धूमधाम से निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ इंस्टिट्यूट के निदेशक सुरेंद्र पाण्डेय के साथ शाखा प्रबंधक रक्षपाल सिंह ने किया।

यात्रा के दौरान लगभग एक सैकड़ा विद्यार्थी हाथों में तिरंगा झंडा लेकर कदमताल करते हुए राजपुर कस्बे में लोगों को जागरूक किया। भारत माता की जयए वंदेमातरमए हिंदुस्तान जिंदाबाद के जोरदार नारे लगाए। जिससे पूरे कस्बे का माहौल देशभक्ति मय हो गया। तिरंगा यात्रा में हर घर तिरंगा घर.घर तिरंगा नारे के साथ छात्रों ने कदम ताल की।

हाथों में तिरंगा झंडा, जुबां पर देशभक्ति के नारेए दिल में उत्साह लेकर एशियन कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट के छात्रों ने प्रत्येक नागरिक से अपील की कि अपने घर पर तिरंगा अवश्य लगाएं एवं आजादी के अमृत महोत्सव के सहभागी बने। इस अवसर पर निदेशक सुरेंद्र पाण्डेय ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को अमृत महोत्सव कार्यक्रम के लिए जागरूक करना एवं हर घर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित करना है। यात्रा के दौरान राममूर्ति प्रधानाचार्य, राजीव सिंह यादव प्रबंधक आर.आर. पब्लिक स्कूल रतनपुर, देवपाल राजपूत, आदित्य कुमार , सत्यवीर, प्रभात, रिंकू मिश्रा सहित छात्र छात्रायें यात्रा में सम्मिलित हुए।

लापता युवक का शव गांव के बाहर जंगल से बरामद

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र कोर्रा कनक गांव के ही सुनसान जगह पर फिर से पड़ा मिला। एक युवक का शव इसके पूर्व में भी मिल चुके हैं। दो लड़कियों के साथ जांच उपरांत शिनाख्त कर मुजरिमों को जेल भेजा जा चुका है। बताते चले की मामला जनपद के थाना ललौली क्षेत्र के कोर्रा कनक गांव का है, जहां रोहित सोनकर पुत्र देशा सोनकर का शव पंचायत भवन के रास्ते से जाते कुछ दूरी पर घनश्याम डेरा जाते हुए एक ट्यूबवेल के नजदीक पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि रोहित लोटा लेकर शौच क्रिया हेतु सुबह अपने घर से निकला था, अज्ञात व्यक्ति के सूचना पर आनन-फानन पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वही माता-पिता का आरोप है कि रोहित को साजिशन शराब के साथ जहरीला पदार्थ पिलाया गया है। वही रोहित का शव देखने के बाद से घर वालो का रो-रो बुरा हाल है। वही पुलिस प्रशासन की मानें तो शव में किसी भी प्रकार का निशान नहीं है।

डीएम ने की विकास कार्यों की समीक्षा बैठक, दिये निर्देश

● विकास कार्यों व जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी: डीएम

●निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत पूर्ण करें संबंधित कार्यदायी संस्था

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र व मुख्य विकास अधिकारी डा. अंकुर लाठर ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में शासन के सर्वोच्च प्राथमिकता कार्यक्रम विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने.अपने विभाग की योजनाओं कार्यक्रमों के लक्ष्य को निर्धारित समय.सीमा में अवश्य पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण शासन के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता कदापि न बरती जाये। इसके साथ ही उन्होंने शासन के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की विभागवार योजनावार समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के अन्तर्गत चिकित्सकों, दवाओं की उपलब्धता, स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, टीकाकरण आदि, पंचायती राज विभाग के अन्तर्गत सामुदायिक शौचालयए पंचायत भवनों के निर्माण व संचालन की स्थिति, कायाकल्प योजना अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान, समाज कल्याण के अन्तर्गत छात्रवृत्ति वितरण, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, पेंशन योजना भौतिक/वित्तीय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण पेंशन योजना, प्रोबेशन विभाग, ग्राम विकास के अन्तर्गत मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजना अवस्थापना सुविधाएं, मुख्यमंत्री

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में डीएम

आवास योजना ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशनए मनरेगा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाए राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन, खाद्य एवं रसद के अन्तर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्य वितरण की प्रगति के बारे में जानकारी ली, तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने.अपने विभाग की योजनाओं के लक्ष्यों को समय से पूर्ण करें। उन्होंने समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत जनपद में नई सड़क का निर्माण, सेतुओं का निर्माणए सड़कों को गड्ढ़ा मुक्त किये जाने आदि, विद्युत विभाग की समीक्षा में सरकार की मंशानुरूप रोस्टर के अनुसार विद्युत अपूर्ति, ग्रामों का ऊर्जीकरण, ट्रान्सफार्मरों का प्रतिस्थापन, कृषि विभाग के अन्तर्गत खाद व बीज की उपलब्धता एवं वितरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ग्राम विकास के अन्तर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी, बाल विकास एवं पुष्ठाहार, लघु सिंचाई व वन विभाग आदि की योजनाओं की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जन कल्याणकारी योजनाओंध्कार्यक्रमों से लाभांवित लाभार्थियों का सत्यापन भी कराया जाये। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने.अपने विभाग की योजनाओं/कार्यक्रमों को पूर्ण करने के लिये विशेष ध्यान दें। सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय समय से पहुंचे तथा जनता की समस्याओं का मौके पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. विमलेंदु शेखर, प्रभागीय वनाधिकारी एमएन सिंह, जिला विकास अधिकारी तेजभान सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए आशुतोष दूबेए जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी नीरज सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम बने शिक्षक, बच्चों को याद करने के सिखाए गुर

● डीएम ने उच्च प्राथमिक विद्यालय सराय खेमा का किया स्थलीय निरीक्षण

अमेठी। डीएम राकेश कुमार मिश्र ने आज विकासखंड अमेठी अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय सराय खेमा का स्थलीय निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने मौजूद छात्र छात्राओं से पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली तथा उन्हें याद करने के तरीके बताए। उन्होंने बच्चों से कहा कि प्रतिदिन पढ़ाई जरूरी है पढ़ाई के साथ.साथ खेलकूद भी जरूरी है। घर पर प्रतिदिन कम से कम 3 से 4 घंटे पढ़ाई जरूर करें। प्रधानाध्यापिका द्वारा बालिकाओं के लिए एक अतिरिक्त शौचालय बनवाने की मांग की गई जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल खंड विकास अधिकारी अमेठी को विद्यालय परिसर में बालिकाओं हेतु एक अतिरिक्त शौचालय बनवाने के

बच्चों को पढ़ाते हुए डीएम

निर्देश दिए साथ ही विद्यालय परिसर में बेहतर साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रधानाध्यापिका को बच्चों को इंडोर गेम खिलाने के निर्देश दिएए उन्होंने बच्चों के पानी पीने के लिए के गिलास की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा साथ ही कक्षाओं में पर्याप्त मात्रा में प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने मिड डे मील, पाठ्यपुस्तक, जूता मोजा, ड्रेस, बैग, रसोइयों के भुगतान इत्यादि के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। डीएम ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कुल 218 छात्र.छात्राएं पंजीकृत थे जिसके सापेक्ष 128 छात्र छात्राएं उपस्थित पाए गए। बच्चों की शत.प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ अरविंद कुमार पाठक, खंड विकास अधिकारी अमेठी हरिश्चंद्र, प्रधानाध्यापिका सुनीता सिंह सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

जलाभिषेक के लिए जत्था रवाना

शिवभक्तों के जत्थे पर पुष्प वर्षा कर रवाना करते ब्लाक प्रमुख

तिलोई, अमेठी। सिंहपुर विकास क्षेत्र के गोयन गांव स्थित छत्रपाल मंदिर से सैकड़ों शिव भक्तों का जत्था बाबा लोधेश्वर धाम के लिए शुक्रवार को रवाना हुआ। सावन महीने में भगवान् शिव का जलाभिषेक उत्तम माना जाता है और यहाँ से जाने वाले शिवभक्त डलमऊ स्थित गंगाघाट से जल भरकर लगभग सवा दो सौ किमी की यात्रा कर आदि ज्योतिर्लिंगों में से एक लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक करेंगे। जत्थे का नेतृत्व राजकुमार पासी ने किया। और जत्थे में जाने वाले शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा कर सिंहपुर ब्लाक प्रमुख अंकित पासी ने रवाना किया। गोयन गांव से दो सौ पचास से अधिक शिव भक्तों का जत्था शुक्रवार को छत्रपाल मंदिर से गाजे.बाजे के साथ रवाना हुआ और समाजसेवी समर बहादुर सिंह, रामकुमार पासी, राम सुमिरन लोधी समेत सैकड़ों ग्रामीणों ने उन्हें विदाई दी। इस अवसर पर सुरेश मौर्य, महेश कुमार, राकेश लोधी, राजकुमार, मोहित विश्वकर्मा, राम सजीवन, सरजू, भुलई, अनिल, संदीप, बिपिन समेत सैकड़ों की संख्या में शिव भक्त दर्शन के लिए रवाना हुए।

पुलिस की सतर्कता और सूझबूझ से दो समुदायों के बीच शुरू हुआ तनाव सुलझा

● दोनों पक्षों ने लिखा पढ़ी में किया सुलहनामा

संवाददाता। तिलोई, अमेठी

शिवरतनगंज थानाक्षेत्र की रिपोर्टिंग चौकी इन्हौना के नौखेड़ा ग्राम पंचायत के जमुनीपुर गांव में दो समुदायों के बीच गुरुवार रात मोहर्रम के दौरान मातम करने को लेकर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।मामले की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और एक बड़ी घटना टल गई।शुक्रवार सुबह इन्हौंना चौकी में दोनो पक्ष आपस में सुलह हो गए।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार को मोहर्रम के अवसर पर मुस्लिम पक्ष के लोग आग पर मातम का कार्यक्रम करना चाह रहे थे और उसके लिए तैयारियां शुरू होने लगी गांव में सूचना फैलते ही हिंदू पक्ष के लोग विरोध पर उतर आए सूत्रों की माने तो जमुनीपुर गांव में मात्र 15 घर बेहना बिरादरी के हैं और कभी भी यहां मातम, मजलिस जैसे कार्यक्रम नहीं हुए लेकिन एक पड़ोस के गांव के मौलाना द्वारा प्रोत्साहित करने पर जोर देने लगे और गांव में दूसरे समुदाय के लोगों ने विरोध किया तो झगड़े की नौबत आ गई।

इस दौरान बेहना लोगों को ताकत देने दूसरे गांव के लोगों को लेकर कथित मौलाना पहुंच गए इसी दौरान किसी ग्रामीण ने चौकी पुलिस व थानाध्यक्ष शिवरतन गंज को मामले की सूचना दे दी मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष अमरेंद्र सिंह व चौकी प्रभारी देवेंद्र सिंह ने दोनो पक्षों को समझा बुझा कर मामला शांत कराया और मुस्लिम पक्ष को ताकीद की कि अभी तक की परंपरा में यदि मजलिस और मातम यहां नहीं होता था तो वही परंपरा कायम रहेगी। रात में गांव में पुलिस लगा दी गई। दूसरे समुदाय ने यह कहते हुए विरोध किया था कि जो कभी नहीं हुआ उसकी नई परिपाटी नहीं बनेगी। शुक्रवार को दोनो पक्ष इन्हौना पुलिस चौकी पर इकट्ठा हुए और इस बात पर सुलह हुए कि गांव में जो परंपरा मोहर्रम पर गांव में पहले से थी वही रहेगी कोई नई परंपरा नहीं डाली जाएगी और दोनो पक्षों से लिखापढ़ी में सुलहनामा करा लिया गया।मामले पर थानाध्यक्ष अमरेंद्र सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि दोनो पक्षों में कुछ नई परंपरा को लेकर तनाव हुआ था लेकिन दोनो पक्षों से बात कर मामला सुलह हो गया है दोनो पक्ष अमन चैन से रहने पर राजी हैं। मोहर्रम के दौरान किसी नई परंपरा चालू नहीं होगी। मातम, मजलिस, माइक का प्रयोग नहीं किया जाएगा। पुलिस की सतर्कता और सूझ बूझ से मामला सुलझ गया।

सड़क दुर्घटना में वृद्ध की मौत

संवाददाता। मुसाफिरखाना अमेठी

शुक्रवार को घर से बाजार जा रहे साइकिल सवार वृद्ध को राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित धरौली मोड़ के पास अज्ञात वाहन टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजवाया। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम को क्षेत्र के गांव सहोदरपुर मजरे पलिया चंदापुर निवासी मनबोध उम्र करीब 60 वर्ष पुत्र दुखी घर से बाजार को साईकल से निकले थे ।वे घर से जैसे ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरौली मोड़ के पास पहुंचे थे कि अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मनबोध की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस के उपनिरीक्षक संतोष मिश्रा ने परिजनों को सूचना देते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजवाया।

क्विक न्यूज

महंगाई, बेरोजगारी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

प्रदर्शन करते हुए कांग्रेसी

अमेठी। देश में आसमान छूती मंहगाई तथा बेरोजगारी को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल के मार्गदर्शन में मुख्यालय गौरीगंज पर केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय से उपाध्यक्ष प्रशान्त त्रिपाठी की अगुवाई में जुलूस की शक्ल में विरोध प्रदर्शन की रैली जैसे ही अमेठी रोड पर हनुमान चौराहे की तरफ बढ़ीए सबेरे से ही जिला कांग्रेस कमेटी को घेरे हुए पुलिस फोर्स ने हनुमान जी चौराहे पर बैरिकेटिंग लगाकर जुलूस को रोक दिया। उपाध्यक्ष प्रशान्त त्रिपाठी ने बताया कि बेतहाशा बढ़ती मंहगाई व बेरोजगारी को लेकर आज यह जबरदस्त आंदोलन किया गया। काफी संख्या में गिरफ्तारियाँ हुईं।गिरफ्तार होने वाले प्रमुख लोगो मे आशीष शुक्ला सहित जिला संगठन के पदाधिकारी गण, जिलाध्यक्ष सेवादल एवं पदाधिकारी, महिला जिलाध्यक्ष व पदाधिकारी गण, किसान जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष गण, फ्रंटल संगठन के पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेस जन, पूर्व प्रत्याशीगण तथा कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

शोषितों और वंचितों के मसीहा छोटे लोहिया की मनाई गई जयंती

अमेठी। जिला मुख्यालय समाजवादी कार्यालय पर जनेश्वर मिश्र छोटे लोहिया की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान जिलाध्यक्ष राम उदित यादव और संचालन निवर्तमान महासचिव अरशद अहमद ने किया। जिलाध्यक्ष ने उनके चित्र पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुवात कीए और उनके जीवन व कार्यों पर प्रकाश डाला गया। गौरतलब हो कि समाजवादी आन्दोलन के अगुआ रहे और छोटे लोहिया के नाम से विख्यात जनेश्वर मिश्र जीवन पर्यन्त लोगों के विकास और भलाई के काम करते रहे। उनके जीवित रहते जन्मदिवस के अवसर पर संसद परिसर के आस.पास सभी जाति पाति के लोग एक साथ बैठ कर भोजन करते थे। और सबके लिए खुला आमन्त्रण था। इस मौके पर खास तौर पर सभी जरूरत मंद लोगों की मदद भी की जाती थी। वह लोगों को हर मदद के लिए सदैव तैयार रहते थे। वह दलितों, पीड़ितों, वंचितों और शोषितों की आवाज थे। छोटे लोहिया इलाहाबाद में छात्र आन्दोलन से राजनीति में आये जनेश्वर मिश्रा ताउम्र लोहिया के समाजवाद को जीते रहे।

शोषितों, पीड़ितों, गरीबों, मजलूमों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे। लोहिया और उसके बाद के समाजवादी परम्परा को आगे बढ़ाने के बाद उन्होंने मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में

छोटे लोहिया की जयंती मनाते हुए सपाई

समाजवादी पार्टी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ताउम्र वह सपा की नीतियों को किसान और वंचितों के विकास के अनुकूल बनाने में लगे रहे। युवाओं के भी वह आदर्श थे। अखिलेश यादव ने उनके महान व्यक्तित्व को देखते हुए लखनऊ में जनेश्वर मिश्र के नाम पर एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा जैव विविधता से परिपूर्ण पार्क स्थापित किया। और उनके राजनीतिक कद के अनुरूप आदमकद मूर्ति की स्थापना और उसी परिसर में अधिकतम ऊंचाई का राष्ट्रध्वज निर्मित किया गया है। कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनके आदर्शो पर चलते हुए आखिरी पायदान के लोगो तक सेवा करते हुए समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस मौके पर तुफैल खान, चंद्रशेखर यादव, राकेश कौहार, राम केवल यादव, महेन्द्र शुक्ला, अनवार खान, बहरैची गुप्ता, बी डी यादव, राम सुन्दर यादव, राम धीरज यादव, पूर्व विस प्रत्याशी विमलेश सरोज आदि सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उपचुनाव की मतगणना में जलालपुर ग्राम सभा की मुखिया बनी लखना कुमारी

● निकटतम प्रतिद्वंद्वी मालती देवी को 20 मतों से हराकर फहराया जीत का परचम

बछरावां रायबरेली। बछरावां विकासखंड की जलालपुर ग्राम सभा में कल हुए मतदान की मतगणना आज विकासखंड परिसर में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। पूर्व प्रधान की पत्नी लखना कुमारी ने विजयश्री हासिल की। 393 मत पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी मालती देवी पत्नी मंसाराम को 20 मतो से हराया। निकटतम प्रतिद्वंदी ने ग्राम प्रधान के उपचुनाव में 373 मत व अन्य प्रत्याशी धर्मराज ने 215 मत हासिल किए। पूरे चुनाव में 9 मत अवैध भी घोषित किए गए। खाकी के साए में शांतिपूर्ण ढंग से मतगणना विकासखंड परिसर में संपन्न हुई। लगभग छह माह पूर्व लखना कुमारी के पति रामलखन पासी की मौत गंभीर बीमारी के कारण हो गई थी। जलालपुर ग्राम सभा में उपचुनाव हुआ था? मतदाताओं की सहानुभूति मृतक प्रधान की पत्नी के प्रति मतदान में लगभग दिखाई पड़ी। ग्रामीणों को जैसे ही लखना कुमारी की जीत की जानकारी प्राप्त हुई। वैसे ही गांववासियों व समर्थकों ने मिष्ठान वितरित करके अपनी खुशी का इजहार किया। पूरे चुनाव को एक संरक्षक के रूप में देखरेख करने वाले बाबा हंसराज से जब संवाददाता ने बात की, यह जलालपुर ग्राम सभा के की आम जनता की जीत है जनता ने अपने मत रूपी आशीर्वाद को देखकर विजई बनाया है। ग्रामसभा के विकास कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। एसडीएम महाराजगंज शालिग्राम वर्माए क्षेत्राधिकारी राम किशोर सिंहए खंड विकास अधिकारी के साथ ही साथ बछरावां थाना अध्यक्ष जगदीश यादव सहित भारी मात्रा में पुलिस बल मतगणना स्थल पर मौजूद रहा।

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शंभवी श्रीवास्तव ने मारी बाजी

● 236 वी रैंक मिलने पर परिजनों ने जताई खुशी, बांटीं मिठाइयां

खीरों, रायबरेली। विकास क्षेत्र खीरो के अंतर्गत भीतरगांव निवासी अजय श्रीवास्तव की मेधावी पुत्री ने बिहार लोक सेवा आयोग परीक्षा उत्तीर्ण कर गांव व जिले का नाम रोशन किया है। बिहार प्रशासनिक सेवा संवर्ग की परीक्षा में मेधावी पुत्री ने 236 वीं रैंक हासिल किया है। पुत्री की सफलता पर माता. पिता, परिवारीजनों समेत गांव व पूरे क्षेत्र ने गौरव महसूस किया है। मूलरूप से क्षेत्र के भीतर गांव के रहने वाले और जनपद में एलआईसी के डिविजनल मैनेजर के पद पर कार्यरत अजय श्रीवास्तव की पत्नी डॉक्टर नीता सिन्हा प्रयागराज के सीएमसी डिग्री कॉलेज में शिक्षा शास्त्र की प्रोफेसर हैं। बचपन से ही पुत्र शंभवी श्रीवास्तव ने प्रशासनिक सेवा में चयनित होने को ही अपना लक्ष्य बनाया था। शंभवी की

पूर्व माध्यमिक और माध्यमिक शिक्षा प्रयागराज में पूरी हुई। प्रयागराज विवि से विज्ञान संकाय में स्नातक किया। कठिन परिश्रम और मेहनत व लगन से पुत्री ने उस मुकाम को हासिल किया जो माता.पिता समेत सभी परिवारी जनों के लिए हर्ष व गौरव का विषय बना। संभवी श्रीवास्तव ने बिहार संवर्ग की सिविल सेवा परीक्षा में 236 वीं रैंक हासिल किया। क्षेत्र के भीतर गांव में लोपूरे गांव में खुशी व जश्न का माहौल है। सफलता के बाद परिवार के राजीव श्रीवास्तव, शैलेंद्र श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, अमरीश श्रीवास्तव, रिशु, नितिन व सर्वेश श्रीवास्तव ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई।

करंट की चपेट में आने से संविदा कर्मी झुलसा

जगदीशपुर, अमेठी। ग्यारह हजार लाईन पर फ्यूज जोड़ते समय तैंतीस हजार लाइन में टच होने से संविदा कर्मी गंभीर रूप से झुलस गया। स्थानीय कर्मचारियों की मदद से इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सभा बगाही में ग्यारह हजार लाईन पर फ्यूज सही करते समय विद्युत संविदा कर्मी दिलीप कुमार यादव पुत्र मनीराम यादव उम्र 32 वर्ष ग्राम पुरे नरसिंह मोहब्बतपुर तैंतीस हजार लाईन की चपेट में आ गया जहां वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 व विद्युत कर्मी घटना स्थल पर पहुंचकर तत्काल झुलसे कर्मी को इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा है।इस सम्बन्ध में जब एसडीओ महेन्द्र कुमार से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा।

सड़क दुर्घटना में हमेशा याद रखें आकस्मिक चिकित्सा की एबीसीडी: डॉक्टर एसएम सिंह

● कृतिम सांस और सीपीआर से बच सकती है व्यक्ति की जानः रमेश बहादुर सिंह

रायबरेली। कचेहरी रोड स्थित एसजेएस पब्लिक स्कूल में आज स्कूली छात्रों को सड़क दुर्घटना में दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को आकस्मिक चिकित्सा दिए जाने के संबंध में जरूरी जानकारी दी गई। शहर के प्रतिष्ठित आर्थोपेडिक सर्जन डॉ एस एम सिंह और डॉक्टर नीतीश गुप्ता ने आकस्मिक चिकित्सा के बारे में छात्र छात्राओं के साथ अपने विचार साझा किए। डॉक्टर एस एम सिंह ने बताया कि जब भी सड़क दुर्घटना हो तो चार सूत्र वाक्य एबीसीडी याद रखना है। ए से एयर वे यानी ये देखना है कि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति सांस ले रहा है या नही। उसकी सांस की नली में कुछ फंस तो नही गया है। दुर्घटना में हो सकता है व्यक्ति का दांत टूटकर गले मे फंस गया हो या थूक फंस गया हो। इसके लिए सांस लेने के रास्ते मे रुकावट को हटाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। बी से ब्रीथिंग है यानि अगर दुर्घनाग्रस्त व्यक्ति सांस ले रहा है तो समझ लेना चाहिए कि व्यक्ति की जान बच सकती है।यदि सांस नही ले रहा है तो उसे कृतिम सांस देने की जरूरत है।व्यक्ति को मुंह से कृतिम सांस दें।

सी से सर्कुलेशन यानी खून पूरे शरीर मे दौड़ रहा है या नही। यानी व्यक्ति का दिल चल रहा है या नही। इसके लिए आप व्यक्ति की पल्स देख सकते है। यही दिल काम नही कर रहा है तो आपको सीपीआर देने की जरूरत हैं। व्यक्ति को तत्काल सीपीआर दे। डी से डिफॉर्मिटी होता है यानी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति का कोई अंग टूट तो नही गया है या उसका शेप तो नही बिगड़ गया है।अगर उसका हाथ पैर टूट गया है तो उसे बहुत ध्यान से सावधानी से घटनास्थल से उठाकर सुरक्षित जगह पर ले जाना चाहिए।

उन्होंने बच्चों को सीपीआर और कृतिम सांस देने का तरीका भी बताया। डॉक्टर नीतीश गुप्ता ने भी बच्चों को अहम जानकारियां दी। अक्सर छात्र छात्राएं असेंबली में बेहोश हो जाते है या उन्हें कोई दिक्कत हो जाती है। ऐसी स्थिति में पैनिक नही होना चाहिए। उसे खुली हवा में ले जाएं और भीड़ न लगाए।इस तरह की छोटी. छोटी बातों से बड़ी दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल के चेयरमैन रमेश बहादुर सिंह ने कहा किसी जानकारी से सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु की संख्या को कम किया जा सकता है अस्पताल जाने से पहले ही मिल जाए जो व्यक्ति की जान बच सकती है। स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ बीना तिवारी ने दोनों डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया और उन्हें शुभकामनाएं दी। एसजेएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन रमेश बहादुर सिंह और स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. बीना तिवारी ने दोनों चिकित्सको को एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

छत से गिरकर मजदूर गंभीर रूप से घायल

ऊंचाहार। प्रतापगढ़ जनपद के गांव सोनामऊ में छत पर चढ़कर मिक्सर मशीन का पार्ट खोलते समय दिहाड़ी श्रमिक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्रतापगढ़ जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत इब्राहिम पुर गाँव निवासी अर्जुन कुमार 30 वर्ष दिहाड़ी श्रमिक हैए शुक्रवार की दोपहर बाद वो पड़ोसी गांव सोनामऊ में छत पर चढ़कर लिंटर डालने वाली मिक्सर मशीन के पार्ट को खोल रहा थाए तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वो छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, आसपास मौजूद लोगों ने उसे इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि घायल युवक को सीएचसी लाया गया थाए जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

ऊंचाहार। कोतवाली प्रभारी को उत्कृष्ट कार्य करने पर समाजसेवी संस्था द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शुक्रवार को कोतवाली में समाजसेवी संस्था मदर टेरेसा फाउंडेशन के जिला सचिव डॉ यूसुफ मंसूरी ने कोतवाली प्रभारी शिवशंकर सिंह को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए संस्था द्वारा निर्गत प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डॉ यूसुफ मंसूरी द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि उनकी संस्था समाज सेवा करने वाले व समाज को नया आयाम देने वाले लोगों को सम्मानित करती आई है और इसी क्रम में कोतवाली प्रभारी को सम्मानित किया गया है।

शहर की आबादी 2031 तक हो जाएगी 5.10 लाख

- मौजूदा महायोजना में में आबादी का आंकड़ा 114657 बताया गया
- छलांग लगाती आबादी को ही ध्यान में रखकर महायोजना-2031 प्रस्तावित की गयी
- अव्यवस्थित तरीके से मंगल बाजार, गांधीनगर और मालवीय रोड हुआ विकसित
- महायोजना-2031 को पूरी तरह व्यवहारिक बनाने का हो रहा प्रयासः सचिव

संवाददाता। बस्ती

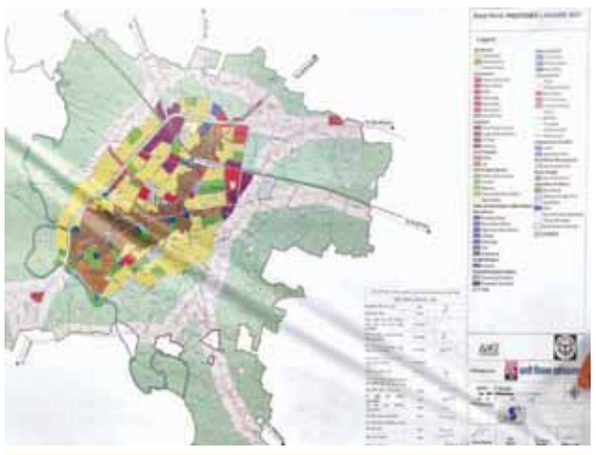

पार्किंग नीति को कारगर बनाने पर जोर

प्रस्तावित महायोजना-2031 में सबसे अधिक जोर पार्किगं नीति को कारगर तरीके से लागू करना है। बीडीए के सचिव गुलाबचंद्र का मानना है, कि कोई भी व्यवसाई पार्किगं नीति का पालन नहीं कर रहा है। जिसके चलते आम लोगों का पटरी पर चलना मुस्किल हो रहा है। प्राय: यह देखा गया है, कि दुकान का मालिक, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और उनके कर्मचारी दिनभर अपने प्रतिष्ठानों के सामने अपने वाहनों को पार्क करते है। आम उपभोक्ताओं को वाहन खड़ा करने के लिए जगह नहीं मिल रही। नान-पीक आवर्स में सड़क पर वाहन खड़े नजर आते हैं। बिना किसी षुल्क के व्यावसायिक प्रतिष्ठान के कब्जे वाली गली की जमीन दिनभर भरापटा रहता। कहा कि नये प्रतिष्ठानों के द्वारा पार्किगं प्रावधानों का निरंतर उल्लघंन किया जाता रहा। इनके द्वारा पार्किगं स्थल का गलत उपयोग किया गया। बताया कि वाहनों का यातायात हर साल सात फीसद बढ़ रहा है, जो कि जनसंख्या बृद्वि से तीन चार गुना अधिक है।कहा कि सड़कों की चौड़ाई निष्चित है, और बढ़ाना मुस्किल है। महायोजना-2031 में कहा गया कि स्थानीय प्रषासन पार्किगं स्थल विकसित करने में विफल रही।

नई महायोजना में मेट्रो रेल एवं शहरी गरीबों को आवास देने का प्राविधान

नई महायोजना-2031 का उद्वेष्य अगर सफल हो गया, तो जिले के लिए यह एक वरदान साबित होगा। इसके जो उद्वेष्य बनाए गए हैं, उनमें षहरी गरीबों के लिए आवास उपलब्ध कराना, षहर में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देना, सरकारी स्तर पर लंबित अनाधिकृत विकास का समाधान निकालना, यातायात को सरल बनाना, नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना, बाजारों, मंडियों, षैक्षिक गतिविधियों जैसी गतिविधियों का विक्रेंद्रीकरण करना, विरासत भवनों और क्षेत्र के संरीक्षण के लिए संभावित उपायों को तलाषना, आसपास के क्षेत्र में मेटो रेल परियोजना के प्रभाव को चिन्हित करना, सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवष्यक भूमि सुनिष्चित करना, विकास का चरणवद्धता और वित्त प्रस्तावित करना, संषोधित महायोजना में आगामी परियोजनाओं और चल रही परियोनाओं को षामिल करना और महायोजना में प्रदेष सरकार की नीतियों को षामिल करना है।

बस्ती महायोजना संघर्ष समिति करेगी जागरूक

महायोजना-2031 में किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए बस्ती महायोजना संघर्ष समिति ने 26 दिन की कार्ययोजना बनाई है। इसमें एक सप्ताह के भीतर सड़कों की चौडाई महायोजना में फर्जी तरीके से बढ़ाये जाने से प्रभावित नगर वासियों की बड़ी मीटिंग, मीटिंग में समिति के सदस्यता विस्तार एवं पदाधिकारियों के चयन के लिए उपस्थित नगर वासियों से नामांकन प्राप्त करना, नामांकन प्रस्तुत करने वाले नगर वासियों की अगले दो दिन के अंदर मीटिंग कर समिति को अंतिम रूप देना, 16 अगस्त के भीतर महायोजना की बारीकियों को समझ कर समिति की तरफसे सामूहिक आपत्ति तैयार करना, 16 अगस्त के भीतर शहर भर के नव निर्मित, निर्माणाधीन या निर्माण विचारित संपत्ति मालिकों की बैठक बुलाकर उन्हें महायोजना की बारीकियों से अवगत कराना, उन्हें समिति द्वारा तैयार सामूहिक आपत्ति से अवगत कराना, महायोजना से उनकी व्यक्तिगत समस्या एवं आपत्ति प्राप्त करना, तत्पश्चात उन्हें समिति की सामूहिक आपत्ति में शामिल करने के साथ साथ उनकी व्यक्तिगत आपत्ति तैयार करने में सहयोग करना। 25 अगस्त के भीतर समिति की प्रेस वार्ता कर समिति द्वारा सामूहिक रूप से तैयार आपत्तियों को सार्वजनिक करना एवं सुझाव को प्राप्त कराना। कहा गया कि बस्ती महायोजना संघर्ष 'समिति बेतुकी महायोजना लागू न होने देने के लिए संकल्पित है।' 'आइये साथ चलें' का नारा दिया।

महायोजना-2031 को लेकर न सिर्फ शहर बल्कि इसके दायरे में आने वाले 217 आसपास के गांव के लाखों लोग यह जानने को उत्सुक हैं, कि यह योजना कहीं महायोजना-2021 जैसी न हो। हर कोई भवन निर्माण के मानचित्र की स्वीकृति को सरला चाहता है। लोग यह भी चाहते है, कि उस मानक में बदलाव किया जाए जिसके चलते सैकड़ों लोगों का मानचित्र स्वीकृति न होने के कारण उनके भवनों का निर्माण नहीं हो पा रहा है। महायोजना-2021 में सड़क से जितनी दूरी छोड़कर मानचित्र स्वीकृति करने की योजना बनी थी, वह इस लिए सफल नहीं हो पाया कि व्यवहारिक रुप से कोई भी गांधीनगर, मालवीय रोड और मंगलबाजार जैसे घनी आबादी में किसी के भी मानचित्र स्वीकृति नहीं हुए। वहीं बीडीए की यह मजबूरी है, कि उसे मानक को पूरा ही करना है। यही कारण है, कि लोगों ने महायोजना-2021 को एक तरह से अस्वीकार कर दिया। कोई भी ऐसा भवन स्वामी नहीं हैं, जो यह नहीं चाहता कि उसका मानचित्र स्वीकृति न हो, हर कोई मानक के अनुसार फीस भी देना चाहता है, मगर उसके सामने सबसे बड़ी मजबूरी वह मानक हैं, जिसके लिए उससे कहा जाता है, कि सड़क से नौ मीटर छोड़कर निर्माण करना है। देखा जाए तो बीडीए के इस मानक पर षायद ही कोई भवन स्वामी खरा उतरे। यही वह अव्यवहारिक मानक है, जिसके चलते असंख्य भवनों का निर्माण बिना मानचित्र स्वीकृति कराए हो गया। सैकड़ों लोग ऐसे हैं, जो बैंक से कर्ज लेकर इस आस में बैठे हैं, कि कब उन्हें मानक में सहूलियत मिले। हालांकि बीडीए के सचिव गुलाबचंद्र का कहना है कि महायोजना-2031 को इसी लिए पूरी तरह व्यवहारिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है, कि किसी को मानचित्र स्वीकृति करवाने में दिक्कत न हो। व्यापारी संगठनों सहित अन्य लोगों का मानना है, कि अगर बीडीए महायोजना-2031 को व्यवहारिक बनाने में सफल रहा तो इसका लाभ सभी को मिलेगा। अब तक जितने भी सुझाव आ रहे हैं, उनमें 90 फीसद से अधिक सड़क की दूरी के मानक को कम करने के लिए ही आ रहे है। अगर इसका लाभ लोगों को मिल गया तो लोग बीडीए का जय-जयकार करेगे, जो अभी तक नहीं हुआ। विकास की संभावनाएं बढ़ेगी और तरक्की के रास्ते खुलेगें। लोगों का कहना है, कि महायोजना-2031 का लाभ 217 गांव के लोगों को मिले, न कि सिर्फबीडीए के लोगों को मिले। इसी लिए प्रदर्षनी के जरिए आमजन मानस से सुझाव और आपत्ति लिए जा रहे है। छलांग लगा रही आबादी को देखते हुए महायोजना-2031 तक षहर की आबादी पांच लाख दस हजार की संख्या पार कर लेने की संभावना प्रस्तावित महायेजना-2031 में जताई गई, वर्तमान में आबादी 114657 है। इस प्रकार आने वाले वर्षो में सबसे अधिक समस्या का सामना यातायात का लोगों को करना पड़ सकता है। इसी को देखकर महायोजना-2031 की रुप रेखा तैयार की गई है।

सीडीओ ने मरवटिया अस्पताल का किया निरीक्षण

- वैक्सीन, आक्सीजन सिलेंडर, साफ-सफाई को लेकर दिए निर्देश
- विकास भवन में यूडीआईडी के साथ की बैठक

संवाददाता। बस्ती

सीडीओ डा. राजेश कुमार प्रजापति ने कोविड-19 को देखते हुए मरवटिया प्लस हॉस्पिटल का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय प्रभारी चिकित्सा अधिकारी मरवटिया एवं अन्य स्टाफ उपस्थित पाए गए, उन्होंने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को हॉस्पिटल के संबंध में पूर्व से सभी तैयारियां वैक्सीन, विद्युत व्यवस्था, ऑक्सीजन सिलेंडर साफ सफाई आदि के संबंध में निर्देश दिया। इसके साथ विकास भवन सभागार में यूडीआईडी अनुश्रवण समिति की बैठक की।

अस्पताल का निरीक्षण करते सीडीओ पायनियर

दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ की गई। उप निदेशक दिव्यांगजन अनूप कुमार सिंह ने अवगत कराया कि जनपद में कुल निर्गत 27053 दिव्यांगजनों का दिव्यांग प्रमाण पत्र के सापेक्ष अभी तक कुल 8736 दिव्यांगजनों की यूडीआईडी जनरेट हुआ है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद के समस्त दिव्यांगजनों का शत-प्रतिशत यूडीआईडी कार्ड निर्गत कराने हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं से सहयोग की अपेक्षा की गई। प्रत्येक स्वैच्छिक संस्था को प्रति सप्ताह 100-100 यू0डीआईडी निर्गत कराने का लक्ष्य भी दिया गया। साथ ही सभी ग्राम प्रधानों से अपेक्षा की गई कि अपने सम्बन्धित ग्राम पंचायत भवन पर पंचायत सहायक के माध्यम से यूडीआईडी कार्ड बनाने हेतु आनलाइन करायें। बैठक में ह्यूमन इंटीग्रेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष अश्विनी शुक्ला, दीदी चौरिटेबुल ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज सिंह, विवेकानन्द लोक विकास संस्थान के सचिव राधेश्याम चौधरी, शिक्षित युवा सेवा समिति के समन्वयक पूनम सिंह, ज्ञानोदय शिक्षण प्रशिक्षण समिति के सदस्य सूर्यभान चौधरी, डॉ अब्दुल कलाम ग्रामीण सेवा संस्थान के अध्यक्ष मकरूद्दीन, श्री राम दुलारे शिक्षा प्रसार समिति पड़री के सदस्य सूर्यपाल वर्मा, दादा गुल्लीराम रिहैब्लीटेशन साइंस इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष रमेन्द्र नाथ, सहदेव प्रसाद मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष डा श्यामनरायन चौधरी व गोविन्दर कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, जय प्रकाश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हेलमेट भी नहीं बचा पाई महिला की जान

बस्ती। बरसात में गिर गए मकान से बेघर हुई महिला मुख्यमंत्री आवास के लिए ब्लॉक परशुरामपुर जा रही थी। बैजलपुर के समीप ईंट लदी ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से महिला की मौके पर मौत हो गई। मुकामी पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार पैकोलिया थाना क्षेत्र के गांव परसरामपुर निवासिनी 32 वर्षीय नीलम पत्नी प्रमोद कुमार अपनी स्कूटी से ब्लॉक परशुरामपुर जा रही थी। पिछले वर्ष बरसात में तेज बारिश के चलते इस भूमिहीन दलित महिला का घर गिर गया था लेकिन सरकारी तंत्र की लापरवाही के चलते अभी तक महिला को आवास नहीं मिल पाया था। मुख्यमंत्री आवास पाने के लिए महिला परशुरामपुर ब्लाक में बीडीओ से मिलने जा रही थी। परसा-परशुरामपुर मार्ग पर बैजलपुर गांव के समीप ईंट लदी ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आने से महिला का शरीर छत विक्षत हो गया मौके पर ही महिला की मौत हो गई।

क्विक न्यूज

डीएम के साथ भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने की वार्ता

बस्ती। शुक्रवार को भारतीय मजदूर संघ जिला इकाई बस्ती की परिचय वार्ता डीएम से हुआ। श्रमिक समस्याओं के निदान पर चर्चा हुई। डीएम के द्वारा सौहार्दपूर्ण वातावरण में निस्तारण का आश्वासन दिया। वार्ता में अशोक सिंह (विभाग प्रमुख) बीके मिश्रा, उपाध्यक्ष उमेश चंद्र मिश्रा, जिलाध्यक्ष सत्यदेव मिश्र, अध्यक्ष अजय तिवारी कार्यालय मंत्री सहित अन्य मौजूद रहे।

महंगाई के विरोध में कांग्रेसियों ने निकाला मार्च

श्रावस्ती भिनगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई के विरोध मे पार्टी नेतृत्व के आवाहन पर जिला मुख्यालय पर मार्च निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष वसीउल्ला चौधरी ने कहा कि बढ़ती महंगाई घरों का बजट बिगाड़ रही हैएसत्ता मे बैठे लोग जनता के दुख दर्द से बेखबर मित्र उद्योग पतियों को लाभ पहुंचाने मे लगे हैंए दिलीप शर्मा ने कहा कि किसान मजदूर व आमजन महंगाई से त्रस्त है। सरकार जनता की समस्या से बेखबर है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय से ईदगाह तिराहा तक जुलूस निकाल कर केन्द्र सरकार के विरुद्ध नारेबाजी कर प्रदर्शन किया एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की मांग उठाई। इस अवसर पर पूर्व विधायक हाजी रमजान विद्यामणि त्रिपाठी मोण् असलम पंकज श्रीवास्तव गौरी शंकर यादव विजय प्रताप सिंह इमरान अनिल तिवारी आदि मौजूद रहे।

सात बार मंत्री रहे, फिर नहीं रहा निजी आवास और गाड़ीः मिश्र

बस्ती। पार्टी कार्यालय में षुक्रवार को सपा पुरोद्धा जनेष्वर मिश्र की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर वरिष्ठ सपा नेता चंद्रभूषण मिश्र ने जनेष्वर मिश्र के व्यक्तित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि वह जब 1953 में इलाहाबाद पहुंचे, तो उनकी मुलाकात झुन्नन गुरु से हुई। उनका तेवर और आंदोलन को देख उन्होंने झुन्नन की मुलाकात डा. लोहिया से करवाया। 1962 में डा. लोहिया फूलपुर लोकसभा क्षेत्र से जवाहरलाल नेहरु के खिलाफचुनाव लड़ा। इस चुनाव में विधार्थियों का एक मजबूत जद्धा डा. लोहिया के साथ लगा रहा। इस चुनाव का पूरा संचालन जनेष्वर मिश्र ने किया। हालाकि लोहिया मामूली अंतर से चुनाव हार गए। कहा कि चुनाव के दौरान लोहिया ने कहा था, कि हम चटटान को तो नहीं तोड़ सकते मगर दरार अवष्य पैदा कर दिया, और आने वाले दिनों में कोई सपाई ही इस चटटान को तोड़ पाएगा। 1967 में जनेष्वर मिश्र नेहरुजी की बहन विजय लक्ष्मी के खिलाफमजबूती से चुनाव लड़े। चुनाव तो उस समय हार गए। मगर बाद में हुए इसी क्षेत्र के उप चुनाव में जनेष्वर मिश्र ने केषवदेव मालवीय को हराया। उसके बाद उन्होंने विष्वनाथ प्रताप सिंह और कमला बहुगुणा जैसे दिग्गजों को हराया। जनेवर मिश्र चंद्रषेखर, देवगौड़ा और गुजराल के सरकार में सात बार केंद्रीय मंत्री रहे। इतने बार मंत्री होने के बाद भी उनके पास निजी आवास और गाड़ी नहीं था। कहा कि श्री मिश्र के कहने पर ही 1992 में मुलायम सिंह ने सपा का गठन किया। सपा विधायक महेंद्र नाथ यादव ने सदस्यता अभियान पर जोर देते हुए कहा कि नौ अगस्त को सपा क्राति दिवस मनाती है। विधायक अतुल चौधरी ने सभी को नौ से 15 अगस्त तक अपने-अपने घरों में तिरंगा लहराए जाने की बात कही। इस मौके पर रामनाथ प्रजापति, राजेंद्र चौरसिया, राघवेंद्र सिंह, निजामुद्दीन और सिद्देष सिन्हा सहित कई सपाई मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन समीर चौधरी ने किया।

सपाइयों ने छोटे लोहिया जनेश्वर की मनाई जयंती

संतकबीरनगर। जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पर छोटे लोहिया स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की 98वी जयंती मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता निवर्तमान जिलाध्यक्ष गौहर अली खान ने किया एवं संचालन निवर्तमान जिला महासचिव राजमन यादव ने किया। जिलाध्यक्ष गौहर अली खां ने कहा कि पण्डित जनेश्वर मिश्र (5 अगस्त 1933- 22 जनवरी 2010) समाजवादी पार्टी के एक राजनेता थे। समाजवादी विचारधारा के प्रति उनके दृढ निष्ठा के कारण वे 'छोटे लोहिया' के नाम से प्रसिद्ध थे। वे कई बार लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य रहे। उन्होने मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चन्द्रशेखर, एच डी देवगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल के मंत्रिमण्डलों में काम किया। सात बार केन्द्रीय मंत्री रहने के बाद भी उनके पास न अपनी गाड़ी थी और न ही बंगला। इनके नाम पर लखनऊ में एशिया का सबसे बड़ा सुन्दर पार्क सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के पूर्व युवा मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा निर्माण कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व जिला अध्यक्ष लोरिक यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव, इंदल यादव, इसहाक अंसारी, श्रीराम यादव, आलोक यादव सोनू, शैलेंद्र यादव, राहुल यादव बादल, परवेज अहमद, प्रिया पाठक, विजय यादव, रविंद्र यादव, विकास यादव, पवन सिंह अहिर, बलराम यादव, जितेंद्र यादव, राकेश यादव, मनोहर सिंह सहित सपा कार्यकर्ता तथा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक अदद बछड़ा के साथ गोतस्कर गिरफ्तार, चाकू बरामद

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार के निर्देशन में चलाये जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के क्रम में दुधारा पुलिस ने 3 गोतस्करो को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक अदद गोवंशीय पशु, दो अदद चाकू, एक अदद बोगदा उनके पास बरामद किया गया। पुलिस ने पकड़े गये अभियुक्त अबुसाद अहमद, मोहम्मद जैद व मोहम्मद उमर के विरूद्ध गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु वरूरता अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय भेजा।

सेमरियावा के उपचुनाव में ममता व राम प्रकाश को मिली जीत

संतकबीरनगर। सेमरियावा ब्लाक सभागार में शुक्रवार को बीडीसी उपचुनाव मतगणना में दानवकुईया से ममता पाण्डेय व कड़जा से रामप्रकाश को जीत हासिल हुई। रिटर्निंग अफसर/नायब तहसीलदार विजय गुप्ता ने विजई क्षेत्र पंचायत सदस्यों को प्रमाण पत्र दिया।

एनसीसी प्रभारी को छात्र ने दी धमकी

संतकबीरनगर। हीरालाल रामनिवास इण्टर कालेज के प्रभारी प्रधानाचार्य ने खलीलाबाद कोतवाली में तहरीर देकर तथाकथित छात्र के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कार्यवाही किये जाने की मांग की है। दिये गये तहरीर में प्रभारी प्रधानाचार्य ने कहा है कि खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी एक छात्र एनसीसी प्रभारी को धमकी देने के साथ कूटरचित दस्तावेज के आधार पर शिक्षा ग्रहण कर रहा है और आये दिन विद्यालय में समस्या उत्पन्न कर रहा है उसके सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्र कूटरचित प्रस्तुत किये गये है। जिसकी विधिक जॉच करवाकर कार्यवाही किया जाय। विद्यालय प्रबन्धन ने आक्रोशित लड़के को पुलिस को सौपा है।

बाल संरक्षण समिति की बैठक में बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने का हुआ निर्णय

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार द्वारा संयुक्तरूप से जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिसमें जिलाधिकारी ने बाल श्रमिकों को रेस्क्यू करने एवं उनको पुनर्वास से जोड़ने के लिए उप श्रम आयुक्त को निर्देशित किया। बैठक में ग्राम पंचायतों के बैठकों, बाल संरक्षण समितियों का बैठक करा करके स्पान्सर सिप योजना एवं फास्टर केयर के कार्यों पर चर्चा किया गया और अधिक से अधिक लोगो को लाभान्वित करने के लिये निर्देश दिया गया।

प्रिकाशन डोज को लेकर टाउन क्लब में लगेगा कैंपः डीएम

- इन्कम टैक्स के पांच कर्मी पाए गए कोरोना संक्रमित

संवाददाता। बस्ती

बैठक करतीं जिलाधिकारी पायनियर

डीएम प्रियका निरंजन ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत कोविड-19 प्रिकाशन डोज लगाने के लिए सात अगस्त को मेगा कैम्प का आयोजन टाउन क्लब गॉधीनगर में किया गया है। इसकी तैयारी को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। कहा कि नगर क्षेत्र में पीएचसी बरदहिया तथा नरहरिया, जिला महिला चिकित्सालय, जिला चिकित्सालय तथा ओपेक चिकित्सालय कैली में कैम्प आयोजित किया जायेंगा। इसके अलावा सभी सीएचसी/पीएचसी पर मेगा कैम्प लगाकर प्रिकाशन डोज लगायी जाएगी। बताया कि कुल 80271 लोगों को प्रिकाशन डोज लगाया गया है, जिसमें 9046 हेल्थ वर्कर, 16008 फ्रंट लाईन वर्कर, 21234 18 से 44 वर्ष, 13521 45 से 59 वर्ष तथा 20462 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग है। कोविड-19 का फर्स्ट डोज 2198816 तथा सेकेण्ड डोज 1991927 लोगों को टीका लगाया गया है। इसके अनुसार प्रिकाशन डोज लगाने में जनपद काफी पीछे है। मेगा कैम्प में प्रिकाशन डोज के साथ-साथ छूटे हुए लोगों का सेकेण्ड डोज भी लगेगा। उन्होने सेकेण्ड डोज लगवा चुके लोगों का जिनका 6 माह पूरा हो गया है को सीएचसी/पीएचसी के अलावा मेंगा कैम्प में लाने के लिए आशा एवं आगनबाड़ी को निर्देशित किया है। उन्होने निगरानी समितियों को भी सक्रिय करने का निर्देश दिया है ताकि अधिक से अधिक लोग प्रिकाशन डोज लगवाकर सुरक्षित हो सके। उन्होने सभी आशाओं को 10-10 प्रिवेन्टिव किट तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। आज इनकम टैक्स विभाग के पॉच कर्मचारी कोरोना पाजिटिव पाये गये है। उन्होने जनसामान्य से अपील किया है कि वे कोरोना से बचाव के लिए पूर्व की भॉति सतर्कता बरते, मास्क लगाये, भीड़-भाड़ में दूरी बनाकर रहे। उन्होने निर्देश दिया है कि जनपद में सक्रिय 27 केस के बारे में कोविड कमाण्ड कंट्रोल सेण्टर से प्रतिदिन फोन कराकर उनका हाल-चाल लिया जाय। आरआरटी टीम उनका विजिट करें। कोरोना सक्रिय मरीज आईसोलेशन में रखे जाय। उल्लेखनीय है कि 27 में 26 लोग अपने घर पर है, केवल एक व्यक्ति कैली अस्पताल में भर्ती होकर इलाज करा रहा है। उन्होने सक्रिय केस के कांटैक्ट में आये हुए लोगों की एंटीजन एंव आरटीपीसीआर की जॉच कराने के निर्देश दिये है। उन्होने कोविड मरीजो के इलाज के लिए निर्धारित एल-1 चार अस्पतालों में 10 बेड आरक्षित रखते हुए सभी व्यवस्थाए पूर्ण करने का निर्देश दिया है। यहॉ पर आवश्यक दवाए, स्टाफ आक्सीजन, वेण्टीलेटर सक्रिय हालत में रखने के लिए उन्होने निर्देश दिया है। बैठक में सीडीओ डा. राजेश कुमार प्रजापति, सीएमओ डा. हरिदास अग्रवाल, एस.आई.सी. डा. आलोक वर्मा, एसीएमओ डा. ए.के. गुप्ता, डा. सी.एल. कन्नौजिया, डा. जय सिंह, डा. ए.के. कुशवाहा, डब्लूएचओ के डा. विकास, यूनिसेफ की अनीता सिंह, यूएनडीपी के हरेन्द्र, सुरेन्द्र यादव, उमेश, सचिदानन्द चौरसिया मौजूद रहें।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम की सफलता को लेकर डीएम ने बनाया प्लान

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार के साथ जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी 11 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा सप्ताह कार्यक्रम को सफल बनाये जाने के लिए बनाये गये प्लान के तहत सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व है देश की शान तिरंगा है आम जनमानस इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहा है लेकिन सभी अधिकारियों को इस विशेष महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय रहेगे। जिलाधिकारी ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पूरा देश आदर एवं प्रेम की भावना के साथ ''आजादी का अमृत महोत्सव'' मना रहा है। इसी क्रम में इस बार आगामी 11 अगस्त से 17 अगस्त 2022 तक ''हर घर तिरंगा'' सप्ताह मनाया जायेगा। जिसमें हम सबको अपने घरो/दुकानों/प्रतिष्ठानों पर गौरव, सम्मान एवं सच्ची देश भक्ति की भावना के साथ राष्ट्रीय तिरंगा झण्डा को फहराना है। उन्होंने कहा कि हमसब स्वयं अपने घरो पर तिरंगा झण्डा फहरायेगें और अपने आस-पास के लोगो को इसके लिए प्रेरित करेगें। जिलाधिकारी ने विशेष तौर पर फील्ड में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों के माध्मय से गॉवो में आम नागरिको को राष्ट्रीय ध्वज का प्रोटोकॉल जैसे ध्वज का रख रखाव, ध्वज के प्रति आदर, सम्मान एवं देश भक्ति की भावना से जोड़ने तथा सही क्रम में फहराये जाने के तौर तरीको आदि के बारे में बताये जाने के भी निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार ने कहा कि हमारे देश का राष्ट्रध्वज हमारे सम्मान का प्रतीक है इससे हम लोगो की संवेदना जुड़ी है हम सबको देश में एकता, अखण्डता और आपसी भाई चारे की भावना को बलवती बनाने में राष्ट्रीय ध्वज के महत्व से बच्चों एवं युवाओं को प्रेरित करने के साथ-साथ कार्यक्रमों में उनकी सहभागिता भी सुनिश्चित करनी है ताकि बच्चों एवं युवाओं में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति आदर, सम्मान एवं देश प्रेम की भावना का विकास हो। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव, एडीएम मनोज कुमार सिंह, एएसपी संतोष कुमार सिंह, सीडीओ अतुल कुमार मिश्र, सीएमओ अनिरूद्ध सिंह, डीडीओ सुदामा प्रसाद सहित जनपद स्तरीय अधिकारी एवं स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने किया अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी को सम्मानित

संवाददाता। बस्ती

विनीत कुमार को सम्मानित करतीं डीएम पायनियर

ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया ने लखनऊ में ताइक्वांडो के जनक ग्रैंडमास्टर जिम्मी आर जगतियानी की उपस्थिति में 46वीं वर्षगांठ अत्यंत हर्सोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर देश के विभिन्न राज्यों के सैकड़ों राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपस्थिति रहे। इनमे कई खिलाड़ियों को ग्रैंडमास्टर, मास्टर, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, लाइफटाइम अचीवमेंट आदि पदों से सम्मानित किया गया। इसी के क्रम में बस्ती जनपद के अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी बिनीत कुमार को, जो कि लगभग 3 दशक से बस्ती के बच्चों को ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दे रहे हैं, सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि बिनीत कुमार स्वयं भी कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच में हिस्सा लेकर अनेक पदक प्राप्त कर चुके हैं, अभी हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बिनीत कुमार को हाल ऑफ फेम इंडिया पुरस्कार में मास्टर इन ताइक्वांडो के लिए चुना गया। लखनऊ से वापस आने पर बिनीत कुमार के शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। बिनीत कुमार ने डीएम से मिलकर उनको अवगत कराते हुए बधाई प्राप्त की, डीएम ने शुभकामना देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डीएम ने जनता से की अपील, शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं त्योहार

- आगामी त्याहारों के दृष्टिगत केन्द्रीय शान्ति समिति की बैठक संपन्न

संवाददाता। श्रावस्ती

आगामी त्योहारों में श्रावण मास का आखिरी सोमवारए मोहर्रमए रक्षाबंधन एवं कजरी तीज को दृष्टिगत रखते हुए शान्ति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाये जाने के सम्बन्ध में केन्द्रीय शान्ति समिति की बैठक जिलाधिकारी नेहा प्रकाश की अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार मौर्य की उपस्थिति में कलेक्टेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी तीज त्योहार हो हिल.मिलकर मनाने पर उसका आनन्द बढ़ जाता है। इसलिए त्योहारों को हिल.मिलकर मनाना चाहिए तथा कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना चाहिएए जिससे अमन.चैन में बाधा उत्पन्न होने की सम्भावना हो। उन्होने सभी जनपद वासियों से अपील किया है कि आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाए। उन्होने कहा कि यह जनपद गंगा.जमुनी तहजीब की एक मिशाल है। यहां पर सभी तीज.त्योहार लोगों ने हिल.मिलकर मनाया हैए और निर्वाचन के दौरान भी सभी जनपद वासियों ने शान्ति का परिचय देकर व्यवस्थापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया है। उन्होने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए बिजलीए पानी एवं साफसफाई की मुकम्मल व्यवस्था सम्बन्धित अधिकारीगण सुनिश्चित करें। उन्होने विद्युत विभाग के अभियंता को निर्देश दिया है कि रोस्टर के मुताबिक बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएए और बार.बार हो रही बिजली कटौती रोकने के लिए कारगर कदम उठाये जाएं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में साफसफाई व पेयजल हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी वहीं नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में साफसफाई एवं पेयजल हेतु सम्बन्धित अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मोहर्रम त्योहार को शान्तिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए सभी क्षेत्राधिकारियों व थानाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि अपने.अपने क्षेत्रों सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम करेंगें एवं त्योहार वाले दिन सजग रहकर कडी निगरानी के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखेंगे। जिससे आम जनमानस को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पडें। उन्होने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि अपने.अपने थानों पर पीस कमेटी की बैठक अवश्य करा लेंए और लोगों को शान्तिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने हेतु निर्देश दें।

इसके लिए थानावार ताजियेदारों की सूची बनायी जाए और पूरा विवरण सहित त्योहार रजिस्टर में दर्ज भी किया जाए। जुलूसों के दौरान सादी वर्दी में महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मी को तैनात किया जायेगाए ताकि अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा सके। यदि कोई भी अराजक तत्व शान्ति में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश करते है तोए जुलूस के साथ चल रहे सादे भेष के पुलिस कर्मियों द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्यवाही की जायेगी।

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 6 अगस्त 2022

भाजपाइयों ने लिया संकल्प हर घर में लगाएंगे राष्ट्रीय ध्वज

संवाददाता। जालौन (उरई)

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में 75 वर्ष पूर्व होने पर स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के आवाहन पर नगर के प्रत्येक घर में राष्ट्रीय ध्वज को लगाएंगे इसके लिए भाजपा संगठन ने तैयारी शुरू कर सेक्टरवार बैठकों का सिलसिला शुरू कर दिया कल और आज में सभी 7 सेक्टरों की बैठक की गई जिसमें पूरे नगर में 5 हजार झंडे कार्यकर्ताओं के सहयोग से 13 से 15 अगस्त के बीच लगाए जाएंगे जिसके लिए 9 से 11 के बीच उन झंडा का वितरण बूथ अध्यक्ष, सेक्टर संयोजक व अन्य पदाधिकारी के सहयोग से प्रत्येक घरों में किया जायेगा। मुहल्ले के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के घर पदाधिकारी जाकर उनके घर के सबसे छोटे सदस्य के द्वारा झंडा फहराने का कार्य करेंगे

हर घर तिरंगा अभियान के बारे में रणनीति बनाते भाजपा नेता पायनियर

इसके पूर्व 10 अगस्त को तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन आप सभी नगरवासियों के सहयोग से किया जाएगा प्रभात फेरी रामधुन के माध्यम से भी मुहल्लों, गलियों में लोगों को इस ऐतिहासिक स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए कार्यकर्ता प्रेरित व अनुरोध करेंगे सेक्टर बैठकों में कार्यक्रम संयोजक पप्पू चौहान, सहसंयोजक धीरज बाथम, पूर्व सभासद सोनू चौहान, महामंत्री प्रदीप सक्सेना, कुंवर सिंह यादव, ईलू मेम्बर, ब्रजेन्द्र दुबे, पवन अग्रवाल, आलोक भदौरिया, संजय सेंगर, आनंद कुशवाहा, गोलू श्रीवस्तब सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रोजगार सेवक ने ग्राम प्रधान पर लगाया मारपीट का आरोप

● **कोतवाली पुलिस को दी तहरीर, पुलिस जांच में जुटी**

जालौन (उरई)। ग्राम पंचायत मलकपुरा के ग्राम रोजगार सेवक ने प्रधान पर मनरेगा योजना से संबंधित पत्रावलियों को छीनकर मारपीट का आरोप लगाया। जबकि प्रधान ने ग्राम रोजगार सेवक के आरोपों को बेबुनियाद बताया। ग्राम रोजगार सेवक ने मामले की तहरीर कोतवाली में दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र की ग्राम पंचायत मलकपुरा में तैनात रोजगार सेवक रामलला ने पुलिस को बताया कि बीती 3 जुलाई को खंड विकास कार्यालय में मीटिंग थी। मीटिंग के बाद वह ग्राम पंचायत मलकपुरा में मनरेगा के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों में वृक्षारोपण व जल रोक बांध के मस्टररोल लेकर प्रधान से हस्ताक्षर कराने के लिए पहुंचा तो उन्होंने घर आने के लिए कहा। शुक्रवार की सुबह करीब 8 बजे वह प्रधान के घर पहुंचा तो भी उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए। रोजगार सेवक का आरोप है कि प्रधान ने मनरेगा के तहत चल रहे कार्यों में फर्जी डिमांड लगाने के लिए कहा। जब उसने ऐसा करने से मना किया तो प्रधान ने मनरेगा योजना से संबंधित सभी पत्रावलियां छीन ली गई। उसके साथ गाली, गलौज व मारपीट की गई। वहीं, प्रधान अमित ने उक्त आरोपों को लेकर बताया कि ग्राम रोजगार सेवक विकास कार्यों पर ध्यान नहीं देते हैं। समय से कार्यों को पूरा नहीं करते हैं। समय से कार्य करने के लिए ही उन्होंने ग्राम रोजगार सेवक को कहा था। उनके द्वारा लगाए गए आरोप झूठे और बेबुनियाद हैं। उक्त संदर्भ में कोतवाल शैलेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। पुलिस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेगी।

चार गांजा कारोबारियों को दस-दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा

संवाददाता। चित्रकूट

93 किलो गांजा के साथ पकड़े गए गांजा कारोबारी और उसके तीन साथियों को एनडीपीएस एक्ट में दोषसिद्ध होने पर न्यायालय ने दस-दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक आरोपी को एक-एक लाख रुपये अर्थदंड से भी दंडित किया गया। सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गोपाल दास एवं सुशील सिंह ने बताया कि चार जुलाई 2014 को तत्कालीन रैपुरा थाना प्रभारी शशींद्र प्रकाश शुक्ल पुलिस टीम के साथ बोड़ी पोखरी चौराहे पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान कर्वी की ओर से आ रही एक कार को रोका गया किंतु चालक ने गाड़ी को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। कुछ दूर आगे बढ़ने पर पुलिस ने गाड़ी रुकवा ली। वाहन से चालक और दो लोग नीचे उतरे, जिसमें दो लोग कागज दिखाने के बहाने मौके पर खिसक गए और तीसरे व्यक्ति बांदा जिले के मर्दन नाका निवासी फहीम खां पुत्र मुन्नू को संदेह होने पर पुलिस ने पकड़ लिया। साथ ही गाड़ी में अलग-अलग पैकेटों में रखा 93 किलो गांजा भी बरामद कर लिया। फहीम ने बताया कि वाहन से उतरकर भागने वाले बांदा जिले के तिंदवारा गांव के निवासी शोभित सिंह पुत्र धनराज और राजेश कुमार गुप्ता पुत्र उमाशंकर हैं। पकड़ी गई गाड़ी बांदा के छोटी बड़ोखर गांव के निवासी दीपू दुबे पुत्र नन्हू लाल की है। पुलिस को फहीम ने बताया था कि वे सभी लोग मिलकर गांजा बेचते हैं। इससे मिला पैसा खर्च निकालने के बाद आपस में बांट लेते हैं। गाड़ी में रखे गांजे को लेकर वे लोग आजमगढ़ बेचने को जा रहे थे। फहीम की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने इस मामले में धारा 8/20 ख (ई) स्वापक औषधि एवं मनोत्तेजक पदार्थ अधिनियम 1985 एनडीपीएस एक्ट के तहत चारों आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध न्यायालय में की जा रही प्रभावी पैरवी के क्रम में पुलिस टीम ने समय से गवाहों को न्यायालय में पेश कराया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट अपर सत्र न्यायाधीश विनीत नारायण पांडेय ने शुक्रवार को निर्णय सुनाया, जिसमें एनडीपीएस एक्ट के तहत दोषसिद्ध होने पर चारों आरोपियों को दस-दस वर्ष सश्रम कारावास और एक-एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। न्यायालय के निर्णय के बाद चारों आरोपियों को सजा भुगतने के लिए जिला कारागार भेज दिया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर में लहरायेगा तिरंगा

कोंच (जालौन)। आजादी के पचहत्तर साल पूरे होने पर सारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश और प्रदेश की जनता से श्हर घर तिरंगेश् का आह्वान किया है। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय ध्वज फहराने के नियम कायदों में भी बदलाव कर इसे काफी सरल बनाया गया है ताकि आम लोग आसानी से तिरंगा फहरा सकें। उनके इस आह्वान पर आम लोगों में जबर्दस्त उत्साह देखने को तो मिल ही रहा है, इसको परवान चढ़ाने के लिए भाजपा के लोग भी प्राणपण से जुटे हैं जिसके चलते तिरंगे की डिमांड बेतहाशा बढ़ी है। लोग खादी भंडार और कस्बे की खादी की दुकानों पर लाइन लगाकर झंडे ले जा रहे हैं। लोगों को सहूलियत से झंडा मिल सके इसके लिए सरकार ने डाकघरों के मार्फत भी झंडों की बिक्री सुनिश्चित की है। कोंच डाकघर और उपडाकघर में डेढ़ वाई दो का झंडा उपलब्ध है। फिलहाल, अभी एक ही साइज के झंडे आए हैं जिनकी कीमत भी काफी कम यानी आम आदमी की पहुंच में रखी गई है। पोस्ट मास्टर हेमेंद्र सचान ने बताया कि रोजाना बिक्री के हिसाब से डिमांड लगाकर झंडे मंगा लिए जाते हैं। झंडों की कोई कमी नहीं है।

पान कुमारी ने 24 मतों से कस्तूरी को परास्त कर हथियायी प्रधानी

संवाददाता। कोंच (जालौन)

विकास खंड नदीगांव की कनासी ग्राम पंचायत में हुए प्रधान पद के उपचुनाव में शुक्रवार को खंड विकास कार्यालय में हुई मतगणना में पान कुमारी ने बड़ी जीत हासिल कर छोटी सरकार की बागडोर संभाल ली है। इस उपचुनाव में चार प्रत्याशी मैदान में थे जिसमें पान कुमारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कस्तूरी को 24 वोटों के अंतर से हराकर प्रधानी अपने नाम कर ली। इस जीत को विरोधी हजम नहीं कर पा रहे थे सो उन्होंने राजनैतिक रसूख का भी जमकर इस्तेमाल किया और कई बार रीकाउंटिंग भी कराई गई लेकिन पान कुमारी को हराने के उनके मंसूबे पूरे नहीं हो सके।

खंड विकास कार्यालय में शुक्रवार सुबह आठ बजे से मतगणना का काम भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुआ। अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित कनासी प्रधान पद के उपचुनाव में चार प्रत्याशी पान कुमारी, कस्तूरी देवी, माया देवी व सावित्री देवी चुनाव मैदान में थीं

पान कुमारी को जीत का प्रमाण पत्र देते अधिकारी पायनियर

जिसमें मुख्य मुकाबला पान कुमारी और कस्तूरी देवी के बीच ही था। आरओ सत्यम त्रिपाठी व एआरओ हरीदास यादव की देखरेख में शुरू हुई मतगणना में पान कुमारी को 498 वोट मिले जबकि कस्तूरी देवी को 474 वोट मिले, जबकि 17 वोट अवैध रहे। इस प्रकार पान कुमारी ने 24 वोटों के अंतर से कस्तूरी को हराकर प्रधानी अपने नाम कर ली। इस दौरान एसडीएम कृष्ण कुमार सिंह, सीओ शैलेंद्र कुमार वाजपेयी लगातार स्थिति पर नजर रखे रहे। इसके अलावा भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कोंच, कैलिया, नदीगांव और रेंढर थानों का पुलिस फोर्स मतगणना समाप्त होने और विजयी प्रत्याशी को जीत का प्रमाण पत्र मिलने तक ब्लॉक परिसर में तैनात बना रहा।

राष्ट्रीय आय एवं योगिता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा योजना से बदलेगा बच्चों का भविष्यःएडी बेसिक

उरई (जालौन)। एडी बसिक अरुण शुक्ला ने केंद्र सरकार की चल रही राष्ट्रीय आय एवं योगिता आधारित छात्रवृत्ति योजना के बारे में विस्तार से बताते हुये कहा कि यह योजना बच्चों का भविष्य बदलने में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने योजना के बारे में बताया कि इसमें जूनियर हाईस्कूल व अन्य सरकारी विद्यालय के कक्षा 8 में पढ़ने वाले बच्चे भाग ले सकते है। योजना में परीक्षा पास करके उत्तीर्ण होने वाले छात्रों व छात्राओं को 1 हजार रुपए प्रति माह की दर से 4 वर्षों तक दिया जायेगा। अगर वह सरकारी विद्यालय से 12 वीं की परीक्षा पास करते है यानि प्रति वर्ष 12 हजार रुपए जो कि कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई के लिये मिलेंगे 48 हजार रुपए दिये जायेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि योजना का फार्म वही बच्चे भर सकते है जिन्होंने कक्षा 7 को 55 फीसदी अंक सामान्य वर्ग व 45 फीसदी अंक अनुसूचित जाति व जन-जाति वर्ग के साथ पास किया हो व उनके पिता की आय 3.5 लाख से सालाना कम हो। इस सम्बंध में उन्होंने बताया कि इस योजना का सभी छात्र ज्यादा से ज्यादा लाभ लें व सभी बसिक शिक्षा अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है कि ज्यादा से ज्यादा आवेदन भेजे।

नगर मजिस्ट्रेट ने झांसी रोड से अवैध अतिक्रमण को कराया ध्वस्त

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी चाँदनी सिंह के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट कुंवर वीरेंद्र मौर्य के नेतृत्व में शुक्रवार महिला थाना झांसी रोड से लेकर राम राजा पैलेस तक सड़क के दोनों तरफ फुटपाथ पर अतिक्रमण के फैले मकड़जाल व सड़क किनारे अवैध कब्जों से राहगीरों को चलने में हो रही परेशानी को लेकर नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण अभियान चलाया गया। साथ ही सड़क के किनारे कब्जा करने वालों पर लगभग 70 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया साथ ही चेतावनी देते हुए कहा कि 2 दिन के अंदर सड़क के किनारे रखे मटेरियल को हटा ले। जिलाधिकारी चाँदनी सिंह ने निर्देशित किया है कि शहर में अतिक्रमणकारियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाए। ताकि शहर को साफ सुथरा व जाम मुक्त किया जा सके। आज जिसमें नगर पालिका टीम ने प्रशासन के साथ मिलकर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। बुलडोजर की मदद से दुकानों के अतिरिक्त बाहर निकली टीन शेड व फुटपाथ के कब्जों को हटाया गया। शुक्रवार की दोपहर नगर मजिस्ट्रेट वीरेंद्र मौर्य के नेतृत्व में शहर के झांसी चुंगी से लेकर झांसी रोड रामराजा पैलेस के आगे तक अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अभियान चलाया गया। नगर पालिका के बुलडोजर ने सरकारी नाले और फुटपाथ व सड़क किनारे जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण कराया। दोपहर से शुरू हुई ध्वस्तीकरण की यह कार्रवाई देर शाम तक चलती रही।

पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा चित्रकूट का मिनी खजुराहो : अभिषेक आनंद

● **पुरातत्व व पर्यटन अधिकारी के साथ डीएम ने किया मराठा कालीन 'गणेश बाग' का निरीक्षण**

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द के मिनी खजुराहो गणेश बाग के औचक निरीक्षण में पुरातत्व विभाग के एएसएई मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि गणेश बाग नाम से विख्यात इस प्रस्तर मन्दिर का निर्माण मराठा शासक विनायक राव ने 19वीं सताब्दी में करवाया था। विनायक राव पेशवा बाजीराव के वंशज थे। शुक्रवार को जिलाधिकारी के निरीक्षण में पुरातत्व विभाग के एएसएई मनोज कुमार वर्मा ने उन्हें बताया कि इस

गणेश बाग का निरीक्षण करते डीएम पायनियर

मन्दिर में एक लघु गर्भगृह तथा संयुक्त आयताकार मंडप बना है। वास्तु संरचना से सराहनीय है। सात मंजिला मनोरम जलाशय तथा एक सुन्दर बावली बनी है। बुन्देलखण्ड में चार स्थानों पर आजादी के 75वें अमृत महोत्सव में 15 अगस्त के दिन हर घर तिरंगा अवसर पर पुरातत्व विभाग गणेश बाग में विशाल कार्यक्रम करा रहा है। प्रतिदिन प्रकाश व्यवस्था व सुन्दरीकरण के कार्य हो रहे हैं।

जिलाधिकारी ने पुरातत्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि बाहरी पर्यटकों से आय बढाने को यहां टिकट सिस्टम शुरु करें। जो कार्य करना है उसकी सूची पर्यटन अधिकारी को दें। पर्यटन अधिकारी से कहा कि एक प्रस्ताव बनाकर दें। एएसडीएम से कहा कि राजस्व विभाग पुरातत्व विभाग की जमीन का सीमांकन कराकर बगल में पार्क बनवायें। नगर पालिका व पुरातत्व विभाग एक प्लान तैयार कर लें। पर्यटन अधिकारी से कहा कि टूटी बाउंड्रीवाल, बेंच, शौचालय, सोलर लाइट की व्यवस्था यहां करायें। निरीक्षण में एएसडीएम राजबहादुर, पर्यटन अधिकारी शक्ति सिंह, पुरातत्व विभाग के एएसआई नीरज मिश्रा, सीनियर सीए तारक सिंह आदि मौजूद रहे।

सिलौली गांव में पोषाहार न बांटने का आरोप, वीडियो वायरल

मौदहा (हमीरपुर)। आगनबाड़ी केन्द्र ग्राम सिलौली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।जिसमे आंगनबाड़ी कार्यकत्री पर पोषाहार न बाटने का आरोप लगाती एक महिला दिखाई दे रही है। आज ग्राम पंचायत सिलौली के आंगनवाड़ी केंद्र में हीराबाई आंगनवाड़ी कार्यकत्री के पर गांव की ही कुछ महिलाओं ने आरोप लगाते हुए कहा है कि जुलाई माह का पोषण आहार नहीं बांटा गया है।मौजूद ग्राम प्रधान ने पूरे मामले को शांत कराते हुए जल्दी ही पुष्टाहार वितरण की बात कही है। वही हीराबाई का कहना है। कि स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष पुष्पा देवी के द्वारा आंगनबाड़ी में वितरण होने वाला पुष्टाहार जुलाई माह का उपलब्ध ही नहीं कराया है।कुल मिलाकर पूरे वीडियो में आरोप प्रत्यारोप चलता रहा इसी सम्बन्ध में जब प्रभारी कार्यक्रम अधिकारी योगेंद्र सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि विगत कई वर्षों से मौदहा क्षेत्र में बाल विकास परियोजना विभाग में स्थाई अधिकारी के ना होने से अनियमितताएं काफी बढ़ गई हैं और अब समूहों की भागीदारी होने के बाद तो हद ही हो गई कि शासन के निर्देशानुसार आंगनवाड़ी बाल बिकास परियोजना में समूहों की भागीदारी सिर्फ इतनी की गई थी कि वह हमारे मुख्य कार्यालय से पोषाहार लेकर आंगनवाड़ी केंद्रों को उपलब्ध करा अपनी मौजूदगी में वितरण करवाएं जिसका पारिश्रमिक उन्हें शासन द्वारा निर्धारित मूल्यों में उपलब्ध कराया जाएगा परंतु समूह की महिलाएं विभाग से पोषाहार प्राप्त कर अपने घरों में रख लेती हैं और समय पर वितरण नहीं करवाती जिससे ग्रामीणों के बीच तमाम तरह की भ्रांतियां जन्म ले लेती हैं।

तिरंगा शौर्य,शांति व समृद्धि का प्रतीकः डा. योगेश ज्ञानी

● **जीआईसी के छात्रों द्वारा निकाली गयी तिरंगा रैली**

संवाददाता। हमीरपुर

आजादी का अमृत महोत्वस के अन्तर्गत आज स्थानीय राजकीय इंटर कालेज(जीआईसी) के छात्रो ने एक भव्य रैली निकाली,रैली को हरी झंडी कालेज के प्राधानाचार्य डा. योगेश ज्ञानी ने दिखायी और उन्होने झंडा गीत व राष्ट्रीय झंडे के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने कहा कि केशरिया रंग शौर्य,सफेद रंग शांति व हरा रंग समृद्धि का प्रतीक है। छात्रों को झंडा फहराने के बारे में बताया गया। छात्रो ने प्रधानाचार्य की अगुवाई में रैली में भाग लेकर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। रैली में झंडा गीत को ओजस्वी रुप में बोलने के लिये छात्र अहम कुमार आगे आये। शिक्षक बाबूराम कनौजिया ने छात्रों को रैली में अनुशासित रुप से

रैली की अगुवाई कर रहे प्रधानाचार्य डा. योगेश ज्ञानी व छात्र पायनियर

चलने के लिये प्रेरित किया। स्टूडेंट पुलिस कैडेट प्रभारी राजाराम ने 11 अगस्त से 17 अगस्त तक झंडे को फहराने और उतारने के संबंध में छात्रों को बताया। रैली अस्पताल रोड विद्या मंदिर रोड सुभाष बाजार अकिल तिराहा से किंग रोड होते हुये कालेज में समापन हुआ। रैली में शिक्षक राजेंद्र कुमार,बृजनन्दन सिंह यादव,रामकरण सिंह,जितेंद्र सिंह,राजाराम,बाबूराम, सौरभ का सहयोग रहा। कार्यक्रम में छात्र धीरेंद्र,शैलेंद्र,अहम,निखिल वर्मा,सुमित,धर्मेंद का विशेष सहयोग रहा। बाद में छात्रो को स्वल्पाहार वितरित किया गया। प्रवक्ता राजेंद्र कुमार ने छात्रों को धन्यवाद दिया।

जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास

मौदहा (हमीरपुर)। अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित दो लोग गंभीर घर में रखा जहरीला पदार्थ पीने से महिला की हालत गंभीर हो गई,अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोहित क्षेत्र के रीवन गाँव निवासी आज तड़के घर से किसी काम के लिए निकला था गहबरा चौकी के पास पहुंचते ही किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे गंभीर रूप से घायल हो सड़क पर गिर गया वही राहगीरों की मदद से मौदहा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराए गया हालत में चिंताजनक होते देख डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल हमीरपुर के लिए रेफर कर दिया वहीं दूसरी घटना में क्षेत्र के मुटनी गांव निवासी संगीता पत्नी माखनलाल गृह कलह से तंग आकर परिजनों के सो जाने पर मध्य रात्रि के समय घर में रखा जहरीला पदार्थ पी लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी यह देख परिजनों के होश उड़ गए और आनन-फानन में मौदहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर होते देख डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल हमीरपुर के लिए रेफर कर दिया।

शहरी क्षेत्र में गौवंशों की दुर्दशा के लिये निकाय के ईओ व कर्मी पूरी तरह दोषीः एडी

● **छह किलोमीटर पैदल चल कर देखी गौवंश की दुर्दशा**

विनोद शुक्ला। हमीरपुर

हमीरपुर जिले में गौशालाओं की दुर्दशा देखने के लिये आज पशु चिकित्सा विभाग के अपर निदेशक (गौधन) ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के गौशालाओं का निरीक्षण करने के बाद बताया कि शहरी क्षेत्र में गौबंश की हालत बहुत ही खराब है,सड़को में अन्ना पशुओ के घूमने के लिये दुर्घटनाएं हो रही है। इसके लिये स्थानीय निकाय के ईओ व अन्य कर्मचारी पूरी तरह दोषी है। अपर निदेशक(गौबंश) अरविंद कुमार सिंह ने निरीक्षण के बाद बताया कि जिले में भारी मात्रा में सड़को में घूम रहे अन्ना पशुओं के कारण सड़क दुर्घटना में न केवल जन हानि हो रही है बल्कि समूहो में सड़को में बैठे गौवंशों के वाहनों की टककर से चीथड़े उड़ जाते है। यह क्रम कई सालो से चल रहा है हालाकि इसके लिये जिला प्रशासन ने कई मर्तबा पशु चिकित्साविभाग व बीडीओ ग्राम प्रधानों को हिदायत भी दी है मगर शहर में आज भी झुंड के झुंड सड़को में बैठे मिलते है। आज सुमेरपुर के ग्रामीण क्षेत्र में छह किलोमीटर पैदल चलकर गायों के चरने व ठहरने के स्थान को देखा और कान्हा गौ सेवाश्रम का निरीक्षण किया। इस मौके पर एडी ने कहा कि जो गौबंश सड़को पर घूम रहा है उनको गौशालाओं में बंद किया जाये,उन्होने दूरभाष पर बताया कि गौबंशों के चरने की व्यवस्था पर कहा कि इन दिनों गौबंश को चराने के लिये जो चरवाहे लगाये गये है वे किसी किसान के खेत में जाकर फसलो को चराते है इसलिये चरवाहो से कहा गया है कि गौबंशों को गौआश्रयों में ही भोजन दे। जिले का भ्रमण करने के बाद एडी श्री सिंह डीएम से मिलकर कहा कि शहरी क्षेत्र में गौबंशो की हालत बहुत ही खराब है इसमे सुधार की आवश्यकता है। ग्रामीणों ने बताया कि गौशालाओं में गायो की हालत बहुत ही खराब है,गायों को भरपेट भोजन नही दिया जाता है। जिससे पिछले दिनों कई गायों की मृत्यु भी हो चुकी है। एडी ने बताया कि शासन से मांग के अनुसार बजट दिया जाता है ताकि गौबंशों को संरक्षित किया जा सके। गौशालाओं में गायों को हर हाल में रखना जरुरी है।

आदेश न मानने पर डीएम ने सीवीओ समेत चारों डिप्टी सीवीओ का रोका वेतन

हमीरपुर। डीएम के आदेश के बाद भी गौबंशों को गौशालाओं में संरक्षित न करने पर डीएम ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी(सीवीओ) समेत चारों उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (डिप्टी सीवीओ) का बेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रमेश चंद्र ने बताया कि जिले भर में सड़को में अन्ना पशु भ्रमण करते रहते है इसके लिये जिलाधिकारी डा.चंद्रभूषण कई मर्तवा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा देवेंद्र यादव व हमीरपुर,मौदहा,राठ,सरीला तहसील के डिप्टी सीवीओ को गौबंशों को गौशालाओं में संरक्षित करने के आदेश दिये थे मगर इन अफसरो ने कोई ध्यान नही दिया लिहाजा कल देर शाम सभी पशु चिकित्साधिकारियों का अग्रिम आदेश तक बेतन रोक दिया गया है डीएम ने कहा है कि एक सप्ताह बाद इस मामले की फिर समीक्षा की जायेगी यदि कार्य मे सुधार पाया गया तभी बेतन निकालने पर विचार किया जायेगा। जिलाधिकारी की इस कार्यवाही पर हड़कंप मचा है।

सीवीओ के दफ्तर में न बैठने से ग्रामीणों की समस्याएं अनसुलझी

हमीरपुर। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी(सीवीओ) डा.देवेंद्र यादव अपने दफ्तर में न बैठकर अन्य स्टाफके साथ बैठकर समय काटते है,दूर दराज से आने वाले ग्रामीण सीवीओ दफ्तर में झाक कर वापस लौट जाते है। ग्रामीणों का कहना है कि गांवों में अक्सर पशुओं में बीमारी फैलती रहती है डाक्टरों के न आने से गावों में पशुधन की हानि होती है मगर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी के दफ्तर में न वैठने के कारण समस्या का कोई निदान नही होता है। इस मामले में उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। मगर कोई सुनने वाला नही है।